



एक कदम स्वच्छता की ओर

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

नैक 'ए' ग्रेड मान्यता प्राप्त

वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25



वार्षिक प्रतिवेदन

2024-2025



हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

(नैक 'ए' ग्रेड प्रत्यायित विश्वविद्यालय)

महेंद्रगढ़, हरियाणा-123031

विश्वविद्यालय के अधिकारी

प्रो. (डॉ.) टंकेश्वर कुमार	कुलपति
प्रो. (डॉ.) पवन कुमार शर्मा	सम कुलपति
प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार	कुलसचिव
डॉ. विकास कुमार	वित्त अधिकारी
डॉ. संतोष सी. हुलागबली	पुस्तकालयाध्यक्ष
डॉ. राजीव कौशिक	परीक्षा नियंत्रक

संपादकीय और प्रकाशन समिति

संयोजक

डॉ. मनीष कुमार	भूगोल विभाग
----------------	-------------

सदस्य

डॉ. युद्धवीर	समाजशास्त्र विभाग
डॉ. अभिरंजन कुमार	इतिहास एवं पुरातत्व विभाग
डॉ. रश्मि तंवर	अर्थशास्त्र विभाग
डॉ. कुलभूषण मिश्रा	इतिहास एवं पुरातत्व विभाग
डॉ. मनीषा पांडेय	भेषज विज्ञान विभाग
डॉ. संदीप बूरा	मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग
डॉ. अलेखा सचिदानंद नायक	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
श्री शैलेन्द्र सिंह	जनसंपर्क अधिकारी
श्री राजेश कुमार	अनुभाग अधिकारी
श्री अजीत	हिंदी अनुवादक

विषय-सूची

क्र. स.	विषय	पृष्ठ सं.
1	कुलगीत	v
2	कुलपति की कलम से	vi
3	कुलपति का प्रमुख शैक्षणिक एवं शोध योगदान	x
4	विश्वविद्यालय प्रतीक चिह्न	xiv
5	विश्वविद्यालय के बारे में	xv
6	विश्वविद्यालय की विशेषताएँ	xviii
7	विश्वविद्यालय की सर्वोत्तम प्रथाएँ	xxix
8	विश्वविद्यालय सभा (कोर्ट)	xxxiii
9	कार्य परिषद	xl
10	शैक्षणिक परिषद्	xliii
11	वित्त समिति	xlix
12	विश्वविद्यालय के विभाग तथा शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्र नामांकन	1
13	छात्रों की उपलब्धियाँ	7
14	शुल्क संरचना	9
15	विश्वविद्यालय शिक्षण संकाय	15
16	प्रकाशित शोध पत्र (2024-25)	39
17	बाह्य वित्तपोषित परियोजनाएँ	122
18	वर्ष 2024-25 के दौरान प्रमुख शोध पहल	127
18	विभिन्न संस्थानों/ विश्वविद्यालय/कंपनियों के साथ हस्ताक्षरित समझौता	165

	ज्ञापन	
19	पेटेंट	166
20	संकाय सदस्यों को प्राप्त महत्वपूर्ण पुरस्कार एवं सम्मान	173
21	विश्वविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रम	174
22	विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली	179
23	विश्वविद्यालय छात्रावास	184
24	विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र	185
25	विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित मुख्य कार्यक्रम	191
26	विश्वविद्यालय में आयोजित विस्तार/एक्सटेंशन व्याख्यान	198
27	विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूक पाठ्यक्रम	205
28	विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकोष्ठ/क्लब/सोसाइटी द्वारा आयोजित क्रियाकलाप	206
29	विश्वविद्यालय के प्रकोष्ठ/क्लब/सोसायटी	209
30	विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों/प्रकोष्ठों/क्लबों/सोसायटी द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम/ संकाय विकास कार्यक्रम/ पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिविन्यास कार्यक्रम	211
31	विश्वविद्यालय में रिक्त पद	214
32	2024-25 के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की कुछ झलकियाँ	215

कुलगीत

विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ।

न चौरहार्यं न च राजहार्यं, न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ॥

शिक्षा-दीक्षा की परंपरा से, राष्ट्र का हुआ सदा उत्थान ।
कौशल और नव-सृजन से, सजा हुआ गौरव अभियान ॥

ज्ञान-विज्ञान की शक्ति से हम, नव-मंडल में हुए स्थापित ।
सीखा है इतिहास से हमने, नव-तकनीकों में हुए समाहित ॥

संस्कारों की शक्ति को जब, लिया है युवा ने पहचान ।
हम सब बनें राष्ट्र के रक्षक, आओ करें नव-भारत निर्माण ॥

कला-योग-विज्ञान-विधि का, विश्वविद्यालय देता ज्ञान ।
तन-मन और जीवन-शुचिता का, देता है यह शुभ वरदान ॥

जन्म लेकर जिस धरा पर, शौर्य करता शीश बलिदान ।
अपनी मेहनत से माटी को, सोना कर दे जहाँ किसान ॥

हर की धरा हरियाणा पर, स्थापित अपना कुल महान् ।
शिक्षा और स्वावलंबन, आओ ऐसे कुल को करें प्रणाम ॥

○○○○○



प्रो. (डॉ.) टंकेश्वर कुमार

कुलपति

कुलपति की कलम से

वार्षिक प्रतिवेदन 2024-2025 प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार गर्व एवं प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। इस वर्ष के दौरान हमने अपने आदर्श वाक्य “विद्या ददाति विनयम्” (अर्थात् ज्ञान से विनम्रता आती है) के उदाहरण को साकार किया है। जब हम इस परिवर्तनकारी समय के दौरान उठाए गए कदमों के बारे विचार करते हैं, तो यह परीक्षित होता है कि शिक्षण, शोध एवं समाजिक पहुंच में उत्कृष्टता के प्रति हमारे एकजुट प्रयासों ने संस्थान की प्रतिष्ठा को बरकरार रखते हुए नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। परिवर्तनशील शैक्षणिक वातावरण में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के सिद्धांतों से प्रेरित होकर, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़, बहुविषयक अधिगम एवं नवाचार की एक मिसाल के तौर पर उभरकर युवाओं के समग्र विकास को बढ़ावा दे रहा है।

इस वित्त वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धियां शैक्षणिक सुदृढ़ता एवं संस्था के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। एनईपी क्रियान्वयन हेतु हमारा ध्यान महत्वपूर्ण स्तर पर है, जिसमें अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में अनुकूल पाठ्यचर्या, बहुविषयक कार्यक्रम एवं कौशल आधारित ऐच्छिक विषयों को समाहित किया गया है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान 1850 से अधिक विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया, फलस्वरूप कम प्रतिनिधि वर्ग जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग समुदायों के प्रवेश से विश्वविद्यालय के विविधता अनुपात/कोशेट में बढ़ोतरी हुई है।

शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में, हकेवि संकाय एवं शोधार्थियों ने 640 से अधिक सहकर्मी-समीक्षित प्रकाशन प्रस्तुत किए, यूजीसी, डीएसटी, आईसीएसएसआर जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों से ₹11.00 करोड़ से अधिक अनुदान प्राप्त किया तथा फरवरी 2025 में एडवांसेज इन मैटेरियल्स एंड इंटरडिसिप्लिनरी साइंसेज (एआईएमएस-2025) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। ट्रांसलेशनल रिसर्च पर प्रयासों से व्यवहारिक परिणाम प्राप्त हुए, जिसमें स्थानीय गांवों में प्रयोग योग्य कम खर्चीली जल शुद्धिकरण तकनीकी का विकास शामिल है फलस्वरूप एक सामाजिक जागरूक विश्वविद्यालय तौर पर हमारी भूमिका सुदृढ़ हुई है।

शैक्षणिक कार्य एवं शोध में सहकार्यता में सहयोग हेतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ 6 समझौता ज्ञापन किए हैं। इन सहभागिताओं से संयुक्त शोध, विद्यार्थी विनियम एवं रोजगार के अवसर मिले हैं। वैश्विक शैक्षणिक प्रतिभागिता तथा शिक्षण एवं अधिगम में नवाचार को बढ़ाने हेतु विश्वविद्यालय ने शिक्षा मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की प्रमुख पहलों ज्ञान एवं मूक में सक्रियता से भाग लिया है।

संतुलित बजट के साथ विश्वविद्यालय ने वित्तीय रूप से स्थिरता एवं वृद्धि दर्शित कर संसाधन संग्रहन में संतोषजनक प्रगति की है। इस दौरान पर्याप्त अनुदान एवं सहभागिता प्राप्त हुई जिससे शैक्षणिक एवं संरचनात्मक विकास हेतु ठोस समर्थन प्राप्त हुआ।

रैंकिंग एवं उपलब्धियां हमारी इस यात्रा का सत्यापन करती है। अक्टूबर 2024 में, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को इमर्जिंग यूनिवर्सिटी ऑफ़ द ईयर कैटेगरी में प्रतिष्ठित फिक्की हायर एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, जो कि शिक्षणशास्त्र में हकेवि के नवाचार सुधारों का घोटक है। मार्च 2025 तक, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान एवं ईडब्ल्यू इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग 2024-25 की टॉप परफॉर्मिंग यूनिवर्सिटीज़ श्रेणी के अंतर्गत देश भर में 8वां स्थान प्राप्त किया तथा बहुविषयक श्रेणी में प्राप्त 29वां स्थान अब तक का हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि नैक 'ए' एक्क्रेडिटेशन एवं टाइम्स हायर एजुकेशन की वर्ल्ड रैंकिंग बैंड 1001-1200 में विश्वविद्यालय की मौजूदगी पर आधारित हैं, जो भारत की अग्रणी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में हकेवि की स्थिति को सुदृढ़ करते हैं।

अवसंरचना विकास भी बेहतर अधिगम वातावरण में सहायक है। जुलाई 2024 में कल्पना चावला गर्ल्स छात्रावास का चरण II पूर्ण होने पर अतिरिक्त बेड शामिल किए गए फलस्वरूप जेंडर इक्विटी एवं आवासीय सुविधाओं में वृद्धि हुई है। हमारा हरित परिसर सोलर-पावर्ड स्मार्ट क्लासरूम एवं उन्नत भूकंप निगरानी प्रणाली से लैस हरित परिसर स्थायी एवं सतत कार्य प्रथा का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

नवाचार एवं उद्भवन केंद्र/सेंटर ऑफ़ इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की स्थापना से विभिन्न छात्र स्टार्टअप्स को सहायता मिली है। यह उद्यमशीलता को बढ़ाने तथा आत्मनिर्भर भारत योजना के समन्वय का प्रतीक है। पोषक माह/न्यूट्रिशन मंथ 2025 जैसे आयोजनों से पाठ्येतर उत्साह दर्शित हुआ जिसके अंतर्गत प्रतिभागियों को स्वास्थ्य-जागरूकता कार्यशालाओं एवं प्लैसमेंट अभियान में शामिल किया फलस्वरूप मुख्य भर्तीकर्ता कंपनी टीसीएस, इंफोसिस एवं एचडीएफसी बैंक के आकर्षक पैकेज प्रस्तावों से बेहतरीन प्लैसमेंट दर रही।

वर्तमान में दो मुख्य अवसंरचना परियोजनाएं नामतः केंद्रीय पुस्तकालय एवं 1200 लोगों के बैठने की क्षमता का एक सभागार (ऑडिटोरियम) निर्माणाधीन हैं।

केंद्रीय पुस्तकालय: ₹30.57 करोड़ अनुमानित लागत से केंद्रीय पुस्तकालय निर्माणाधीन है। यह परियोजना केद्रीय लोक निर्माण विभाग को सौंपी गयी है एवं 50% से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है। निर्माण उपरांत केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय के मूल्यवान शैक्षणिक संसाधन के तौर पर संचालित होगा जिससे शोधार्थी एवं संकाय सदस्य लाभान्वित होंगे।

सभागार: ₹35.52 करोड़ की अनुमानित लागत से 1200 लोगों के बैठने की क्षमता का एक सभागार निर्माणाधीन है। यह परियोजना केद्रीय लोक निर्माण विभाग को सौंपी गयी है एवं 50% से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है। निर्माण उपरांत यह अत्याधुनिक सुविधा विश्वविद्यालय में बड़े पैमाने पर आयोजन एवं कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं।

वर्ष 2024-25 की उपलब्धियों को याद करते हुए, मैं विश्वविद्यालय के समर्पित संकाय सदस्य, शिक्षणेत्तर स्टाफ, शोधार्थी एवं छात्रगण को उनकी अटूट प्रतिबद्धता एवं योगदान हेतु हार्दिक धन्यवाद

देता हूँ। हम सब एकजुट होकर, ऐसे उर्जावान विश्वविद्यालय का निर्माण कर रहे हैं जो उत्कृष्टता, समानता/इक्विटी एवं सेवाभाव के मूल्यों को दर्शित करता है।

आगे बढ़ते हुए, हम विश्वविद्यालय के आदर्श वाक्य - “ सा विद्या या विमुक्तये ” -“विद्या वही है, जो बंधन से मुक्त करे” के प्रति अपने समर्पण को पुनः दोहराते हैं। इसी लक्ष्य से मार्गदर्शित होकर, हकेवि शैक्षणिक विशिष्टता, नवाचार शोध एवं समाज प्रभाव हेतु सतत प्रयासरत हैं।

जय हिंद

(प्रो. (डॉ.) टंकेश्वर कुमार)

कुलपति का प्रमुख शैक्षणिक एवं शोध योगदान

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 की अवधि हेतु माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) टंकेशवर कुमार की प्रमुख बड़ी उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

प्रकाशन:

- सिंह आर.; जमदग्नि पी.; कुमार ए.; टंकेशवर के.; पांडे आर. एडवांस इन कम्प्यूटेशनल डिजाइन ऑफ वैन डेर वाल्स हेटरोस्ट्रक्चर फॉर फोटोकैटेलिटिक वॉटर स्प्लिटिंग , रिव्यू जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री ए, वॉल्यूम 13, वर्ष 2025, पृष्ठ 27855-27906 DOI:10.1039/d5ta02722e
- जमदग्नि पी. कुमार ए. श्रीवास्तव एस.; पांडे आर.; टंकेशवर के., जेनस PtSSe -बेस्ड वैन डेर वाल्स हेट्रोस्ट्रक्चर्स फॉर डायरेक्ट Z-स्कीम फोटोकैटेलिटिक वॉटर स्प्लिटिंग आर्टिकल इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी, वॉल्यूम 66, वर्ष 2024, पृष्ठ 268-277 DOI:10.1016/j.ijhydene.2024.04.118
- वर्मा एन.; जमदग्नि पी. कुमार ए.; श्रीवास्तव एस.; टंकेशवर के., रिसेंट एडवांस इन 2D एनोड मटीरियल फॉर Na-आयन बैटरीज फ्रॉम थ्योरेटिकल प्रस्पेक्टिव, रिव्यू क्रिटिकल रिव्यूज़ इन सॉलिड स्टेट एंड मटीरियल्स साइंसेज, वॉल्यूम 49, वर्ष 2024, पृष्ठ 931-972, DOI:10.1080/10408436.2023.2273465
- नेहरा एम.; दिलबागी एन. कुमार आर.; श्रीवास्तव एस.; टंकेशवर के.; किम केएच; कुमार एस., रिव्यू क्रिटिकल रिव्यूज़ इन एनवायरनमेंटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम 54, वर्ष 2024, पृष्ठ 185-209, DOI:10.1080/10643389.2023.2224614
- पूजा जमदग्नि , अशोक कुमार, सुनीता श्रीवास्तव, रवींद्र पांडे और टंकेशवर कुमार (2024), जेनस PtSSe- बेस्ड वैन डेर वाल्स हेटरोस्ट्रक्चर फॉर डायरेक्ट Z-स्कीम फोटोकैटेलिटिक वॉटर स्प्लिटिंग, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी, 66, 268-277.

शैक्षणिक/व्यवसायिक निकाय/अन्य की सदस्यता:

- कार्य परिषद, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी, हरियाणा में राज्यपाल/ कुलाधिपति द्वारा नामित (2024-2026)
- शैक्षणिक योजना बोर्ड ,कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा में राज्यपाल/ कुलाधिपति द्वारा नामित (2023-2025)
- शैक्षणिक योजना बोर्ड ,महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा में राज्यपाल कुलाधिपति द्वारा नामित (2024-2027)
- शैक्षणिक योजना बोर्ड ,गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा में राज्यपाल कुलाधिपति द्वारा नामित (2023-2025)
- योजना बोर्ड ,श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, दुधोला, पलवल, हरियाणा में राज्यपाल कुलाधिपति द्वारा नामित (2024-2026)
- विश्वविद्यालय कोर्ट, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी, हरियाणा में राज्यपाल कुलाधिपति द्वारा नामित (2022-2025)
- सदस्य, योजना बोर्ड, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा (2024-2026)
- सदस्य, कार्य परिषद, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, दुधोला, पलवल, हरियाणा (2023-2026)
- वित्त समिति की कार्य परिषद के सदस्य ,पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा (2023-2025)
- एल.एस.सी. कांग्रेस, आई.पी.ए., आई.ए.पी.टी., पी.ए.एस.सी. के आजीवन सदस्य
- सदस्य, भारतीय भाषा संवर्धन समिति (डोगरी) यूजीसी द्वारा नामित

पुरस्कार/सम्मान:

- कॉलेजदुनिया टीम द्वारा वर्ष 2024 के लिए उत्कृष्ट नेतृत्व पुरस्कार

- इंडिया डिडैक्टिक्स एसोसिएशन द्वारा परिवर्तनकारी प्रभाव के लिए जूरी पुरस्कार – 2024
- एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड – 2024 (वर्ल्ड एजुकेशन कांग्रेस अवार्ड्स)
- आईटीएसआर फाउंडेशन अवार्ड 2024, इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एंड साइंटिफिक रिसर्च द्वारा प्रदत्त।

संकाय की भर्ती एवं सीएस पदोन्नति (2024-25):

➤ शिक्षण:

- 14 शिक्षकों की नियमित नियुक्ति की गई।
- सीएस के तहत 43 शिक्षकों को प्रोन्नत किया गया।

➤ शिक्षणेत्तर:

- नियमित/प्रतिनियुक्ति पर 26 शिक्षणेत्तर अधिकारियों/कर्मचारियों की नियुक्ति (एक आमेलन सहित)।
- 4 शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया।

अन्य:

- अक्टूबर, 2024 में, विश्वविद्यालय को प्रतिष्ठित फिक्की अवार्ड यूनिवर्सिटी ऑफ़ द ईयर – इमर्जिंग से सम्मानित।
- एनईपी-2020 का चरणबद्ध कार्यान्वयन।
- दूरस्थ एवं ऑनलाईन शिक्षा केंद्र की शुरुआत।
- 6 समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए गए, जो हैं, नाखोन रत्चासिमा राजभट यूनिवर्सिटी, थाईलैंड (10.09.2024); ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन (26.09.2024); टेलीकम्युनिकेशन्स कंसल्टेंट्स

इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली; हरियाणा नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पंचकूला; इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पैकेजिंग, दिल्ली इत्यादि।

- विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं हेतु हेफा से 273.47 करोड़ रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई।
- महेंद्रगढ़ में जिम का उद्घाटन।
- कैपस में सिंथेटिक ट्रैक, केंद्रीय पुस्तकालय एवं 1200 लोगों की क्षमता का सभागार निर्माणाधीन है।
- सभी महिला एवं पुरुष छात्रावासों में जिम एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध है।

विश्वविद्यालय प्रतीक चिह्न



विश्वविद्यालय के प्रतीक चिह्न का सृजन चिंतनपूर्ण किया गया है। प्रतीक चिह्न के केंद्र में मानव-शृंखला से घिरा हुआ ग्लोब और उसके ऊपर उड़ता हुआ कबूतर अभिव्यक्त करता है कि तीनों वृत्तखंडों की त्रिवेणी द्वारा जो प्रतिबद्धताएँ व्यक्त की गई हैं, उनके द्वारा विश्व में स्वतंत्रता, शांति, समृद्धि और एकता का विकास होगा, जो शिक्षा का मूल उद्देश्य भी है।

प्रतीक चिह्न तीन वृत्तखंडों की त्रिवेणी से बना है, नीचे वाले वृत्तखंड में एक खुली हुई पुस्तक है जो ज्ञान, विद्वत्ता और विवेक की प्राप्ति की ललक का प्रतीक है, एक वीणा अंकित है, जो इस बात का प्रतीक है कि विश्वविद्यालय कला एवं संस्कृति का प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दायीं ओर के वृत्तखंड में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं साहस के प्रतीक अंकित हैं जिससे प्रदर्शित होता है कि विश्वविद्यालय वैज्ञानिक एवं अन्वेषी दृष्टिकोण विकसित करने, सृजन एवं नवोन्मेष की संस्कृति का सूत्रपात करने के लिए कृतसंकल्प है।

बायीं ओर के वृत्तखंड में प्रकृति का चित्रण है जिससे प्रतिपादित होता है कि विश्वविद्यालय जीवन-मूल्यों से ओत-प्रोत शिक्षा, सदाचार युक्त जीवन, प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति आदर एवं सौहार्द की भावना विकसित करेगा।

इसके नीचे भर्तृहरि द्वारा रचित 'नीतिशतकम्' से लिया गया श्लोक 'विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्' उद्धृत है। जिसका अर्थ है कि 'शिक्षा' रूपी धन ही सर्वोत्तम धन है। यह विश्वविद्यालय के मौलिक दर्शन 'शिक्षा सभी भौतिक लक्ष्यों से श्रेष्ठ है' को दर्शाता है।

विश्वविद्यालय के बारे में

विश्वविद्यालय

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित 15 विश्वविद्यालयों में एक है। इसकी स्थापना संसद के केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत XI पंचवर्षीय योजना (2007-2012) में की गई है।

अगस्त 2023 में संपन्न नैक मूल्यांकन एवं प्रत्यायन के द्वितीय चक्र में विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय NIRF रैंकिंग के सर्वश्रेष्ठ 150-200 विश्वविद्यालयों में सूची में शामिल है। विश्वविद्यालय पूर्णतः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित है। विश्वविद्यालय का स्थायी परिसर हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के जांट-पाली गांवों में 484 एकड़ ज़मीन पर स्थित है यही से हकेवि द्वारा शैक्षणिक कार्यों का संचालन किया जाता है।

विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष

भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी

कुलाधिपति

रिक्त

कुलपति

प्रो. (डॉ.) टंकेशवर कुमार

सम-कुलपति

प्रो. (डॉ.) पवन कुमार शर्मा

कुलसचिव

प्रो. सुनील कुमार

लक्ष्य

नवप्रवर्तन, रचनात्मक प्रयासों तथा विद्वतापूर्ण अन्वेषणों को प्रोत्साहित करके सभी को ज्ञानी समाज का प्रबुद्ध नागरिक बनाना ताकि व्यक्ति, राष्ट्र और सम्पूर्ण विश्व शान्ति समृद्धि को प्राप्त कर सके।

ध्येय

विश्वविद्यालय का ध्येय है भारत के नागरिकों के समग्र विकास एवं पूर्ण आत्मनिर्भरता के लिए बहु-विषयक शिक्षा के माध्यम से ज्ञानी-समाज का निर्माण, उज्ज्वल-चरित्र निर्माण एवं मूल्य-आधारित पारदर्शी कार्य संहिता का प्रोत्साहन तथा रचनात्मक एवं आलोचनात्मक विचारों को प्रोत्साहन में प्रकाश पुंज का काम करना। विश्वविद्यालय इस उद्देश्य का शैक्षिक क्षेत्र में उत्कृष्टता, विशेष तथा प्रयुक्त शिक्षण में अनुसंधान व नवाचार, सामाजिक अन्वेषण, लोकतांत्रिक नीति और समावेशी सामाजिक-आर्थिक विकास, सामुदायिक आउटरीच अभियान, वैज्ञानिक प्रयास एवं तकनीकी प्रगति द्वारा प्राप्त करना चाहता है।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य :-

विश्वविद्यालय के उद्देश्य हैं:

- विद्याओं के प्रसार एवं उन्नति के लिए आवश्यकतानुसार शिक्षण एवं अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना।
- मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे शैक्षिक पाठ्यक्रमों में समेकित पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए विशेष प्रावधान करना।
- अध्ययन-अध्यापन, अंतर्विषयी अध्ययन तथा अनुसंधान नवाचारों को प्रोत्साहित करने हेतु उचित व्यवस्था करना।
- देश के विकास के लिए मानव संसाधन को शिक्षित व प्रशिक्षित करना।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक संस्थानों के साथ संबंध स्थापित करना तथा

- लोगों के बौद्धिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक उत्थान के माध्यम से उनकी सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में सुधार और लोक-कल्याण पर विशेष ध्यान देना।

गुणवत्ता संकल्प

सर्वोत्तम शिक्षा, सही दिशा में अनुसंधान तथा अन्य प्रसांगिक पहलुओं के द्वारा समाज का सर्वांगीण विकास तथा गंभीरता, दृढ़-संकल्प, अन्वेषण, सदाचार, ईमानदारी, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, एवं सतत आत्म-मूल्यांकन और आत्म-सुधार के द्वारा स्वस्थ समाज की नींव डालना।

विश्वविद्यालय की विशेषताएँ

पाठ्यक्रम निर्माण एवं वितरण

यूजीसी/एनईपी के दिशानिर्देश पाठ्यचर्या को प्रत्येक वर्ष अपडेट किया जाता है। जिसे उद्योग जगत से विशेषज्ञ एवं अध्ययन मंडल (बीओएस) एवं शैक्षणिक परिषद् जैसी सांविधिक निकाय पुनरीक्षण करती है। मुख्य तत्व:

I बहुविषयक एवं समग्र शिक्षा का लक्ष्य:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के अनुसार, हकेवि ने अंतर विषयक, बहुविषयक एवं कौशल आधारित अधिगम को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी रूपरेखा शुरू किया है। प्रत्येक विभाग विभिन्न जेनेरिक एवं ओपन इलेक्टिव कोर्स संचालित करता है, जिससे छात्रों को अपने मुख्य विषय के साथ अन्य विषय भी पढ़ने का मौका मिलता है। वैल्यू एजुकेशन, योग, इंडियन नॉलेज सिस्टम, इंडियन क्लासिकल लिटरेचर एवं भारत का गौरवमीय अतीत जैसे कोर्स नैतिक मूल्यों एवं सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए हैं। विश्वविद्यालय का ध्यान अधिगम परिणाम विकसित करने पर है, जिसमें शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ रचनात्मकता, नवाचार एवं आलोचनात्मक चिंतन का समागम है।

II रोजगार, उद्यमिता एवं कौशल-आधारित शिक्षा:

शिक्षण एवं उद्योग के मध्य अंतर को कम करने के लिए, हकेवि द्वारा प्रत्येक शैक्षणिक कार्यक्रम में कौशल आधारित और मूल्य संवर्धित पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया है। रोजगार क्षमता एवं व्यावहारिक अनुभव में वृद्धि हेतु छात्रों पाठ्यचर्या रूपरेखा के अनुरूप उद्योग अथवा अनुसंधान संस्थानों में इंर्नशिप पूरी करनी होती है। व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग तीन बी.वॉक कार्यक्रम संचालित करता है- रसद एवं खुदरा प्रबंधन, जैव चिकित्सीय विज्ञान एवं औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन-जो कि दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र योजना के अंतर्गत शुरू किए गए हैं। ये कार्यक्रम उद्यमिता, तकनीकी दक्षता एवं अपशिष्ट को संपत्ति में बदलने जैसी सतत प्रथाओं को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखते हैं।

III अंतर्राष्ट्रीयकरण एवं वैश्विक शैक्षणिक नेटवर्किंग:

वैश्विक उत्कृष्टता की दिशा में, हकेवि अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं संकाय विनिमय कार्यक्रमों को बढ़ावा देता है। विश्वविद्यालय विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ ट्विनिंग एवं प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

स्थापित करने के प्रयास कर रहा है, जिससे सीमा पार अधिगम एवं संयुक्त अनुसंधान के अवसर बढ़ेंगे। ये पहल हकेवि को अंतरराष्ट्रीय संकाय, शोधकर्ताओं और छात्रों को आकर्षित करने तथा वैश्विक शैक्षिक एकीकरण का केंद्र बनाने का लक्ष्य रखती हैं, । इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के संकाय को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जो उनके अंतरराष्ट्रीय पहल की शुरुआत के प्रयास को दर्शाते हैं। विश्वविद्यालय अकादमिक, अनुसंधान एवं नवाचार में सहयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त संस्थानों के साथ रणनीतिक साझेदारी हेतु भी प्रयासरत है।

IV छात्र समर्थन एवं वित्तीय सहायता:

छात्रों की शैक्षिक और व्यक्तिगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत, कक्षा, विभाग एवं छात्रावास स्तर पर एक संगठित छात्र परामर्श प्रणाली कार्यरत है। यह बहु-स्तरीय प्रणाली छात्रों की शैक्षिक, भावनात्मक और आकांक्षात्मक आवश्यकताओं को पूरा करती है। इस प्रणाली में व्यक्तिगत, कक्षा और विभाग स्तर के परामर्शदाता शामिल हैं। छात्रावास में भी एक समान परामर्श प्रणाली है, जिसमें व्यक्तिगत, कक्षा और छात्रावास स्तर के परामर्शदाता शामिल हैं। विभिन्न परामर्श सत्रों के आयोजन से ड्रॉपआउट दर में कमी आई। तनाव प्रबंधन एवं एनईपी अभिमुखीकरण पर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं ताकि योग एवं मूल्य शिक्षा को एकीकृत किया जा सके। इसके अतिरिक्त, यूजीसी नियमों का अनुपालन हेतु शिकायतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल (समर्थ प्रणाली के माध्यम से), जेंडर मुद्दों के लिए महिला प्रकोष्ठ, और जाति आधारित भेदभाव के लिए एससी/एसटी/ओबीसी प्रकोष्ठ हैं।

V सुधारात्मक एवं ट्यूटोरियल सहायता

कमजोर छात्रों के लिए विशेष रूप से विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी जैसे मौलिक विषयों में अतिरिक्त कक्षाएं और ब्रिज कोर्स का संचालन। अंग्रेजी एवं विदेशी भाषाएँ विभाग की भाषा प्रयोगशाला में सनको स्टडी-1200 सॉफ्टवेयर जो ब्रिटिश/अमेरिकी उच्चारण में संचार कौशल में सुधार लाता है, जिससे प्रति सत्र कई छात्रों को लाभ होता है। शिक्षा पीठ में रिसोर्स सेंटर: आईसीटी लैब (70+ कंप्यूटर), मनोविज्ञान लैब एवं एकीकृत विज्ञान प्रयोगशाला शिक्षा पीठ के प्रशिक्षुओं एवं अंतःविषय शिक्षार्थियों को व्यावहारिक समर्थन प्रदान करती हैं।

VI छात्रवृत्ति एवं वित्तीय सहायता:

विश्वविद्यालय पीएचडी छात्रों को दैनिक खर्चों के लिए 8000/- रुपये प्रति छात्र प्रदान कर रहा है, ताकि वे शोध पर ध्यान केंद्रित कर सकें। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय नई सुविधाओं की स्थापना हेतु भी वित्तीय सहायता प्रदान करता है ताकि शोध एवं शिक्षण की प्रक्रिया सुचारू रूप संचालित हो सके। विश्वविद्यालय ने विभिन्न वर्गों के छात्रों के लिए किफायती शुल्क एवं छूट भी प्रदान की है। इसके अतिरिक्त, अर्न एंड लर्न अंशकालिक परिसर कार्य भी ईडब्ल्यूएस छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं।

VII भारतीय ज्ञान प्रणाली का एकीकरण:

हकेवि का तर्क है कि आधुनिक विषयों में विचारों एवं सिद्धांतों का विश्लेषण और मूल्यांकन करने के लिए भारतीय ज्ञान एवं सिद्धांतों की छात्रों आवश्यकता है। इस संदर्भ में, संस्कृत विभाग प्राचीन भारतीय बौद्धिक परंपरा, आयुर्वेद और भाषाई परंपराओं पर केंद्रित पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। इसी तरह, एम.ए. अंग्रेजी पाठ्यक्रम भारतीय शास्त्रीय साहित्य एवं अंग्रेजी अनुवाद में आधुनिक भारतीय साहित्य पर पाठ्यक्रम संचालित करता है और योग विभाग ने भी भारत की प्राचीन ज्ञान प्रणाली की समझ प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, भविष्य में विश्वविद्यालय की कार्यसूची में भाषाई सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की स्थापना भी शामिल है।

VIII निगरानी एवं प्रतिक्रिया:

सभी सहायक सेवाओं का सतत सुधार एवं दायित्व सुनिश्चित करने के लिए वार्षिक सर्वेक्षणों एवं वार्षिक गुणवत्ता सुनिश्चयन रिपोर्ट के माध्यम से व्यवस्थित रूप से मूल्यांकन किया जाता है। प्रतिक्रिया तंत्र ने काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में छात्रों की संतुष्टि दर बढ़ाई है, जो संस्था की छात्र कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न कार्यों जैसे फॉर्म जमा करना, शिकायत निवारण और सेवा अनुरोधों के लिए ऑनलाइन पोर्टलों का उपयोग किया गया है, जिससे प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पहुँच आसान एवं पारदर्शिता बढ़ी है।

डिजिटल रूपांतरण एवं ऑनलाइन सेवा कार्यान्वयन:

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं छात्र समर्थन क्षेत्रों में डिजिटल प्रक्रियाओं तथा ऑनलाइन सेवाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो उच्च शिक्षा में पारदर्शिता, दक्षता एवं पहुँच के लक्ष्यों के अनुरूप है।

- I **ऑनलाइन प्रवेश एवं परीक्षा प्रक्रियाएँ:** हकेवि ने सभी डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः डिजिटल कर दी है। प्रवेश प्रक्रिया कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट के माध्यम से होती है, इसके उपरांत पूर्णतः ऑनलाइन काउंसलिंग और प्रवेश प्रक्रिया होती है, जो 2018-19 शैक्षणिक सत्र से लागू है। छात्रावास प्रवेश प्रक्रिया भी ऑनलाइन हैं एवं शुल्क भुगतान केवल डिजिटल मोड में स्वीकार किया जाता है। परीक्षाओं के लिए, विश्वविद्यालय 'कैम्पस प्रो' परीक्षा प्रबंधन प्रणाली है, जो सभी मूल्यांकन-संबंधित कार्यों जैसे तिथियों का निर्धारण और ग्रेडिंग, परिणाम जारी करना में सटीकता और पारदर्शिता सुनिश्चित करता है।
- II **ऑनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा पहल:** यद्यपि विश्वविद्यालय ने अभी तक पूर्ण ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा प्लेटफॉर्म लॉन्च नहीं किया है, परंतु डिजिटल लर्निंग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। विश्वविद्यालय के क्लाउड-आधारित सर्वर पर एक सुदृढ़ लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम कार्यरत है, जिस पर संकाय सदस्य स्वयं से वीडियो व्याख्यान रिकॉर्ड और अपलोड कर सकते हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय पांच वर्चुअल क्लासरूम संचालित कर रहा है, जो मूक्स बनाने, वीडियो/ऑडियो रिकॉर्डिंग करने और व्याख्यान लाइव स्ट्रीम हेतु तैयार किए गए हैं, जिससे डिजिटल शिक्षाशास्त्र एवं मिश्रित शिक्षा अनुभव को बढ़ावा मिलता है।
- III **ई-संसाधन एवं पुस्तकालय डिजिटलीकरण:** हकेवि विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली—जो कई पुस्तकालयों (केंद्रीय, SOET, SOE, DACE, और SOL) से मिलकर बनी है—पूर्णतः कोहा और ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के माध्यम से स्वचालित है। यह प्रणाली राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी, ई-शोधसिंधु, NPTEL, ई-PG पाठशाला, NSDL, और भारत सरकार वेब डायरेक्टरी जैसी ई-संसाधनों तक सहज पहुँच प्रदान करती है। संकाय प्रकाशन एवं शोध परिणाम IRINS प्लेटफॉर्म में एकीकृत हैं, जबकि संकाय डिजिटल रिपॉजिटरी, "ज्ञान प्रवाह," में थीसिस एवं शोध पत्र संग्रहित होते हैं। Turnitin और Original जैसे उन्नत साहित्यिक चोरी जाँच उपकरण सभी प्रस्तुतियों में शैक्षणिक सत्यनिष्ठा सुनिश्चित करते हैं।
- IV **ऑनलाइन प्रशासनिक एवं छात्र-संबंधित फॉर्म:** छात्र-संबंधित सभी फॉर्म जैसे पहचान पत्र आवेदन फॉर्म, पुस्तकालय सदस्यता फॉर्म, वाई-फाई पासवर्ड फॉर्म आदि, छात्रों की सुविधा हेतु

विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इसी प्रकार, सभी प्रशासनिक फॉर्म जैसे पहचान पत्र आवेदन फॉर्म, पुस्तकालय सदस्यता फॉर्म, अवकाश फॉर्म, LTC फॉर्म आदि शिक्षण और शिक्षणेत्तर स्टाफ के लिए भी ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

V डिजिटल भर्ती एवं फैकल्टी संसाधन: शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है, जिससे पारदर्शी और समय-परक भर्ती सुनिश्चित होती है। 195 शिक्षकों की फैकल्टी प्रोफाइल IRINS पोर्टल पर होस्ट की गई हैं, जो शैक्षणिक समुदाय में प्रत्यक्षता एवं नेटवर्किंग को बढ़ावा देती हैं।

VI उन्नत ऑनलाइन अवसंरचना एवं संपर्क: हकेवि इंप्लीमेंट की इंफेड सेवा द्वारा विशेष व्यापक डिजिटल वातावरण प्रदान करता है, जो ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुँच को संभव बनाता है। विश्वविद्यालय विभागों में अनेक आईपी-आधारित EPABX टेलीकॉम सिस्टम संचालित है, और समर्थ पोर्टल पर डिजिटल रूप से प्रवेश, भर्ती और स्टाफ रिकॉर्ड का प्रबंधन है। पूरे परिसर में वाई-फाई की सुविधा है तथा छात्रों के लिए एक समर्पित वाई-फाई पार्क है। उच्च गुणवत्ता सिस्कों नेटवर्क सिस्टम 1 Gbps लीज लाइन्स के साथ निर्बाध उच्च गति इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करता है।

प्रमुख प्रदर्शन संकेतक एवं शोध उत्कृष्टता

I. समावेशिता, विविधता और आउटरीच पहल: हकेवि एक समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देता है जो समान अवसर और सामाजिक उत्तरदायित्व सुनिश्चित करता है, जिसमें लगभग 50% छात्र विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से हैं, जो ऑनलाइन कॉमन यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के माध्यम से समान अवसरों के कारण संभावित हैं।

II. समावेशिता उपाय: समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी) निष्पक्ष प्रतिनिधित्व, महिला नामांकन एवं कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत सख्त एंटी-हैरासमेंट नीतियों को लागू करता है जिससे सुरक्षित कार्यस्थल वातावरण बना रहता है। अंतरराष्ट्रीय शोधार्थियों हेतु (यद्यपि मुख्य रूप से घरेलू संस्था में यह सीमित संख्या में हैं), अंतरराष्ट्रीय छात्र सहायता इकाई वैश्विक विविधता और अंतर-सांस्कृतिक क्षमता में वृद्धि हेतु वीजा सुविधा, सांस्कृतिक अभिविन्यास कार्यक्रम एवं एकीकरण कार्यशालाएँ जैसी सुविधाएं प्रदान करती है।

- III. आउटरीच एवं सामुदायिक विस्तार:** उन्नत भारत अभियान 2.0 योजना के अंतर्गत, हकेवि ने महेन्द्रगढ़ जिले के पांच गांवों को अपनाया है, जहां छात्र-प्रेरित ग्रामीण विकास परियोजनाएं संचालित हैं, जिनमें सतत कृषि, जल संरक्षण एवं डिजिटल साक्षरता अभियान शामिल हैं। 2024-25 में, इन पहलों में 500+ छात्रों ने भाग लिया, जिससे 2,000+ ग्रामीणों पर तकनीक हस्तांतरण और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से प्रभाव पड़ा, सामाजिक जिम्मेदारी के परिणामों को बढ़ावा मिला तथा यह सतत विकास लक्ष्यों 4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) और 10 (असमानताओं में कमी) के अनुरूप था। इसके अतिरिक्त, सामाजिक-आर्थिक समावेशिता हेतु छात्रों को समस्त शुल्क छुट सहित एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस वर्ग को छात्रवृत्तियों का लाभ मिलता है।
- IV. नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र:** 2018 में स्थापित इनोवेशन और इनक्यूबेशन सेंटर रचनात्मकता को बढ़ावा देने, प्रदर्शनियों, नवप्रवर्तक सम्मेलनों, शोध यात्रा और अंतर/अंतर्विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन के केंद्र के रूप में कार्यरत है। 2024-25 में, सीआईआई ने कई प्रोटोटाइप का समर्थन किया, जिसमें विजेताओं को मौद्रिक प्रोत्साहन भी दिया गया।
- V. नवाचार के लिए प्लेटफॉर्म:** राष्ट्रीय विज्ञान दिवस एवं हैकथॉन जैसे वार्षिक कार्यक्रमों में विभिन्न विभागों के छात्रों ने भाग लिया, और एआई आधारित कचरा पृथक्करण प्रणाली जैसे विचारों के लिए पुरस्कारों सहित व्यवसायीकरण हेतु सीड धनराशि प्रदान की गई।
- VI. अपशिष्ट से धन एवं स्थिरता प्रथाएँ:** इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट में बी.वॉक प्रोग्राम औद्योगिक अपशिष्ट को जैव ईंधन जैसे मूल्य संवर्धित उत्पादों में बदलने की तकनीकों का प्रसार करता है। पूरे परिसर में पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग के पहल कार्यरत में हैं, जैसे कि एक कार्यशील सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) जो उद्यानिकी के लिए अपशिष्ट जल का उपचार करता है, जिससे भूजल पर निर्भरता 30% कम हो जाती है। सीआईआई नवोक्ताओं के साथ प्लास्टिक पुनर्चक्रण (जैसे, बोतलों को फर्नीचर में पुनर्चक्र करना) पर सहयोग करता है, जो स्वच्छ भारत अभियान के अनुरूप है।
- VII. जारी परियोजनाएं:** ऊर्जा अर्जन प्रयासों में एक स्मार्ट ईको-फ्रेंडली कार प्रोटोटाइप शामिल है जो सौर, यांत्रिक एवं ध्वनि ऊर्जा से संचालित होती है, जिसे 15वीं इलेक्ट्रिक वाहन एक्सपो-2022, नई दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ नवाचार स्टॉल का पुरस्कार मिला और यह एक पेटेंटेड मॉडल (2024

फाइलिंग) के अनुरूप विकसित हुई है। अन्य कार्यों में सोलर ग्लास कटर, स्मार्ट टोल प्लाज़ा और ऑटो एयर पंप शामिल हैं, जिनमें से दो परियोजनाओं को 2025 में वित्तपोषण प्राप्त हुआ।

VIII. उद्योग- शैक्षणिक सद्बन्धता : हकेवि शिक्षाशास्त्र में उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं को एकीकृत करने प्रयासरत है, जिसमें ई-कॉन्टेंट विकास, मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस (मूक), और ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ़ एकेडमिक नेटवर्क्स (ज्ञान) कार्यक्रम शामिल हैं। उद्योग, अनुसंधान संस्थानों, इनक्यूबेशन सेंटरों और शैक्षणिक निकायों (जैसे, CSIR-NPL, DRDO) के साथ सात समझौता ज्ञापन (MoUs) मजबूत नेटवर्क के घटक हैं।

उद्योग-आधारित कार्यक्रम: व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के तहत तीन बी.वॉक कार्यक्रम (रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बायोमेडिकल साइंसेज, औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन) तथा अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी पीठ के अंतर्गत चार बी.टेक. कार्यक्रम (सिविल, इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी) में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है, फलस्वरूप इनमें 70% इंटरनशिप प्लेसमेंट दर है।

पाठ्यक्रम संवर्धन: उद्योग विशेषज्ञ सभी विभागों के सांविधिक निकायों (अध्ययन बोर्ड, शैक्षणिक परिषद) में सेवा प्रदान करते हैं, जिससे बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्यक्रमों का अद्यतन सुनिश्चित होता है (जैसे, सीएसई में एआई मॉड्यूल)। उद्योग से सहायक संकाय की प्रक्रिया को वर्ष 2025 में अंतिम रूप दिया गया, जिससे रोजगार प्राप्ति में सुधार हुआ (एक्यूएआर के अनुसार 88% दर)।

IX. शोध सुविधाएं एवं उपलब्धियां: हकेवि संकाय ने ICSSR, SERB, DST-SEED, DBT, PMMMNMTT, PRONAT SC (स्पेन), DST-FIST, और DST-AISTDF जैसी एजेंसियों से 30 से अधिक परियोजनाओं के माध्यम से ₹11 करोड़ की अनुदान राशि प्राप्त की है। पिछले पांच वर्षों में 66 एच-सूचकांक सहकर्मी-समीक्षित पेपर पुस्तकें/अध्याय (स्कोपस सूचीबद्ध- ISBN) के प्रकाशन 700+ हैं, प्रदत्त/प्रकाशित 48 पेटेंट है, 69 पीएचडी उपाधि प्रदान की गई।

X. वर्तमान विशेषताएं: 07 शोध संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगी परियोजनाओं हेतु नए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर; मूलभूत शोध हेतु सीड मनी की शुरुआत; प्रशंसा पुरस्कारों के माध्यम से अंतरविषयक संस्कृति का प्रोत्साहन; स्थानीय आवश्यकतानुसार शोध (जैसे, शुष्क क्षेत्र कृषि)। अत्याधुनिक सुविधाओं में शामिल हैं:

मौलिक विज्ञान पीठ: FTIR स्पेक्ट्रोमीटर, UV-Vis-NIR स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, गैस क्रोमैटोग्राफ (GC), थर्मल एवापोरेशन/सप्टरिंग यूनिट्स, माइक्रोवेव फर्नेस (12,000°C तक), देशज थर्मल-CVD फॉर CNT/ग्राफीन, TGA/DTA/DSC सिस्टम, और उन्नत सॉफ्टवेयर (MATLAB, Origin) के साथ 20-सिस्टम कंप्यूटर लैब।

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ: विभागों में डिजिटलीकृत लैब—प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग: डिजिटल प्रिंटिंग प्रेस, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर; कंप्यूटर विज्ञान: सिमुलेशन हेतु 3 उच्च-संरचना लैब; इलेक्ट्रिकल: लेथ/मिलिंग मशीनें, पावर सिस्टम उपकरण; सिविल: डिजिटल ट्रियाक्सियल टेस्टिंग, टोटल स्टेशन।

केंद्रीय उपकरण केंद्र (सीआईसी): एटॉमिक फोर्स माइक्रोस्कोप (AFM), LC-MS/MS, मटेरियल अध्ययन के लिए बेंच-टॉप NMR, जिससे उच्च-प्रभाव पेपर्स का प्रकाशनों संभव हो सका है।

अंतरविषयक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ: वास्तविक समय पीसीआर, क्वाटर्नरी HPLC, एलिसा रीडर, BSL-II हुड्स, AAS, PM10/PM2.5 सैम्पलर, हैंडहेल्ड जीपीएस

भाषा प्रयोगशाला: उच्चारण प्रशिक्षण के लिए सनको स्टडी-1200 सॉफ्टवेयर के साथ 30-मॉड्यूल सुविधा।

शिक्षा पीठ: संसाधन केंद्रों में आईसीटी लैब (70+ कंप्यूटर), मनोविज्ञान लैब, एकीकृत विज्ञान/गणित लैब, कला एवं शिल्प केंद्र हैं, जो 2024-25 में 500+ बाह्य शिक्षक/छात्रों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन। 2024-25 में, शोध प्रोत्साहनों तथा एनईपी-संगत कार्यशालाओं (अप्रैल-अगस्त 2025) परिणाम प्रदर्शित किए, जिससे हकेवि की वैश्विक पहचान में बढ़ोतरी हुई है। अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट cuh.ac.in पर जाएं।

पुरातात्विक संग्रहालय: क्षेत्रीय उत्खननों से हड़प्पा कलाकृतियों (संपूर्ण खोपड़ी, बर्तन, आभूषण) को संग्रहित है, जो इतिहास एवं मानवविज्ञान में अंतरविषयक शोध में सहायक है।

अवसंरचना एवं शिक्षण संसाधन

I. भौतिक सुविधाएँ

हकेवि की अवसंरचना विशिष्ट रूप से शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान एवं समग्र छात्र विकास की सुविधा के लिए योजनाबद्ध है, जिसमें आईसीटी-सक्षम वातावरण तथा सार्वभौमिक डिजाइन सिद्धांत शामिल हैं।

शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवन: तीन शैक्षणिक खंड एवं एक प्रशासनिक भवन, पूर्णतः वातानुकूलित, अत्यधुनिक सुसज्जित व्याख्यान कक्ष, शिक्षण कक्ष, प्रयोगशालाएं नवीनतम उपकरण, कंप्यूटर एवं सॉफ्टवेयर (जैसे, SOET में उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग क्लस्टर) से लैस हैं। प्रत्येक शैक्षणिक खंड में सेमिनार कक्ष (प्रति मंजिल बैठने की क्षमता: 200) हैं जिनमें दृश्य-श्रव्य प्रणाली कार्यरत हैं। वर्चुअल क्लासरूम (कुल पाँच) में व्याख्यान रिकॉर्डिंग, मूक्स विकास और लाइव वेबकास्ट की सुविधा हैं, जिससे हाइब्रिड लर्निंग मोड में सहायता मिलता है।

सभागार एवं क्रियाकलाप हेतु स्थान: चार ऑडिटोरियम उन्नत ध्वनिक व्यवस्था, प्रोजेक्शन सिस्टम एवं मंच सुविधाओं से सुसज्जित हैं जिसमें पाठ्यचर्या संबंधित सेमिनार, सम्मेलन एवं पाठ्येतर कार्यक्रमों हेतु हर वर्ष 100 से अधिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

छात्रावास एवं आवासीय सुविधाएँ: लड़कों एवं लड़कियों के लिए पर्याप्त अलग-अलग छात्रावास (कुल क्षमता: 1,500+ बेड, कार्य प्रगति पर है) में आधुनिक फर्नीचर, वाई-फाई कनेक्टिविटी, जिमनैजियम, टीवी रूम एवं सामान्य क्षेत्र हैं। अतिरिक्त सुविधाओं के अंतर्गत परिसर में यातायात हेतु ई-रिक्शा शटल, आरओ शुद्ध पेयजल स्टेशन एवं इनडोर (बैडमिंटन, टेबल टेनिस) तथा आउटडोर खेलों (क्रिकेट, एथलेटिक्स ट्रैक) के लिए विशेष खेल सुविधाएँ हैं, साथ ही योग विभाग के अंतर्गत स्वास्थ्य क्रियाकलापों हेतु योग कक्ष उपलब्ध हैं।

सहायक सेवाएँ: परिसर में बैंक (स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा), डाकघर, सड़क किनारे बेंच तथा आंतरिक बस सेवाएँ की सुविधा हैं। सभी भवनों में पहुँच हेतु सुविधाएँ हैं जैसे रैंप, दिव्यांग-अनुकूल

शौचालय, ब्रेल संकेत तथा दृष्टिहीन छात्रों के लिए सहायक तकनीकें (स्क्रीन रीडर, JAWS सॉफ्टवेयर), जो दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुरूप हैं।

विशेष अनसंरचना में पर्यावरण अनुकूल सामग्री का चयन है (स्थानीय स्रोतों से ईंटें, कंक्रीट एवं उच्च पुनर्नवीनीकरण सामग्री स्टील), प्राकृतिक गर्मी/कूलिंग के अनुकूलन हेतु पैसिव सौर डिजाइन तथा निर्माण के दौरान मौजूदा पेड़ों, वनस्पति तथा पक्षी आवासों का संरक्षण। हरित भवन तत्वों में शामिल हैं:

- (i) कम कार्बन फुटप्रिंट की फ्लाई ऐश ईंटें और सीमेंट।
- (ii) गर्मी व बिजली की खपत को कम करने के लिए डबल-ग्लेज्ड हाई-परफॉर्मेंस ग्लास।
- (iii) सीधे सूरज की रोशनी को कम करने के लिए सन कटर लुवर्स।
- (iv) ऊर्जा-कुशल वेरिबल रेफ्रीजेंट वॉल्यूम एयर-कंडीशनिंग सिस्टम।
- (v) जलरहित मूत्रालय एवं कम प्रवाह वाले फिटिंग्स जो 40% पानी की बचत करते हैं।

II. पर्यावरण के अनुकूल परिसर और हरी पहलों

स्वच्छ भारत अभियान एवं उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत सतत प्रथाओं को अपनाकर हकेवि परिसर को सुंदर एवं हरा-भरा रखा जाता है जिसका 80% क्षेत्र खुला/हरियाली से परिपूर्ण है।

वृक्षारोपण एवं जैव विविधता: वर्तमान ऋतु में 2,000 से अधिक जलवायु-सहिष्णु पेड़ (जैसे नीम, पीपल) रोपित गए हैं, जिन्हें 2024 के मियावाकी वन पहल से भी संवर्धित किया गया है, जो पक्षियों के लिए आवास प्रदान करते हैं तथा वनस्पति-जीव डायनामिक्स में शोध सहायक हैं।

प्रदूषण नियंत्रण उपाय: उत्सर्जन एवं धूल में कमी हेतु वाहन गति 30 किमी/घंटा निर्धारित है; कार्यालयों, आवासीय क्षेत्रों एवं छात्रावासों में सिंगल-यूज प्लास्टिक पर व्यापक प्रतिबंध है जिसकी 2024-25 के ऑडिट में 90% पालना दर्शित हुई है।

नवीकरणीय ऊर्जा स्वीकार्यता: छत पर स्थापित सौर पैनल (क्षमता: 410 kWp, 2025 में विस्तारित) परिसर खपत की 20% बिजली उत्पन्न करते हैं, जिससे वार्षिक ऊर्जा बचत एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है।

जल प्रबंधन: वर्षा जल संचयन प्रणाली भूजल स्तर को पुनर्स्थापित करती हैं एवं पक्षी विज्ञान अध्ययन हेतु दुर्लभ पक्षी प्रजातियों के आकर्षण हेतु सूक्ष्म-आवास निर्माण करती हैं। संचालित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी, क्षमता: 2 MLD) अपशिष्टजल को बागबानी, लॉन एवं वृक्षों की सिंचाई के लिए पुनर्चक्रित करता है, जिससे भूजल की बचत होती है और यह एसडीजी 6 (स्वच्छ जल एवं स्वच्छता) के अनुरूप है।

कचरा प्रबंधन: जैविक एवं अजैविक अपशिष्ट के लिए पृथक कूड़ेदान पुनर्चक्रण, जैविक अपशिष्ट का खाद में परिवर्तन, शून्य-अपशिष्ट लक्ष्य के घटक है।

इन पहलों से हकेवि को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से 'हरित परिसर' प्रमाणन प्राप्त हुआ है तथा ऊर्जा ऑडिट से दर्शित होता है कि 2023 से कार्बन उत्सर्जन में 25% की कमी है। यह अवसंरचना अंतरविषयक गतिविधियों को अनुकूल स्थान तथा भविष्य में नामांकन वृद्धि की सुनिश्चता प्रदान करते हुए परिणाम-आधारित शिक्षा (ओबीई) का समर्थन करती है।

विश्वविद्यालय की सर्वोत्तम प्रथाएँ

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कौशल एवं उद्यमिता पर बल देकर, नवाचारों को समाहित कर और शोध एवं शिक्षण में वृद्धि के लिए संकाय तथा अन्य हितधारकों को बेहतर वातावरण प्रदान कर पुनः जागृत हुआ है। हकेवि के सर्वोत्तम प्रथाओं का उद्देश्य आत्म-अभिनव के संस्थागतकरण के साथ शिक्षा एवं शोध में अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता की प्राप्ति है।

विभिन्न सर्वोत्तम प्रथाओं में निम्नलिखित उल्लेखनीय हैं:

लैंगिक समानता को बढ़ावा देना : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय लैंगिक समानता एवं सभी हितधारकों, विशेष रूप से महिला कर्मचारियों तथा छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। विश्वविद्यालय महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ एवं यौन उत्पीड़न रोकथाम प्रकोष्ठ के माध्यम से विश्वविद्यालय के छात्रों तथा कर्मचारियों के मध्य जेंडर संवेदनशीलता को बढ़ावा देता है, परामर्श तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति जैसी शिकायत निवारण प्रणाली त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करती है।

गुणवत्ता मूल्यांकन हेतु आंतरिक ऑडिट : विश्वविद्यालय शैक्षणिक एवं प्रशासन की गुणवत्ता हेतु शैक्षणिक विभागों तथा प्रशासनिक इकाइयों का प्रशासनिक एवं शैक्षणिक ऑडिट करता है। इस क्रियाकलाप का उद्देश्य संकाय, विभागों तथा शिक्षणोत्तर कर्मचारियों के वार्षिक कार्य निष्पादन का मूल्यांकन करना है।

कार्मिकों के लिए पुरस्कार एवं सम्मान: विश्वविद्यालय ने संकाय एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को विभिन्न पुरस्कारों, प्रोत्साहनों और सम्मान के माध्यम से प्रेरित करने की पहल की है, जैसे

- विभिन्न श्रेणियों के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार।
- सर्वश्रेष्ठ शिक्षणोत्तर कार्य प्रदर्शन पुरस्कार, और
- विभिन्न अध्ययन पीठों में सर्वश्रेष्ठ विभाग हेतु पुरस्कार।
- समग्र विकास एवं अनुभव के लिए नियमित आधार पर सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं

- हकेवि और प्रतिष्ठित संस्थानों के मध्य नौ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

ऑनलाइन प्रवेश एवं नामांकन : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अपनी प्रवेश प्रक्रिया में 100% निष्पक्ष है और अध्ययन के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट में भाग लेने वाले अग्रणी विश्वविद्यालयों में से एक है। छात्र नामांकन में विविधता को प्रोत्साहित करने के लिए सीयूईटी के माध्यम से ऑनलाइन प्रवेश किए जाते हैं।

- नकदी रहित लेनदेन
- गतिशील वेबसाइट
- प्रवेश के लिए पारदर्शी प्रक्रिया

सभी शोधार्थियों को शोध कक्ष, वाई-फाई सुविधाएं और शैक्षणिक संचार के लिए अधिकारिक ईमेल आईडी उपलब्ध कराई जाती है।

डिजिटलीकरण : विश्वविद्यालय में अधिकांश प्रशासनिक कार्य का डिजिटलीकरण कर दिया गया है।

समर्थ ई-गवर्नेंस परियोजना का कार्यान्वयन : एक ई-गवर्नेंस गतिविधि के रूप में, विश्वविद्यालय ने विभिन्न डिजिटल पहलों जैसे कि सभी प्रशासनिक गतिविधियों हेतु लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम ई-समर्थ डिजिटलीकरण की शुरुआत की है, जिसमें प्रवेश एवं विद्यार्थी सेवाएं शामिल हैं। विभिन्न संवाद तथा प्रशासनिक गतिविधियों के लिए प्रत्येक संकाय को समर्थ पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है।

छात्र विविधता पर विचार: लगभग 40% छात्र हरियाणा के अतिरिक्त 23 अन्य राज्यों से हैं। विश्वविद्यालय कम सीखने वाले तथा विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं के छात्रों के लिए व्यवस्था करता है।

दीर्घकालिक विश्वविद्यालय परिसर के लिए पहल: चिरस्थायी विश्वविद्यालय परिसर के विकास में अपशिष्ट प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण मापदंडों में से एक उभर कर आया है। भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान की अनुपालना हेतु, विश्वविद्यालय चिरस्थायी बुनियादी ढांचे के निर्माण को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय में सौर ऊर्जा प्रणाली की स्थापना : विश्वविद्यालय परिसर में दो ग्रिड से जुड़े रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। छात्रावास खंडों (चार भवनों) की छतों पर 250 किलोवाट क्षमता का विद्युत संयंत्र लगाया गया है। अन्य 160 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र तीन शैक्षणिक भवनों की छतों पर स्थापित किया गया है।

कार्यस्थल की तत्परता एवं छात्रों का समग्र विकास

छात्रों को समग्र विकास के लिए नवाचारों हेतु शोध परियोजनाओं और कार्यक्रमों में प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

- जन कल्याण के लिए वृत्तचित्र बनाना
- सामाजिक विज्ञापन
- सामाजिक मुद्दे जैसे मतदान के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और कई अन्य।
- **अभिमुखीकरण कार्यक्रम:** प्रत्येक विभाग में शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।
- **विश्वविद्यालय के सामुदायिक जनसंपर्क कार्यक्रम :**
 - विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं विस्तार कार्यक्रम,
 - "चावल के भूसे को खाद में परिवर्तित करना" परियोजना की शुरुआत
 - अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष बी.वॉक कार्यक्रम के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन की जागरूकता ।
 - एन.एस.एस/वाई.आर.सी/स्कूल ऑफ एजुकेशन/रैलियां/पर्यावरण जागरूकता पर जागरूकता कार्यक्रम
 - नजदीक एवं गोद लिए गए गांवों में समुदाय संचालित उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पण। आसपास के समुदायों के निवासियों के मध्य आवश्यक प्रगति एवं जागरूकता हेतु विशेष रूप से भोजन, स्वास्थ्य और पर्यावरण के संबंध में कई विषयों पर प्रयास ।
- विश्वविद्यालय द्वारा निम्न विषयों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:

- आजीविका एवं खाद्य सुरक्षा; पोषण सप्ताह कार्यक्रम; सामुदायिक स्वास्थ्य संवर्धन;
- जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य शिविर;
- स्वच्छ भारत अभियान का प्रचार; लोगों के मध्य पर्यावरणीय स्थिरता एवं वृक्षारोपण अभियान।

इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय ने सरकार के सभी प्रमुख कार्यक्रमों (बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, डिजिटल अर्थव्यवस्था, एक भारत श्रेष्ठ भारत, स्वच्छ भारत अभियान, आज़ादी का अमृत महोत्सव एवं अन्य सहित) श्रेष्ठ भारत अभियान कार्यक्रम, आज़ादी का अमृत महोत्सव और स्वच्छता पखवाड़ा को अंगीकार किया है। हकेवि में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत, कुलपति ने जांट गांव स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों को संबोधित कर विद्यार्थियों सहित संपूर्ण समुदाय को जागरूक किया है।

विश्वविद्यालय सभा (कोर्ट)

विश्वविद्यालय सभा(कोर्ट) के सदस्यों का विवरण (31 मार्च 2025 तक)

खण्ड	परिनियम-10 (कोर्ट का गठन एवं उसके सदस्यों की पदावधि)	सदस्य	कार्यकाल
i.	कुलाधिपति, अध्यक्ष	रिक्त	लागू नहीं
ii.	कुलपति	प्रो. (डॉ.) टंकेश्वर कुमार	पदेन सदस्य
iii.	सम-कुलपति	रिक्त	लागू नहीं
iv.	कार्य परिषद् के सभी सदस्य	1. प्रो. रजनीश कुमार शुक्ला भूतपूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा 2. प्रो. बी.बी. गोयल सेवानिवृत्त प्रोफेसर (लोक प्रशासन) पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ 3. प्रो. सत प्रकाश बंसल कुलपति, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय 4. प्रो. मुख्तियार सिंह प्रोफेसर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय 5. प्रो. ताहिर हुसैन सदस्य, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शिक्षा अनुवीक्षण समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार 6. प्रो. प्रदीप कुमार प्रोफेसर, इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र 7. प्रो. रंजन अनेजा अधिष्ठाता, व्यवसाय एवं प्रबंधन	पदेन सदस्य

		अध्ययन पीठ, हकेवि 8. प्रो. राजेश कुमार गुप्ता अधिष्ठाता, मौलिक विज्ञान पीठ, हकेवि 9. प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता, अंतर-विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ 10. प्रोफेसर नंद किशोर , कुलानुशासक, हकेवि 11. प्रोफेसर आरके गुप्ता , कुलपति, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश	
v.	सभी अध्ययन पीठों के अधिष्ठाता	1. प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता, मौलिक विज्ञान पीठ 2. प्रो. रंजन अनेजा, अधिष्ठाता, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ 3. प्रो. रविंद्र पाल अहलावत , अधिष्ठाता, शिक्षा पीठ 4. प्रो. विकास गर्ग, अधिष्ठाता, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ 5. प्रो. पायल कंवर चंदेल , अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ 6. प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता, अंतर-विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ 7. डॉ. प्रदीप सिंह, अधिष्ठाता, विधि पीठ 8. प्रो. पवन कुमार मौर्य, अधिष्ठाता, सतत् अध्ययन पीठ	पदेन सदस्य
vi.	कुलानुशासक, पदेन	प्रो. नंद किशोर, शिक्षक शिक्षा विभाग	पदेन सदस्य
vii.	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	प्रो. आनंद शर्मा, प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन विभाग	पदेन सदस्य

viii.	सभी केंद्रों के अध्यक्ष	रिक्त	पदेन सदस्य
ix.	सभी विभागाध्यक्ष	1. प्रो. अंतर्देश कुमार , विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग 2. डॉ. रूपेश देशमुख , विभागाध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग 3. प्रो. हरीश कुमार, विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग 4. प्रो. विकास गर्ग, विभागाध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी विभाग 5. डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा , विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग 6. प्रो. राकेश कुमार, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग 7. डॉ. केशव सिंह रावत, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग 8. डॉ. अमनदीप वर्मा , अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अर्थशास्त्र विभाग 9. प्रो. आकाश सक्सेना, विभागाध्यक्ष, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग 10. प्रो. संजीव कुमार, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग 11. डॉ. अनीता सिंह , विभागाध्यक्ष, पर्यावरण अध्ययन विभाग 12. प्रो. एमएल मीणा, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग 13. प्रो. बीर पाल सिंह यादव , विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग 14. डॉ. नरेंद्र सिंह , विभागाध्यक्ष, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग 15. डॉ. अशोक कुमार, विभागाध्यक्ष,	पदेन सदस्य

		पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग 16. डॉ. प्रदीप सिंह, अध्यक्ष, विधि विभाग 17. डॉ. श्री राम पांडेय, अध्यक्ष, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग 18. प्रो. सुनीता तंवर, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन विभाग 19. प्रो. अनिल कुमार यादव, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग 20. प्रो. विकास बेनीवाल, विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग 21. प्रो. कांति प्रकाश शर्मा , विभागाध्यक्ष, पोषण जीव विज्ञान विभाग 22. डॉ. दिनेश कुमार, विभागाध्यक्ष, भेषज विज्ञान विभाग 23. डॉ. जयप्रकाश भूकर, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग 24. प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग 25. प्रो. राजीव कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग 26. प्रो. विकास गर्ग , विभागाध्यक्ष, मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग 27. प्रो. पायल कंवर चंदेल, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग 28. प्रो. पायल कंवल चंदेल , विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग 29. प्रो. पायल कंवल चंदेल ,	
--	--	--	--

		विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग 30. प्रो. रंजन कुमार साहू, विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग 31. प्रो. प्रमोद कुमार, विभागाध्यक्ष, शिक्षक शिक्षा विभाग 32. डॉ. रणबीर सिंह, विभागाध्यक्ष, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग 33. प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता , विभागाध्यक्ष, योग विभाग 34. प्रो. कल्पना चौहान, विभागाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग	
x.	पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. संतोष सी. हुलागाबली	पदेन सदस्य
xi.	सभी प्रोफेसर (विभागाध्यक्षों/अधिष्ठाता के अतिरिक्त)	1. प्रो. गुंजन गोयल , सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग 2. प्रो. अजय कुमार बंसल, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग 3. प्रो. दिनेश चहल, शिक्षक शिक्षा विभाग 4. प्रो. नंद किशोर, शिक्षक शिक्षा विभाग 5. प्रो. मनोज कुमार सिंह, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी स्कूल 6. प्रो. राजेश कुमार मलिक, विधि विभाग 7. प्रो. आनंद शर्मा, प्रबंधन अध्ययन विभाग 8. प्रो. सुनील कुमार, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग 9. प्रो. आशीष माथुर , प्रबंधन अध्ययन विभाग 10. प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया , वाणिज्य विभाग	पदेन सदस्य

		11. प्रो. सिंगारा सिंह, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग 12. प्रो. विनोद कुमार, रसायन विज्ञान विभाग 13. प्रो. नीलम सांगवान, जैव रसायन विज्ञान विभाग 14. प्रो. राजेश कुमार दुबे, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग 15. प्रो. बिजेन्द्र सिंह, जैव प्रौद्योगिकी विभाग 16. प्रो. भास्कर दास, सिविल अभियांत्रिकी विभाग 17. प्रो. चंचल कुमार शर्मा, राजनीति विज्ञान विभाग 18. प्रो. फूल सिंह, अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग 19. प्रो. सुरेंद्र कुमार, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग 20. प्रो. रमेश कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग 21. प्रो. विश्व चौधरी, मनोविज्ञान विभाग 22. प्रो. तनु गुप्ता, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग	
xii.	परीक्षा नियंत्रक	प्रो. राजीव कौशिक	पदेन सदस्य
xiii.	वित्त अधिकारी	डॉ. विकास कुमार	पदेन सदस्य
xiv.	कुलसचिव	प्रो. सुनील कुमार , कुलसचिव (प्रभारी)	पदेन सदस्य सचिव
xv.	कुलाध्यक्ष का नामनिर्देशिती: कुलाध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित चार प्रतिष्ठित व्यक्ति	रिक्त	-----
xvi.	कुलाधिपति का नामनिर्देशिती: कुलाधिपति द्वारा नामनिर्देशित दो	रिक्त	-----

	प्रतिष्ठित शिक्षाविद		
xvii.	दो सह- आचार्य, जो विभागाध्यक्ष नहीं है, चक्रानुक्रम में कुलपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाएंगे।	1. डॉ. उमेश कुमार , सह-आचार्य, पोषण जीव विज्ञान विभाग 2. डॉ. विद्युल्लता पेड्डीरेड्डी, सह-आचार्य, पोषण जीव विज्ञान विभाग	12-01-2026 तक
xviii.	दो सहायक आचार्य, जो प्रत्येक पीठ/केंद्र/विभाग/कॉलेज का प्रतिनिधित्व करते हो को चक्रानुक्रम में कुलपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाएंगे।	1. डॉ. रविंदर कौर, वाणिज्य विभाग रिक्त	26.02.2027 तक
xix.	ज्ञान आधारित व्यवसायों तथा विशेष क्षेत्रों के प्रतिनिधि: उद्योग, वाणिज्य, बैंकिंग, कृषि, स्वास्थ्य, वित्तीय संस्थानों, विधि, प्रख्यात शिक्षाविदों, मीडिया, सामाजिक कार्य इत्यादि के प्रतिनिधियों सहित ज्ञान आधारित व्यवसायों तथा विशेष क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले छह व्यक्ति कार्य परिषद द्वारा नामनिर्देशित किए जाएंगे	1. प्रो. पीसी पतंजलि, भूतपूर्व , कुलपति, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश 2. प्रो. पायल मागो, प्राचार्य, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय 3. प्रो. ओम प्रकाश, एमेरिटस फेलो, रसायन विज्ञान विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र 4. प्रो. एनके तनेजा, भूतपूर्व कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ 5. प्रो. वीके अग्रवाल, भूतपूर्व कुलपति, जगन्नाथ विश्वविद्यालय, जयपुर 6. प्रो. आरके गुप्ता, कुलपति, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश	15.11.2025 तक

कार्यकाल: पदेन सदस्यों अर्थात क्रम संख्या (i से xiv) को छोड़कर सभा(कोर्ट) के सभी सदस्यों की पदावधि तीन वर्ष की होगी।

कोरम: “सभा की बैठक के लिए गणपूर्ति ,सभा के कुल सदस्यों की एक तिहाई संख्या होगी”

कार्य परिषद्

31 मार्च 2025 के अनुसार विश्वविद्यालय कार्य परिषद के सदस्यों का विवरण

खण्ड	परिनियम-11 (कार्य परिषद् का गठन एवं उसके सदस्यों की पदावधि)	सदस्य	कार्यकाल
i.	कुलपति, पदेन अध्यक्ष	प्रो. (डॉ.) टंकेश्वर कुमार	पदेन सदस्य
ii.	सम-कुलपति, पदेन	रिक्त	लागू नहीं
iii.	अध्ययन पीठों से तीन अधिष्ठाता, जो वरिष्ठता क्रम में चक्रानुक्रम के अंतर्गत नीचे निर्दिष्ट प्रत्येक समूह से दो से अधिक नहीं होंगे: समूह-I a. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ; b. विधि पीठ; c. व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ; d. शिक्षा पीठ समूह-II क. मौलिक विज्ञान पीठ; ख. अंतर-विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ; ग. अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ; घ. कृषि विज्ञान पीठ; ड. सतत अध्ययन पीठ	क. प्रो. रंजन अनेजा , अधिष्ठाता, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ	23.12.2024 से तीन वर्ष की अवधि के लिए- अथवा जब तक वह संबंधित अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता है, जो भी पहले हो।
		ख. प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता, अंतर-विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ	शेष कार्यकाल तक अर्थात् 09-05-2025 अथवा जब तक वह संबंधित अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता है, जो भी पहले हो।
		ग. प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ,	14.02.2025 से तीन वर्ष की

		अधिष्ठाता, मौलिक विज्ञान पीठ	अवधि के लिए- अथवा जब तक वह संबंधित अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता है, जो भी पहले हो।
iv.	कुलपति प्रौद्योगिकी/उद्योग/वित्त/शिक्षा के क्षेत्र से तीन प्रतिष्ठित व्यक्तियों को नामनिर्देशित करेंगे।	1. प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल , भूतपूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा 2. प्रो. बी बी गोयल , सेवानिवृत्त प्रोफेसर (लोक प्रशासन) पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ 3. प्रो. सत प्रकाश बंसल , कुलपति, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय	07-04-2025 तक 03-06-2025 तक 03-06-2025 तक
v.	कुलानुशासक (प्रॉक्टर), पदेन	प्रो. नंद किशोर , प्रोफेसर, शिक्षक शिक्षा विभाग, हकेवि	पदेन सदस्य
vi.	सभा (कोर्ट) द्वारा नामनिर्देशित सभा के दो सदस्य	1. प्रोफेसर आरके गुप्ता , कुलपति, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश	02.06.2027 तक या जब तक वे विश्वविद्यालय सभा (कोर्ट) के सदस्य है, जो भी पहले हो।
vii.	कुलाध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित	रिक्त	लागू नहीं

	शैक्षणिक क्षेत्र से तीन प्रतिष्ठित व्यक्ति,		
viii.	तीन प्रतिनिधि जिनमें अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजातियों/ अन्य पिछड़ा वर्गों/ अल्पसंख्यकों/ महिलाओं/ दिव्यांगों जैसी श्रेणियों के प्रतिनिधित्व का सम्यक ध्यान रखा गया है (कुलपति उच्चतर शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों से सेवारत या सेवानिवृत्त शिक्षाविदों को नामनिर्देशित करेंगे)	1. प्रो. प्रदीप कुमार , प्रोफेसर, इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र 2. प्रो. मुख्तियार सिंह , प्रोफेसर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय 3. प्रो. ताहिर हुसैन , सदस्य, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शिक्षा अनुवीक्षण समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	07-04-2025 तक 03-06-2025 तक 03-06-2025 तक
ix.	कुलसचिव, सचिव, पदेन	प्रो. सुनील कुमार , कुलसचिव (प्रभारी)	पदेन सचिव

कार्यकाल: कार्य परिषद् के पदेन सदस्यों को छोड़कर अन्य सभी सदस्यों की पदावधि तीन वर्ष की होगी।

कोरम: “कार्य परिषद् की बैठक के लिए गणपूर्ति, कुलपति को छोड़कर, कार्य परिषद् के कुल सदस्यों की आधी संख्या होगी”

शैक्षणिक परिषद्

31 मार्च 2025 के अनुसार विश्वविद्यालय शैक्षणिक परिषद् के सदस्यों का विवरण

खण्ड	परिनियम-13 (शैक्षणिक परिषद् का गठन एवं उसके सदस्यों की पदावधि)	सदस्य	कार्यकाल
i.	कुलपति, पदेन अध्यक्ष	प्रो. (डॉ.) टंकेश्वर कुमार	पदेन
ii.	सम-कुलपति	रिक्त	लागू नहीं
iii.	अध्ययन पीठों के अधिष्ठाता	1. प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता, मौलिक विज्ञान पीठ 2. प्रो. रंजन अनेजा, अधिष्ठाता, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ 3. प्रो. रविंद्र पाल अहलावत, अधिष्ठाता, शिक्षा पीठ 4. प्रो. विकास गर्ग, अधिष्ठाता, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ 5. प्रो. पायल कंवर चंदेल, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ 6. प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता, अंतर-विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ 7. डॉ. प्रदीप सिंह, अधिष्ठाता, विधि पीठ 8. प्रो. पवन कुमार मौर्य, अधिष्ठाता, सतत् अध्ययन पीठ	पदेन सदस्य
iv.	अध्ययन विभागों के विभागाध्यक्ष	1. प्रो. अंतर्देश कुमार, विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग 2. डॉ. रूपेश देशमुख, विभागाध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग 3. प्रो. हरीश कुमार, विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग 4. प्रो. विकास गर्ग, विभागाध्यक्ष, सिविल	पदेन सदस्य

		अभियांत्रिकी विभाग 5. डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा , विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग 6. प्रो. राकेश कुमार, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग 7. डॉ. केशव सिंह रावत, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग 8. डॉ. अमनदीप वर्मा , अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अर्थशास्त्र विभाग 9. प्रो. आकाश सक्सेना, विभागाध्यक्ष, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग 10. प्रो. संजीव कुमार, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग 11. डॉ. अनीता सिंह , विभागाध्यक्ष, पर्यावरण अध्ययन विभाग 12. प्रो. एमएल मीणा, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग 13. प्रो. बीर पाल सिंह यादव , विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग 14. डॉ. नरेंद्र सिंह , विभागाध्यक्ष, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग 15. डॉ. अशोक कुमार, विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग 16. डॉ. प्रदीप सिंह, विभागाध्यक्ष, विधि विभाग 17. डॉ. श्री राम पांडेय, विभागाध्यक्ष, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग 18. प्रो. सुनीता तंवर, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन विभाग 19. प्रो. अनिल कुमार यादव, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग	
--	--	--	--

		20. प्रो. विकास बेनीवाल, विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग 21. प्रो. कांति प्रकाश शर्मा, विभागाध्यक्ष, पोषण जीव विज्ञान विभाग 22. डॉ. दिनेश कुमार, विभागाध्यक्ष, भेषज विज्ञान विभाग 23. डॉ. जयप्रकाश भूकर, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग 24. प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग 25. प्रो. राजीव कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग 26. प्रो. विकास गर्ग, विभागाध्यक्ष, मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग 27. प्रो. पायल कंवर चंदेल, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग 28. प्रो. पायल कंवल चंदेल, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग 29. प्रो. पायल कंवल चंदेल, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग 30. प्रो. रंजन कुमार साहू, विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग 31. प्रो. प्रमोद कुमार, विभागाध्यक्ष, शिक्षक शिक्षा विभाग 32. डॉ. रणबीर सिंह, विभागाध्यक्ष, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग 33. प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, विभागाध्यक्ष, योग विभाग 34. प्रो. कल्पना चौहान, विभागाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग	
v.	चार प्रोफेसर, जो अधिष्ठाता या विभागाध्यक्ष नहीं हैं, वरिष्ठता	1. प्रो. अजय कुमार बंसल, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	12.07.2025 तक

	क्रम में चक्रानुक्रम के अंतर्गत, जो विभिन्न अध्ययन पीठों का सम्यक प्रतिनिधित्व करते हैं	2. प्रो. राजेश कुमार दुबे , विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	18-12-2027 तक
		3. प्रो. दिनेश चहल , शिक्षक शिक्षा विभाग	18-12-2027 तक
		रिक्त	
vi.	शैक्षणिक परिषद् की अनुशंसा पर विश्वविद्यालय सेवा से बहार के छह व्यक्ति, उनकी विशेषज्ञता के आधार पर	1. प्रो आलोक कुमार चक्रवाल , कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर 2. प्रो. राघवेंद्र पी. तिवारी , कुलपति, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा 3. प्रो. शिप्रा गुप्ता , प्रोफेसर, विधि विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ 4. प्रो. नवदीप गोयल , प्रोफेसर, भौतिक विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ 5. सुश्री ज्योति अरोड़ा , आईएएस (सेवानिवृत्त) 1987 बैच, भूतपूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, हरियाणा 6. डॉ. रेखा कालिया भारद्वाज , भूतपूर्व कुलसचिव, डीएवी विश्वविद्यालय जालंधर एवं विजिटिंग प्रोफेसर, लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, जालंधर	16.02.2028 तक
vii.	कुलपति द्वारा प्रौद्योगिकी/ उद्योग/ वित्त/ शिक्षा क्षेत्र से नामनिर्देशित चार प्रतिष्ठित व्यक्ति	1. प्रो. साथंस , प्रोफेसर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, रा.प्रौ.सं., कुरुक्षेत्र- 136119 2. प्रो. बी.बी. गोयल , सेवानिवृत्त प्रोफेसर (लोक प्रशासन) पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ 3. डॉ. विनेय कपूर , सम-कुलपति, श्री गुरु गोबिंद सिंह ट्राइसेंटेनरी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम	24.05.2026 तक

		4. पीएस मारुति साई, भूतपूर्व उपाध्यक्ष, रिलायंस लाइफ साइंस, मुंबई	
viii.	सभा (कोर्ट) के गठन के उपरांत, निर्वाचित सदस्यों में से तीन चयनित सदस्य, जो विश्वविद्यालय या इससे मान्यता प्राप्त या संबद्ध किसी संस्थान का कर्मचारी या विद्यार्थी नहीं है	रिक्त	-----
ix.	तीन सह- आचार्य, जो अधिष्ठाता या विभागाध्यक्ष नहीं है, वरिष्ठता क्रम में चक्रानुक्रम के अंतर्गत, जो विभिन्न अध्ययन पीठों का सम्यक प्रतिनिधित्व करते हैं	1. डॉ. आरती यादव, सह-आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग	18.12.2027 तक
		रिक्त	
x.	दो सहायक आचार्य, वरिष्ठता क्रम में चक्रानुक्रम के अंतर्गत, जो विभिन्न अध्ययन पीठों का सम्यक प्रतिनिधित्व करते हैं	1. डॉ. रश्मि तंवर, सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग 2. डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, सहायक आचार्य, हिंदी विभाग	18.12.2027 तक
xi.	अधिष्ठाता छात्र कल्याण	प्रोफेसर आनंद शर्मा, प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन विभाग	पदेन सदस्य
xii.	कुलानुशासक	प्रो. नंद किशोर, प्रोफेसर, शिक्षक शिक्षा विभाग, हकेवि	पदेन सदस्य
xiii.	पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. संतोष सी. हुलागाबली	पदेन सदस्य
xiv.	एक प्रोवोस्ट, वरिष्ठता क्रम में चक्रानुक्रम के अंतर्गत	रिक्त	
xv.	कुलपति मेरिट आधार पर दो छात्र प्रतिनिधियों को नामनिर्देशित करेंगे, जो विश्वविद्यालय के विभिन्न पीठों/विभागों से चक्रानुक्रम में, एक शोधार्थियों तथा दूसरा स्नातकोत्तर छात्र होगा (छात्र	रिक्त	

	सदस्यों को परीक्षाओं, चयन समितियों, नियुक्तियों तथा शिक्षण कर्मचारियों की सेवा शर्तों से संबंधित विषयों पर चर्चा में प्रतिभागिता की अनुमति नहीं होगी)		
xvi.	तीन प्रतिनिधि जिनमें अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजातियों/ अन्य पिछड़ा वर्गों/ अल्पसंख्यकों/ महिलाओं/ दिव्यांगों जैसी श्रेणियों के प्रतिनिधित्व का सम्यक ध्यान रखा गया है (कुलपति उच्चतर शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों से सेवारत या सेवानिवृत्त शिक्षाविदों को नामनिर्देशित करेंगे)	1. प्रो. सिमरित काहलॉ, प्रोफेसर, भूगोल विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ 2. डॉ. अशोक कुमार, सहायक आचार्य, भौतिक विज्ञान विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय 3. प्रो. देविंद्र कुमार, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार	तक 24.05.2026
xvii.	कुलसचिव, पदेन सचिव	प्रो. सुनील कुमार , कुलसचिव (प्रभारी)	पदेन सचिव

कार्यकाल: कुलपति, सम-कुलपति, अधिष्ठाता (छात्र कल्याण), कुलानुशासक तथा पुस्तकालयाध्यक्ष को छोड़कर शैक्षणिक परिषद के सभी सदस्यों की पदावधि तीन वर्ष की होगी, यद्यपि छात्र सदस्यों का कार्यकाल एक शैक्षणिक वर्ष होगा।

कोरम: “शैक्षणिक परिषद् की बैठक के लिए गणपूर्ति, कुलपति को छोड़कर, शैक्षणिक परिषद् के कुल सदस्यों की आधी संख्या होगी”

वित्त समिति
(31 मार्च 2025)

अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) टंकेश्वर कुमार कुलपति	
सम-कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ (रिक्त)	
संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार शिक्षा मंत्रालय, या शिक्षा मंत्रालय के वित्त ब्यूरो से भारत के माननीय राष्ट्रपति का नामनिर्देशिती, जो उप सचिव के पद से नीचे का न हो	शिक्षा मंत्रालय का संयुक्त सचिव (के.वि एवं भाषा), या भारत के माननीय राष्ट्रपति का नामनिर्देशिती, जो भारत सरकार के संयुक्त सचिव के पद से नीचेका न हो
संयुक्त सचिव (सीयू), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित संयुक्त सचिव स्तर का अन्य अधिकारी	प्रो. बी बी गोयल (सेवानिवृत्त) प्रोफेसर (लोक प्रशासन), पंजाबविश्वविद्यालय, चंडीगढ़, कार्य परिषद् के नामनिर्देशिती के तौर पर (कार्य परिषद के सदस्य के रूप में)
प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा , एमेरिटस फेलो, रसायन विज्ञान विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र कार्य परिषद् के नामनिर्देशिती की हैसियत से	डॉ विकास गुप्ता , कुलसचिव, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय सभा (कोर्ट) के नामनिर्देशिती की हैसियत से
प्रो. (डॉ.) आर के गुप्ता , कुलपति महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय सोलन, हिमाचल प्रदेश - कार्य परिषद के नामनिर्देशिती की हैसियत से (कार्य परिषद के सदस्य के रूप में)	डॉ. विकास कुमार , वित्त अधिकारी, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सचिव)

**विश्वविद्यालय के विभाग तथा शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान विभिन्न
पाठ्यक्रमों में छात्र नामांकन**

क्र.स.	कार्यक्रम का नाम	प्रवेश क्षमता	नामांकित छात्र संख्या
मौलिक विज्ञान विभाग			
रसायन विज्ञान विभाग			
1.	एकीकृत बी.एससी-एस.एससी (रसायन विज्ञान)	35	36
2.	एम.एससी. (रसायन विज्ञान)	50	42
3.	पीएच.डी. (रसायन विज्ञान)	3	2
कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग			
1.	कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर (एमसीए)	50	47
2.	एम.एससी. (डेटा साइंस)	30	24
3.	पीएच.डी. (सीएसआईटी)	11	5
भूगोल विभाग			
1	एम.एससी. (भूगोल)	50	45
2.	एम.एससी. (भूसूचना विज्ञान)	20	16
3.	पीएच.डी. (भूगोल)	1	2
गणित विभाग			
1.	एकीकृत बी.एससी-एस.एससी (गणित)	35	36
2.	एम.एससी. (गणित)	50	42
3.	पीएच.डी. (गणित)	3	2
भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग			
1.	एकीकृत बी.एससी-एस.एससी (भौतिक विज्ञान)	40	41

2.	एम.एससी. (भौतिक विज्ञान)	50	44
3.	पीएच.डी. (भौतिक विज्ञान)	5	5
सांख्यिकी विभाग			
1.	एम.एससी. (सांख्यिकी)	40	26
2.	पीएच.डी. (सांख्यिकी)	4	1
व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल			
वाणिज्य कर विभाग			
1.	एम.कॉम	50	41
2.	पीएच.डी. (वाणिज्य)	1	1
अर्थशास्त्र विभाग			
1.	एमए (अर्थशास्त्र)	40	28
2.	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र)	0	0
प्रबंधन अध्ययन विभाग			
1.	व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर	50	48
2.	पीएच.डी. (प्रबंधन)	3	3
पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग			
1.	एमएचएमसीटी	30	18
2.	एमटीटीएम	30	22
3.	पीएच.डी. (पर्यटन एवं होटल प्रबंधन)	4	0
शिक्षा पीठ			
शिक्षक शिक्षा विभाग			
1.	बी.एड	100	91

2.	एम.एड.	50	27
3.	पीएच.डी. (शिक्षा)	45	31
4.	बीए बी.एड	50	45
शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग			
1.	एम पी इ डी	40	37
2.	पीएच.डी. (शारीरिक शिक्षा एवं खेल)	9	8
अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ			
सिविल अभियांत्रिकी विभाग			
1.	बी.टेक. (सिविल अभियांत्रिकी)	60	63
2.	एम.टेक. (संरचनात्मक अभियांत्रिकी)	18	14
3.	पीएच.डी. (सिविल अभियांत्रिकी)	10	3
कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग			
1.	बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)	60	68
2.	एम.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)	18	12
3.	पीएच.डी. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)	6	3
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग			
1.	बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी)	60	58
2.	एम.टेक. (ऊर्जा प्रणाली एवं प्रबंधन)	18	7
3.	पीएच.डी. (विद्युत अभियांत्रिकी)	11	3
मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग			
1.	बी.टेक. (प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी)	30	35
2.	पीएच.डी. (प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी)	4	4

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ			
अंग्रेजी एवं विदेशी भाषाएँ विभाग			
1.	एमए (अंग्रेजी)	40	37
2.	पीएच.डी. (अंग्रेजी)	3	3
हिंदी विभाग			
1.	एमए (हिंदी)	35	23
2.	एम.ए. (हिंदी अनुवाद)	25	4
3.	पीएच.डी. (हिंदी)	6	6
इतिहास एवं पुरातत्व विभाग			
1.	एमए (इतिहास एवं पुरातत्व)	35	29
2.	पीएच.डी. (इतिहास)	5	5
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग			
1.	एमए (जेएमसी)	30	19
2.	पीएच.डी. (जेएमसी)	6	3
राजनीति विज्ञान विभाग			
1.	एमए (राजनीति विज्ञान)	45	33
2.	पीएच.डी. (राजनीति विज्ञान)	1	0
मनोविज्ञान विभाग			
1.	बाल मार्गदर्शन एवं परामर्श में उच्च डिप्लोमा (एडीसीजीसी)	25	20
2.	पुनर्वास मनोविज्ञान में पीजी डिप्लोमा (पीजीडीआरपी)	25	17
3.	बी.एससी. (ऑनर्स) मनोविज्ञान	40	40

4.	एमए (मनोविज्ञान)	40	42
5.	पीएच.डी. (मनोविज्ञान)	4	2
संस्कृत विभाग			
1.	एमए (संस्कृत)	30	16
2.	पीएच.डी. संस्कृत	3	2
समाजशास्त्र विभाग			
1.	एमए (समाजशास्त्र)	35	20
2.	पीएच.डी. (समाजशास्त्र)	3	2
अंतःविषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान स्कूल			
जैव रसायन विभाग			
1.	एम.एससी. (जैव रसायन)	35	29
2.	पीएच.डी. (जैव रसायन)	7	6
जैव प्रौद्योगिकी विभाग			
1.	एम.एससी. (जैव प्रौद्योगिकी)	35	32
2.	पीएच.डी. (जैव प्रौद्योगिकी)	7	3
पर्यावरण अध्ययन विभाग			
1.	एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान)	40	30
2.	पीएच.डी. (पर्यावरण विज्ञान)	9	9
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग			
1.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर	30	27
2.	पीएच.डी. (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान)	3	3
सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग			

1.	एम.एससी. (सूक्ष्मजीव विज्ञान)	35	28
2.	पीएच.डी. (सूक्ष्मजीव विज्ञान)	8	6
पोषण जीव विज्ञान विभाग			
1.	एम.एससी. (पोषण जीवविज्ञान)	30	22
2.	पीएच.डी. (पोषण जीवविज्ञान)	8	3
योग विभाग			
1.	एम.एससी. (योग)	20	18
2..	पीएच.डी. (योग)	0	0
भेषज विज्ञान विभाग			
1.	एम.फार्मा.(फार्माकोग्नॉसी)	6	6
2.	एम.फार्मा.(फार्माकोलॉजी)	12	12
3.	पीएच.डी. (फार्मास्युटिकल साइंसेज)	4	0
विधि पीठ			
विधि विभाग			
1.	एलएलबी	30	51
2.	एलएलएम	30	19
3.	पीएच.डी. (विधि)	3	3
सतत् अध्ययन पीठ			
व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग			
1.	बी.वोक. (जैव चिकित्सा विज्ञान)	50	47
2.	बी.वोक. (औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन)	50	41
3.	बी.वोक. (खुदारा एवं रसद प्रबंधन)	65	63

छात्रों की उपलब्धियां

क्र. स.	विभाग	जेआरएफ/नेट/गेट/सीटीईटी उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	प्लेसमेंट/ उच्च अध्ययन हेतु चयनित	प्रदत्त एम.फिल. एवं पीएच.डी.	प्रतियोगिता परीक्षा एवं अन्य उपलब्धियां
मौलिक विज्ञान पीठ					
1.	रसायन विज्ञान विभाग	6	6	3	4
2.	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	6	13	4	-
3.	भूगोल	20	14	5	5
4.	गणित	14	7	5	-
5.	भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग	11	30	-	3
6.	सांख्यिकी विभाग	2	1	-	-
बिजनेस एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ					
7.	प्रबंधन अध्ययन विभाग	2	2	6	5
8.	अर्थशास्त्र विभाग	-	2	-	-
9.	वाणिज्य विभाग	20	3	2	-
10.	पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग	01	28	1	-
शिक्षा पीठ					
11.	शिक्षक शिक्षा विभाग	98	55	2	-
12.	शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग	8	14	3	5
अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ					
13.	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	7	23	1	3
14.	सिविल अभियांत्रिकी	7	15	-	-
15.	विद्युत अभियांत्रिकी	4	21	1	-
16.	मुद्रण एवं पैकेजिंग विभाग	-	12	-	-
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ					
17.	अंग्रेजी एवं विदेशी भाषाएँ विभाग	20	8	7	2

18.	हिंदी विभाग	13	4	2	-
19.	इतिहास एवं पुरातत्व विभाग	2	1	2	-
20.	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	-	14	-	-
21.	राजनीति विज्ञान विभाग	19	5	8	1
22.	मनोविज्ञान विभाग	39	-	2	15
23.	संस्कृत विभाग	7	2	-	1
24.	समाज शास्त्र विभाग	7	6	4	7
अंतःविषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ					
25.	जैव रसायन विज्ञान विभाग	4	6	3	5
26.	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	5	11	4	2
27.	सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	6	3	3	-
28.	पोषण जीवविज्ञान विभाग	2	3	1	4
29.	भेषज विज्ञान विभाग	01	4	-	-
30.	पर्यावरण विभाग	7	12	-	-
31.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग				
32.	योग विभाग	4	11	1	-
विधि पीठ					
33.	विधि विभाग	1	4	4	-
सतत अध्ययन पीठ					
34.	व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग जैव चिकित्सा विज्ञान	9	25	-	11
	बी. वोक (खुदरा एवं रसद प्रबंधन)	-	25	-	4
	बी. वोक (औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन)	-	प्लेसमेंट- 01 उच्च अध्ययन-07	-	2 अन्य उपलब्धियों

शुल्क संरचना

CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA

First Year Fee Structure

S.No.	Account Head	Diploma Programmes	Integrated Programmes	UG Programmes				PG Programmes						
		PGDRP/ADCGC	(B.Sc.-M.Sc)/BA.LL.B. (Hons)/B.A.B.Ed.	LL.B. (3 Year Professional Course)	B.Tech.	B.Voc.	B.Sc. (Hons)	Humanities and Social Sciences	Science/ Professional Courses/ M.P.Ed.	M.Pharm.	M.A. (Hindi Translation)	B.Ed.	M.Ed.	M.Tech
		A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M
1	Security Deposit (Refundable)	2000	2000	2000	5000	2000	2000	1000	2000	2000	1000	3000	3000	2000
2	Admission Fee	2500	1500	1500	3000	500	1500	500	1500	1500	500	2000	3000	1500
3	Enrolment Fee	800	600	600	600	600	600	600	600	600	600	600	600	600
4	Registration Fee	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
5	Identity Card	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100
6	Red Cross Fund	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80
7	Rover/Ranger Fund	0	50	50	50	50	50	50	50	50	50	50	50	50
8	NSS fee	20	20	20	20	20	20	20	20	20	20	20	20	20
9	Insurance fee	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200
10	Student Welfare Fund	400	400	400	400	400	400	400	400	400	400	400	400	400
11	Annual Day	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100
12	University Magazine	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200
13	Library Fee	4000	1000	1000	1000	1000	1000	1000	1000	2000	1000	4000	2000	1000
14	Tuition Fee	5000	4000	1000	36000	2570	4000	1000	1000	3000	6000	5000	5000	26000

		A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M
15	Electricity/Water charges	300	300	300	300	300	300	300	300	300	300	300	300	300
16	Cultural activities Fee	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150
17	Computer Lab Fee/ Internet Fee/ICT	2000	400	400	400	400	400	400	400	400	400	1000	2000	400
18	Examination Fee	4000	3000	3000	6000	1000	3000	1000	3000	3000	1000	3000	3000	3000
19	University Development Fund	300	300	300	6000	300	300	300	300	300	300	300	300	300
20	Medical Charges	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250
21	Sports Fee	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250
22	Lab Fee/Industrial visit/field work/Internship	4500	3000	3000	5000	1500	3000	0	3000	3000	0	2000	2000	3000
23	Student Academic activities	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100
24	Course Fee	5000	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5000	0	0
Total		32250	18000	15000	65200	12070	18000	8000	15000	18000	13000	28100	23100	40000
Total (For SC/ST Students) (Tuition Fee Exempted for SC/ST Students)		27250	14000	14000	29200	9500	14000	7000	14000	15000	7000	23100	18100	14000

Note:

The Annual Fee is to be paid in two installments i.e. one Installment in each semester.

Installment Details (Except SC/ST)														
1	1st Installment (50%)	16125	9000	7500	32600	6035	9000	4000	7500	9000	6500	14050	11550	20000
2	2nd Installment (50%)	16125	9000	7500	32600	6035	9000	4000	7500	9000	6500	14050	11550	20000

For SC/ST Students: The SC/ST Students may pay their annual fees in three instalments. **First Instalment:** Admission Fees, Enrolment Fees, Identity Card Fee, Insurance Fee, Security deposit. The remaining fees may be paid in two equal instalments upto 15 days from the commencement of the Term End Examinations.

Humanities and Social Sciences: M.A. (Economics, English, Hindi, History, Political Science, Sociology, Sanskrit), M.Com.

Science/ Professional Courses: M.A. (Psychology), M.Sc. (Environmental Studies, Geography, Chemistry, Physics, Mathematics, Statistics, Microbiology, Biochemistry, Nutrition Biology, Biotechnology, Yoga, Data Science, Geoinformatics), M.B.A., LL.B., LL.M., M.C.A., M.A.(JMC), M.H.M.C.T., M.T.T.M., M. Lib. & In. Sc., M.Pharm., M.P.ED.

CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA

Subsequent/Final Year Fee Structure

Subsequent/Final Year Fee Structure													
S.No.	Account Head	Integrated Programmes	UG Programmes				PG Programmes						
		(B.Sc.-M.Sc)/ BA/LL.B.(Hons)/ B.A.B.Ed.	LL.B. (3 Year Professional Course)	B.Tech.	B.Voc.	B.Sc. (Hons)	Humanities and Social Sciences	Science/ Professional Courses/ M.P.Ed.	M.Pharm.	M.A. (Hindi Translation)	B.Ed.	M.Ed.	M.Tech.
		A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L
1	Red Cross Fund	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80
2	Rover/Ranger Fund	50	50	50	50	50	50	50	50	50	50	50	50
3	NSS fee	20	20	20	20	20	20	20	20	20	20	20	20
4	Insurance fee	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200
5	Student Welfare Fund	400	400	400	400	400	400	400	400	400	400	400	400
6	Annual Day	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100
7	University Magazine	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200	200
8	Library Fee	1000	1000	3600	1000	1000	1000	1000	2000	1000	4000	2500	1000
9	Tuition Fee	4000	1000	36000	2570	4000	1000	1000	3000	6000	5000	5000	26000
10	Electricity/Water charges	300	300	300	300	300	300	300	300	300	300	300	300
11	Cultural activities Fee	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150
12	Computer Lab Fee/ Internet Fee/ICT	500	500	500	500	500	500	500	500	500	1100	2100	500

		A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L
13	Examination Fee	3000	3000	6000	1000	3000	2000	3000	3000	2000	3000	3000	3000
14	University Development Fund	300	300	6000	300	300	300	300	300	300	300	300	300
15	Medical Charges	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250
16	Sports Fee	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250	250
17	Lab Fee/Industrial visit/field work/Internship	3000	3000	6000	2600	3000	0	3000	3000	0	5000	2000	3000
18	Student Academic activities	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100
19	Course Fee	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5000	0	0
Total		13900	10900	60200	10070	13900	6900	10900	13900	11900	25500	17000	35900
Total (For SC/ST Students) (Tuition Fee Exempted for SC/ST Students)		9900	9900	24200	7500	9900	5900	9900	10900	5900	20500	12000	9900

Note:

The Annual Fee is to be paid in two Installments i.e. one Installment in each semester.

Installment Details (Except SC/ST)													
1	1st Installment (50%)	6950	5450	30100	5035	6950	3450	5450	6950	5950	12750	8500	17950
2	2nd Installment (50%)	6950	5450	30100	5035	6950	3450	5450	6950	5950	12750	8500	17950

For SC/ST Students: The SC/ST Students may pay their annual fees in three instalments. **First Instalment:** Admission Fees, Enrolment Fees, Identity Card Fee, Insurance Fee, Security deposit. The remaining fees may be paid in two equal instalments upto 15 days from the commencement of the Term End Examinations.

Humanities and Social Sciences: M.A. (Economics, English, Hindi, History, Political Science, Sociology, Sanskrit), M.Com.

Science/ Professional Courses: M.A. (Psychology), M.Sc. (Environmental Studies, Geography, Chemistry, Physics, Mathematics, Statistics, Microbiology, Biochemistry, Nutrition Biology, Biotechnology, Yoga, Data Science, Geoinformatics), M.B.A., LL.B., LL.M., M.C.A., M.A.(JMC), M.H.M.C.T., M.T.T.M., M. Lib & In. Sc., M.Pharm., M.P.Ed.

CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA
(FEE STRUCTURE)
Ph.D. (1st Year)

S.No.	Account Head	Humanities and Social Sciences	Sciences/ Professional Courses
1	Security Deposit (Refundable)	2000	2000
2	Admission Fee	2500	2500
3	Enrolment Fee	1000	1000
4	Registration Fee	2000	2000
5	Identity Card	100	100
6	Red Cross Fund	80	80
7	NSS fee	20	20
8	Insurance fee	200	200
9	Student Welfare Fund	800	800
10	Annual Day	100	100
11	University Magazine	200	200
12	Library Fee	2000	2000
13	Tuition Fee	1000	1000
14	Electricity/Water charges	600	600
15	Cultural activities Fee	200	200
16	Computer Lab Fee/ Internet Fee/ICT	3000	3000
17	Examination Fee	2000	2000
18	University Development Fund	2100	2100
19	Medical Charges	250	250
20	Sports Fee	250	250
21	Lab Fee/Industrial visit/field work/Internship	0	2000
22	Student Academic activities	200	200
23	Course Fee	0	0
Total		20600	22600
Total (For SC/ST Students) <i>(Tuition Fee Exempted for SC/ST Students)</i>		19600	21600

Note:

The Annual Fee is to be paid in two Installments i.e. one Installment in each semester.

Installment Details (Except SC/ST)			
1	1st Installment (50%)	10300	11300
2	2nd Installment (50%)	10300	11300

For SC/ST Students: The SC/ST Students may pay their annual fees in three instalments.

First Instalment: Admission Fees, Enrolment Fees, Identity Card Fee, Insurance Fee, Security deposit. The remaining fees may be paid in two equal instalments upto 15 days from the commencement of the Term End Examinations.

CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA

(FEE STRUCTURE)

Ph.D. (Subsequent/Final Year)

S.No.	Account Head	Humanities and Social Sciences	Sciences/ Professional Courses
1	Red Cross Fund	80	80
2	NSS fee	20	20
3	Insurance fee	200	200
4	Student Welfare Fund	500	500
5	Annual Day	100	100
6	University Magazine	200	200
7	Library Fee	2000	2000
8	Tuition Fee	1000	1000
9	Electricity/Water charges	600	600
10	Cultural activities Fee	200	200
11	Computer Lab Fee/ Internet Fee/ICT	3000	3000
12	Progress Evaluation Fee	2000	2000
13	University Development Fund	2500	2500
14	Medical Charges	250	250
15	Sports Fee	250	250
16	Lab Fee/Industrial visit/field work/Internship	0	2000
17	Student Academic activities	200	200
18	Course Fee	0	0
Total		13100	15100
Total (For SC/ST Students) (Tuition Fee Exempted for SC/ST Students)		12100	14100

Note:

The Annual Fee is to be paid in two Installments i.e. one Installment in each semester.

Installment Details (Except SC/ST)			
1	1st Installment (50%)	6550	7550
2	2nd Installment (50%)	6550	7550

For SC/ST Students: The SC/ST Students may pay their annual fees in three instalments.

First Instalment: Admission Fees, Enrolment Fees, Identity Card Fee, Insurance Fee, Security deposit. The remaining fees may be paid in two equal instalments upto 15 days from the commencement of the Term End Examinations.

छात्रों द्वारा देय अन्य शुल्क

क्र.स.	विवरण	शुल्क राशि (रु.)
1.	डुप्लीकेट पहचान पत्र	100/-
2.	प्रवासन प्रमाणपत्र	400/-
3.	अनंतिम परिणाम	250/-
4.	अनंतिम डिग्री	300/-
5.	पुनः प्रवेश शुल्क	750/-
6.	डुप्लीकेट डिटेल्ड अंक तालिका (DMC/मार्कशीट)	200/-
7.	पुनर्मूल्यांकन शुल्क	1000/- (प्रति पेपर)
8.	पुनः परीक्षा शुल्क	600/- (प्रति पेपर)
9.	आधिकारिक प्रतिलेख शुल्क	1000/- (प्रति प्रति)
10.	डिग्री शुल्क/डुप्लीकेट डिग्री	500/-
11.	डुप्लीकेट प्रवेश पत्र	100/-
12.	डिग्री/मार्क्स कार्ड सत्यापन	500/-
13.	पीएच.डी. शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना	5000/-
14.	एम.फिल. शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना	3000/-
15.	उत्तर पुस्तिकाओं की प्रतिलिपि	500/-
16.	ग्रेड सुधार	3000/-

छात्रावास शुल्क संरचना
(केवल ऑनलाइन मोड से भुगतान)

क) सामान्य वर्ग के छात्र		
सेमेस्टर-I (छात्रावास में प्रवेश के समय देय)		
क्र.स.	मद	राशि (रु.)
1.	वार्षिक शुल्क	4100
2.	सुरक्षा शुल्क (वापसी योग्य)	2000
3.	मासिक शुल्क (अगस्त से दिसंबर)	2800
	कुल	8900
सेमेस्टर द्वितीय		
1.	मासिक शुल्क (जनवरी से जून)	3300
	कुल	3300
ख) एससी/एसटी वर्ग के छात्र		
सेमेस्टर-I		
1.	वार्षिक शुल्क	4100
2.	सुरक्षा शुल्क (वापसी योग्य)	2000
3.	मासिक शुल्क (अगस्त से दिसंबर)	2000
	कुल	8100
सेमेस्टर द्वितीय		
1.	मासिक शुल्क (जनवरी-जून)	2300
	कुल	2300

विश्वविद्यालय शिक्षण संकाय

क्र. स.	नाम	पदनाम	उच्चतम योग्यता	अनुभव (वर्षों में)	विशेषज्ञता	प्रकाशनों की कुल संख्या एवं एच इंडेक्स
मौलिक विज्ञान पीठ						
रसायन विज्ञान विभाग						
1.	प्रो. हरीश कुमार	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	20+	इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री, करोज़न साइंस, सेंसर, नैनोटेक्नोलॉजी	एन: 196 एच इंडेक्स: 26
2.	प्रो. विनोद कुमार	आचार्य	पीएच.डी.	16+	हेटरोसाइक्लिक केमिस्ट्री, ग्रीन केमिस्ट्री, मेडिसिनल केमिस्ट्री, API और इंटरमीडिएट्स का प्रोसेस डेवलपमेंट	एन: 99 एच इंडेक्स: 27
3.	प्रो. पवन के. शर्मा	आचार्य	पीएच.डी.	25+	विषमचक्र, कार्बनिक संश्लेषण	एन: 146 एच इंडेक्स: 37
4.	डॉ. मनोज कुमार गुप्ता	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	08+	कार्बनिक संश्लेषण, औषधीय रसायन विज्ञान, सामग्री	एन: 65 एच इंडेक्स: 20
5.	डॉ. प्रकाश कानू (ऑन लियन)	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	08+	पोरस मटीरियल, मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क, कैटेलिसिस, दवाओं/APIs की परफॉर्मेंस में सुधार	एन: 29 एच इंडेक्स: 20
6.	डॉ. अज़ाज अंसारी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	08+	इलेक्ट्रॉनिक संरचनाएं, स्पेक्ट्रोस्कोपिक पैरामीटर, DSSCs, रिएक्शन मैकेनिज्म और बायोलॉजिकल एक्टिविटी	एन: 68 एच इंडेक्स: 19

7.	डॉ. अनिदिता चक्रवर्ती (इंस्पायर फैकल्टी)	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	04	CO ₂ कैप्चर और कन्वर्जन के लिए पोरस मटीरियल, ऑर्गेनोमेटेलिक्स, कंपोजिट	एन: 25 एच इंडेक्स:15
कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग						
1.	प्रो. केशव सिंह रावत	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	17	डेटा विश्लेषण इंटरनेट ऑफ थिंग्स क्वांटम कम्प्यूटिंग फॉग कम्प्यूटिंग साइबर फिजिकल सिस्टम.	एन: 27 एच इंडेक्स:15
2.	प्रो. सिंगारा सिंह कसाना	आचार्य	पीएच.डी.	25	मशीन लर्निंग, इमेज एवं वीडियो सुरक्षा, वीडियो डीहेजिंग, इमेज पुनर्निर्माण, छवि विभाजन, इमेज संपीड़न, डीप फेक डिटेक्शन, वास्तविक समय अनुप्रयोगों के लिए हाइपरस्पेक्ट्रल और मल्टीस्पेक्ट्रल इमेज विश्लेषण।	एन: 75 एच इंडेक्स:18
3.	डॉ. पवन सिंह	सह-आचार्य	पीएच.डी.	15	वानेट, मशीन लर्निंग और डीप न्यूरल नेटवर्क	एन: 15 एच इंडेक्स:10
4.	डॉ. सुनील कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	10	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर नेटवर्किंग, इंटरनेट ऑफ व्हीकल	एन: 12 एच इंडेक्स:4
5.	डॉ. सूरज आर्य	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	07	डेटाबेस, इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी, सिस्टम ऑटोमेशन, क्रिप्टोग्राफी, इन्फॉर्मेशन एन्क्रिप्शन टेक्नीक	एन:18 एच इंडेक्स:3
6.	डॉ. अनूप कुमार तिवारी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	07	कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, बायोइन्फॉर्मेटिक्स	एन: 48 एच इंडेक्स:15

7.	डॉ. प्रीति मराठा	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	04	ऑप्टिमाइजेशन, मशीन लर्निंग नेटवर्किंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स	एन: 18 एच इंडेक्स:8
भूगोल विभाग						
1.	प्रो. एमएल मीणा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	18	राजनीतिक भूगोल, क्षेत्रीय योजना और क्षेत्र अध्ययन	एन: 54 एच इंडेक्स:10
2.	डॉ. जितेंद्र कुमार	आचार्य	पीएच.डी.	12	शहरी और क्षेत्रीय नियोजन में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोग	एन: 20 एच इंडेक्स: 06
3.	डॉ. मनीष कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	10	शहरी और क्षेत्रीय प्लानिंग, ज़मीन के इस्तेमाल और ज़मीन के कवर के डायनामिक्स, और एनवायर्नमेंटल मॉनिटरिंग और मॉडलिंग वगैरह में रिमोट सेंसिंग और GIS का इस्तेमाल।	एन: 41 एच इंडेक्स:15
4.	डॉ. खेराज	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	10	जनसंख्या अध्ययन, सामाजिक सुरक्षा, वृद्धावस्था, प्रवास और पर्यावरण	एन: 15 एच इंडेक्स:02
5.	डॉ. छीतर मल मीणा	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	08	राजनीतिक भूगोल, आपदा प्रबंधन, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस	एन: 12 एच इंडेक्स:02
6.	डॉ विक्रम कुमार रंगा	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	1	भू-आकृति विज्ञान, रिमोट सेंसिंग और GIS के अनुप्रयोग	एन: 17 एच-इंडेक्स: 9

गणित विभाग						
1.	डॉ. एके यादव	वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	32	इमेज प्रोसेसिंग, गणितीय मॉडलिंग	एन:103 एच इंडेक्स:26
2.	डॉ. राजेश कुमार गुप्ता	आचार्य	पीएच.डी.	20	गैर-रैखिक PDEs	एन: 102 एच इंडेक्स:24
3.	डॉ. जितेंद्र कुमार	आचार्य	पीएच.डी.	13	खगोल भौतिकी में गणितीय मॉडलिंग, अनुप्रयुक्त गणित	एन: 67 एच इंडेक्स:16
4.	डॉ. अरुण काजला	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	09	ऑपरेटर सिद्धांत, सन्निकटन सिद्धांत	एन: 80 एच इंडेक्स:21
5.	डॉ. जगजीत	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	08	शुद्ध गणित	एन: 18 एच इंडेक्स: 03
6.	डॉ. शाहजहाँ	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	07	फंक्शनल एनालिसिस, फ्रेम्स और वेवलेट्स, फ्रैक्शनल कैलकुलस और मैथमेटिकल मॉडलिंग	एन: 34 एच इंडेक्स:13
7.	डॉ. पवन कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	12	व्यावहारिक गणित	एन: 18 एच इंडेक्स:10
भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग						
1.	प्रो. सुनीता श्रीवास्तव	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	34	सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिकी	एन: 141 एच इंडेक्स:21
2.	प्रो. सुनील कुमार	आचार्य	पीएच.डी.	25	थ्योरेटिकल न्यूक्लियर फिजिक्स; एक्सप्टल. रेडिएशन फिजिक्स	एन: 120 एच इंडेक्स:20
3.	डॉ. अंकुश विज	सह-आचार्य	पीएच.डी.	15	एक्सप्टल. संघनित पदार्थ भौतिकी	एन: 120 एच इंडेक्स:25

4.	डॉ. राकेश कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	10	एक्सप्टल. संघनित पदार्थ भौतिकी; एनोटेक्नोलॉजी	एन: 29 एच इंडेक्स:15
5.	डॉ. जसवंत यादव	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	15	खगोल भौतिकी	एन: 16 एच इंडेक्स:9
6.	डॉ. रामोवतार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	05	एक्सप्टल. संघनित पदार्थ भौतिकी	एन: 12 एच इंडेक्स:6
7.	डॉ. मीनू ठाकुर	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5.5	प्रायोगिक परमाणु भौतिकी	एन: 85 एच इंडेक्स:13
सांख्यिकी विभाग						
1.	प्रो. रंजन कुमार साहू	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	34	सर्वेक्षण नमूनाकरण, जनसांख्यिकी	एन: 39 एच इंडेक्स-2
2.	डॉ. कपिल कुमार (लियन पर)	सह-आचार्य	पीएच.डी.	12	बायेसियन अनुमान	एन: 26 एच इंडेक्स:1
3.	डॉ. देवेन्द्र कुमार (लियन पर)	सह-आचार्य	पीएच.डी.	11	ऑर्डर सांख्यिकी, वितरण सिद्धांत	एन: 146 एच इंडेक्स: 19
4.	डॉ. विनय कुमार	सह-आचार्य	पीएच.डी.	12	रिग्रेशन एनालिसिस, बायेसियन कंप्यूटेशन, स्टैटिस्टिकल जेनेटिक्स और बायोमेट्रिकल मेथड	एन: 48 एच इंडेक्स: 06
5.	डॉ. जोगिंदर	सह-आचार्य	पीएच.डी.	12	विश्वसनीयता सिद्धांत और मॉडलिंग, समय श्रृंखला विश्लेषण	एन: 41 एच इंडेक्स: 06
6.	डॉ. मनोज कुमार (ग्रहणाधिकार पर)	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	09	बायेसियन अनुमान और पारिस्थितिक मॉडल	एन: 28 एच इंडेक्स: 09
7.	डॉ. रविंदर सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	07	स्टोकेस्टिक मॉडलिंग, विश्वसनीयता विश्लेषण, मशीन लर्निंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता	एन: 20 एच इंडेक्स:6

8.	डॉ. पवित्रा कुमारी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	02	बायेसियन अनुमान	एन: 13 एच इंडेक्स:3
9.	डॉ. अनूप कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3.5	सैंपल सर्वे, मिसिंग डेटा, मेज़रमेंट एर, छोटे एरिया का अनुमान	एन: 120, एच इंडेक्स:18
व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल						
प्रबंधन अध्ययन विभाग						
1.	प्रो. सुनीता तंवर	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	23	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप, HR एनालिटिक्स और रिसर्च मेथोडोलॉजी	एन: 56 एच इंडेक्स: 06
2.	प्रो. आनंद शर्मा	आचार्य	पीएच.डी.	25	वित्त और अकाउंटिंग	एन: 36 एच इंडेक्स: 02
3.	प्रो. आशीष माथुर	आचार्य	पीएच.डी.	20	मार्केटिंग, एचआर, ओबी	एन: 45 एच इंडेक्स: 03
4.	डॉ. अजय कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	13	विपणन	एन: 12 एच-इंडेक्स: 09
5.	डॉ. दिव्या	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	12	एचआर/ओबी/बैंकिंग/बीमा/लेखा	एन: 20 एच इंडेक्स:04
अर्थशास्त्र विभाग						
1.	डॉ. अमनदीप वर्मा	सह-आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	15	बैंकिंग, ग्रीन फाइनेंस, ग्रीन इकोनॉमी, फाइनेंशियल डेवलपमेंट और इकोनॉमिक ग्रोथ	एन: 24 एच इंडेक्स:02
2.	प्रो. रंजन अनेजा	आचार्य	पीएच.डी.	18	आर्थिक मॉडलिंग और नीति विश्लेषण	एन: 50 एच इंडेक्स:16
3.	डॉ. सुमित कुमार	सह-आचार्य	पीएच.डी.	12	अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र, स्वास्थ्य अर्थशास्त्र	एन: 19 एच-इंडेक्स: 5
4.	डॉ. रश्मि तंवर	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	10	विकास अर्थशास्त्र	एन: 09

5.	सुश्री रेणु	सहायक आचार्य	एम.फिल.	12	ग्रामीण विकास, श्रम अर्थशास्त्र	एन: 10
वाणिज्य कर विभाग						
1.	डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	14	बैंकिंग और वित्त	एन: 12 एच इंडेक्स: 01
2.	प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया	आचार्य	पीएच.डी.	13	लेखांकन, वित्त, सामान्य प्रबंधन	एन: 04 एच इंडेक्स: 08
3.	डॉ. सुमन	आचार्य	पीएच.डी.	16	कॉर्पोरेट प्रशासन, वित्त और सामान्य प्रबंधन	एन: 01
4.	डॉ. रविंदर कौर	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	12	विपणन और वित्त	एन: 05
5.	डॉ. भूषण सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	08	वित्त और विपणन	एन: 03
पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग						
1.	प्रो. (डॉ.) रणबीर सिंह	आचार्य	पीएचडी	18	पर्यटन	एन: 50 एच इंडेक्स: 5
2.	प्रो. (डॉ.) अंकुश अंबरदार	आचार्य	पीएचडी	21	होटल प्रबंधन और आतिथ्य एचआरएम	एन: 44 एच इंडेक्स: 10
3.	डॉ. के.एन. लोकेश	सह-आचार्य	पीएचडी	13	पर्यटन	एन: 18 एच इंडेक्स: 2
4.	डॉ. विवेक बाल्यान (प्रतिनियु क्ति पर)	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	09	आतिथ्य प्रबंधन	एन: 11 एच: 03

5.	डॉ. अनिल कुमार	सहायक आचार्य	पीएचडी	04	समुदाय आधारित पर्यटन और पर्यटन का प्रभाव	एन: 20 एच इंडेक्स: 3
6.	डॉ. अमित कुमार	सहायक आचार्य	पीएचडी	16	पर्यटन प्रबंधन, आतिथ्य और एयरलाइंस	एन: 65 एच इंडेक्स: 5
7.	डॉ. विकास सिवाच	सहायक आचार्य	पीएचडी	07	पर्यटन	एन: 3 एच इंडेक्स: 0
8.	डॉ. जितेंद्र कुमार	सहायक आचार्य	पीएचडी	15	होटल प्रबंधन और पर्यटन	एन: 10 एच इंडेक्स: 1
9.	डॉ. शिखा #	सहायक आचार्य	पीएचडी	11	आतिथ्य संचालन और कक्ष प्रभाग	एन: 19 एच इंडेक्स: 1

शिक्षा पीठ

शिक्षक शिक्षा विभाग

1.	प्रो. प्रमोद कुमार	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	21	शिक्षक शिक्षा, स्कूल शिक्षा और शैक्षिक प्रौद्योगिकी	एन: 34 एच इंडेक्स:02
2.	प्रो. दिनेश चहल	आचार्य	पीएच.डी.	22	शिक्षक शिक्षा, स्कूल शिक्षा	एन: 45 एच इंडेक्स: 05
3.	प्रो. नंद किशोर	आचार्य	पीएच.डी.	32	शिक्षक शिक्षा और शैक्षिक प्रबंधन और नेतृत्व सामाजिक विज्ञान और भाषाओं का शिक्षणशास्त्र, आईकेएस,	एन: 60 एच इंडेक्स: 03
4.	डॉ. रेणु यादव	सह-आचार्य	पीएच.डी.	15	शिक्षा में जेंडर, शिक्षा मनोविज्ञान, रिसर्च	एन: 54 एच इंडेक्स: 05
5.	डॉ. आरती यादव	सह-आचार्य	पीएच.डी.	14	शैक्षिक प्रौद्योगिकी, शिक्षक शिक्षा	एन: 28 एच इंडेक्स:02
6.	डॉ. मोरू मारियो	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	1.9	स्पेशलाइजेशन का खेल: फुटबॉल	एन: 02 एच इंडेक्स: 01
7.	डॉ. सरन प्रसाद	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	09	शिक्षक शिक्षा	एन: 10

8.	डॉ. राजरानी कुमारी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	7	सामाजिक विज्ञान का शिक्षण, इतिहास का शिक्षण, शिक्षा का समाजशास्त्र, स्वदेशी और आदिवासी शिक्षा, समावेशी शिक्षा	एन: 01
9.	डॉ. मुकेश उपाध्याय	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	1	थिएटर	एन: 09
10.	डॉ. देवेंद्र कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	1	जीवन विज्ञान शिक्षण, स्कूली शिक्षा	एन: 19
11.	श्री दिलीप कुमार पटेल	सहायक आचार्य	एम.फिल.	07	ड्राइंग और पेंटिंग (ललित कला)	एन: 07
12.	डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	10	उपकरण निर्माण	एन: 15 एच इंडेक्स: 01
13.	डॉ. अमित सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	17	शिक्षक शिक्षा	एन: 17
14.	डॉ. रुबुल कलिता	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	15	शिक्षा में परिप्रेक्ष्य	एन: 07
15.	डॉ. इंदु बाला	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	20	शिक्षा, मनोविज्ञान, अंग्रेजी	एन: 35 एच इंडेक्स:02
16.	डॉ. अर्चना यादव	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	09	शिक्षा में परिप्रेक्ष्य	एन: 11
17.	डॉ. आशीष कुमार धवन	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	4	भौतिक विज्ञान का शिक्षणशास्त्र	एन: 12
18.	डॉ. अजय कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	6	भौतिक विज्ञान का शिक्षणशास्त्र	एन: 12
19.	डॉ. महेंद्र कक्केरला	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	13	गणित का शिक्षणशास्त्र	एन: 06
20.	डॉ. किरण रानी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	08	शिक्षक शिक्षा	एन: 28

21.	डॉ. चांदवीर	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	17	मूल्य आधारित शिक्षा, समावेशी शिक्षा और सामाजिक विज्ञान का शिक्षणशास्त्र	एन: 14
22.	डॉ. नेहा बिश्रोई	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	09	शिक्षा, भौतिक विज्ञान का शिक्षणशास्त्र	एन: 11
23.	डॉ. रितु बाला	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	17	गणित शिक्षा, वैदिक गणित, अनुसंधान और सांख्यिकी, मूल्यांकन	एन: 15
24.	श्री संकल्प शर्मा	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	01	अंग्रेजी शिक्षण, समावेशी शिक्षा, शिक्षा	एन:02
शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग						
1.	प्रो. जयप्रकाश भूकर	आचार्य और प्रमुख	पीएच.डी.	19	एथलेटिक्स, शूटिंग, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स ट्रेनिंग	एन: 28 एच इंडेक्स: 06
2.	प्रो. रविंद्र पाल अहलावत	आचार्य	पीएच.डी.	25	एथलेटिक्स, खेल प्रशिक्षण	एन: 45 एच इंडेक्स:4
3.	डॉ. परवीन कुमार	सह-आचार्य	पीएच.डी.	19	एथलेटिक्स, योग और स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स।	एन: 18
4.	डॉ. संदीप ढल्ल	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	6	टेस्ट और मेजरमेंट, हॉकी, स्पोर्ट्स ट्रेनिंग	एन: 22 एच इंडेक्स:6
5.	डॉ. कुमार.पी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5.9	रिसर्च, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, रिसर्च, ICT, बायोमैकेनिक्स और काइनेसियोलॉजी	एन: 28 एच इंडेक्स: 03
6.	डॉ. गजेंद्र सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	11	स्पोर्ट्स मैनेजमेंट, हेल्थ एजुकेशन, न्यूट्रिशन, रेसलिंग	एन: 16

7.	डॉ. स्वाति चौधरी (लियन पर)	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5.9	खेल मनोविज्ञान	एन: 10
अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ						
कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग						
1.	प्रो. राकेश कुमार	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	20	वायरलेस नेटवर्क, मोबाइल कंप्यूटिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग	एन: 05 एच इंडेक्स:15
2.	डॉ. विपिन कुमार	सह-आचार्य	पीएच.डी.	10	मशीन लर्निंग; डेटा साइंस; डेटा माइनिंग; टेक्स्ट माइनिंग	एन: 07 एच इंडेक्स:15
3.	डॉ. विशाल पासरिचा	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	09	स्पीच रिकग्निशन, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, इन्फॉर्मेशन रिट्रीवल	एन: 1 एच इंडेक्स:8
4.	श्री अनंत राजी बाड़ा	सहायक आचार्य	एम.टेक	05	मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग	एन: 01 एच इंडेक्स:2
5.	डॉ. नितिन गोयल	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	16	वायरलेस सेंसर नेटवर्क, अंडरवाटर WSN, इंटरनेट ऑफ थिंग्स	एन: 15 एच इंडेक्स: 39
6.	डॉ. सुशील कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	22	इन्फॉर्मेशन रिट्रीवल, मशीन लर्निंग, डिस्ट्रिब्यूटेड कंप्यूटिंग	एन: 2 एच इंडेक्स:4
7.	सुश्री संगीता	सहायक आचार्य	एम.टेक .	07	सॉफ्ट कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग	एन: 02 एच इंडेक्स:2
सिविल अभियांत्रिकी विभाग						
1.	प्रो. विकास गर्ग	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	27	जल संसाधन इंजीनियरिंग	एन: 40 एच: 09

2.	प्रो. भास्कर दास	आचार्य	पीएच.डी.	15	पर्यावरण इंजीनियरिंग, जल संसाधन	संख्या: 62 एच: 35 उद्धरण: 5605
3.	डॉ. नीरज कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	06	संरचनात्मक गतिशीलता और भूकंप इंजीनियरिंग	एन: 18 एच: 07 उद्धरण: 182
4.	इंजी. दीपक राणा	सहायक आचार्य	एम.टेक.	8	भू - तकनीकी इंजीनियरिंग	एन: 8 एच: 02
5.	डॉ. रणबीर सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	05	संरचनागत वास्तुविद्या	एन: 15 एच: 07
6.	डॉ. अभिषेक जिंदल	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	07	परिवहन इंजीनियरिंग	एन: 10 एच: 05
7.	डॉ. विकास कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	9	संरचनात्मक एवं निर्माण इंजीनियरिंग	एन: 20 एच: 07
8.	इंजी. सनी तवार	सहायक आचार्य	एम.टेक	8.5	राजमार्ग सुरक्षा और इंजीनियरिंग	एन: 8 एच: 01
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग						
1.	प्रो. आकाश सक्सेना	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	21	अनुकूलन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता	एन: 146 एच इंडेक्स: 28
2.	प्रो. अजय कुमार बंसल	आचार्य	पीएच.डी.	25	पावर सिस्टम, रिन्यूएबल एनर्जी, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स	एन: 69 एच इंडेक्स: 16
3.	प्रो. राजेश कुमार दुबे	आचार्य	पीएच.डी.	23	डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग	एन: 28 एच इंडेक्स: 12
4.	डॉ. सुमित सैनी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	11	बिजली के इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इमेज प्रोसेसिंग	एन: 39 एच इंडेक्स: 07

5.	डॉ. मनीष कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	13	पावर सिस्टम, रिन्यूएबल एनर्जी रिसोर्स, डीरगुलेटेड इलेक्ट्रिक मार्केट, नोडल प्राइस	संख्या: 178 एच इंडेक्स: 38
6.	डॉ. मुनीश मानस	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	12	पावर सिस्टम इंजीनियरिंग	एन: 45 एच इंडेक्स:15
7.	डॉ. कल्पना चौहान	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	14	EV चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, मेडिकल इमेज प्रोसेसिंग	एन: 66 एच इंडेक्स:14
8.	डॉ. मुरलीधर नायक भूख्या	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	11	रिन्यूएबल एनर्जी, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पेशल मशीनें, इलेक्ट्रिक व्हीकल	एन: 36 एच इंडेक्स:12

मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग

1.	डॉ. शम्मी मेहरा	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	13	मुद्रण और पैकेजिंग प्रौद्योगिकी	एच इंडेक्स:1
2.	डॉ. संदीप बूरा	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	07	मुद्रण और पैकेजिंग प्रौद्योगिकी	एन:01 एच इंडेक्स:2
3.	श्री अनिल	सहायक आचार्य	पीएच.डी. अध्ययनरत, एम.टेक	10	मुद्रण और पैकेजिंग प्रौद्योगिकी	-
4.	श्री तरुण सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी. अध्ययनरत, एम.टेक	11	मुद्रण और पैकेजिंग प्रौद्योगिकी	-
5.	सुश्री सुमन कुमारी #	सहायक आचार्य	पीएच.डी. अध्ययनरत, एम.टेक	02	मुद्रण और पैकेजिंग	एन:01 एच इंडेक्स:2

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के अंतर्गत संबद्ध विषय के संकाय सदस्य

गणित (SoET)

1.	प्रो. फूल सिंह	आचार्य	पीएच.डी.	19	कम्प्यूटेशनल मैथ	एन: 103 एच इंडेक्स:24
----	----------------	--------	----------	----	------------------	--------------------------

2.	डॉ. प्रीति कुमारी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	6	अंक शास्त्र	-
रसायन विज्ञान (SoET)						
1.	प्रो. कल्पना चौहान	आचार्य	पीएच.डी.	17	ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, सस्टेनेबल मैटेरियल्स केमिस्ट्री	एन: 40 एच इंडेक्स:22
2.	डॉ. अमित कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	13	ऑर्गेनिक इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा भंडारण उपकरण	एन: 64 एच इंडेक्स:22
भौतिकी (SoET)						
1.	प्रो. मनोज कुमार सिंह	आचार्य	पीएच.डी.	21	अनुप्रयुक्त भौतिकी, नैनो प्रौद्योगिकी	एन: 148 एच इंडेक्स: 53
2.	डॉ. अंशु	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	14	एक्सपेरिमेंटल कंडेंसड मैटर फिजिक्स; मैटेरियल्स साइंस और नैनोटेक्नोलॉजी	एन: 77 एच इंडेक्स:31
3.	डॉ. चांदनी देवी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	03	संघनित पदार्थ भौतिकी	एन: 20 एच इंडेक्स: 07
अंग्रेजी संचार (SoET)						
1.	डॉ. पिकी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	06	मार्क्सवादी साहित्यिक अध्ययन	-
प्रबंधन अध्ययन (एसओईटी)						
1.	डॉ. मनीष कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	07	प्रबंधन अध्ययन	एन: 04 एच इंडेक्स: 01
पर्यावरण विज्ञान (SoET)						
1.	डॉ. दुष्यंत कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	03	पर्यावरण विज्ञान और तकनीकी	एन: 16 एच इंडेक्स: 07
मैकेनिकल इंजीनियरिंग (SoET)						
1.	डॉ. सुधीर कुमार [#]	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	06	मैकेनिकल इंजीनियरिंग, प्रोडक्शन इंजीनियरिंग, मटीरियल साइंस, वेल्डिंग इंजीनियरिंग	एन: 14 एच इंडेक्स: 08

1.	डॉ. मोहित मित्तल [#]	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	09	मैकेनिकल और औद्योगिक इंजीनियरिंग, मिश्रित सामग्री	एन: 20 एच इंडेक्स: 07
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ						
अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग						
1.	प्रो. संजीव कुमार	आचार्य	पीएच.डी.	25	उत्तर-औपनिवेशिक साहित्य, प्रवासी अध्ययन	एन: 28
2.	प्रो. तनु गुप्ता	आचार्य	पीएच.डी.	26	उत्तर-औपनिवेशिक साहित्य, लिंग अध्ययन, पर्यावरण-आलोचना	एन: 103
3.	डॉ. श्वेता नंदा	सह-आचार्य	पीएच.डी.	14	ब्लैक स्टडीज़, जेंडर स्टडीज़, लिटरेचर और विज़ुअल आर्ट्स	N: 19 एच इंडेक्स: 01
4.	डॉ. रिनु	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	11	भारतीय काव्यशास्त्र, स्मृति और आघात अध्ययन	एन: 14
5.	डॉ. सुदीप कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	11	साहित्यिक सिद्धांत और आलोचना, दलित साहित्य	एन: 12
हिंदी विभाग						
1.	प्रो. बीर पाल सिंह यादव	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	20	हिंदी आलोचना	एन: 08
2.	डॉ. कमलेश कुमारी	सह-आचार्य	पी.एच.डी., डी.लिट.	18	हिंदी कथा साहित्य	एन: 08
3.	डॉ. कामराज सिंधु	सह-आचार्य	पीएच.डी.	22	हिंदी आलोचना, दलित साहित्य	एन: 06
4.	डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय	सह-आचार्य	पीएच.डी.	14	आधुनिक हिंदी कविता, हिंदी आलोचना	एन: 04
5.	डॉ. अरविंद सिंह तेजावत	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	14	मीराबा और भक्त आंदोलन, भारतीय संस्कृति समाज और राजनीति	एन: 00
6.	डॉ. अमित कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	11	हिंदी कथा साहित्य	एन: 04

7.	डॉ. रीना स्वामी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	11	मध्यकाल काव्या , अस्मी तमुलक , विमर्श	एन: 02
इतिहास एवं पुरातत्व विभाग						
1.	डॉ. नरेंद्र परमार	सह-आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएचडी	11	पुरातत्व	एन: 39
2.	प्रो तीर्थराज भोई	आचार्य	पीएचडी	01	प्राचीन एवं मध्यकालीन इतिहास	एन: 05
3.	डॉ. कैलाश चंद गुर्जर	सह-आचार्य	पीएचडी	10	आधुनिक इतिहास	एन: 05
4.	डॉ। अभिरंजन कुमार	सहायक आचार्य	पीएचडी	11	आधुनिक भारत	एन: 10
5.	डॉ। कुलभूषण मिश्रा	सहायक आचार्य	पीएचडी	3.5	पुरातत्व	एन: 13
6.	डॉ. के.आर. पलसानिया	सहायक आचार्य	पीएचडी	4.3	मध्यकालीन इतिहास	एन: 11
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग						
1.	डॉ अमिता	सह- आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	12	प्रिंट संचार, डिजिटल पत्रकारिता	एन: 25
2.	डॉ. अशोक कुमार	आचार्य	पीएच.डी.	23	प्रिंट संचार, डिजिटल पत्रकारिता	एन: 3 8
3.	डॉ. पंकज कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	12	पत्रकारिता और जनसंचार	-
4.	डॉ. सुरेन्द्र	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	14	जन संपर्क	एन: 1 2
5.	डॉ. आलेख एस. नायक	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	10	न्यूमीडिया , ऑडियो-विजुअल प्रोडक्शन	एन: 13
6.	डॉ. नीरज करण सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	1 4	टीवी पत्रकारिता और निर्देशन उत्पादन	एन: 25

7.	डॉ. भारती बत्रा [#]	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	09	नया मीडिया, जनसंपर्क	एन: 20
राजनीति विज्ञान विभाग						
1.	प्रो. राजीव कुमार सिंह	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	12	पॉलिटिकल थ्योरी, पॉलिटिकल सोच, माइनॉरिटी पॉलिटिक्स, इंटरनेशनल रिलेशन, सोशल एक्सक्लूजन	एन: 32 एच इंडेक्स: 03
2.	प्रो. चंचल कुमार शर्मा	आचार्य	पीएच.डी.	15	भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था और राजकोषीय संघवाद	एन: 89 एच इंडेक्स:16
3.	प्रो. रमेश कुमार	आचार्य	पीएच.डी.	15	इंटरनेशनल पॉलिटिक्स, इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन, साउथ एशिया, इंडिया की फॉरेन पॉलिसी और इंडियन गवर्नमेंट और पॉलिटिक्स	एन: 25 एच इंडेक्स:1
4.	डॉ. मुकेश मिश्रा	सह-आचार्य	पीएच.डी.	11	मध्य एशिया, विदेश नीति, तुलनात्मक राजनीति	एन: 25
5.	सुश्री श्वेता सोहल	सहायक आचार्य	एमए	04	भारतीय राजनीतिक विचार और भारतीय राजनीति	-
मनोविज्ञान विभाग						
1.	प्रो. पायल कंवर चंदेल	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	21	पॉजिटिव साइकोलॉजी, सोशल साइकोलॉजी, विमेन स्टडीज़, टेक्नोलॉजी इंटरवेंशन, ऑर्गेनाइजेशनल बिहेवियर	एन: 74 एच इंडेक्स:05
2.	प्रो. विश्व चौधरी	आचार्य	पीएच.डी.	13	क्लिनिकल साइकोलॉजी, सोशल साइकोलॉजी, काउंसलिंग साइकोलॉजी, स्प्रिचुअल साइकोलॉजी, पॉजिटिव साइकोलॉजी	एन: 26 एच इंडेक्स: 01
3.	डॉ. प्रदीप कुमार	सहायक आचार्य	एम.फिल., पीएच.डी.	12	व्यक्तित्व, मानसिक क्षमताएं, साइकोमेट्रिक्स	एन: 32 एच इंडेक्स:05

4.	डॉ. विष्णु एन. कुचेरिया	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	07	औद्योगिक, संगठनात्मक और कार्मिक मनोविज्ञान	एन: 1 3 एच इंडेक्स: 01
5.	डॉ. रवि प्रताप पांडे	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	07	क्लिनिकल साइकोलॉजी, हेल्थ साइकोलॉजी, सोशल साइकोलॉजी, एडिक्शन साइकोलॉजी	एन: 3 8 h इंडेक्स: 0 4
6.	डॉ. रितु शर्मा (ग्रहणाधिकार पर)	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	10	ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर , सोशल साइकोलॉजी, पर्सनैलिटी, इंडियन साइकोलॉजी, क्रिमिनल साइकोलॉजी, पॉजिटिव साइकोलॉजी	एन: 52 एच इंडेक्स: 09
संस्कृत विभाग						
1.	डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	08	कम्प्यूटेशनल संस्कृत, भारतीय दर्शन और भारतीय ज्ञान परंपरा	एन: 09
2.	डॉ. सुमन रानी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	07+	व्याकरण , वेद, दर्शन	एन: 38
समाजशास्त्र विभाग						
1.	डॉ. युद्धवीर	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	08	समाजशास्त्रीय विचारक, भारतीय समाज, राजनीति और समाज, शहरी समाजशास्त्र, अनुसंधान पद्धति।	--
2.	डॉ. टी. लोंगकोई खियामियुंगन	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	12	राजनीतिक समाजशास्त्र, सामाजिक स्तरीकरण और असमानता	एन: 03
3.	डॉ. रीमा गिल	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	15	स्वास्थ्य और चिकित्सा का समाजशास्त्र, जनसंख्या का समाजशास्त्र, शोध पद्धति	एन: 05
4.	तन्वी भाटी	सहायक आचार्य	पीएच.डी. (प्रस्तुत)	02	समाजशास्त्र (जेंडर और स्पेस, रोजमर्रा की जिंदगी का मानव विज्ञान, शिक्षा, महिलाओं और आदिवासी मुद्दे)	--

अंतःविषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान स्कूल						
जैव रसायन विभाग						
1.	प्रो. अंतर्देश कुमार	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	18	सी. एल्विकेंस के खिलाफ एंटीफंगल और एंटीमाइक्रोबियल की खोज और विकास और एस. ऑरियस	एन: 69 एच इंडेक्स: 19
2.	प्रो. नीलम सिंह सांगवान	आचार्य	पीएच.डी.	36	प्लांट बायोकेमिस्ट्री, प्लांट सेकेंडरी मेटाबोलाइट्स, फंक्शनल जीनोमिक्स, मेडिसिनल और एरोमैटिक प्लांट्स।	एन: 155 एच इंडेक्स: 43
3.	प्रो. पवन कुमार मौर्य	आचार्य	पीएच.डी.	15	ऑक्सीडेटिव तनाव	एन: 123 एच इंडेक्स: 40
4.	डॉ. उषा नागराजन	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	19	विकासात्मक जीवविज्ञान, कैंसर जीवविज्ञान, आनुवंशिकी	एन: 16 एच इंडेक्स: 09
5.	डॉ. सौरभ सी सक्सेना	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	14	पादप तनाव और विकास, कार्यात्मक जीनोमिक्स	एन: 34 एच इंडेक्स: 15
6.	डॉ. मुलाका मारुथी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	09	पैरासिटोलॉजी, प्लास्मोडियम और टोक्सोप्लाज्मा का होस्ट-पैरासाइट इंटरैक्शन, और माइटोकॉन्ड्रियल फिजियोलॉजी	एन: 43 एच इंडेक्स: 11
7.	डॉ. नीलम	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	03	नैनोटेक्नोलॉजी, बायोसेंसर, बायोफिजिक्स, बायोटेक्नोलॉजी, फार्मास्युटिकल साइंसेज, फूड नैनोटेक्नोलॉजी	एन: 34 एच इंडेक्स: 17
जैव प्रौद्योगिकी विभाग						
1.	डॉ. रूपेश देशमुख	सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	14	आणविक जीव विज्ञान	एन: 210 एच इंडेक्स: 58
2.	प्रो. बिजेन्द्र सिंह	आचार्य	पीएच.डी.	16	माइक्रोबियल जैव प्रौद्योगिकी	एन: 135 एच इंडेक्स: 40

3.	डॉ. राम गोपाल निठारवाल	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	14	जीवन विज्ञान	एन: 19 एच इंडेक्स:11
4.	डॉ. इंद्रजीत कौर	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	13.5	ओमिक्स और संक्रामक रोग	एन: 47 एच इंडेक्स: 19
5.	डॉ. नम्रता ढाका	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	8.5	फसल आनुवंशिकी और ओमिक्स	एन: 21 एच इंडेक्स:10
6.	डॉ. रवि कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	10.5	बायोइनफॉर्मेटिक्स	एन: 11 एच इंडेक्स: 09

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

1.	प्रो. विकास बेनीवाल	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	15	औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान	एन:121 एच इंडेक्स: 30
2.	प्रो. गुंजन गोयल	आचार्य	पीएच.डी.	18	खाद्य सूक्ष्म जीव विज्ञान	एन: 130 एच इंडेक्स:34
3.	प्रो. सुरेन्द्र सिंह	आचार्य	पीएच.डी.	17	कृषि और अनुप्रयुक्त सूक्ष्म जीव विज्ञान	एन: 140 एच इंडेक्स:41
4.	डॉ. अविजित प्रमाणिक	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	12	मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, आणविक माइक्रोबायोलॉजी	एन: 19 एच इंडेक्स:11
5.	डॉ. पूजा यादव	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	14	संक्रामक रोग, माइक्रोबियल आनुवंशिकी	एन: 20 एच इंडेक्स:14
6.	डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	15	औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान	एन: 54 एच इंडेक्स:25
7.	डॉ. विनोद यादव	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	11	मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी और इम्यूनोलॉजी	एन: 22 एच इंडेक्स:12

पोषण जीव विज्ञान विभाग

1.	प्रो. कांति प्रकाश शर्मा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	19	न्यूट्रास्युटिकल्स और कार्यात्मक खाद्य विकास	एन: 32 एच इंडेक्स:14
----	-----------------------------	----------------------------	----------	----	---	-------------------------

2.	डॉ. उमेश कुमार	सह-आचार्य	पीएच.डी.	12	नैनो-जैव प्रौद्योगिकी	एन: 44 एच इंडेक्स:16
3.	डॉ. विद्युल्लता पेड्डीरेड्डी	सह-आचार्य	पीएच.डी.	12	क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी और आणविक जीवविज्ञान	एन: 32 एच इंडेक्स:13
4.	डॉ. सविता बुधवार	सह-आचार्य	पीएच.डी.	15	खाद्य विज्ञान और पोषण	एन: 29 एच इंडेक्स: 06
5.	डॉ. अश्विनी कुमार	सह-आचार्य	पीएच.डी.	18	खाद्य और पोषण जैव प्रौद्योगिकी	एन: 87 एच इंडेक्स: 23
6.	डॉ. तेजपाल धेवा	सह-आचार्य	पीएच.डी.	20	खाद्य सूक्ष्म जीव विज्ञान और पोषण जीवविज्ञान	एन: 90 एच इंडेक्स: 27
7.	डॉ. अनीता कुमारी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	12	खाद्य और पोषण	एन: 63 एच इंडेक्स: 09

भेषज विज्ञान विभाग

1.	डॉ. दिनेश कुमार	सह-आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	21	फार्माकोग्नॉसी	एन: 87 एच इंडेक्स: 30
2.	डॉ. विपन कुमार परिहार	आचार्य	पीएच.डी.	22	औषध	एन: 55 एच इंडेक्स: 42
3.	डॉ. सुमित कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	15	औषध बनाने की विद्या	एन: 30 एच इंडेक्स:12
4.	डॉ. तरुण कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	13	फार्माकोग्नॉसी	एन: 32 एच इंडेक्स:10
5.	डॉ. अशोक जांगड़ा	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	09	औषध	एन: 54 एच इंडेक्स:25
6.	डॉ. मनीषा पांडे	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	12	औषध बनाने की विद्या	एन: 140+ एच इंडेक्स: 47

पर्यावरण अध्ययन विभाग

1.	डॉ. अनीता	सह- आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	13	जैव	एन: 03 एच इंडेक्स: 29
2.	डॉ. मोना शर्मा	आचार्य	पीएच.डी.	13	बायोफ्यूल, गंदे पानी को साफ़ करने और ज्यादा कीमत वाले प्रोडक्ट के लिए शैवाल की फ़ाइकोप्रोस्पेक्टिंग	एन: 09 एच इंडेक्स:20
3.	डॉ. अनूप यादव	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	15	बायोवैलोराइजेशन , ठोस और औद्योगिक कचरे का मैनेजमेंट, पानी और हवा के प्रदूषण की मॉनिटरिंग और मैनेजमेंट	एन: 06 एच इंडेक्स:20
4.	डॉ. भूपेंद्र पी. सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	09	वायुमंडलीय रसायन विज्ञान स्वास्थ्य जोखिम से जुड़ा है	एन: 08 एच इंडेक्स:20
5.	डॉ. स्मिता	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	07	बायोएनर्जी, वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट बायोरेमेडिएशन नेचर बेस्ड सॉल्यूशंस	N:शून्य एच इंडेक्स: 39
6.	डॉ. विक्रम सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	03	बायोडीजल	एन:1 एच इंडेक्स:शून्य
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग						
1.	प्रो. श्री राम पांडे	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	15	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान	उद्धरण: 428 एच इंडेक्स:10
2.	प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता	वरिष्ठ आचार्य	पीएच.डी.	36	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान	उद्धरण=752 एच इंडेक्स:16
3.	डॉ. अमित #	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	07	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान	उद्धरण=75 एच इंडेक्स:3
योग विभाग						
1.	डॉ. नवीन	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	03	योग	-

2.	डॉ. अजय पाल	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	11	योग	एच इंडेक्स: 03
विधि पीठ						
विधि विभाग						
1.	डॉ. प्रदीप सिंह	सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	14	संवैधानिक कानून	एन: 04
2.	प्रो. राजेश कुमार मलिक	आचार्य	पीएच.डी.	18	श्रम कानून और सेवा कानून	एन: 49
3.	डॉ. समीक्षा गोदारा	सह-आचार्य	पीएच.डी.	13	फौजदारी कानून	एन: 08
4.	डॉ. अंजू	सह-आचार्य	पीएच.डी.	12	फौजदारी कानून	एन: 01
5.	डॉ. धर्मपाल सिंह पूनिया	सह-आचार्य	पीएच.डी.	13	फौजदारी कानून	एन: 15
6.	श्री राकेश मीणा	सहायक आचार्य	एलएलएम	12	मानव अधिकार, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून	-
सतत अध्ययन पीठ						
व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग						
1.	डॉ. सुयश मिश्रा #	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	11	खुदरा एवं रसद प्रबंधन, विपणन और वित्त	एन: 20
2.	डॉ. ऋचा #	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	07	रसायन विज्ञान, जैव अकार्बनिक रसायन विज्ञान, औषधीय रसायन विज्ञान	एन: 09 एच इंडेक्स: 03
3.	डॉ. अनुरंजीता *	अतिथि संकाय	पीएच.डी.	04	जैव प्रौद्योगिकी सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान	एन: 08 एच इंडेक्स: 03
4.	डॉ. ममता राघव *	अतिथि संकाय	पीएच.डी.	03	कीटाणु-विज्ञान	एन: 09 एच इंडेक्स: 06

5.	तपीश भारती*	अतिथि संकाय	एमएससी	07	विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान, अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान	एन: 04
6.	डॉ. प्रदीप कुमार*	अतिथि संकाय	पीएच.डी.	07	वायु प्रदूषण	एन: 10 एच इंडेक्स: 4
7.	डॉ. सुनील कुमार*	अतिथि संकाय	पीएच.डी.	07	पर्यावरण अध्ययन	एन: 07
8.	शालू सैनी*	अतिथि संकाय	एमएससी	08	पर्यावरण अध्ययन	एन: 03 एच इंडेक्स: 01
9.	नसीब *	अतिथि संकाय	एमएससी	07	अकार्बनिक	एन: 06
10.	पिकी*	अतिथि संकाय	एम.एससी., नेट	07	पर्यावरण अध्ययन	एन: 02 एच इंडेक्स: 1
11.	डॉ. रीतू सैनी	अतिथि संकाय	पीएच.डी.	1.5	कीटाणु-विज्ञान	एन:17 एच इंडेक्स: 15

अनुबंध संकाय, * अतिथि संकाय

प्रकाशित शोध पत्र (2024-25)

क्र.स.	शोध पत्र	प्रभाव कारक
मौलिक विज्ञान पीठ		
रसायन विज्ञान विभाग		
1	कुमार, पी., सिंह, डी., और कुमार, एच. (2024). वॉर्म LEDs के लिए नारंगी-लाल रोशनी उत्सर्जक $\text{LaSr}_2\text{AlO}_5:\text{Sm}^{3+}$ नैनोफॉस्फर: क्रिस्टलोग्राफिक, फोटोल्यूमिनेसेंस खासियतें जिनमें हाई कलर प्योरिटी एवं थर्मल स्टेबिलिटी है। <i>मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स</i> , 320, 129418–129418. https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2024.129418	4.6
2	कुमार, पी., सिंह, डी., सोनिका कादयान, कुमार, एच., और कुमार, आर. (2024b). कूल ग्रीन-एमिसिव $\text{Y}_2\text{Si}_2\text{O}_7:\text{Tb}^{3+}$ नैनोफॉस्फर: ऑटो-कम्बेशन सिंथेसिस और लाइटिंग एप्लीकेशन के लिए अच्छी थर्मल स्टेबिलिटी के साथ स्ट्रक्चरल और फोटोल्यूमिनेसेंस कैरेक्टरिस्टिक्स। <i>RSC एडवांसेज</i> , 14(23), 16560–16573. https://doi.org/10.1039/d4ra02571g	5.01
3	रानी, जी., नोने सिद्धार्थ, रचना अहलावत, और कुमार, एच. (2024). कार्बन क्वांटम डॉट्स के संश्लेषण, डोपिंग और कैरेक्टराइजेशन तकनीकों पर उनके बहुमुखी अनुप्रयोगों के लिए एक व्यापक समीक्षा। <i>इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री पर टिप्पणियाँ</i> , 145(9), 1–38। https://doi.org/10.1080/02603594.2024.2353563	5.4
4	कुमार, पी., सिंह, डी., कादयान, एस., कुमार, एच., और कुमार, आर. (2024). बहुत शुद्ध लाल-नारंगी लाइट एमिसिव Sm^{3+} डोपेड $\text{Y}_2\text{Si}_2\text{O}_7$ फॉस्फोर की ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक जांच में जानकारी: NUV-एक्साइटेबल व्हाइट लाइट एमिटिंग डायोड के लिए तैयार। <i>जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर</i> , 1314, 138727. https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.138727	3.8
5	कुमार, पी., सिंह, डी., सिंह, एस., कुमार, एच., और कुमार, आर. (2024). ग्रीन-एमिटिंग पायरोसिलिकेट-स्ट्रक्चर्ड Er^{3+} -एक्टिवेटेड $\text{Y}_2\text{Si}_2\text{O}_7$ फॉस्फोर का रियलाइजेशन: लाइटिंग एप्लीकेशन के लिए ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक कैरेक्टरिस्टिक्स और थर्मल स्टेबिलिटी का एक सिस्टमैटिक स्टडी। <i>RSC एडवांसेज</i> , 14(26), 18716–18729. https://doi.org/10.1039/d4ra03833a	5.01
6	नुनाच, ए.के., रानी, जी., अहलावत, आर., और कुमार, एच. (2024).	0.73

	बोएरहाविया का मूल्यांकन डिफ्यूसा रूट्स एक्सट्रैक्ट सल्फ्यूरिक एसिड एनवायरनमेंट में माइल्ड स्टील के लिए एक सस्टेनेबल कोरोजन इन्हिबिटर के रूप में। <i>वियतनाम जर्नल ऑफ केमिस्ट्री</i> , 1. https://doi.org/10.1002/vjch.202400159	
7	कुमारी, आर., कुमार, एच., बर्मन, वी., और रजनी मोहिल. (2024). फूड प्रोडक्ट्स में नाइट्राइट के बेहतर इलेक्ट्रोकेमिकल डिटेक्शन के लिए मिक्सड मेटल ऑक्साइड नैनोकंपोजिट्स. <i>जर्नल ऑफ फूड कंपोजिशन एंड एनालिसिस</i> , 139, 107137–107137. https://doi.org/10.1016/j.jfca.2024.107137	4.1
8	कुमार, पी., सिंह, डी., सोनिका कादयान, कुमार, एच., और कुमार, आर. (2024). w-LEDs के लिए Y ₂ Si ₂ O ₇ :Eu ³⁺ नैनोफॉस्फर की पूरी जांच: स्ट्रक्चरल, जड- ऑफेल्ड कैलकुलेशन और हाई कलर प्योरिटी और थर्मल स्टेबिलिटी के साथ फोटोल्यूमिनसेंट कैरेक्टरिस्टिक्स। <i>सेरामिक्स इंटरनेशनल</i> , 50(19), 34596–34608. https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2024.06.267	5.2
9	सिंह, आर., सिंधु, जे., देवी, एम., कुमार, पी., लाल, एस., कुमार, ए., ... कुमार, एच. (2024). α -एमाइलेज इनहिबिटर के तौर पर थियाज़ोलिडीन-2,4-डायोन टेथर्ड 1,2,3-ट्राईज़ोल का सिंथेसिस: QSAR, मॉलिक्यूलर डॉकिंग, मॉलिक्यूलर डायनामिक्स और ADMET स्टडीज़ के साथ इन विट्रो अप्रोच। <i>यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री</i> , 275, 116623–116623. https://doi.org/10.1016/j.ejmech.2024.116623	6.7
10	नारायण, एल., कुमार, पी., सिंधु, जे., कुमार, ए., सिंह, डी., लाल, एस., और कुमार, एच. (2024). क्विनॉक्सैलाइन-लिंकड N-एसाइल हाइड्राज़ीन: असली पानी के सैंपल में Fe ³⁺ की सेलेक्टिव पहचान के लिए एक “टर्न-ऑफ” फ्लोरोसेंट प्रोब। <i>जर्नल ऑफ फोटोकेमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी. ए. केमिस्ट्री</i> , 457, 115857–115857. https://doi.org/10.1016/j.jphotochem.2024.115857	4.3
11	भावना, रानी, जी., संजू बाला दुल, सुमन, एन., कुमार, एच., और कुमार, एन. (2025). सुपरकैपेसिटर परफॉर्मंस और थर्मल स्टेबिलिटी को बढ़ाना: PANI नैनोरोड्स को एक टर्नरी इंटरकनेक्टेड मेश स्ट्रक्चर में बदलना। <i>इमर्जेंट मैटेरियल्स</i> , 1. https://doi.org/10.1007/s42247-025-01080-1	4.8
12	बाथला, एस., वर्मा, ए., अमीन, आई., और कुमार, ए. (2025). डुअल गेट पी-टाइप OFET बायोसेंसर की सेंसिटिविटी पर हाई-k डाइइलेक्ट्रिक्स का असर	0.153

	खरीदने के लिए उपलब्ध है। <i>AIP कॉन्फ. प्रोक.</i> 3258, 020024 (2025) https://doi.org/10.1063/5.0262252	
13	सांगवान, ए., कुमार, वी., गुप्ता, एन., कुमार, एस., और कुमार, ए. (2024). ट्रांजिएंट इलेक्ट्रो ल्यूमिनेसेंस का इस्तेमाल करके डोपड मेटल क्विनोलेट्स के चार्ज ट्रांसपोर्ट स्टडीज. <i>एसेंशियल केम</i> , 1(1), 1–8. https://doi.org/10.1080/28378083.2024.2427830	--
14	सांगवान, ए., कुमार, वी., कुमार, एस., एट अल. (2024). सबस्टीट्यूटेड लिथियम क्विनोलेट कॉम्प्लेक्स के साथ डोप किए गए ट्रेस(8-हाइड्रॉक्सीक्विनोलिनैटो) एल्यूमीनियम की चार्ज कैरियर मोबिलिटी की जांच। <i>प्रोट मेट फिज केम सर्फ</i> , 60, 906–911. https://doi.org/10.1134/S2070205124702289	0.8
15	कुमार, वी., गुप्ता, एन., यादव, ए., एट अल. (2024). सोलर फोटोवोल्टिक सिस्टम की एफिशिएंसी बढ़ाना: इसकी कूलिंग टेक्नीक पर हाल की प्रोग्रेस. <i>Int J Thermophys</i> , 45, 113. https://doi.org/10.1007/s10765-024-03409-0	2.9
16	एस. बाथला एट अल. (2024). जे. नैनो-इलेक्ट्रॉन. <i>फिज.</i> 16(5), 05014. https://doi.org/10.21272/jnep.16(5).05014	0.445
17	सांगवान, ए., अंतिम, यादव, वी. एट अल. (2025). एल्युमिनियम क्विनोलिन कॉम्प्लेक्स के सॉल्वेंट-डिपेंडेंट ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक प्रॉपर्टीज और चार्ज ट्रांसपोर्ट स्टडी. जे. इलेक्ट्रॉन. मैटर., 54, 5677–5689. https://doi.org/10.1007/s11664-025-11970-z	2.5
18	कुमार, पी., सिंह, डी., गुप्ता, आई., कुमार, एच., और कुमार, आर. (2024). पायरोसिलिकेट आधारित Y2Si2O7:Dy3+ नैनोफॉस्फर की ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक जांच: NUV आधारित wLEDs के लिए एक संभावित सफेद लाइट एमिटर। <i>इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस</i> , 168, 112861–112861. https://doi.org/10.1016/j.inoche.2024.112861	4.4
19	रानी, के., कुमार, आर., सिंह, डी., कुमार, एच., कुमार, पी., और कुमार, एस. (2024). पॉलीएक्रिलामाइड कोटेड मैग्नेटाइट नैनोपार्टिकल्स का इस्तेमाल करके एक्वस सॉल्यूशन से इमिडाक्लोप्रिड के एड्सॉर्प्शन स्टडीज एक पोर्टेबिल नैनोएड्सॉर्बेंट के तौर पर। <i>बायोइंटरफेस रिसर्च इन एप्लाइड केमिस्ट्री</i> , 14(4), 88. https://doi.org/10.33263/briac144.088	2.74
20	कुमार, वी., लाल, एस., कुमार, एस., कुमार, पी., और कुमार, एच. (2024). चावल की फसल के बचे हुए हिस्सों के साथ पेक्टिन/ग्वार	1.5

	गम/पॉलीविनाइलपाइरोलिडोन की बहुत ज्यादा सड़ने वाली कम्पोजिट फिल्मों की मैकेनिकल, थर्मल और बायोडिग्रेडेशन स्टडीज़: पैकेजिंग और मल्व फिल्मों का भविष्य परिदृश्य। <i>इंडियन केमिकल इंजीनियर</i> , 66(6), 621–635. https://doi.org/10.1080/00194506.2024.2377572	
21	सुमन, एन., रानी, जी., रचना अहलावत, और कुमार, एच. (2024). ग्रीन सोर्स-बेस्ड कार्बन क्वांटम डॉट्स, कंपोजिट्स, और सुपरकैपेसिटर के हाई-परफॉर्मेंस के लिए मुख्य फैक्टर्स। <i>जर्नल ऑफ़ पावर सोर्सेज</i> , 617, 235170–235170. https://doi.org/10.1016/j.jpowsour.2024.235170	8.1
22	कुमार, एच., कुमारी, आर., सिंह, डी., और बिंदु मंगला. (2024). फूड एडिटिव्स का त्वरित पता लगाने के लिए नैनोमटेरियल आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर में तरक्की: एक पूरी समीक्षा. <i>एनालिटिकल केमिस्ट्री में TrAC ट्रेंड्स</i> , 118, 118011–118011. https://doi.org/10.1016/j.trac.2024.118011	13.1
23	आर्य, के., कुमार, ए., शर्मा, ए., ठाकुर, के., कुमार, आर., मेहता, एस.के., कटारिया, आर. (2024). मेथिलीन ब्लू डिग्रेडेशन और वॉटर रिक्लेमेशन के लिए टॉक्सिसिटी एनालिसिस के लिए Zn-MOF@rGO नैनोकंपोजिट का लाइट-असिस्टेड सिनर्जिस्टिक इफ़ेक्ट। <i>इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस</i> , 173, 113768–113768. https://doi.org/10.1016/j.inoche.2024.113768	5.4
24	कुमारी, पी., दास, ए., कुमार, ए., नोन ज्योति, चौधरी, एम., यादव, पी., कुमार, वी. (2025). जिंक (II) कॉम्प्लेक्स: सिंथेटिक और एंटीबायोरल पर्स्पेक्टिव. <i>इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस</i> , 177, 114355–114355. https://doi.org/10.1016/j.inoche.2025.114355	5.4
25	कुमार, ए., शर्मा, टी., ज्योति, सिंह, बी., कटारिया, आर., सिंह, जे., और कुमार, वी. (2025). 2-एमिनो/हाइड्राज़िनो-4-एरिलथियाज़ोल्स के सिंथेटिक डेवलपमेंट और फार्माकोलॉजिकल पोर्टेंशियल की खोज: एक रिव्यू। <i>जर्नल ऑफ़ सल्फर केमिस्ट्री</i> , 46, 1–48. https://doi.org/10.1080/17415993.2025.2491527	2.1
26	ऋचा, कुमारी, एम., प्रज्ञा, गुप्ता, पी., गौतम, एस., पूनिया, जी., कटारिया, आर. (2025). डिहाइड्रोएसिटिक एसिड से निकले शिफ बेस के साथ Ni(II), Zn(II), और Cu(II) कॉम्प्लेक्स का सिंथेसिस, स्ट्रक्चरल कैरेक्टेराइजेशन और बायोलॉजिकल इवैल्यूएशन। <i>इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस</i> , 178, 114578. https://doi.org/10.1016/j.inoche.2025.114578	5.4

27	अनुराग सांगवान, अंतिम, यादव, वी., पलाई, ए.के., कुमार, वी., यादव, जे.के., कुमार, ए. (2025). सॉल्वेंट-डिपेंडेंट ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक प्रॉपर्टीज और एल्युमिनियम क्विनोलिन कॉम्प्लेक्स के चार्ज ट्रांसपोर्ट स्टडी. <i>जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स</i> , 52. https://doi.org/10.1007/s11664-025-11970-z	2.5
28	कुमार, ए., कुमार, एम., ब्रह्मा, एम., प्रकाश, एस., कुमार, ए., मारुति, एम., कुमार, वी. (2025). नए थियाज़ोल- पाइराज़ोलोन हाइब्रिड की बायोलॉजिकल क्षमता का डिजाइन, सिंथेसिस, कैरेक्टराइज़ेशन और एक्सप्लोरेशन. <i>जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर</i> , 1348, 143296. https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2025.143296	4.7
29	शर्मा, आर., कुमार, एच., सैनी, सी., यादव, डी., यादव, के., सलोनी, ... रानी, जी. (2025). मटेरियल साइंस में क्रांति: कम किए गए ग्रेफीन ऑक्साइड/Al ₂ O ₃ / CuO /TiO ₂ नैनोकंपोजिट के ज़रिए बेहतर फंक्शनैलिटी। <i>जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर</i> , 1323, 140763. https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.140763	4
30	शर्मा, आर., कुमार, एच., कुमारी, आर., कुमार, जी., स्वामी, बी., कुमार, ए., ... कुमार, आर. (2024). नेक्स्ट-जेनरेशन नैनोकंपोजिट्स: बेहतर परफॉर्मेंस के लिए Al ₂ O ₃ -CuO-ZnO और कम ग्रेफीन ऑक्साइड को ऑप्टिमाइज़ करना। <i>नेक्स्ट नैनोटेक्नोलॉजी</i> , 7, 100119–100119. https://doi.org/10.1016/j.nxnano.2024.100119	0
31	देवी, एम., सिंधु, जे., सिंह, आर., लाल, एस., कुमार, ए., सिंह, डी., ... कुमार, पी. (2024). सिंथेसिस, CN/NN बॉन्ड कन्फर्मेशनल एनालिसिस और नैफथो [2,3- d][1,2,3]ट्रायज़ोल-4,9-डायोन टेथर्ड N-एसाइल हाइड्राज़ोन का α - एमाइलेज इनहिबिटर के तौर पर मूल्यांकन: मॉलिक्यूलर मॉडलिंग और ADMET एनालिसिस से मिली जानकारी। <i>जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर</i> , 1322, 140390–140390. https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.140390	4.4
32	सांगवान, पी., कुमार, एच., यादव, ए., रानी, जे., सुदेश, मीनाक्षी, और कुमार, आर. (2024). विब्रियो वल्नीफिकस के खिलाफ आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स की एंटीबैक्टीरियल क्षमता का मूल्यांकन: स्टैंडर्ड एंटीबायोटिक्स के साथ एक तुलनात्मक अध्ययन। <i>जर्नल ऑफ़ द इंडियन केमिकल सोसाइटी</i> , 101(12), 101457. https://doi.org/10.1016/j.jics.2024.101457	3.2
33	रश्मि सेहरावत, प्रिया वशिष्ठ, चौधरी, वी., रश्मि पुंडीर, कुमार, एच., एबेन्सो,	6.5

	ईई, और बिंदु मंगला. (2024). कम्प्यूटेशनल और एक्सपेरिमेंटल तरीकों से एसिडिक मीडिया में चाल्कोन डेरिवेटिव्स और KI द्वारा माइल्ड स्टील का सिनर्जिस्टिक करोजन इनहिबिशन। <i>प्रोग्रेस इन ऑर्गेनिक कोटिंग्स</i> , 198, 108911–108911. https://doi.org/10.1016/j.porgcoat.2024.108911	
34	अंकित धायल , कुमार, एच., शौर्य प्रकाश , कुमार, ए., मेटल ब्रह्मा, और मुलाका मारुति. (2024). सिल्वर ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स के साथ स्टार्च/व्हे प्रोटीन आइसोलेट बायोफिल्म का डेवलपमेंट: एक मल्टीफंक्शनल एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल, फोटोकैटलिटिक और एंटीकैंसर एजेंट. <i>इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस</i> , 117, 113661–113661. https://doi.org/10.1016/j.inoche.2024.113661	4.4
35	कोई नहीं मनीषा, ढांडा, एम., वारिज पंवार, लता, एस., कुमार, एच., और शर्मा, ए. (2024). सुपरकैपेसिटर एप्लीकेशन के लिए ग्रेफाइटिक कार्बन नाइट्राइड पर एनकैप्सुलेटेड पॉलीपाइरोल के इलेक्ट्रोकेमिकल गुणों पर मैग्नीशियम ऑक्साइड के प्रभाव की खोज। <i>जर्नल ऑफ़ एनर्जी स्टोरेज</i> , 106, 114698–114698. https://doi.org/10.1016/j.est.2024.114698	8.9
36	कुमार, जे., कुमार, आर., सिंह, डी., कुमार, एच., जांगड़ा , ए., और गुप्ता, पी. (2025). नॉन-टेम्पलेट टेलर्ड मैक्रोसाइक्लिक कॉम्प्लेक्स: सिंथेसिस, कैरेक्टेराइजेशन, बायोलॉजिकल और कम्प्यूटेशनल स्टडीज. <i>एप्लाइड ऑर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री</i> , 39(2). https://doi.org/10.1002/aoc.70022	4.1
37	कुमार, जी., कुमार, एच., कुमारी, आर., टुंडवाल , ए., धायल , ए., यादव, ए., और शर्मा, आर. (2025). फ्लेक्सिबल rGO /Cu/Ni/ ZnO नैनोकंपोजिट्स जिनमें बेहतर ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक, एंटीकोरोसिव, फोटोकैटलिटिक और मैग्नेटिक गुण हैं। <i>इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस</i> , 176, 114202. https://doi.org/10.1016/j.inoche.2025.114202	4.4
38	कोई नहीं मनीषा, एम. तकी काइमी , ढांडा, एम., लता, एस., कुमार, एच., और शर्मा, ए. (2025). मौजूदा इलेक्ट्रोकेमिकल परफॉर्मेंस के लिए इलेक्ट्रोड मटीरियल के तौर पर Nb ₂ O ₅ /g-C ₃ N ₄ / PPy का ऑप्टिमाइजेशन . <i>फ्रंटियर्स इन एनर्जी रिसर्च</i> , 13(12). https://doi.org/10.3389/fenrg.2025.1511271	--
39	कोई नहीं मनीषा, एम. तकी काइमी , ढांडा, एम., लता, एस., कुमार, एच., और शर्मा, ए. (2025). मौजूदा इलेक्ट्रोकेमिकल परफॉर्मेंस के लिए इलेक्ट्रोड मटीरियल के तौर पर Nb ₂ O ₅ /g-C ₃ N ₄ / PPy का ऑप्टिमाइजेशन . <i>फ्रंटियर्स</i>	2.6

	इन एनर्जी रिसर्च, 13(12). https://doi.org/10.3389/fenrg.2025.1511271	
40	खान, एम., ताहिर, एमएन, आदिल, एसएफ, खान, एचयू, सिद्दीकी, एमआरएच, अल- वारथन, एए, और ट्रेमेल, डब्ल्यू. (2015). ग्राफीन आधारित मेटल और मेटल ऑक्साइड नैनोकंपोजिट: सिंथेसिस, प्रॉपर्टीज और उनके एप्लीकेशन. <i>जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री ए</i> , 3(37), 18753–18808. https://doi.org/10.1039/c5ta02240a	4.4
41	शर्मा, डी., कुमार, एच., और कुमार, एस. (2025). मैग्नेटिक फील्ड और घुली हुई ऑक्सीजन से रिफैम्पिसिन को हटाने के लिए rGO शीट से लिपटे α - γ -Fe ₂ O ₃ हेटरोफेज की अल्ट्रा-हाई फोटोकैटलिटिक एक्टिविटी में मदद मिली। <i>एप्लाइड मैटेरियल्स टुडे</i> , 44(44), 102706. https://doi.org/10.1016/j.apmt.2025.102706	8.6
42	शर्मा, डी., कुमार, एच., और कुमार, एस. (2025). मैग्नेटिक फील्ड और घुली हुई ऑक्सीजन से रिफैम्पिसिन को हटाने के लिए rGO शीट से लिपटे α - γ -Fe ₂ O ₃ हेटरोफेज की अल्ट्रा-हाई फोटोकैटलिटिक एक्टिविटी में मदद मिली। <i>एप्लाइड मैटेरियल्स टुडे</i> , 44(44), 102706. https://doi.org/10.1016/j.apmt.2025.102706	7.2
43	रेधु, एस., सिंह, डी., हुड्डा, ए., नेहरा, के., कुमार, एस., मलिक, आरएस, ... कुमार, एच. (2025). फ्लोरिनेटेड β -डाइकेटोन्स और N-हेट्रोसाइक्लिक लिगेण्ड्स के साथ रेड-एमिसिव Eu(III) कॉम्प्लेक्स के जड- ओफेल्ट एनालिसिस और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक प्रॉपर्टीज। <i>मैटेरियल्स साइंस इन सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग</i> , 199(199), 109826. https://doi.org/10.1016/j.mssp.2025.109826	2.7
44	रेधु, एस., सिंह, डी., हुड्डा, ए., नेहरा, के., कुमार, एस., मलिक, आरएस, ... कुमार, एच. (2025). फ्लोरिनेटेड β -डाइकेटोन्स और N-हेट्रोसाइक्लिक लिगेण्ड्स के साथ रेड-एमिसिव Eu(III) कॉम्प्लेक्स के जड- ओफेल्ट एनालिसिस और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक प्रॉपर्टीज। <i>मैटेरियल्स साइंस इन सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग</i> , 199(199), 109826. https://doi.org/10.1016/j.mssp.2025.109826	4
45	रेधु, एस., सिंह, डी., हुड्डा, ए., नेहरा, के., कुमार, एस., मलिक, आरएस, ... कुमार, एच. (2025). फ्लोरिनेटेड β -डाइकेटोन्स और N-हेट्रोसाइक्लिक लिगेण्ड्स के साथ रेड-एमिसिव Eu(III) कॉम्प्लेक्स के जड- ओफेल्ट	4.6

	एनालिसिस और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक प्रॉपर्टीज़। <i>मैटेरियल्स साइंस इन सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग</i> , 199(199), 109826. https://doi.org/10.1016/j.mssp.2025.109826	
46	नेगी, एस., शर्मा, एस., पंत, डी., शर्मा, एस., चौहान, के., गिरी, ए., कुमार, एम., और परिदा, के. (2025). नैनोसाइज्ड बायो-कैल्सीफिकेशन में थर्मोफाइट्स: हेवी मेटल रिमेडिएशन के लिए एक नया तरीका। <i>बायोमेटल्स</i> । https://doi.org/10.1007/s10534-025-00700-x	3.6
47	मोनिका, चंदर, कुमार, एस., शर्मा, डी., पारिख, जे., पडियार, एन., जैन, वीके, मुहम्मद, आर., शर्मा, पीके, मोदी, के., और राम, एस. (2025). 5-(4-क्लोरोफेनिल)-1-(4-सल्फामॉयलफेनिल)-1H-1,2,3-ट्राइजोल-4-कार्बोथियोमाइड: Cu^{2+} आयनों के लिए UV-Vis कीमोसेंसर और शक्तिशाली नॉन-टॉक्सिक बायोलॉजिकल एजेंट. <i>जर्नल ऑफ केमिकल साइंसेज</i> , 137(53). https://doi.org/10.1007/s12039-025-02377-8	2
48	वीरेंद्र, वी., पांडे, वी., सिंह, जी., शर्मा, पी.के., भाटिया, पी., सोलोव, ए.ए., और मोहन, बी. (2025). विभिन्न कैटेलिसिस अनुप्रयोगों के लिए हाइब्रिड मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (MOFs). <i>टॉपिक्स इन करंट केमिस्ट्री</i> , 383(3). https://doi.org/10.1007/s41061-024-00486-5	8.2
49	सैनी, पी., ज्योति, शर्मा, पी.के., और सिंह, वी. (2025). β -हेलोविनाइल एल्लिहाइड्स: ऑर्गेनिक सिंथेसिस में मल्टीफेसटेड वर्सेटाइल बिल्डिंग ब्लॉक्स. <i>यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री</i> , 2025(28), e202401058. https://doi.org/10.1002/ejoc.202401058	2.7
50	सविता, कौर, जे., कौर, एन., आर्य, ए., सिवाच, के., धीमान, आर., शर्मा, पी.के., और शर्मा, ए. (2025). सागो स्टार्क आधारित नैनोकंपोजिट के मैकेनिकल और डाइइलेक्ट्रिक परफॉर्मेंस पर फंक्शनलाइज्ड सिलिकॉन कार्बाइड NPs का असर। <i>मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स</i> , 332, 130264. https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2024.130264	4.7
51	पंवार, वी., सेनगुप्ता, एस., कुमार, एस., सिंह, पीपी, कुमार, ए., अजीजोव, एस., गुप्ता, एमके, कुमार, डी. (2024). एंटी-कैंसर एजेंट के तौर पर STAT3 को टारगेट करने में संभावित ऑक्साडियाज़ोल डेरिवेटिव की खोज, लीड की पहचान और खोज। <i>इन सिलिको फार्माकोलॉजी</i> , 12, 83. पब्लिशर: स्प्रिंगर प्रथम प्रकाशन – 14 सितंबर 2024	-
52	कुमार, ए., कौशल, ए., वर्मा, पी.के., गुप्ता, एम.के., चंद्रा, जी., कुमार, यू.,	5.9

	यादव, ए.के., कुमार, डी. (2024). एंटीकैंसर एजेंट के तौर पर इमिडाज़ोल बेस्ड हेट्रोसाइक्लिक कंपाउंड में हाल के डेवलपमेंट की जानकारी: सिंथेसिस, SARs, और काम करने का तरीका। <i>यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री</i> , 280, 116896. पब्लिशर: एल्सेवियर प्रथम प्रकाशन – 21 सितंबर 2024	
53	लुटोमिया, डी., पोरिया, आर., काला, डी., सिंह, ए.के., गुप्ता, एम.के., कुमार, डी., कौशल, ए., गुप्ता, एस. (2025). हेलिकोबैक्टर पाइलोरी के बायोमार्कर-बेस्ड डिटेक्शन में बायोसेंसर के साथ 2D नैनोमेटेरियल्स की क्षमता को अनलॉक करना। <i>मैटेरियल्स एडवांसेज</i> , 6, 117-142. पब्लिशर: रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री प्रथम प्रकाशन: 18 नवंबर 2024	4.7
54	मोनिका, मीनाक्षी, कुमार, ए., अहमद, एम., अंसारी, ए., गुप्ता, एमके* (2025). कुशल फेज-सेलेक्टिव मेटल आयन रिमूवल और ऑयल स्पिल रिकवरी के लिए लॉन्ग एल्काइल चैन हाइड्रॉक्सीएल्केनामाइड -बेस्ड जैल। <i>केमिस्ट्री सिलेक्ट</i> , 10, e202405608. पब्लिशर: विली ऑनलाइन पब्लिकेशन – 3 मई 2025	2
55	पंवार, वी., रोहिला, वाई., सिंह, ए., मीनाक्षी, सिंह, बी., गुप्ता, एमके, गर्ग, एम., कुमार, डी. (2025). STAT3 इन्हिबिटर के तौर पर N- एसाइलहाइड्राज़ोन डेरिवेटिव्स का डिज़ाइन, सिंथेसिस, इन सिलिको, एंटीकैंसर इवैल्यूएशन। <i>फ्यूचर मेडिसिनल केमिस्ट्री</i> , 17, 1509–1519. पब्लिशर - टेलर एंड फ्रांसिस फर्स्ट पब्लिशड - 14-07-2025	3.4
56	सेबेस्टियन, एस., रोहिला, वाई., मीनाक्षी, अंसारी, ए., सेनगुप्ता, एस., कुमार, डी., श्रीवास्तव, एन., कुमार, एल., और गुप्ता, एमके (2024). एग्रोबैक्टीरियम ट्यूमेफेसिएंस NT1 के खिलाफ α - एमीडोएमाइड्स की एंटी-कोरम सेंसिंग एक्टिविटी : मॉलिक्यूलर डॉकिंग और डायनामिक इन्वेस्टिगेशन से मिली जानकारी, जेल फॉर्मूलेशन से मेट्रोनिडाज़ोल रिलीज के सिनर्जिस्टिक अप्रोच के लिए। <i>माइक्रोबियल पैथोजेनेसिस</i> , 193, 106787–106787. https://doi.org/10.1016/j.micpath.2024.106787	3.5
57	मल्होत्रा, SS, अहमद, M., गुप्ता, MK, और अंसारी, A. (2024). मेटल-फ्री और नेचुरल डाई सेंसिटाइज़्ड सोलर सेल: हाल की तरक्की और भविष्य का नज़रिया। <i>सस्टेनेबल एनर्जी और फ्यूल्स</i> , 8. https://doi.org/10.1039/d4se00406j	4.1
58	मल्होत्रा, SS, अहमद, M., कुमार, M., अमीन, MA, एल- बाही, SM, एल-बाही, ZM, रंजन कुमार महापात्रा, और अंसारी, A. (2024). 3rd जेनरेशन डाई-सेंसिटाइज़्ड सोलर सेल के लिए डाई-कार्बाज़ोल बेस्ड डाई की थ्योरेटिकल	4.5

	खोज. <i>मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस</i> , 41, 110182–110182. https://doi.org/10.1016/j.mtcomm.2024.110182	
59	सेबेस्टियन, एस., प्रिया, यजत रोहिला, अंसारी, ए., प्रकाश, एस., कुमार, ए., और गुप्ता, एमके (2024). पर्यावरण के लिए अच्छा सेल्फ-असेंबल बायोपॉलिमर- पेप्टाइड एंटीमाइक्रोबियल और कैटेलिटिक एप्लीकेशन के लिए आयन-क्रॉसलिंकिंग के ज़रिए नैनोसिल्वर कम्पोजिट हाइब्रिड जेल बीड्स। <i>एप्लाइड मैटेरियल्स टुडे</i> , 41, 102512–102512. https://doi.org/10.1016/j.apmt.2024.102512	6.9
60	मल्होत्रा, SS, सरन, RK, अहमद, M., अलसुबाई, AS, एल- बही, SM, महापात्रा, RK, और अंसारी, A. (2025). DSSCs में ट्राइफेनिलमाइन और इंडोलिन डाई के फोटोफिजिकल गुणों पर एरोमैटिक π -स्पेसर के प्रभाव की खोज। <i>ऑप्टिकल और क्वांटम इलेक्ट्रॉनिक्स</i> , 57(1). https://doi.org/10.1007/s11082-024-08026-7	4
61	अहमद, एम., सुधांशु, मल्होत्रा, एसएस, अलसुबाई, एस, एल- बाही, एसएम, महापात्रा, आरके, और अंसारी, ए. (2025). कॉपर/ज़िंक कॉम्प्लेक्स के साथ मोरिन, मायरिकेटिन और क्वेरसेटिन के स्ट्रक्चर, बॉन्डिंग एस्पेक्ट और स्पेक्ट्रोस्कोपिक पैरामीटर: DFT और TDDFT एक्सप्लोरेशन. <i>जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर मॉडलिंग</i> , 31(3). https://doi.org/10.1007/s00894-025-06296-w	2.5
62	सेबेस्टियन, एस., कुमार, एम., हुसैन, एफ., राठौर, एस., यजत रोहिला, मीनाक्षी गोयत, प्रकाश, एस., कुमार, ए., भारद्वाज, पी., मुलाका मारुति, अंसारी, ए., और गुप्ता, एमके (2025). α -एसिलॉक्सी कार्बोक्सामाइड्स के जेलेशन और एंटीमाइक्रोबियल पोर्टेंशियल का पता लगाना: एक्सपेरिमेंटल और थ्योरेटिकल अप्रोच से मिले नतीजे। <i>केम मेड केम</i> , 20. https://doi.org/10.1002/cmdc.202400774	3.4
63	मोहम्मद जीशान, कुमार, एम., अंसारी, ए., अब्दुल्ला अलारिफी, ली, एक्स., घनेम, वाईएसए, खान, एमवाई, अबू, एम., कुबाद तौकीर, राशिद, एच., अज़ीज़, एमए, अरशद, यू., और शाहिद, एम. (2025). पाइरिडीन-2,4-डाइकार्बोक्सिलेट एक ऑर्गेनिक कीलेटिंग लिगैंड के तौर पर कोबाल्ट (II) के लिए एक नया कॉम्प्लेक्स डिजाइन करने के लिए: एक्स-रे स्टडीज़, DFT एनालिसिस, और A549 सेल लाइन के लिए कैटेकोल ऑक्सीडेज मिमिक एक्टिविटी और एंटीकैंसर प्रॉपर्टी का मूल्यांकन। <i>इनऑर्गेनिक चिमिका एक्टा</i> , 582, 122663–122663. https://doi.org/10.1016/j.ica.2025.122663	3.2

64	अहमद, एम., कुमार, एम., मल्होत्रा, एसएस, अलसुबाई, एस, गुप्ता, एमके, और अंसारी, ए. (2025). N-हेटरोसाइक्लिक कार्बोन मैंगनीज कॉम्प्लेक्स के इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर, बॉन्डिंग पहलू और फोटोफिजिकल गुण: DFT और TDDFT एक्सप्लोरेशन। <i>जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर ग्राफिक्स एंड मॉडलिंग</i> , 139, 109083. https://doi.org/10.1016/j.jmgm.2025.109083	3
65	मोहपात्रा, आर.के., मिश्रा, एस., मुहम्मद शबील, बंसल, एन.के., अंसारी, ए., साह, एस., और तुग्लो, एलएस (2025). रिपब्लिक ऑफ साउथ अफ्रीका में ह्यूमन एम्पॉक्स के हाल के बढ़ते मामले: एक संभावित पब्लिक हेल्थ खतरा। <i>द इजिप्शियन जर्नल ऑफ इंटरनल मेडिसिन</i> , 37(1). https://doi.org/10.1186/s43162-025-00479-w	1
66	यूसुफ, QA, मल्होत्रा, SS, बेदैर, MA, अंसारी, A., और हादी, AK (2025). एसिडिक मीडिया में कार्बन स्टील के लिए एक सस्टेनेबल कोरोजन इन्हिबिटर के तौर पर कुसुम के पौधे का अर्क: एक कंबाईंड इलेक्ट्रोकेमिकल और कम्प्यूटेशनल स्टडी। <i>RSC एडवांसेज</i> , 15(26), 21006–21025. https://doi.org/10.1039/d5ra03333k	4.6
67	यूसुफ, QA, बेदैर, MA, अबुएलेला, AM, फैसल अल- ओदैल, अंसारी, A., और फदेल, Z. (2025). एसिडिक सॉल्यूशन में कोरोजन इन्हिबिटर के तौर पर नए पेनिसिलेनिक एसिड कंपाउंड के थ्योरेटिकल और एक्सपेरिमेंटल पहलू। <i>मैटेरियल्स टुडे कम्प्युनिकेशंस</i> , 47, 113199–113199. https://doi.org/10.1016/j.mtcomm.2025.113199	4.5
68	चंदर, एम., मोनिका, कौर, पी., लक्ष्मी, राघव, एन., शर्मा, पी.के., और राम, एस. (2025). कैथेप्सिन B इन्हिबिटर के तौर पर 1,2,3-ट्राईजोल और 1,3,4-ऑक्साडियाजोल हाइब्रिड वाले बेंजीनसल्फोनामाइड का डेवलपमेंट और DFT कैलकुलेशन। <i>जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर</i> , 1320, 139680. https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.139680	4.7
69	मोनिका, चंदर, कौर, पी., राघव, एन., शर्मा, पी.के., और राम, एस. (2024). कैथेप्सिन B इन्हिबिटर के तौर पर 4-(4-एमिनो-5-मरकैप्टो-4H-1,2,4-ट्रायजोल-3-yl) बेंजीनसल्फोनामाइड के शिफ बेस डेरिवेटिव्स का सिंथेसिस, बायोलॉजिकल इवैल्यूएशन, और कम्प्यूटेशनल स्टडीज / <i>केमिस्ट्री एंड बायोडायवर्सिटी</i> , 22(4), e202402575. https://doi.org/10.1002/cbdv.202402575	2.5
70	चंदर, एम., मोनिका, शर्मा, डी., शर्मा, पी.के., और राम, एस. (2024). ट्रायजोल- बेंजीनसल्फोनामाइड हाइब्रिड: नॉन-टॉक्सिक एंटीमाइक्रोबियल और	4.7

	एंटीऑक्सीडेंट एजेंट के तौर पर सिंथेसिस, बायोलॉजिकल इवैल्यूएशन, और मॉलिक्यूलर डॉकिंग स्टडी। <i>जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर</i> , 1317, 139045. https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.139045	
71	सिवाच, के., आर्य, पी., वत्स, एल., शर्मा, वी., जियोवन्नुजी, एस., राघव, एन., सुपुरन, सीटी, और शर्मा, पीके (2024). ट्रायजोलिल-लिंकड पाइराजोल के साथ फंक्शनलाइज किए गए बेंजीनसल्फोनामाइड्स में डुअल कैथेप्सिन बी और कार्बोनिक एनहाइड्रिज इन्हिबिटरी एक्शन होता है। <i>आर्किव डेर फार्माज़ी</i> , 357(6), e2400114. https://doi.org/10.1002/ardp.202400114	5.1
72	कुमार, ए., रानी, एम., जियोवन्नुजी, एस., राघव, एन., सुपुरन, सीटी, और शर्मा, पीके (2024). कैथेप्सिन बी इनहिबिशन से युक्त सेलेक्टिव ट्यूमर-एसोसिएटेड कार्बोनिक एनहाइड्रिज इन्हिबिटर के रूप में नए थियाज़ोलोट्रियाज़ोल और ट्रायज़ोलोथियाडियाज़ीन स्कैफोल्ड। <i>आर्किव डेर फार्माज़ी</i> , 357(7), e2400366. https://doi.org/10.1002/ardp.202400366	5.1
73	कुमार, ए., आर्य, पी., जियोवन्नुजी, एस., मोहन, बी., राघव, एन., सुपुरन, सी.टी., और शर्मा, पी. के. (2024). सेलेक्टिव कार्बोनिक एनहाइड्रिज इन्हिबिटर के तौर पर नए 1,2,4-ट्राइज़ोल्स जो एसिलरी एंटीकैथेप्सिन B एक्टिविटी दिखाते हैं। <i>फ्यूचर मेडिसिनल केमिस्ट्री</i> , 16(7), 689–706. https://doi.org/10.4155/fmc-2023-0321	3.4
74	शर्मा, वी., वत्स, एल., जियोवन्नुजी, एस., मोहन, बी., सुपुरन, सीटी, और शर्मा, पीके (2024). ह्यूमन कार्बोनिक एनहाइड्रिज इन्हिबिटर के तौर पर SLC-0111 हाइड्राज़िनिल एनालॉग्स की इन-विट्रो और इन-सिलिको जांच। <i>आर्किव डेर फार्माज़ी</i> , 357(7), e2400157. https://doi.org/10.1002/ardp.202400157	5.1
75	मोनिका, चंदर, शर्मा, डी., शर्मा, पी.के., और राम, एस. (2024). नए बेंजीनसल्फोनामाइड इनकॉरपोरेटेड थियाज़ोल-ट्रायज़ोल हाइब्रिड्स का एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सीडेंट एजेंट के तौर पर सिंथेसिस और बायोलॉजिकल इवैल्यूएशन। <i>आर्किव डेर फार्माज़ी</i> , 357(12), 2300650. https://doi.org/10.1002/ardp.202300650	3.6
76	मोहन, बी., सिंह, जी., गुप्ता, आर.के., शर्मा, पी.के., सोलोव, ए.ए., पोम्बेरो, ए.जे.एल., और रेन, पी. (2024). हाइड्रोजन-बॉन्डेड ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (HOFs): एनालिटिकल मॉनिटरिंग पर मल्टीफंक्शनल मटीरियल। <i>ट्रेंड्स इन एनालिटिकल केमिस्ट्री</i> , 170, 117436.	12

	https://doi.org/10.1016/j.trac.2023.117436	
77	सिवाच , के., रानी, एम., वत्स, एल., जियोवन्नुजी , एस., पॉल, ए.के., ब्रह्मा, एम., कुमारी, एन., मारुति, एम., राघव, एन., सुपुरन , सी.टी., और शर्मा, पी.के. (2024). 1,2,3-ट्रायज़ोल बेस्ड एस्टर और कार्बोकिजलिक एसिड नॉन-क्लासिकल कार्बोनिक् एनहाइड्रिज़ इनहिबिटर के तौर पर कैथेप्सिन B को रोकने में सक्षम हैं। <i>आर्किव डेर फार्माजी</i> , 357(3), 2300372. https://doi.org/10.1002/ardp.202300372	3.6
78	मोहन, बी., वीरेंद्र, कादियान , आर., कुमार, एस., गुप्ता, वी., प्रसाद, बी., सोलोव, एए, पोम्बेरो , एजेएल, कुमार, के., और शर्मा, पीके (2024). पोरस मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (MOFs) की कार्बन डाइऑक्साइड कैप्चरिंग एक्टिविटीज़। <i>माइक्रोपोरस और मेसोपोरस मटीरियल्स</i> , 366, 112932. https://doi.org/10.1016/j.micromeso.2023.112932	4.7
79	वत्स, एल., आर्य, पी., कुमार, आर., जियोवन्नुजी , एस., राघव, एन., सुपुरन , सीटी, और शर्मा, पीके (2023). कीटो ब्रिज्ड डुअल ट्राईज़ोल ने बेंज़ीनसल्फोनामाइड्स को शक्तिशाली कार्बोनिक् एनहाइड्रिज़ और कैथेप्सिन बी इनहिबिटर के रूप में जोड़ा। <i>फ्यूचर मेडिसिनल केमिस्ट्री</i> , 15(22), 1843–1863. https://doi.org/10.4155/fmc-2023-0206	3.2
80	कुमार, ए., आर्य, पी., शर्मा, वी., जियोवन्नुजी , एस., राघव, एन., सुपुरन , सीटी, और शर्मा, पीके (2023). ट्यूमर से जुड़े कार्बोनिक् एनहाइड्रिज़ के शक्तिशाली इन्हिबिटर जो कैथेप्सिन बी इन्हिबिशन से संपन्न हैं। <i>आर्किव डेर फार्माजी</i> , 356(e2300349). https://doi.org/10.1002/ardp.202300349	3.6
कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग		
1	तिवारी, ए.के., सैनी, आर., सिंह, पी., सोम, टी., नाथ, ए., और प्रमाणिक, एस. (2024). इन्फॉर्मेशन एन्ट्रॉपी-असिस्टेड इंट्यूशनलिस्टिक फजी रफ फीचर सबसेट सिलेक्शन. <i>ऑप्टिमाइजेशन</i> , 1-29.	1.8
2	सैनी, ए., गिल, एन.एस., गुलिया, पी., तिवारी, ए.के., मराठा, पी., और शाह, एम.ए. (2025). ऑप्टिमाइजेशन इनेबल्ड डीप रेसिडुअल नेटवर्क का इस्तेमाल करके IoT में स्मार्ट क्रॉप डिजीज मॉनिटरिंग सिस्टम। <i>साइंटिफिक रिपोर्ट्स</i> , 15(1), 1456.	3.9
3	कांत, आर., कुमार, बी., मौर्य, एसपी, सिंह, आर., और तिवारी, एके (2024). सिस्मिक इनवर्जन में नॉनलीनियर हाइब्रिड ऑप्टिमाइजेशन एल्गोरिदम की उपयोगिता की खोज: एक तुलनात्मक विश्लेषण। <i>फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ़ द</i>	4.1

	अर्थ, पार्ट्स A/B/C, 136, 103754.	
4	नाथ, ए., पांडे, एस., निसार, के.एस., और तिवारी, ए.के. (2024). ब्लड-ब्रेन बैरियर पेनेट्रेटिंग पेप्टाइड्स के फिजिकोकेमिकल गुणों और सीक्वेंस स्पेस के बारे में जानकारी हासिल करना। <i>इजिप्शियन इंफॉर्मेटिक्स जर्नल</i> , 28, 100557.	4.3
5	घोष, एस., प्रमाणिक, एस., तिवारी, ए.के., निसार, के.एस., कुंडू, एम., और नसीपुरी, एम. (2025). 2pCePd-Net: रेटिनल वेसल सेगमेंटेशन के लिए प्रोबेबिलिटी मैप-बेस्ड बैड-पास डिकोडर के साथ टू-पाथ क्रॉस-कॉन्टेक्ट एनकोडर. <i>IEEE ट्रांजैक्शन ऑन इंस्ट्रुमेंटेशन एंड मेजरमेंट</i>	5.9
6	त्रिपाठी, एमके, पांडे, एस., तिवारी, ए.के., निसार, केएस, और नाथ, ए. (2025). इंटरप्रेटेबल एन्सेम्बल लर्निंग के ज़रिए केमिकल इकोटॉक्सिसिटी को समझना. <i>एन शम्स इंजीनियरिंग जर्नल</i> , 16(9), 103574.	5.9
7	इन प्रेस	1.7
8	ज़ेटर, एस., ओसुचोव्स्की, जे., कसाना, एसएस, शेल्के, एनए, और टोमाज़ेव्स्की, एम. (2025). मल्टी-साइडेड फोटोवोल्टिक सिस्टम में एनर्जी जेनरेशन: प्रेडिक्शन इफेक्टिवनेस का एनालिसिस। <i>रिन्यूएबल एनर्जी</i> , 251, 1–17. https://doi.org/10.1016/j.renene.2025.123325	9
9	कसाना, एस.एस., और राठौर, ए.एस. (2024). आलू की बीमारी का जल्दी पता लगाने के लिए अटेंशन-बेस्ड लाइट वेट डीप लर्निंग मॉडल्स। <i>एप्लाइड साइंसेज</i> , 14(17), 8038. https://doi.org/10.3390/app14178038	2.5
10	शाक्य, ए., और आर्य, एस. (2025). बिजली ऊर्जा पूर्वानुमान विश्लेषण के माध्यम से तापमान और आर्द्रता के स्तर को बनाए रखने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण की खोजपूर्ण डेटा जांच। <i>इंडियन जर्नल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन</i> , 48(2), 322–323.	--
11	दहिया, पी., और आर्य, एस. (2025). डीप लर्निंग के माध्यम से जावा प्लम लीफ रोग की पहचान. <i>इंडियन जर्नल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन</i> , 48(1), 334–335.	--
12	सैनी, ए., गिल, एनएस, गुलिया, पी., तिवारी, ए.के., मराठा, पी., और शाह, एमए (2025). ऑप्टिमाइज़ेशन इनेबल्ड डीप रेसिडुअल नेटवर्क का इस्तेमाल करके IoT में स्मार्ट क्रॉप डिजीज मॉनिटरिंग सिस्टम। <i>साइंटिफिक रिपोर्ट्स</i> , 15(1), 1456.	3.9
13	सेर्न, ए.एल.बी., रामली, एन.ए., मुस्तफा, डब्ल्यू.एम.आर.डब्ल्यू., और आर्य, एस. (2025). यू.ए.वी. मल्टीस्पेक्ट्रल इमेज से ऑयल पाम डिटेक्शन और हेल्थ	--

	क्लासिफिकेशन, यू ओनली लुक वन्स (YOLO) का उपयोग करके। <i>सेमारक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजीनियरिंग</i> , 6(1), 19-37.	
14	आर्य, एस., और अंजू NAR लॉन्ग-टर्म मेमोरी और मशीन लर्निंग मॉडल का इस्तेमाल करके इंटरनेशनल चावल प्रोडक्शन का अनुमान। <i>Int J Inf & Commun Technol</i> ISSN, 2252(8776), 8776.	--
15	सूरज आर्य, ए., और रामली, NA (2024). सुपरवाइज्ड मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क (ANN) का इस्तेमाल करके स्टूडेंट्स के स्ट्रेस लेवल का अनुमान लगाना। <i>इंडियन जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग</i> , 21, e9ije1684.	--
भूगोल विभाग		
1	वर्षा और मुरारी लाल मीणा (2024), राजस्थान में शहरीकरण का स्तर एवं पैटर्न: एक क्षेत्रीय और जिला स्तरीय विश्लेषण, <i>शोध-सावित्री</i> , खंड 1(2), सितंबर 2024, पृष्ठ 01-08 (ISSN: 3048-6785)।	--
2	सिंह, आर., मुरारी लाल मीणा, सुमेधा सचान और मुकेश कुमार मीणा (2024), ग्रामीण सीतापुर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के उपयोग पर शिक्षा का प्रभाव, <i>उत्तर प्रदेश ज्योग्राफिकल जर्नल</i> , (यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल), खंड 29, 2024, कानपुर, पृष्ठ 15-20 (आईएसएसएन: 0975-4903)।	--
3	दास, रवि और मुरारी लाल मीणा. (2024). जियोपॉलिटिक्स के पैराडाइम्स शिफ्ट में इंडो-पैसिफिक का विकास: एक क्रोनोलॉजिकल आउटलाइन, <i>द डेक्कन जियोग्राफर</i> 62(8), पेज 93-108. (ISSN: 0011-7269).	--
4	मंडल के.के., धरणीराजन के., मुरारी लाल मीणा, जमान टी. और राणा एस. (2022), मालदा जिले, पश्चिम बंगाल, भारत में सामाजिक भेद्यता पर बाढ़ के खतरे के प्रभाव के आकलन में जियोस्पेशियल टूल्स का इस्तेमाल। <i>नेचुरल हैज़र्ड्स रिसर्च</i> , 4, पेज 470-485। https://doi.org/10.1016/j.nhres.2023.11.008	3.5
5	कुमार, आर., लक्ष्मी, वी., और मीना, एम.एल. (2024). 21वीं सदी में भारत और चीन के बीच जियोपॉलिटिकल डायनामिक्स, <i>द डेक्कन जियोग्राफर</i> 62(5), पेज 210-221. (ISSN: 0011-7269).	--
6	कुमार, एस. और कुमार, जे. (2024). हिमाचल प्रदेश में पारिस्थितिकी भूमि परिवर्तन और आपदा घटना पर इसका प्रभाव. <i>द डेक्कन जियोग्राफर</i> , 62(5), 244-258.	--
7	कनव, ए., और कुमार, जे. (2024). भारत के गुरुग्राम शहर में सार्वजनिक खुले	--

	स्थान वितरण और पहुँच का जीआईएस-आधारित विश्लेषण। <i>फ़ोरम जियोग्राफ़ी</i> , 38(2), 266-279.	
8	कनव, ए., और कुमार, जे. (2024). ग्रीन स्पेस में कमज़ोर आबादी की पसंद की खोज: एक सिस्टमैटिक रिव्यू. <i>सोशियो-इकोलॉजिकल प्रैक्टिस रिसर्च</i> , 6(4), 411-432.	--
9	कुमार, पी., डेका, डी., हुसैन, एम.ए., कुमार, एम., चौधरी, पी., सिंह, एस., कामिल, ए., और बनर्जी, ए. (2025). हिमाचल प्रदेश, भारत के लाहौल-स्पीति जिले में बारिश और तापमान का ट्रेंड एनालिसिस। <i>फ्रंटियर्स इन क्लाइमेट</i> , 6, 1348132.	4.1
10	आनंद, एस., कुमार, एच., कुमार, पी., एट अल. (2025). रिमोट सेंसिंग और AI तकनीकों का इस्तेमाल करके लैंडस्केप में बदलाव और ज़मीन के तापमान और पेड़-पौधों के इंडेक्स के साथ उनके संबंध का एनालिसिस करना। <i>जियोसाइंस लेटर्स</i> , 12, 7. https://doi.org/10.1186/s40562-024-00372-4	4.3
गणित विभाग		
1	जहान, एस., जॉनसन, पी.एस. (2025). क्रेन स्पेस में रीज बेस. <i>इंडियन जे प्योर अप्लाइड मैथ</i> . https://doi.org/10.1007/s13226-025-00816-3	0.5
2	बालेनू फ्रैक्शनल ऑपरेटर्स का इस्तेमाल करके COVID-19 के डायनामिक्स के लिए एक फ्रैक्शनल मॉडल। <i>जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटर साइंस</i> , 39 (2), 233–248.	1.2
3	एल्डवोआ के, अहमद एस, जहान एस, तौती ए, ईजानिद एन, एआईजैदी टी. (2025). पाइन विल्ट बीमारी के डायनामिक्स का फ्रैक्टल-फ्रैक्शनल मॉडलिंग और स्टेबिलिटी एनालिसिस। <i>PLoS ONE</i> 20(2). e0318534. https://doi.org/10.1371/journal.pone.0318534	2.9
4	यादव, पी., जहान, एस. और निसार, के.एस. (2025). एक नया जनरलाइज्ड बेल वेवलेट और लीनियर और नॉन-लीनियर इंटीग्रल इक्वेशन को हल करने के लिए इसके एप्लीकेशन। <i>कॉम्प. एप्लिक. मैथ</i> . 44, 40. https://doi.org/10.1007/s40314-024-02999-7	2.9
5	यादव, पी., जहान, एस. (2025). कैपुटो सेंस में डेरिवेटिव वाले फ्रैक्शनल-ऑर्डर (1 1)-डाइमेंशनल टेलीग्राफ इक्वेशन के लिए बेल वेवलेट-बेस्ड न्यूमेरिकल एल्गोरिदम। <i>इंट. जे. डायनम. कंट्रोल</i> , 13, 71. https://doi.org/10.1007/s40435-024-01572-8	1.9

6	अहमद, एस., जहान, एस., शाह, के. वगैरह (2025). कुछ फिजिकल प्रॉब्लम की जांच के लिए फिबोनाची वेवलेट मेथड के ज़रिए कम्प्यूटेशनल एनालिसिस पर। <i>जे. अप्लाइड मैथ. कंप्यूट.</i> 71, 531–550. https://doi.org/10.1007/s12190-024-02251-9	2.7
7	केशव और यादव, ए.के. (2025). बेहतर इमेज एन्क्रिप्शन के लिए नया फिक्स्ड-पॉइंट-फ्री केओटिक मैप। <i>जे ऑप्ट.</i> https://doi.org/10.1007/s12596-025-02812-6	2.5
8	शालू, फूल सिंह और ए.के. यादव. (2025). फूरियर डोमेन में स्ट्रक्चर्ड फेज़ मास्क और एलिप्टिक कर्व-बेस्ड पिक्सेल स्कैम्बलिंग का इस्तेमाल करके वीडियो एन्क्रिप्शन, <i>जर्नल ऑफ़ मॉडर्न ऑप्टिक्स</i> , DOI: 10.1080/09500340.2025.2528841	1
9	नीलम, और यादव, ए.के. (2024). फ्रेस्नेल ट्रांसफॉर्म पर आधारित एक एसिमेट्रिक ऑडियो वॉटरमार्किंग क्रिप्टोसिस्टम। <i>जर्नल ऑफ़ ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स एंड एडवांस्ड मैटेरियल्स</i> , 26 (9–10), 433–443.	0.6
10	यादव, जे., ओजगर, एफ., और काजला, ए. (2025). बेजियर - बास्ककोव - जैन प्रकार ऑपरेटर्स द्वारा सन्निकटन। <i>फिलोमैट</i> , 39 (2), 423–435.	0.9
11	सेहरावत, पी., अकार, टी., और काजला, ए. (2025). एक और दो वैरिएबल वाले फंक्शन के लिए α -बर्नस्टीन-कैंटोरोविच टाइप ऑपरेटर द्वारा एप्रोक्सिमेशन। <i>न्यूमेरिकल फंक्शनल एनालिसिस एंड ऑप्टिमाइजेशन</i> , 46 (2), 106–127.	1.4
12	यादव, जे., अकार, टी., और काजला, ए. (2025). सामान्यीकृत गामा-प्रकार ऑपरेटर्स का एक अध्ययन। <i>फिलोमैट</i> , 39 (7), 2195–2207.	0.9
13	बेरवाल, एस., मोहिउद्दीन, एस.ए., काजला, ए., और अलोताइबी, ए. (2025). पोल्या डिस्ट्रीब्यूशन से जुड़े लूपस-कैंटोरोविच ऑपरेटर्स के लिए कन्वर्जेंस रिजल्ट्स। <i>TWMS जर्नल ऑफ़ एप्लाइड एंड इंजीनियरिंग मैथमेटिक्स</i> , 15 (4), 879–891।	--
14	अग्रवाल, PN, काजला, A., और कुमार, D. (2025). गुप्ता- पाल्टेनिया ऑपरेटर्स द्वारा एप्रोक्सिमेशन। <i>अफ्रीका माटेमेटिका</i> , 36, 114.	0.7
15	सेहरावत, पी., और काजला, ए. (एनडी). पोल्या डिस्ट्रीब्यूशन पर आधारित α -बर्नस्टीन- डरमेयर टाइप ऑपरेटर्स द्वारा एप्रोक्सिमेशन। <i>ईरानी जर्नल ऑफ़ साइंस</i> . https://doi.org/10.1007/s40995-025-01832-y	1.4

16	सेहरावत , पी., मोहिउद्दीन , एस.ए., काजला, ए., और अलोतैबी, ए. (2024). ए-स्टैटिस्टिकल कन्वर्जेंस और पावर सीरीज मेथड के ज़रिए जनरलाइज्ड लूपस-जैन टाइप ऑपरेटर्स का ब्लेंडिंग टाइप एप्रोक्सिमेशन। <i>फिलोमैट</i> , 38 (17), 6017–6032.	0.9
17	काजला, ए., मोहिउद्दीन , एस.ए., बेरवाल, एस., और अलोताइबी, ए. (2025). τ - बेजियर – बर्नस्टीन-इंटीग्रल टाइप ऑपरेटर. <i>मैथमेटिकल मेथड्स इन द एप्लाइड साइंसेज</i> , 48 (11), 10942–10951.	1.8
18	बुडेन, एम., मौन, एम., और जाखड़, जे. (2025). ऑर्डर 6 के पथ के लिए मल्टीकलर स्टार-क्रिटिकल गैलई-रैमसे संख्या. <i>डिस्क्रीट और एप्लाइड मैथमेटिक्स की कला</i> , 9, 1–9.	0.44
19	जाखड़, जे., मौन, एम., सियोल, वाई., यूसुफ, एम.ए., लतीफ, एम.ए., और मोहम्मद, पी.ओ. (2025). पेंडेंट किनारों के साथ साइकिल के लिए रैमसे संख्या का सामान्यीकरण। <i>गणित</i> , 13, 1–21.	2.2
20	जाखड़, जे., बुडेन, एम., और माउन, एम. (2025). प्लेनर होस्ट ग्राफ़ में इंद्रधनुष संख्याएँ. <i>फिलोमैट</i> , 39, 2695–2710.	0.9
21	जाखड़, जे., शर्मा, एस., बलेनू, डी., यूसुफ, एम.ए., जाखड़, जे., चोरफी, एन., और मोहम्मद, पी.ओ. (2025). त्रि-आयामी कार्यात्मक समीकरणों के लिए स्थिरता विश्लेषण पर तुलनात्मक परिणाम। <i>यूरोपियन जर्नल ऑफ़ प्योर एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स</i> , 1–23.	1.03
22	पुनिया, पी., राज, ए., और कुमार, पी. (2025). रिलायबिलिटी रिडंडेंसी एलोकेशन और इंजीनियरिंग ऑप्टिमाइजेशन प्रॉब्लम के लिए एन्हांस्ड ज़ेबरा ऑप्टिमाइजेशन एल्गोरिदम. <i>क्लस्टर कंप्यूट</i> , 28, 267. https://doi.org/10.1007/s10586-024-04931-4	3.6
23	मनीषा, और कुमार, पी. (2025). स्टेनलेस स्टील के बर्तन बनाने वाली यूनिट की स्टेडी-स्टेट परफॉर्मेंस को एनालाइज़ करने के लिए एक बेहतर ऑप्स्रे ऑप्टिमाइजेशन एल्गोरिदम। <i>लाइफ़ साइकिल रिलायबिलिटी और सेफ़्टी इंजीनियरिंग</i> । https://doi.org/10.1007/s41872-025-00319-4	--
24	क्वात्रा, ए., सांगवान, वी., और गुप्ता, आर.के. (2025). एप्रोक्सिमेट लाइ सिमिट्री एनालिसिस: सिंगुलरली पर्टर्ब्ड जनरलाइज्ड हॉजकिन-हक्सले इक्वेशन के एकज़ैक्ट और एप्रोक्सिमेट सॉल्यूशन। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एप्लाइड एंड कम्प्यूटेशनल मैथमेटिक्स</i> , 11, 64.	--
25	क्वात्रा, ए., सांगवान, वी., और गुप्ता, आर.के. (2025). सिंगुलरी पर्टर्ब्ड	1.7

	जनरलाइज्ड बर्गर्स-हक्सले प्रॉब्लम का एप्रोक्सिमेट लाई सिमिट्री और एक्सपोनेंशियली फिटेड फाइनल एलिमेंट मेथड के जरिए कम्पैरेटिव एनालिसिस। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ थियोरेटिकल फिजिक्स</i> , 64, 37-71.	
26	शर्मिला, और गुप्ता, आर.के. (2025). नॉनक्लासिकल सिमिट्रीज़, पेनलेव एनालिसिस, और श्री-कपल्ड कोर्टेवेग -डी व्रीस (KdV) सिस्टम के सोलिटन सॉल्यूशन पर। <i>फिजिका स्क्रिप्टा</i> , 100, 015238.	2.6
भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग		
1	खंडेलवाल, वी., एट अल. (2024). <i>सेरामिक्स इंटरनेशनल</i> , 50, 50118.	5.6
2	मीनाक्षी, एट अल. (2025). <i>जर्नल ऑफ़ मैग्नेटिज़्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स</i> , 614, 172766.	3
3	जे. मेटर. केम. सी. (2025).13, 10178-10193	5.1
4	ठाकुर, एम., बेहरा, बीआर, महाजन, आर., सनीश, एन., कौर, जी., कुमार, एम., यादव, ए., दुबे, आर., कुमार, एन., रानी, के., सुगाथन, पी., झिंगन, ए., गोल्डा, केएस, चटर्जी, ए., मंडल, एस., सक्सेना, ए., कैलास, एस., व नासिरोव, ए. (2024). <i>एक्टा फिजिका पोलोनिका बी प्रोसीडिंग्स सप्लीमेंट</i> , 17, 3-ए25.	0.7
5	कुमार, एन., वर्मा, एस., मोहसिना, एस., साधुखान, जे., देवी, के.आर., बनर्जी, ए., सनीश, एन., कुमार, एम., महाजन, आर., ठाकुर, एम., कौर, जी., रानी, ए., नीलम, वाई., यादव, ए., कविता, आर., कुमार, आर., उन्नति, एस., मंडल, एस., कुमार, एस., ... सुगाथन, पी. (2021). <i>फिजिक्स लेटर्स बी</i> , 814, 136062.	4.5
6	कौर, जी., दुबे, आर., बेहेरा, बी.आर., कविता, झिंगन, ए., सनीश, एन., कुमार, एम., सुगाथन, पी., बनर्जी, टी., ठाकुर, एम., महाजन, आर., शर्मा, पी., खुशबू यादव, ए., हैगिनो, के., और रोली, एन. (2025). <i>फिजिकल रिव्यू सी</i> , 111, 054614.	3.4
7	विकास, कविता, घोष, टी.के., गोल्डा, के.एस., झिंगन, ए., सुगाथन, पी., चटर्जी, ए., मोहित, यादव, ए., यादव, सी., सनीश, एन., बेहेरा, बी.आर., कुमार, ए., रानी, के., अप्पनबाबू, एस., दलाल, आर., ठाकुर, एम., दुबे, आर., दुग्गी, एस.के., कुमार, एन., बनर्जी, ए., रानी, ए., कुमार, आर., काजल, नूर, एस., आचार्य, जे., और सिंह, एच. (2024). <i>यूरोपियन फिजिकल जर्नल ए</i> , 60, 202.	2.8
8	दुबेआ, आर., कौर, जी., यादव, ए., सनीश, एन., झिंगन, ए., सुगाथन, पी.,	4.5

	बनर्जी , टी., गोल्डा, के.एस., सिंह, एच., ठाकुर, एम., और महाजन, आर. (2024). <i>फिजिक्स लेटर्स बी</i> , 859, 139112.	
9	गुप्ता, एस., कुमार, आर., और गोयल, जी. (2024). Ag/ rGO और Ag/ Ag ₂ O / rGO नैनोकंपोजिट्स की सिनर्जिस्टिक फोटोकैटलिटिक और एंटीबैक्टीरियल क्षमताएं: ऑक्साइड बनने और टर्नरी हेटेरोजंक्शन का असर। <i>मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस</i> , 41, 110479.	4.5
10	कुमारी, आर., और कुमार, आर. (2024). पानी के उपचार के लिए नए 3D/2D MoS ₂ / SnS ₂ हेटेरोस्ट्रक्चर का इस्तेमाल करके Cr(VI) और ऑर्गेनिक पॉल्यूटेंट्स का बेहतर फोटोकैटलिटिक डिग्रेडेशन। <i>फिजिका स्क्रिप्टा</i> , 99(10), 1059d1.	2.9
11	कुमारी, आर., और कुमार, आर. (2024). 3D फ्लावर-लाइक MoS ₂ नैनोस्ट्रक्चर के स्ट्रक्चरल और फोटोकैटलिटिक गुणों पर थर्मल रैंप रेट का प्रभाव। <i>हाइब्रिड एडवांसेस</i> , 7, 100300।	3.4
12	कुमारी, आर., और कुमार, आर. (2025). असल दुनिया के प्रदूषकों के पानी के उपचार के लिए Pd/MoS ₂ नैनोकंपोजिट में फोटोकैटलिटिक परफॉर्मेंस को बढ़ाने के लिए चार्ज कैरियर डायनामिक्स को समझना। <i>मैटेरियल्स रिसर्च बुलेटिन</i> , 181, 113122.	5.7
13	कुमारी, आर., और कुमार, आर. (2024). रैंडमली ओरिएंटेड 2D SnS ₂ नैनोस्ट्रक्चर द्वारा ऑर्गेनिक पॉल्यूटेंट्स का बेहतर फोटोकैटलिटिक डिग्रेडेशन। <i>सेमीकंडक्टर साइंस एंड टेक्नोलॉजी</i> , 39, 125003।	1.9
14	सादेरा , जी., जगलान , ए., कुमार, ए., रेक्वेना, टी., कुमार, आर., परमारे , ए., और गोयल, जी. (2024). मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंट डायरिया वाले ई. कोलाई स्ट्रेन के खिलाफ पेडियोकोकी स्ट्रेन की एंटीबायोफिल्म एक्टिविटी की खोज। <i>फूड बायोटेक्नोलॉजी</i> , 38, 385–415.	1.8
15	शर्मा, डी., और कुमार, एस. (2025). <i>फिजिका स्क्रिप्टा</i> , 100, 055928.	2.6
16	शर्मा, डी., और कुमार, एस. (2025). <i>प्रमाण – जर्नल ऑफ फिजिक्स</i> , 99, 90.	2.219
17	शर्मा, डी., और कुमार, एस. (2025). <i>प्रमाण – जर्नल ऑफ फिजिक्स</i> , 99, 2.	2.219
18	शर्मा, डी., और कुमार, एस. (2025). <i>न्यूक्लियर फिजिक्स ए</i> , 1055, 123005.	2.5

19	शर्मा, डी., एट अल. (2025). एप्लाइड मैटेरियल्स टुडे, 44, 102706.	6.9
20	जाखड़, एम., एट अल. (2025). फ़िजिका स्क्रिप्टा, 100, 085303.	2.6
21	MoSSe मोनोलेयर के थर्मोइलेक्ट्रिक परफॉर्मेंस को बढ़ाना। यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 140, 278. https://doi.org/10.1140/epjp/s13360-025-06180-9	2.9
22	गुप्ता, एस., और कुमार, आर. (2025). rGO-रैण्ड SnO ₂ नैनोपार्टिकल्स पर आधारित हाई-परफॉर्मेंस सुपरकैपेसिटिव इलेक्ट्रोड का डेवलपमेंट: इलेक्ट्रोलाइट कंसंट्रेशन के असर की जांच। डायमंड एंड रिलेटेड मटेरियल्स, 151, 111799।	5.1
23	कुमारी, आर., और कुमार, आर. (2025). रियल-वर्ल्ड पॉल्यूटेंट्स के वॉटर रीमेडिएशन के लिए 2D/3D g-C ₃ N ₄ /MoS ₂ हेटेरोजंक्शन का बेहतर फोटोकैटलिटिक परफॉर्मेंस। जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स, 138, 014303।	4.4
24	नासित, एम., विज, ए., कुमारी, के., कू, बी.-एच., दलेला, एस., अल्वी, पीए, ब्रजपुरिया, आर.के., और कुमार, एस. (2025). 2D g-C ₃ N ₄ -बेस्ड सिमेट्रिक सुपरकैपेसिटर डिवाइस के इलेक्ट्रोकेमिकल परफॉर्मेंस में फैब्रिकेशन और सुधार। जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स, 1013, 178428।	6.3
25	बिश्रोई, पी., शर्मा, ए., ब्रजपुरिया, आर., चाए, केएच, वॉन, एसओ, और विज, ए. (2025). XAS, PL, और TL स्टडीज के जरिए Ce ³⁺ डोपड MgO नैनोक्रीस्टल्स के स्ट्रक्चरल और ल्यूमिनेसेंस प्रॉपर्टीज की जांच करना। जर्नल ऑफ फोटोकेमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए: केमिस्ट्री, 463, 116281.	4.7
26	कुमार, ए., शर्मा, एम.के., यादव, एन., विज, ए., कुमार, एम., हुह, एस.-एच., किम, जे.-डब्ल्यू., और कू, बी.एच. (2025). Cr ₂ O ₃ / SiO ₂ कंपोजिट में बाउंड मैग्नेटिक पोलरॉन, फोनन कन्फाइनमेंट और चार्ज ट्रांसफर इफेक्ट्स. सॉलिड स्टेट साइंसेज, 165, 107943.	3.3
27	मीनाक्षी, कपूर, आर., दाश, एस., बंसल, आर., विज, ए., चौरसिया, एच.के., कुमार, एन., रामोवतार, और कुमार, एस. (2025). Dy ³⁺ सब्स्टीट्यूशन के जरिए EuCrO ₃ ऑर्थोक्रोमाइट्स के स्ट्रक्चरल, मैग्नेटिक और ऑप्टिकल गुणों को ट्यून करना। बुलेटिन ऑफ मैटेरियल्स साइंस, 48, 20.	2.1
28	चौधरी, एस., परमार, केपीएस, ब्रजपुरिया, आर., रावत, बीएस, और विज, ए. (2024). लैटिस डिस्टॉर्शन सोल-जेल-डिहाइड Cu-डोपड NiTiO ₃ के फोटोकैटलिटिक और इलेक्ट्रोकेपेसिटिव परफॉर्मेंस में सुधार करता है. एनर्जी	3.6

	टेक्नोलॉजी, 13, 2401138.	
29	ठाकुर, एम., विज, ए., कुमार, ए., कू, बीएच, सिंह, एफ., और रंगरा, वी.एस. (2024). एनील्ड ज़िरकोनिया नैनोक्रीस्टल्स की स्ट्रक्चरल और ऑप्टिकल स्टडीज़: फेज़ ट्रांसफॉर्मेशन, डिफेक्ट डायनामिक्स, और मैग्नेटिक बिहेवियर . <i>सेरामिक्स इंटरनेशनल</i> , 50, 50680.	5.6
30	प्रिया रानी और सुनीता श्रीवास्तव, यूवी अनुप्रयोगों के लिए होले ग्रेफीन क्वांटम डॉट्स के ऑप्टिकल और इलेक्ट्रॉनिक गुणों की सिस्टमैटिक ट्यूनिंग, फिजिका B 690 (2024) 416258	2.8
31	प्रिया रानी, विश्वमित्र और सुनीता श्रीवास्तव, क्वांटम डॉट्स: वैज्ञानिक जिज्ञासा से लेकर वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों तक आईपीटी बुलेटिन (नवंबर 2024) 333	--
सांख्यिकी विभाग		
1	बोरठाकुर, एस., साहू, आर., महंता, एस., और दहिया, एस. (2023). असम के कृषि क्षेत्र के विकास पर मशीन लर्निंग तकनीकों के हालिया रुझान। <i>इंटरनेशनल जर्नल</i> , 10(5), 760-768	8.1
2	गर्ग, आर., कुमारी, एम., साहू, आर.के., और कुमारी, ए. (2024). व्युत्क्रम पैरेटो वितरण से गैर-समान शक्ति घटकों के साथ बहु-घटक प्रणाली का तनाव-शक्ति विश्वसनीयता अनुमान। <i>जीवन चक्र विश्वसनीयता और सुरक्षा इंजीनियरिंग</i> , 13 (3), 351-363।	8.1
3	ग्रेवाल, ए., साहू, आर.के., कुमार, के., और कुमार, आई. (2025). प्रोग्रेसिवली सेंसर्ड सैंपल्स पर आधारित xgamma डिस्ट्रीब्यूशन से स्ट्रेस-स्ट्रेथ रिलायबिलिटी एस्टिमेशन. <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी</i> , 1-10.	8.1
4	विनय कुमार, ओपी श्योराण , रोहित कुंडू, कोमल मलिक और सविता रानी (2025). कोवेरिएंस के एनालिसिस के लिए एक यूजर फ्रेंडली वेब बेस्ड स्टैटिस्टिकल एनालिसिस टूल का डेवलपमेंट। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एग्रीकल्चरल एंड स्टैटिस्टिकल साइंसेज</i> । DOI: https://doi.org/10.59467/IJASS.2025.21.205	0.9
5	कुमारी, पी., और कुमार, वी. (2024). टाइप II सेंसरिंग के तहत व्युत्क्रम शक्ति बर-हटके वितरण पर अनुमान। <i>विश्वसनीयता: सिद्धांत और अनुप्रयोग</i> , 19(3 (79)), 356-363।	--
6	संजू, कुमार, वी., और कुमारी, पी. (2024). विभिन्न मिसिंगनेस मैकेनिज्म के	0.7

	तहत मिसिंग डेटा को इम्प्यूट करने के लिए बायेसियन दृष्टिकोण के प्रदर्शन का मूल्यांकन। <i>संख्या बी</i> , 86(2), 713-723.	
7	भूषण, एस., कुमार, ए., और शुक्ला, एस. (2025). लॉग टाइप एस्टीमेटर्स का उपयोग करके माप त्रुटियों की उपस्थिति में औसत अनुमान। <i>थाईलैंड सांख्यिकीविद्</i> , 23(2), 258-268।	0.5
8	भूषण, एस., और कुमार, ए. (2025). रैंक सेट सैम्पलिंग के तहत बहु-सहायक जानकारी का उपयोग करते हुए लॉग प्रकार अनुमान। <i>थाईलैंड सांख्यिकीविद्</i> , 23(2), 269-278.	0.5
9	कुमार, ए., भूषण, एस., और अलोमेयर, ए.एम. (2024). EWMA स्टैटिस्टिक्स का उपयोग करके टाइम-बेस्ड सर्वे के लिए मेमोरी टाइप इंप्यूटेशन मेथड्स का ऑप्टिमल क्लासा। <i>साइंटिफिक रिपोर्ट्स</i> , 14(1), 25740.	3.9
10	कुमार, ए., भूषण, एस., इमाम, डब्ल्यू., ताशकंडी, वाई., और खान, एमजेएस (2024). रैंक सेट सैम्पलिंग के तहत मल्टी ऑक्जीलरी इन्फॉर्मेशन का इस्तेमाल करके नए लॉगरिदमिक इंप्यूटेशन प्रोसीजर। <i>साइंटिफिक रिपोर्ट्स</i> , 14(1), 18027.	3.9
11	भूषण, एस., और कुमार, ए. (2025). स्तरीकृत रैंक सेट नमूनाकरण के तहत इष्टतम आरोपण विधियाँ। <i>REVSTAT-सांख्यिकी जर्नल</i> , 23(1), 53-77.	1.2
12	भूषण, एस., और कुमार, ए. (2024). रैंक सेट सैम्पलिंग आधारित लॉगरिदमिक इंप्यूटेशन तकनीकों का उपयोग करके कोरिलेटेड मेजरमेंट एर के अध्ययन पर: स्वीकृत-सितंबर 2024. <i>REVSTAT-स्टैटिस्टिकल जर्नल</i> ।	1.2
13	प्रिया, और कुमार, ए. (2025). अनिश्चितता की उपस्थिति में जनसंख्या माध्य के मजबूत न्यूट्रोसोफ़िक एक्सपोज़ेनशियल एस्टीमेटर्स। <i>क्वालिटी और क्वांटिटी</i> , 1-24।	54.69
14	कुमार, ए., और भूषण, एस. (2025). टेम्पोरल सर्वे के लिए लॉगरिदमिक इंप्यूटेशन तकनीक: सिमुलेशन और असल ज़िंदगी के एप्लीकेशन के ज़रिए खोजा गया एक मेमोरी-बेस्ड तरीका। <i>क्वालिटी और क्वांटिटी</i> , 1-25.	4.69
15	कुमार, ए., और त्रिपाठी, वी. (2025). सिंपल रैंडम सैम्पलिंग के तहत पॉपुलेशन मीन एस्टिमेशन के लिए ऑप्टिमल न्यूट्रोसोफ़िक फ्रेमवर्क. <i>न्यूट्रोसोफ़िक सेट्स एंड सिस्टम्स</i> , 86, 689-709.	--
16	भूषण, एस., कुमार, ए., और पोखरेल, आर. (2025). म्युनिसिपैलिटी डेटा पर एप्लीकेशन के साथ डोमेन मीन के लिए सटीक डायरेक्ट और सिंथेटिक एस्टीमेटर्स पर। <i>लाइफ साइकिल रिलायबिलिटी और सेफ्टी इंजीनियरिंग</i> , 1-20.	0.9

17	कुमार, ए., भूषण, एस., और पोखरेल, आर. सहायक डेटा का उपयोग करके छोटे क्षेत्र के अनुमान के लिए रैंक सेट नमूनाकरण: फसल उत्पादन डेटा से अंतर्दृष्टि।	--
18	गेमे , ए.एम., एजेबसा , ए., जेघदौदी , एच., तानिस्, सी., ताशकंडी , वाई.ए., बक्र, एम.ई., और कुमार, ए. (2024). पावर न्यू एक्स-लिंडले डिस्ट्रीब्यूशन: स्टैटिस्टिकल इनफेरेंस, फ़ज़ी रिलायबिलिटी, और एप्लीकेशन. <i>हेलियॉन</i> , 10(17).	3.6
19	बौसेबा , एफ.जेड., जेघदौदी , एच., सपकोटा, एल.पी., ताशकंडी , वाई.ए., बक्र, एम.ई., कुमार, ए., और गेमे , ए.एम. (2024). नवीन दो-पैरामीटर द्विघात घातीय वितरण: गुण, सिमुलेशन, और अनुप्रयोग. <i>हेलियॉन</i> , 10(19).	3.6
20	कुमार, ए., इमाम, डब्ल्यू., और ताशकंडी , वाई. (2024). सरल यादृच्छिक नमूने के तहत जनसंख्या भिन्नता के लिए अनुमानों की मेमोरी प्रकार सामान्य श्रेणी. <i>हेलियॉन</i> , 10(16).	3.6
21	न्वांकवो, एम.पी., अलसादत , एन., कुमार, ए., बहलौल, एम.एम., और ओबुलेजी , ओ.जे. (2024)। टाइप-I हेवी-टेल्ड रैले वितरण के लिए ट्रंकेटेड लाइफ टेस्ट पर आधारित समूह स्वीकृति नमूनाकरण योजना। <i>हेलियॉन</i> , 10(19)।	3.6
22	कुमार, ए., भूषण, एस., पोखरेल, आर., इमाम, डब्ल्यू., ताशकंडी , वाई., और खान, एमजेएस (2024)। सिमुलेशन और अनुप्रयोगों के साथ डोमेन माध्य के लिए उन्नत प्रत्यक्ष और सिंथेटिक अनुमानक। <i>हेलियॉन</i> , 10(14)।	3.6
23	भूषण, एस., और कुमार, ए. (2025). रैंक सेट सैंपलिंग के तहत कोरिलेटेड मेज़रमेंट एर की मौजूदगी में रोबस्ट डिफ़रेंस और रेश्यो टाइप एस्टीमेटर। <i>कलकत्ता स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन बुलेटिन</i> , 00080683241299476.	0.48
24	भूषण, एस., और कुमार, ए. (2025). हायर ऑर्डर मोमेंट्स का इस्तेमाल करके पॉपुलेशन मीन के लिए ऑप्टिमल क्लास ऑफ़ एस्टीमेटर्स. <i>अफ्रीका माटेमेटिका</i> , 36(1), 12.	0.8
25	गेमे , ए.एम., ताशकंडी , वाई.ए., बक्र, एम.ई., कुमार, ए., हुसैन, एम.एम., और अल्मेतवली , ई.एम. (2024). कोविड-19 डेटासेट को एक नए सांख्यिकीय मॉडल में फिट करना. ए.आई.पी. <i>एडवांसेज़</i> , 14(8).	1.5
26	अनूप कुमार, पी., और अलोमेयर , अब्दुल्ला मोहम्मद अलोमेयर (2025)। न्यूट्रोसोफिक रैंक सेट सैंपलिंग का उपयोग करके अनिश्चित जनसंख्या माध्य का अनुमान लगाने के लिए अनुमानों के कुशल वर्ग । वॉल्यूम 10 , इश्यू 4 : 8946-8964. doi : 10.3934/math.2025410	1.8

27	अबियाद, एम., रहमान, एमएम, ओलुवाफेमी सैमसन बालोगुन, वाईए, ताशकंडी, एमई, यूसुफ, एम., कुमार, ए., ... और अहमद, बी (2025). न्यूमेरिकल इलस्ट्रेशन और इंडस्ट्रियल एप्लीकेशन के साथ Burr-XII एम्प्यूटेड लाइफ टेस्टिंग पर आधारित सीक्वेंशियल इंस्पेक्शन सैंपलिंग प्लान। वॉल्यूम 10, इश्यू 6 : 14917-14942. doi : 10.3934/math.2025669	1.8
28	कुमार, ए., कुमारी, आर., और अलोमेयर, ए.एम. (2025). टेम्पोरल सर्वे के लिए जनसंख्या माध्य के मेमोरी-टाइप अनुमानों के इष्टतम वर्ग। <i>एआईएमएस मैथमेटिक्स</i> , 10(1), 1008-1025.	1.8
29	अबियाद, एम., अलसादत, एन., अब्द एल-रऊफ, एमएम, यूसुफ, एचएम, और कुमार, ए. (2025). नए फिस्क प्रोबेबिलिटी मॉडल के लिए अलग-अलग कोपुला टाइप और रिलायबिलिटी एप्लीकेशन। <i>एलेक्जेंड्रिया इंजीनियरिंग जर्नल</i> , 110, 512-526.	6.8
30	ताशकंडी, YA, कुमार, A., और अब्द अल-रऊफ, MM (2025). कैंसर मरीजों के डेटा का अनुमान और एप्लीकेशन के साथ विश्लेषण करने के लिए अगली पीढ़ी का प्रोबेबिलिस्टिक तरीका। <i>एलेक्जेंड्रिया इंजीनियरिंग जर्नल</i> , 114, 147-172.	6.8
31	ओरामुलु, डी.ओ., अलसादत, एन., कुमार, ए., बहलौल, एम.एम., और ओबुलेजी, ओ.जे. (2024). साइन जनरलाइज्ड डिस्ट्रीब्यूशन फैमिली: प्रॉपर्टीज, एस्टिमेशन, सिमुलेशन और एप्लीकेशन। <i>एलेक्जेंड्रिया इंजीनियरिंग जर्नल</i> , 109, 532-552.	6.8
32	झोउ, जे., कियान, एच., याओ, वाई., ताशकंडी, वाईए, बक्र, एमई, कुमार, ए., और बहलौल, एमएम (2024). फिजिकल एजुकेशन और रिलायबिलिटी में एक नए प्रोबेबिलिटी डिस्ट्रीब्यूशन के एंपिरिकल एक्सप्लोरेशन पर। <i>एलेक्जेंड्रिया इंजीनियरिंग जर्नल</i> , 106, 422-437.	6.8
33	एल-दीन, MMM, मेराऊ, MA, अलसादत, N., कुमार, A., अब्द एल-रऊफ, MM, और बहलौल, MM (2024). मोमेंट एक्सपोनेंशियल मॉडल के नए तरीके का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस लॉस डेटा की मॉडलिंग: अनुमान, एक्चुअरियल उपाय और एप्लीकेशन. <i>एलेक्जेंड्रिया इंजीनियरिंग जर्नल</i> , 106, 544-559.	6.8
34	क्यू, वाई., डिंग, डी., ताशकंडी, वाईए, बक्र, एमई, अब्द अल-रऊफ, एमएम,	6.8

	और कुमार, ए. (2024). प्रॉपर्टीज वाला एक नया प्रोबेबिलिस्टिक मॉडल: वोकल म्यूज़िक और रिलायबिलिटी प्रोडक्ट्स में इसका इम्प्लीमेंटेशन. <i>एलेक्जेंड्रिया इंजीनियरिंग जर्नल</i> , 107, 254-267.	
35	कुमार, ए., और कुमार, वी. (2025). जनसंख्या माध्य के लिए अनिश्चितता आधारित कुशल न्यूट्रोसोफिक आरोपण विधियाँ: ए. कुमार, वी. कुमार. <i>नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स</i> , 1-11.	1.3
36	शर्मा, ए., कुमार, जे., नारू, एस., घियाल, पी., गोदारा, एम., और सेवहग, एम. (2025)। पर्यावरणीय कारकों के आधार पर डीएफए का उपयोग करके गेहूं की उपज (ट्रिटिकम एस्टिवम एल.) का सांख्यिकीय विश्लेषण और अनुमान। <i>कृषि और सांख्यिकी विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल</i> , 21(1)	0.3
व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ		
प्रबंधन अध्ययन विभाग		
1	गौर, पी., टंडन, पी., सिंह, एबी, और यादव, एन. (2025). युवाओं की फाइनैशियल लिटरैसी उनके फाइनैशियल इन्क्लूजन को कैसे प्रभावित करती है? एक PLS-SEM अप्रोच. <i>इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस</i> , 19(7), 8–24. https://doi.org/10.17010/ijf/2025/v19i7/175194	0.566
2	VOSviewer का इस्तेमाल करके सोशल मीडिया एडवरटाइजिंग और ऑर्थेंटिसिटी रिसर्च का एक बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस। <i>यूरोपियन इकोनॉमिक लेटर्स (EEL)</i> , 15(1), 103–113. https://doi.org/10.52783/eel.v15i1.2370	0.278
3	कुमार, एम., झा, बी., गुप्ता, जी., और रंजन, एस. (2024). AI और फिनटेक का बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फाइनैशियल टेक्नोलॉजी के इंटरसेक्शन की मैपिंग। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइनैशियल इंजीनियरिंग</i> , 11(04), 2442008।	0.6
4	पुनिया, ए. , और कुमार, ए. (2024). भाषा सीखने के माहौल में AI-ड्रिवन चैटबॉट एप्लीकेशन: एक बिब्लियोग्राफिक रिव्यू. <i>लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल</i> , 44(6), 72-82	--

वाणिज्य विभाग		
1	यादव, जे., कौर, आर., और मिश्रा, एस. (2024), "हरियाणा में स्वयं सहायता समूहों के प्रति एसएचजी के सदस्यों के दृष्टिकोण का मापन", <i>एएमसी इंडियन जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप</i> , 7(2), 54-69	--
2	कौर, आर., सिंह, ए.पी., और मिश्रा, एस. (2025)। वित्तीय समावेशन के लिए पीएमजेडीवाई सूचकांक के माध्यम से आर्थिक विकास की भविष्यवाणी करना: भारत से साक्ष्य। <i>इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन कैपिटल मार्केट्स</i> , 12(1), पृ.-8-26।	--
3	यादव, जे., कौर, आर., और मिश्रा, एस. (2024). कई डेवलपमेंट इश्यूज़ को एड्रेस करने में सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स (SHGs) का योगदान: लिटरेचर का एक सिस्टमैटिक रिव्यू. <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट प्रैक्टिस</i> , वॉल्यूम 17, नंबर 1, पेज 67-94.	--
4	यादव, जे., कौर, आर., और मिश्रा, एस. (2024). ग्रामीण लोगों को आत्मनिर्भर बनाकर सामाजिक स्थिरता का रास्ता: भारत में NABARD की पहल का मूल्यांकन। <i>वर्ल्ड रिव्यू ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप, मैनेजमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट</i> , वॉल्यूम 20, नंबर 6, पेज 664-682।	--
5	मिश्रा, एस., और कौर, आर. (2023), "प्लांड बिहेवियर की एक्सपेंडेड थ्योरी के लेंस के ज़रिए ग्रीन प्रोडक्ट्स के कंज्यूमर के खरीदने के बिहेवियर की जांच करना", <i>मैनेजमेंट ऑफ एनवायर्नमेंटल क्वालिटी: एन इंटरनेशनल जर्नल</i>	4.1
6	कौर, आर., यादव, एस., और मिश्रा, एस. (2024), "लोगों को ग्रीन उत्पाद खरीदने के लिए क्या प्रेरित करता है?: उभरते बाजार से अनुभवजन्य साक्ष्य", <i>बिजनेस स्ट्रैटेजी एंड डेवलपमेंट</i> , 7(3), ई700011	4.2
7	बानो, ए., सोरिया, एस और भास्कर, पी. (2024). प्रैक्टिस में ज़िम्मेदार AI: कॉर्पोरेट डिजिटल ज़िम्मेदारी के ज़रिए नैतिक डिस्क्लोज़र मैकेनिज़्म. <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड बिजनेस एंड मैनेजमेंट साइंसेज़</i> . 5(2), 175-190.	0
8	3. सोरिया, एस. और कादियान, पी. (2025). इंडियन हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में इंटेलेक्चुअल कैपिटल और फाइनेंशियल परफॉर्मेंस का नेक्सस: एक पैनल डेटा एनालिसिस, <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिप्लोमेसी एंड इकोनॉमी</i> , 11(1), 5-28	1.4
9	मित्तल, आर., शीतल, और सोरिया, एस. (2025). IT और डिजिटलाइज़ेशन के ज़रिए भारतीय MSMEs की कॉम्पिटिटिवनेस को बढ़ावा देना। <i>डेवलपमेंट के लिए इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी</i> , 1-24. https://doi.org/10.1080/02681102.2025.2453211	6.4

10	रस्तोगी, पी. और सोरिया, एस. (2025). इंटीग्रेटेड रिपोर्टिंग डिस्कलोजर पर कॉर्पोरेट एट्रीब्यूट्स के असर का एनालिसिस: इंडियन लिस्टेड कंपनियों की एक स्टडी, <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अकाउंटिंग एंड इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट</i> , 33(3), 494-512. https://doi.org/10.1108/IJAIM-08-2024-0322	5.5
11	वर्मा, ए., सिंह, बी., और कुमार, एस. (2025). भारत में छोटे फाइनेंस बैंकों पर COVID-19 के असर का पता लगाना: एक गहराई से इकोनॉमेट्रिक एनालिसिस। <i>फाइनेंशियल स्टैटिस्टिकल जर्नल</i> , 2025(1), 10292. https://doi.org/10.24294/fsj10292	--
12	यादव, एम. और दहिया, एस. (2025), "क्या ग्रीन फाइनेंस और इनोवेशन एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा दे सकते हैं: भारत से एंपिरिकल सबूत", <i>सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी जर्नल</i> , वॉल्यूम 21 नंबर 6, पेज 1301-1318. https://doi.org/10.1108/SRJ-08-2024-0545	4.1
अर्थशास्त्र विभाग		
1	खुराना, एन., गंधार, एच., और कुमार, एस. (2025). ग्रामीण गैर-कृषि रोजगार में शिक्षा की भूमिका: पंजाब और हरियाणा से साक्ष्य। <i>इंडियन जर्नल ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन</i> , 16, 126–143. https://ijde.puchd.ac.in/issues/ijde-vol-xvi.pdf	--
2	(2024). बैंकों के मर्जर के बाद के हालात को समझना: COVID-19 महामारी के बाद से पब्लिक सेक्टर बैंकों पर कीमतों के असर का एनालिसिस। <i>मैनेजरियल फाइनेंस</i> । https://doi.org/10.1108/MF-05-2024-0351	2.2
3	(2024). प्रेशर-स्टेट-रिस्पॉन्स फ्रेमवर्क का इस्तेमाल करके ग्लोबल सस्टेनेबल बिजली इस्तेमाल इंडेक्स बनाना। <i>यूटिलिटीज पॉलिसी</i> , 91, 101826.	4.4
4	वर्मा, ए., सिंह, बी., और कुमार, एस. (2025). भारत में छोटे फाइनेंस बैंकों पर COVID-19 के असर का पता लगाना: एक गहराई से इकोनॉमेट्रिक एनालिसिस। <i>फाइनेंशियल स्टैटिस्टिकल जर्नल</i> , 8 (1), 10292. https://doi.org/10.24294/fsj10292	--
5	कुमार, एस., और वर्मा, ए. (2025). COVID-19 महामारी के बाद से भारत में पेमेंट बैंकों के फाइनेंशियल परफॉर्मेंस का मूल्यांकन: GMM और डायनामिक OLS अप्रोच का इस्तेमाल करना। <i>मिलेनियल एशिया</i> , 0(0). https://doi.org/10.1177/09763996251324616	1.2
पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग		

1	बाल्यान, वी., कुमार, पी., और राठी, एम. (2025). बहुत ज्यादा खराब मौसम वाले इलाकों में हेलीक्राफ्ट इंडस्ट्री की सस्टेनेबल ग्रोथ के लिए सक्सेस फैक्टर्स की मॉडलिंग। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैथमेटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेज</i> , 10(4), 1156-1177.	1.5
2	विजया, एल., रुमांगकिट, एस., और लेक्साना, सीजे (2025). ई-कॉमर्स का खुलासा: कंज्यूमर के इंपल्स बाइंग बिहेवियर के मुख्य कारणों की खोज। 2025 11वीं <i>इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वेब रिसर्च (ICWR)</i> (पेज 294–298)। IEEE. DOI: 10.1109/ICWR65219.2025.11006215	--
3	पेरिनोटो, ARC, वाकोव्स्की, एम., और कुमार, ए. (2024). टूरिज्म, GIS, फोटोग्राफी और डेस्टिनेशंस में दस साल के एकेडमिक प्रोडक्शन में सिस्टमैटिक लिटरेचर रिव्यू। <i>टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी इंटरनेशनल जर्नल</i> , 23(1), 47-71. https://doi.org/10.57883/thij23(1)2024.38135	--
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ		
हिंदी विभाग		
1	सिद्धार्थ शंकर राय (2024); समकालीन कविता महाविशेषांक परिचर्चा ; <i>प्रसंग</i> ; अंक 28-29, पृ : 136-139	--
2	सिद्धार्थ शंकर राय (2025); जयशंकर प्रसाद की चिंतन कार्यप्रणाली ; <i>आलोचना दृष्टि</i> ; अप्रैल - जून , 2025	--
3	उपमा राय, एसएस राय, (2025) प्रगतिवादी काव्य में युद्ध और शांति के प्रश्न ; <i>अक्षर वार्ता</i> ; प्रति : 136	--
4	जितेंद्र बिस्वाल, एसएस राय, (2025) हरिवंश राय बच्चू और मायाधर मान सिंह के काव्य में प्रेमाभिव्यक्ति का स्वरूप ; <i>अक्षर वार्ता</i> ; प्रति : 156	--
5	सिंधु , कामराज (2025); गंगा प्रसाद मिश्र की कहानियाँ में स्त्री जीवन का विविध रूपरेखा में यथार्थ ; <i>अक्षर वार्ता</i> ; वॉल्यूम - 21; पेज संख्या - 12-13	6.8
6	सिंधु , कामराज (2025); गंगा प्रसाद मिश्र के उपन्यासों में विवाह और नमी एलजी का यथार्थ ; <i>कृष्ण बसंती</i> ; वॉल्यूम - 1; पेज संख्या 18 - 19	6.8
7	सिंधु , कामराज (2025); हरियाणा का लोकसाहित्य और संस्कृति ; <i>अक्षर वार्ता</i> ; वॉल्यूम - 21, पेज संख्या 130 - 132	9
8	सिंधु , कामराज (2025); गगन दमामा बाज्यो : एक संगीतमय नाटक ; <i>अक्षर वार्ता</i> ; वॉल्यूम - 21; पेज संख्या - 102- 104	9

9	सिंधु, कामराज (2025); बकरी नाटक में चित्र स्वातंत्र्योत्तर भारत की राजनीतिक स्थिति ; <i>अक्षर वार्ता</i> ; वॉल्यूम - 7, पेज संख्या - 65 सी -67	9
10	सिंधु, कामराज (2025); हिंदी और जन्माध्यम , <i>कृष्ण बसंती</i> ; वॉल्यूम - 1, इशू - 8, पेज संख्या - 55-57	6.8
11	विकास एवं कुमार , डॉ . अमित (2025). मुझे पहचानो : भारतीय स्त्री की पीड़ा का दस्तावेज . <i>अक्षर वार्ता</i> , 21 (07), 39-42.	--
12	भारती , आकाश एवं कुमार , डॉ . अमित (2025). केदारनाथ सिंह के काव्य में अभिव्यक्ति राजनीतिक एवं सांस्कृतिक सरोकार . <i>कृष्ण बसंती</i> , 01(10), 07-09.	--
13	कुमार , डॉ . अमित (2025). ' झुंड से बिछुड़ा उपन्यास में बाघ और शासन का भय . <i>अनहद लोक</i> , 11(21), 419-423.	--
14	कुमार , डॉ . अमित (2025). ' बाणभट्ट की आत्मकथा में बाण. <i>समकालीन हस्तक्षेप</i> , 18 (3), 33-37.	7.858
अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग		
1	डॉ. स्नेहसता और सुश्री साक्षी सैनी (2025). "द हैंडमेड्स टेल और द टेस्टामेंट्स के डिस्टोपियन लेंस के जरिए ऐतिहासिक वास्तविकता की जांच"। <i>क्रिएटिव सैपलिंग्स</i> । वॉल्यूम 04, नंबर 06, 40-53।	--
2	पेगु, सी., और स्नेहसता , डी. (2025). युवाओं के लिए कथाएँ: पोइल सेनगुप्ता और भारत में अंग्रेजी में बच्चों के साहित्य का परिदृश्य। <i>जर्नल ऑफ़ इंडियन लैंग्वेज एंड इंडियन लिटरेचर इन इंग्लिश</i> , 3(3), 135–157.	--
3	शर्मा, एन., और रिनू. (2025). अडैप्टेशन की पॉलिटिक्स: भंसाली के सिनेमाई “नज़र” को समझना. <i>द क्रिएटिव लॉन्चर</i> , 10(3).	--
4	गुरनाह की किताब में शरणार्थी और प्रवासी अनुभवों की जटिलताओं को समझना <i>समुद्र के किनारे। भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट के इतिहास</i> , सी1 (12), 89–94।	--
5	रिनू और शनिता, FA (2024). पहचान याद करना : मध्यकालीन केरल की लोककथाएँ पढ़ना। <i>मलयालम रिसर्च जर्नल</i> , 17(3), 6824–6834.	--
6	यादव, वी., और रिनु. (2024). <i>अन्ना कैरेनिना और मिडलमार्च में यथार्थवाद की परतें. असोनेंस: ए जर्नल ऑफ़ रशियन एंड कम्पेरेटिव लिटरेरी स्टडीज</i> , 24, 113–119.	--
7	कुमार, एस., और चौहान, डी. (2024). कंठेपररी महिला कविता और अनामिका: <i>खुरदुरी का एक अध्ययन हथेलिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंग्लिश एंड स्टडीज</i> ,	--

	6(2), 117–125।	
8	कुमार, एस., और आरती. (2022). बंगाल और पार्टीशन में दलित साहित्य: मनोरंजन व्यापारी द्वारा 'इंटरोगेटिंग माई चांडाल लाइफ' का एक अध्ययन. जोधपुर स्टडीज इन इंग्लिश, XX, 85–96.	--
9	कुमार, एस., और चकमा, एचपी (2021). लोक जीवन और सामाजिक इतिहास: चकमा लोक साहित्य पढ़ना। लैंगलिट : एक इंटरनेशनल पीयर-रिव्यूड ओपन-एक्सेस जर्नल, 8 (1), 83–90.	--
10	कुमार, एस., और गोदारा, के. (2021). साइंस से स्टोरीटेलिंग तक: एंथ्रोपोसीन को एड्रेस करने में क्ली-फाई का इवोल्यूशन. वेबोलॉजी, 18 (6), 9525–9530.	--
11	कुमार, एस. (2020). पोस्ट-अंबेडकरवादी दलित कविता की राजनीतिक चेतना: नामदेव की चुनिंदा कविताओं को पढ़ना ढसाल. लिटक्रिट : साहित्य पर भारतीय प्रतिक्रिया, 46 (1), 118–125.	--
12	कुमार, एस. (2020). देसी और मार्गी से आगे: भाषा साहित्य और सांस्कृतिक मार्क्सवाद. द वैदिक पाथ: ए क्वार्टरली जर्नल ऑफ इंग्लिश, अप्रैल-जून, 37-46.	--
13	कुमार, एस., और इस्लाम, आर. (2017). धर्म, मीडिया और साहित्य में जिहाद की थ्योरी : तबिश खैर की जिहादी जेन के संदर्भ में एक स्टडी। द वैदिक पाथ: ए क्वार्टरली जर्नल ऑफ इंग्लिश, XCII (3).	--
14	कुमार, एस. (2012). नेटिविज्म: एक कल्चरल थ्योरी और कॉन्सेप्चुअल डाइवर्जेस. डायलॉग, 22 (स्प्रिंग).	--
15	शरणकुमार की किताब 'टूवर्ड्स एन एस्थेटिक्स ऑफ दलित लिटरेचर' का रिव्यू लिम्बाले. जर्नल ऑफ सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, 1 (1).	--
16	कुमार, एस. (2013). वैल्यू-सरोकार और कंटेपररी इंडियन ड्रामा: गुरचरण दास की एक स्टडी 9 जाखू हिल्स। द क्राइटेरियन: एन इंटरनेशनल जर्नल इन इंग्लिश, 4 (ii), 37–46।	--
17	गुप्ता, एस., और गुप्ता, टी. (2025). टी फ्रैंकलिन की किताब बिंगो लव में क्वीरनेस पर पीढ़ीगत नज़रिया। अफ्रीकन आइडेंटिटीज, 1–17. https://doi.org/10.1080/14725843.2025.2466717	1.187
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग		
1	हेमंत, जोशी, जी., और सुरेंद्र, एस. (2025). पर्सनल नैरेटिव आइडेंटिटी और मेंटल हेल्थ का इंटरसेक्सुअलिटी: 'बाइसेक्सुअल ब्रंच' पॉडकास्ट पर एक स्टडी। केआर कामा ओरिएंटल इंस्टीट्यूट, 79 (जनवरी), 14–22. ISSN 0970-0609	--

2	हेमंत, और सुरेंद्र, एस. (2025). टेलीविजन कार्टून में जेंडर के प्रति हरियाणा के स्कूल अटेंडीज की सोच। <i>भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट के इतिहास</i> , 106(1, स्पेशल इश्यू), 108–113. ISSN 0378-1143.	6.5
3	सिंह, ए., जोशी, जी., और सुरेंद्र सुरेंद्र . (2025). स्टैंड-अप कॉमेडी में जातीयता की स्टीरियोटाइपिंग पर एक अध्ययन. 02(02). https://doi.org/10.71037/gyanvividha.v2i2.03	2.25
4	शर्मा, जी., योगी, एम., और सिंह, एन.के. (2025). हिंदू त्योहारों को प्रभावित करने वाले विज्ञापन में आत्म-साक्षात्कार. <i>सुदर्शन रिसर्च जर्नल</i> , 3(3), 13–22.	एसजेआईएफ
राजनीति विज्ञान विभाग		
1	शर्मा, सीके, और स्वेडेन , डब्ल्यू. (2019). इकोनॉमिक गवर्नेंस: क्या यह डोमिनेंट पार्टी इक्विलिब्रियम बनाता है या तोड़ता है? भारत का मामला। <i>इंटरनेशनल पॉलिटिकल साइंस रिव्यू</i> , 41(3), 451-465. https://doi.org/10.1177/0192512119866845 (ओरिजिनल काम 2020 में पब्लिश हुआ)	4.5
2	शर्मा, सी.के. (2022). फ़ेडरलिज्म और फ़ॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट: पॉलिटिकल जुड़ाव FDI के जगह के हिसाब से डिस्ट्रीब्यूशन कैसे तय करता है--भारत से सबूत। <i>जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ़ ग्लोबल एंड एरिया स्टडीज (GIGA)</i> ।	2.2
3	शर्मा, सी.के. (2021). एक डोमिनेंट पार्टी सिस्टम में कंसेशनरी फ़ेडरलिज्म? भारत में इनडायरेक्ट टैक्स रिफॉर्म और सबनेशनल एक्वीसिशन। <i>टेरिटरी, पॉलिटिक्स, गवर्नेंस</i> , 10(1), 32–50. https://doi.org/10.1080/21622671.2021.1931423	4
4	चंचल कुमार शर्मा, सैंड्रा डेस्ट्राडी , जोहान्स प्लेजमैन, पक्षपातपूर्ण संघवाद और उप-राष्ट्रीय सरकारों की अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी: भारत से अंतर्दृष्टि, पब्लियस: <i>द जर्नल ऑफ़ फ़ेडरलिज्म</i> , वॉल्यूम 50, अंक 4, फ़ॉल 2020, पृष्ठ 566-592, https://doi.org/10.1093/publius/pjaa017	4.7
5	शर्मा, सी.के. (2005). भारत में वोट लागू करना: संघीय राजनीति पर प्रभाव। <i>इंडियन जर्नल ऑफ़ पॉलिटिकल साइंस</i> , 66(4), 915–934. http://www.jstor.org/stable/41856175	4
6	चंचल कुमार शर्मा और विल्फ्रेड स्वेनडेन (2017) कंटेपेरी इंडियन फ़ेडरलिज्म में कंटिन्यूटी और चेंज, <i>इंडिया रिव्यू</i> , 16:1, 1-13, DOI: 10.1080/14736489.2017.1279921	5

7	शर्मा, सी.के. (2015). भारत में संघवाद की पुनर्कल्पना : सहयोगी संघीय वास्तुकला की सीमाओं की खोज। <i>एशिया पैसिफिक सोशल साइंस रिव्यू</i> , 15(1).	4
8	शर्मा, सी.के. (2017). पोर्क-बैरल पॉलिटिक्स की सिचुएशनल थ्योरी: भारत में डिस्ट्रिक्शनरी एलोकेशन का बदलता लॉजिक। <i>इंडिया रिव्यू</i> , 16(1), 14–41. https://doi.org/10.1080/14736489.2017.1279922	6
9	अर्जन एच. शेकल, चंचल कुमार शर्मा और विल्फ्रेड स्वेनडेन (2019)। 2014 के आम चुनावों के बाद भारत: BJP का वर्चस्व और थर्ड पार्टी सिस्टम का संकट। क्षेत्रीय और संघीय अध्ययन, खंड 29, अंक 3, पृष्ठ 329-354। 10.1080/13597566.2019.1614921	5.6
10	शर्मा, चंचल कुमार (2004): विकेंद्रीकरण क्यों? कार्य-कारण की पहेली। प्रकाशित: <i>सिंथेसिस</i> , वॉल्यूम (3, सं. सं. (1) (दिसंबर 2005): पृ. 1-17.	2.2
11	शर्मा, सी.के., और स्वेनडेन, डब्ल्यू. (2018). भारतीय संघवाद में बदलाव ? प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के कार्यकाल में केंद्र-राज्य संबंध। <i>भारतीय राजनीति और नीति</i> , 1(1)।	3.5
12	शर्मा, सी.के. (2005). विकेंद्रीकरण कब सफल होता है? ' डिजाइन की दुविधा'. <i>साउथ एशियन जर्नल ऑफ सोशियो-पॉलिटिकल स्टडीज़ (एसएजेओएसपीएस)</i> , 6(1), 38-45.	4.2
13	चंचल कुमार शर्मा (2011) आर्थिक सुधार स्थिरता का एक चर्चात्मक प्रभुत्व सिद्धांत: भारत का मामला, <i>इंडिया रिव्यू</i> , 10:2, 126-184, DOI: 10.1080/14736489.2011.574550	5
14	डिसेंट्रलाइजेशन के लिए फेडरल अप्रोच : पॉलिसी मेकर्स के लिए कॉन्सेप्चुअल कंट्रूसी। <i>लोयोला जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज</i> ।	4
15	शर्मा, सी.के. (2012). अंतराल और असंतुलन से परे: अंतर-सरकारी राजकोषीय संबंधों पर बहस का पुनर्गठन। <i>लोक प्रशासन</i> , 90(1), 99–128.	4
16	शर्मा, सी.के. (2006). डीसेंट्रलाइजेशन डिलेमा: डिग्री को मापना और नतीजों का मूल्यांकन करना. <i>द इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस</i> , 67(1), 49–64. http://www.jstor.org/stable/41856192	3
17	शर्मा, चंचल कुमार (2008): ग्लोबलाइजेशन के दौर में डीसेंट्रलाइजेशन डिबेट के उभरते आयाम। <i>इंडियन जर्नल ऑफ फेडरल स्टडीज़</i> , वॉल्यूम 1, नंबर 2009 (मार्च 2009): पेज 47-65।	3
18	शर्मा, सी.के. (2024). क्या फिस्कल फेडरलिज्म अलगाववादी झगड़ों को रोकता	1.2

	है या भड़काता है? ऑटोनॉमी-इक्वलाइजेशन पहली और रियायती फेडरलिज्म का वादा। <i>पॉलिटिकल साइंस</i> , 76(2-3), 157-188. https://doi.org/10.1080/00323187.2025.2450370	
19	अनु, और कुमार, आर. (2024). वर्तमान संदर्भ में सिंधु जल संधि के समक्ष उभरती चुनौतियाँ एवं समाधान . <i>ज्ञान गरिमा सिंधु</i> , 83-84, https://cstt.education.gov.in/sites/default/files/ggs-83-84-finalcompressed.pdf	--
20	कुमार, आर., और राहुल. (2025). क्लाइमेट चेंज के प्रति भारत की पॉलिसी पहल: एक विस्तृत एनालिसिस [वेब आर्टिकल]. <i>वर्ल्ड फोकस</i> . https://www.worldfocus.in/current_issue?key=496&val=Climate-Change-and-Global-Warming	--
21	अनुज, और कुमार, आर. (2025). भारत - बांग्लादेश द्विपक्षी संबंधों माई चुनौतियाँ और सहयोग [PDF]. <i>चिंतन परंपरा</i> . http://www.chintanparampara.co.in/pdf/current-issue.pdf	--
22	भूकर, पी.के., और कुमार, आर. (2025). भारत की विदेश नीति और गठबंधन की संगठनात्मक राजनीति : एक विश्लेषण , <i>चिंतन परंपरा</i> , http://www.chintanparampara.co.in/pdf/current-issue.pdf	--
मनोविज्ञान विभाग		
1	कंवर चंदाल, पी., रामलिंगम, पी., कोर्ड तामिनी, एम., कोर्ड तामिनी, एम., मोल्लाएलाही , एम., और कोर्ड तामिनी, एम. (2025). ट्रांसमिटल कंपनी के कर्मचारियों में जीवन की गुणवत्ता, इमोशनल इंटेलिजेंस और संगठनात्मक प्रतिबद्धता पर सामाजिक-जनसांख्यिकीय कारकों का प्रभाव । <i>ईरानी जर्नल ऑफ ऑर्गनाइजेशनल साइकोलॉजी</i> , 2(1), 19-34.	--
2	चंदेल, पी.के., और चेतवाल, के. (2024). जीरो गिव्स मी साइलेंट सफ़रिंग: पुरुषों के बीच वैवाहिक गुणवत्ता, कुंठा और आक्रामकता का तुलनात्मक अध्ययन. <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी</i> , 12(4).	--
3	चंदेल, पी.के., और कालोनिया , एन. (2024). उभरते वयस्कों में अकेलापन: जीवन और मृत्यु की चिंता में अर्थ की भूमिका. <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी</i> , 12(3).	--
4	वशिष्ठ , डी., चंदेल, पी.के., और गौर, एस. (2024). डिजिटल शिक्षा अनुभवों में सामाजिक-आर्थिक असमानताओं की जांच. <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी</i> , 12(3).	--

5	चंदेल, पी.के., और चेतवाल, के. (2024). बिना बच्चे का घर: भारतीय महिलाओं में शादी की क्वालिटी और साइकोलॉजिकल वेल-बीइंग पर इनफर्टिलिटी का असर। <i>इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ, सेक्सुअलिटी एंड कल्चर</i> , 10 (स्पेशल), 18-24।	--
6	चंदेल, पी.के., और चेतवाल, के. (2024). पुनर्जन्म की अवधारणा की खोज: केस स्टडीज से साक्ष्य। <i>इंडियन जर्नल ऑफ पॉजिटिव साइकोलॉजी</i> , 15(4), 473-477.	--
7	चंदेल, पी., थेसनी , ए., और कालोनिया , एन. (2024). पोर्नोग्राफी का आत्म-सम्मान और शारीरिक छवि पर प्रभाव: एक समीक्षा लेख। <i>ATSK जर्नल ऑफ साइकोलॉजी</i> , 4, 8-13.	--
8	फोगट, के.एम., राज, ए.डी., और चंदेल, पी.के. (2025). कोटा में सुसाइड के मामलों की कहानी: स्टूडेंट्स में सुसाइड के विचार, पढ़ाई का दबाव और डिप्रेशन पर एक स्टडी। <i>INSPA जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड स्कूल साइकोलॉजी</i> , 6(2), 160-168.	--
9	चंदेल, पी.के., फोगट, के.एम., और सिंह, एन. (2025, 27 फरवरी). भारत में डिजिटल क्रांति: ग्रामीण भारत में डिजिटल शिक्षा का एक सर्वेक्षण। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव साइंस एंड रिसर्च टेक्नोलॉजी</i> , 10(2).	8.223
10	चंदेल, पी.के., कालोनिया , एन., और सिंह, पी. (2024). डिजिटल लर्निंग के पहलू: विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच एक खोजपूर्ण सर्वेक्षण। <i>जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी</i> , 50(2), 305-314.	--
11	प्रो. विश्व चौधरी, हिमांशी छतवानी , कृति शांडिल्य. (2025). संतुष्टि का ग्रीन पाथ: युवाओं में जीवन संतुष्टि के साथ प्रकृति से जुड़ाव और लचीलेपन के संबंध की जांच। <i>साउथ ईस्टर्न यूरोपियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ</i> , 3261-3266.	--
12	पांडे, RP, कुमार, D., कुमार, P., शर्मा, T., सिंह, V. (2024). युवाओं के शराब पीने के व्यवहार में सेल्फ-डिटरमिनेशन की भूमिका। <i>एडिक्शन रिसर्च और बिहेवियरल थेरेपी</i> 3(3). 1-9. DOI: 10.59657/2837-8032.brs.24.030.	--
13	7. सिंह, वी., दीक्षित, डी., कुमार, पी., पांडे, आरपी, और दीक्षित, वी. (2024). महिलाओं की सेक्सुअल हेल्थ के प्रति नज़रिए के साइकोलॉजिकल पहलुओं को समझना: एक सबूतों पर आधारित रिव्यू। <i>इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ, सेक्सुअलिटी एंड कल्चर</i> , 10(स्पेशल). 77-86. DOI: 10.5281/zenodo.13309940	--
14	विधवाओं के बीच सामाजिक सोच , उम्मीदों और एडजस्टमेंट का रिव्यू। <i>इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ, सेक्सुअलिटी एंड कल्चर</i> , 10 (स्पेशल), 68-76।	--

15	आदित्य सोमानी, (2025). सेक्सुअल और जेंडर माइनॉरिटीज़ में सेक्सुअल ट्रॉमा. इंडियन जर्नल ऑफ़ हेल्थ, सेक्सुअलिटी एंड कल्चर. 2025;11(1): 1-2.DOI: 10.21590/ijhsc.11.01.01ISSN- 2581-575X	--
16	पांडे, RP, और मिश्रा, SR (2024). महिलाओं का स्वास्थ्य और कल्याण: समृद्धि के रास्ते. इंडियन जर्नल ऑफ़ हेल्थ, सेक्सुअलिटी एंड कल्चर, 10(स्पेशल). 01-03. DOI: 10.5281/zenodo.13770779.	--
17	सिंह, वी., बुमरा , के., शर्मा, टी., पांडे, आरपी, दीक्षित, डी., और आनंद, सी. (2025). इनविजिबल डिज़ायर्स: ओल्डर एडल्ट्स में सेक्सुअलिटी, इंटिमेसी और एजिज़्म को एड्रेस करना. इंडियन जर्नल ऑफ़ हेल्थ, सेक्सुअलिटी एंड कल्चर. 10(02). 19-29. DOI: 10.5281/zenodo.14760915.	--
18	जीतू , के.एस., पांडे, आर.पी., सिंह, वी., शर्मा, टी., अवस्थी, पी., बुमरा , के., और कुमार, डी. (2025). भारत में छात्रों के बीच अंधविश्वासों और नियंत्रण के क्षेत्र में क्षेत्रीय विविधताएँ: एक क्रॉस-सांस्कृतिक विश्लेषण. माइंड एंड सोसाइटी. 14(01). 7-17. DOI: 10.56011/mind-mri-141-20252.	--
19	पांडे, RP और अन्य (2025). किशोरों में साइकोसोमैटिक लक्षण और फ्लो स्टेट की प्राप्ति: सोशल मीडिया के इस्तेमाल की भूमिका। BPA एप्लाइड साइकोलॉजी बुलेटिन। 83 (302)। 17-35. DOI: 10.26387/bpa.2025.00002।	--
20	सास्वत , एस, सिंह, एन., और कुचेरिया वी.एन. (2025). (मार्च 2025) अपराधी यौन अपराधियों के जैव-मनोवैज्ञानिक-सामाजिक सहसंबंध, ए.टी.एस.के. जर्नल ऑफ़ साइकोलॉजी में, 2025, 6(1), पृ. 22-27.	--
संस्कृत विभाग		
1	रानी , डॉ . सुमन . (2025). संस्कृत साहित्य में वर्ण राजधर्म की वर्तमान समय प्रामाणिकता , संस्कृति - संवाहिका , 2(2), 41-52.	--
2	रानी , डॉ . सुमन . (2025). याज्ञवल्क्यस्मृति में वर्ण ऋण सिद्धान्त की वर्तमान में प्रामाणिकता , संस्कृति-संवाहिका , 2(2), 53-65.	--
3	रानी , डॉ. सुमन . (2024). गीता में कर्म सिद्धान्त , योग-गरिमा , 2(2).	--
4	रानी , डॉ. सुमन . (2024). संस्कृत भाषा और योग का संबंध , प्रमाण रिसर्च जर्नल इंटरनेशनल रेफरीड एंड पीयर रिव्यूड, अंक-48, 16-22।	7.005
5	रानी , डॉ. सुमन . (2024). भगवद् गीता की व्यापक समीक्षा दर्शन , आकृति	7.005

	और आध्यात्मिकता पर इनसाइट , <i>प्रमाण रिसर्च जर्नल</i> में प्रकाशित ।	
6	रानी , डॉ. सुमन . (2024). श्रीमद्भगवद् गीता के अनुसार आदर्श एवं सफल विद्यार्थी के के लिए गरीबी का अध्ययन , <i>चिंतन रिसर्च जर्नल</i> में प्रकाशित ।	7.012
7	रानी , डॉ. सुमन . (2024). महर्षि वाल्मीकि और उनके रामायण प्रतिपादित धर्म , <i>चिंतन रिसर्च जर्नल</i> में प्रकाशित ।	7.012
8	रानी , डॉ. सुमन . (2024). संस्कृत वाङ्मय में शैक्षिक आत्मनिर्भरता , <i>चिंतन रिसर्च जर्नल</i> में प्रकाशित ।	7.012
9	रानी , डॉ. सुमन . (2024). याज्ञवल्क्यस्मृति के तत्व और आधुनिक समाज और राजनीति में उनकी अपरिहार्यता , <i>प्रमाण रिसर्च जर्नल</i> में प्रकाशित .	7.005
10	रानी , डॉ. सुमन . याज्ञवल्क्यस्मृति और मनुस्मृति के परिप्रेक्ष्य में निरूपित दंड व्यवस्था का तुलनात्मक विवेचन , <i>प्रमाण</i> , अंतर्राष्ट्रीय रेफरीड और सहकर्मी समीक्षित, खंड-12, 142-153।	7.005
11	रानी , डॉ. सुमन . (2024). याज्ञवल्क्यस्मृति में महिलाएं की स्थिति , <i>चिंतन अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल</i> , 13(52).	7.012
12	रानी , डॉ. सुमन . (2024). मनुस्मृति एवं याज्ञवल्क्यस्मृति की नैतिक शिक्षा का तुलनात्मक अध्ययन (आधुनिक मौलिकता के विशेष परिप्रेक्ष्य में), <i>चिंतन अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल</i> , 13(50).	7.012
13	रानी , डॉ. सुमन . (2024). व्यक्तित्व के विकास में योग - साधना की उपादेयता , <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च कॉन्फिगरेशन</i> , 4(3)।	--
समाजशास्त्र विभाग		
1	खियामनियुंगन, टी.एल., और सुनील, बी.सी.टी. (2024). फ्रंटियर नागालैंड के लिए सार्वजनिक क्षेत्र और विचार-विमर्श: मान्यता और पहचान पर विचार। दक्षिण एशिया का इतिहास और समाजशास्त्र , 19 (1), 1–17.	--
2	यादव, एस., और खियामनियुंगन, टीएल (2025). प्रजनन को विनियमित करना: यूनाइटेड किंगडम के साथ तुलनात्मक दृष्टिकोण में भारत के सहायक प्रजनन तकनीक (विनियमन) अधिनियम, 2021 का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। सार्क जर्नल ऑफ सोशल साइंस , 3 (1), 26–42.	--
3	यादव, एस., और खियामनियुंगन, टी.एल. (2025). मातृत्व को नया आकार देना: भारत में सहायक प्रजनन तकनीकों (ए.आर.टी.) और प्रजनन वास्तविकताओं की एक व्यापक समीक्षा। गैलोर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हेल्थ साइंसेज एंड रिसर्च , 10 (3), 26–35.	--

4	चौधरीसरविन्द , वर्मारूपक , और गिलरीमा . (2024). उत्तर प्रदेश में ग्रामीण आयकर का मतदान व्यवहार (बांसगांव निर्वाचन क्षेत्र के रामनगर गाँव के विशेष संदर्भ के साथ). मध्य भारती : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान , 1-16.	--
5	भारत में हिजड़ा पहचान का सामाजिक-कानूनी विकास। (2025)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू , 12 (1), 709-715	--
6	पोरस यादव और गिल रीमा (2024) कोविड-19 महामारी के दौरान सामाजिक कलंक: हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में डॉक्टरों के सामने आने वाली समस्याओं का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन, द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, खंड 12, अंक 4, 2726-2733	--
7	गिल रीमा, माजी स्नेहा और संजीत (2024). हरियाणा, भारत से गधों का पलायन: अमेरिकी सपने की एक कहानी, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 59, इश्यू नंबर 35, 27-32.	--
8	कुमार आशीष, गिल रीमा और मैथ्यूज नीनू (2025). हरियाणा, भारत में घटते सेक्स रेश्यो, क्रॉस-रीजन ब्राइड्स, इंटर-रीजनल मैरिज पर नए सोशियोलॉजिकल रिफ्लेक्शंस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल इम्पैक्ट, वॉल्यूम 10, इश्यू 3, पेज 350-357, ISSN 2455-670X, जुलाई 2025.	--
9	राखोवियो , पी.एस., गिल, आर., और वेइमी , एम. (2025). सांस्कृतिक पहचान बनाने और सामुदायिक एकता को मजबूत करने में पारंपरिक खेलों की भूमिका, ह्यूमन एरेनास, स्प्रिंगर पब्लिकेशन।	--
10	युद्धवीर (2024). माइग्रेंट्स का आना और हरियाणा की इकॉनमी में उनका योगदान: एक सोशियोलॉजिकल एनालिसिस, NWISA जर्नल ऑफ सोशियोलॉजी, 11-20, 3048-6963.	--
11	पोरस यादव और युद्धवीर (2024). ग्रामीण लोगों में स्मार्टफोन का प्रभाव और उपयोग: एक सोशियोलॉजिकल स्टडी, NWISA जर्नल ऑफ सोशियोलॉजी, 95-102, 3048-6963.	--
12	ओकेश , युद्धवीर और सुप्रीति (2024). ग्रामीण हरियाणा में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन: पंचायतों की भूमिका, सामाजिक जिज्ञासा , 288-301, 2321-158X.	--
13	समाज और राजनीति का उदय , 14(2), 24-31. आईएसएसएन 2248-9479.	--
इतिहास एवं पुरातत्व विभाग		
1	परमार, एन. और राहुल (2024). श्री मुक्तसर साहिब जिले, पंजाब में पुरातत्व जांच, विरासत: पुरातत्व में बहुविषयक अध्ययन जर्नल , 544-553	--

2	परमार, एन. और हर्षदेव तोमर (2024). तहसील जगरांव जिला लुधियाना का आर्कियोलॉजिकल अध्ययन, <i>पंजाब हिस्ट्री कांग्रेस की कार्यवाही (53वां सत्र)</i> , 59-65	--
3	परमार, एन. (2024). हरियाणा के भिवानी जिले के तिगराणा के हड़प्पा स्थल पर साइट कैचमेंट विश्लेषण, <i>पुरातत्व</i> 54: 60-71.	--
अंतःविषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ		
जैव रसायन विभाग		
1	खान, ए., बानी म्फरेज , MF, खान, MF, खान, S., मालन, P., सक्सेना, SC, मुदस्सिर, M., और अहमद, F. (2024). समुद्री अर्चिन जिक ऑक्साइड नैनोमेट्रिक को पसंद करते हैं जो बैंगन में <i>मेलोइडोगाइन इनकॉमिटा</i> इन्फेक्शन को कम करते हैं। <i>कॉर्जेंट फूड एंड एग्रीकल्चर</i> , 10(1), 2366396.	1.7
2	कुमार, वी., यादव, एम., अवाला, एस.के. , वालोम्बोला, जे.एस., सक्सेना, एम.एस., अहमद, एफ., और सक्सेना, एस.सी. (2024). बाजरा: खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पोषण का एक पावरहाउस। <i>प्लांट</i> , 260, 101. https://doi.org/10.1007/s00425-024-04533-9 , [ISSN: 1432-2048]	3.6
3	दीपिका, अलशरारी , ZA, अहमद, MF, सिंह, J., यादव, M., कुमारी, A., कुमार, A., मैथ्यूज, KR, अलुको, RE, रापोसो, A., अलबारीदी, NA, मोजफ़र, B., सराइवा, A., और सक्सेना, SC (2025). गट-लंग एक्सिस, प्रोबायोटिक्स, और प्रीबायोटिक्स: डिस्बिओसिस, मैकेनिज्म, और लंग कैंसर की रोकथाम पर जानकारी। <i>फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन</i> , 12. https://doi.org/10.3389/fnut.2025.1624803 [ISSN: 2296-861X]	5.1
4	यादव, एम., कुमार, वी., अहमद, एफ., सक्सेना, एमएस, और सक्सेना, एससी (2025). पौधों की लवणता झेलने की क्षमता के शारीरिक, जैव रासायनिक और आणविक पहलुओं की खोज। <i>CABI रिव्यू</i> , 20(1), 0053. https://doi.org/10.1079/cabireviews.2025.0053 .	--
5	सैनी, ए., और यादव, एन. (2025). नॉन-इनवेसिव और शुरुआती लंग कैंसर डायग्नोस्टिक्स के लिए e-NOSE टेक्नोलॉजी का एक नया पैराडाइम। <i>केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल</i> , 162155.	13.2
6	रूपांशी, कुमार, वी., यादव, एन., सिंह, डी., बेनीवाल , वी., छाबड़ा, जे., और सिंह, बी. (2025). मल्टीफेसेटेड एप्लीकेशन के लिए अगली पीढ़ी के ग्रीन कैटेलिस्ट के रूप में बायोजेनिक सिल्वर नैनोपार्टिकल्स। <i>टियांजिन यूनिवर्सिटी के</i>	8.5

	ट्रांजैक्शन, 1-34	
7	सैनी, ए., यादव, एन., सिंह, बी., और राणा, जे.एस. (2025). बोटुलिनम न्यूरोटॉक्सिन का पता लगाने के लिए बायोसेंसर में हुई तरक्की का एक ओवरव्यू: फूड सेफ्टी और बायोवॉरफेयर के खतरों को समझना। <i>एनालिटिकल बायोकेमिस्ट्री</i> , 115801.	2.5
8	सैनी, ए., दिलबाघी, एन., और यादव, एन. (2025). CRISPR इंटीग्रेटेड बायोसेंसर: कैंसर का पता लगाने का एक नया तरीका। <i>क्लिनिका चिमिका एक्टा</i> , 120179।	3.2
9	सैनी, ए., दिलबाघी, एन., और यादव, एन. (2025). ब्रेस्ट कैंसर बायोमार्कर्स का जल्दी पता लगाने के लिए पैथोजेनेसिटी और उभरते CRISPR-इंटीग्रेटेड बायोसेंसर के बारे में पूरी जानकारी। <i>माइक्रोकेमिकल जर्नल</i> , 112908.	5.1
10	यादव, एन., नारंग, जे., राणा, जेएस, छिल्लर, एके, और मोहन, एच. (2024). खाने के सैंपल में बोटुलिनम न्यूरोटॉक्सिन A (BoTN/A) का पता लगाने के लिए एप्टामर/ rGO /SPGE पर आधारित एक अल्ट्रासेंसिटिव इलेक्ट्रोकेमिकल एप्टासेंसर का डेवलपमेंट। <i>माइक्रोकेमिकल जर्नल</i> , 207, 111916.	5.1
11	यादव, एन., नारंग, जे., छिल्लर, ए.के., राणा, जे.एस., सिद्दीकी, MUM, केनावी, ER, ... और हसनैन, MS (2024). किडनी बायोमार्कर का इस्तेमाल करने वाले डायग्नोस्टिक तरीके बायोसेंसर को एक अच्छे टूल के तौर पर साबित कर रहे हैं। <i>सेंसर्स इंटरनेशनल</i> , 5, 100253.	--
12	यादव, एन., गर्ग, वीके, छिल्लर, एके, और राणा, जेएस (2023). पारंपरिक कृषि सिस्टम में सुधार के लिए नैनोटेक्नोलॉजी में हालिया तरक्की: एक रिव्यू। <i>प्लांट नैनो बायोलॉजी</i> , 4, 100032.	7.7
13	प्रकाश एस, कुमारी एच, सिन्हा एम, कुमार ए (2025) फंगल सेकेंडरी मेटाबोलाइट्स का रेगुलेशन और इंडक्शन: एक कॉम्प्रिहेंसिव रिव्यू। <i>आर्क माइक्रोबायोल</i> । 2025, 207:189. doi.org/10.1007/s00203-025-04386-0.	2.6
14	पाटले टी.के., श्रीवास के., जमुनकर आर., कुमार ए., टंडे के. (2025) एफटीआईआर और यूवी-विज़ का उपयोग करके फेनोलिक्स और फ्लेवोनोइड्स की स्क्रीनिंग: गैलिक एसिड और इलैगिक एसिड की एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि और एचपीएलसी मात्रा का निर्धारण। <i>जर्नल ऑफ रविशंकर यूनिवर्सिटी</i> , पार्ट-बी, 38(1)।	--
15	पारुल, कुमार एच, मीनाक्षी, कुमार ए, कुमार पी, मंगला बी, सिंह डी (2025)	2.7

	ZnO को डिकोड करना : थ्योरी और एक्सपेरिमेंट के ज़रिए मल्टीफंक्शनल प्रॉपर्टीज़। <i>मटेरियल लेट.</i> 397; 138814.	
16	प्रकाश एस, साहू एन, चौधरी ए, कुमारी एच, मीनाक्षी, महंती बी, कुमार ए (2025) फंगी और AI की कीमिया: रिस्पॉन्स सरफेस मेथोडोलॉजी और एस्परगिलस निडुलन्स में इचिनोकैन्डिन B प्रोडक्शन का आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क बेस्ड ऑप्टिमाइजेशन। <i>बायोटेक एप्प्ल बायोकेम</i> . 0:1-12.doi.org/10.1002/bab.27871	3.3
17	जमुनकर आर, सिन्हा डी, श्रीवास के, पटले टीके, कुमार ए, टंडे के, सिंह टी (2025) प्लांट एसेंशियल ऑयल्स में β -कैरियोफिलीन का अल्ट्रासाउंड-असिस्टेड एक्सट्रैक्शन और RP-HPLC क्वांटिफिकेशन: सेपरेशन एफिशिएंसी और इंसेक्टिसाइडल एक्टिविटी। <i>जे मोल स्ट्रुक्चर</i> . 1335: 141882.	4.7
18	7. शर्मा आर, कुमार एच, सैनी सी, यादव डी, यादव के, सलोनी, मीनाक्षी, कुमार ए, रानी जी (2025) मटेरियल साइंस में क्रांति: कम ग्रेफीन ऑक्साइड/Al ₂ O ₃ /CuO /TiO ₂ नैनोकंपोजिट के ज़रिए बेहतर फंक्शनैलिटी। <i>जे मोल स्ट्र.</i> 1323,140763	4.7
19	8. शर्मा आर, कुमार एच, कुमारी आर, कुमार जी, स्वामी बी, कुमार ए, रानी जी, कुमार आर (2025) नेक्स्ट-जेनरेशन नैनोकंपोजिट्स: बेहतर परफॉर्मेंस के लिए Al ₂ O ₃ -CuO-ZnO और रिड्यूसड ग्रेफीन ऑक्साइड को ऑप्टिमाइज़ करना। <i>नेक्स्ट नैनोटेक्नोलॉजी</i> / 7,1001191	--
20	धायल ए, कुमार एच, प्रकाश एस, कुमार ए, ब्रह्मा एम, मारुति एम (2025) सिल्वर ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स के साथ स्टार्च/व्हे प्रोटीन आइसोलेट बायोफिल्म का डेवलपमेंट: एक मल्टीफंक्शनल एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल, फोटोकैटैलिटिक और एंटीकैंसर एजेंट। <i>इनऑर्ग केम कम्युन</i> . 17, 11366	5.4
21	प्रकाश एस, मीनाक्षी, कुमारी एच, सिन्हा ए, कुमार ए (2024) माइसेलप्लेक्स - मीडिएटेड साइट-स्पेसिफिक RNAi डिलीवरी: COVID-19 के खिलाफ संभावित थेराप्यूटिक इंटरवेंशन की एक जानकारी। <i>कोरोनावायरस</i> । 2025, 6, e266679753145551	--
22	सेबेस्टियन एस, प्रिया, रोहिला वाई, अंसारी ए, प्रकाश एस, कुमार ए, गुप्ता एमके (2024) पर्यावरण संबंधी सौम्य स्व-संयोजन बायोपॉलिमर- पेप्टाइड एंटीमाइक्रोबियल और कैटैलिटिक एप्लीकेशन के लिए आयन क्रॉसलिंकिंग के ज़रिए नैनोसिल्वर कम्पोजिट हाइब्रिड जेल बीड्स। <i>ऐप मटेरियल टुडे</i> । 41. 102512.	6.9

23	मीनाक्षी, कुमारी एच, प्रकाश एस, कुमार ए (2024) टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस में डिस्बायोसिस और गट माइक्रोबायोटा का रेगुलेशन। <i>कर् फार्मास्यूटिक्स बायोटेक</i> 26, 2288 - 2309	2.6
24	सेबेस्टियन एस, रोहिला वाई, मीनाक्षी, प्रकाश एस, कुमार ए, सेनगुप्ता एस, कुमार डी, अंसारी ए, गुप्ता एमके (2024) बेहतर थेराप्यूटिक जानकारी के लिए इंडोल-डिराइड पेप्टिडोमिमेटिक्स का एटम-इकोनॉमिक सिंथेसिस, एंटीमाइक्रोबियल असेसमेंट, और मॉलिक्यूलर डायनामिक्स। <i>जे मोल स्ट्रक्चर</i> / 1318,139211	4.7
25	सुगंधा, कुशवाह एम, कुमार वी, कुमार ए, चौधरी एम, गौर एमएस, अरोड़ा के (2024) रिड्यूस्ड ग्रेफीन ऑक्साइड बेस्ड मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क का इस्तेमाल करके रेडिकल स्कैवेंजिंग को बढ़ाना: एक कम्पैरेटिव स्टडी। <i>जे मोल स्ट्रक्चर</i> / 1318, 139076	4.7
26	इयूष , ई., कुमार, एस., सेन, के., सकरवाल , ए., राम, एच., यादव, डी., कुमार, ए., और पंवार, ए. (2024). मुख्य एंजाइमों के लक्षित अवरोध के माध्यम से डायबिटिक रेटिनोपैथी में नेफ्रोनिल की सुरक्षात्मक प्रभावकारिता। <i>बायोटेक्नोलॉजी और एप्लाइड बायोकेमिस्ट्री</i> , 71(6), 1243–1261. https://doi.org/10.1002/bab.2625	3.1
27	खोला , एन., मोर, के., और कुमार मौर्य, पी. (2024). ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर: थेराप्यूटिक स्ट्रेटेजी और फार्माकोलॉजिकल इंटरवेंशन . <i>ब्रेन एंड हार्ट</i> , 2(2), 2704. https://doi.org/10.36922/bh.2704	-
28	मोर, के., यादव, एस., पंत, ए., दीपिका, और मौर्य, पी.के. (2024). कैंसर ड्राइविंग सिग्नलिंग पाथवे को टारगेट करके पॉलीफेनोल्स के एंटी-ट्यूमर प्रभाव: एक रिव्यू। <i>इंडियन जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री : आईजेसीबी</i> , 39(4), 470–488. https://doi.org/10.1007/s12291-024-01222-y	1.6
29	डाकल , टीसी, धाभाई , बी., पंत, ए., मोर, के., चौधरी, के., यादव, वी., रंगा, वी., शर्मा, एनके, कुमार, ए., मौर्य, पीके, मैकियाजिक , जे., शिमट-वुल्फ, आईजीएच, और शर्मा, ए. (2024). ऑन्कोजीन और ट्यूमर सप्रेसर जीन: कैंसर में काम और भूमिकाएँ. <i>मेडकॉम</i> , 5(6), e582. https://doi.org/10.1002/mco2.582	10.7
30	चांद डाकल , टी., चौधरी, के., तिवारी, आई., यादव, वी., कुमार मौर्य, पी., और कुमार शर्मा, एन. (2024). न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसऑर्डर में हाइपोक्सिया, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन: ट्रायड को समझना। <i>न्यूरोसाइंस</i> , 552, 126–141. https://doi.org/10.1016/j.neuroscience.2024.06.021	2.8

31	शर्मा, एनके, द्विवेदी, पी., भूषण, आर., मौर्य, पीके, कुमार, ए., और डाकल , टीसी (2024). मॉलिक्यूलर और मेटाबोलिक रीप्रोग्रामिंग के लिए सर्कुलर RNA की इंजीनियरिंग। <i>फंक्शनल और इंटीग्रेटिव जीनोमिक्स</i> , 24(4), 117. https://doi.org/10.1007/s10142-024-01394-z	3.1
32	पूजा, पांडे, एम., कुमार, टी., गोस्वामी, एच., कुमारी, आर., कुमारी, एस., जैन, एन., गोराई, बी., मौर्य, पी.के., चावला, वी., और चावला, पीए (2024). ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से निपटने के लिए नैनो-न्यूट्रास्युटिकल्स: एडजुवेंट थेरेपी में नए पैराडाइम्स को अनलॉक करना। <i>करंट टॉपिक्स इन मेडिसिनल केमिस्ट्री</i> , 24(17), 1490–1503. https://doi.org/10.2174/0115680266300779240417104340	3.3
33	नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर पर एपिगैलोकैटेचिन गैलेट के असर की खोज। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोकेमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी</i> , 15(3), 51–59. https://doi.org/10.62347/BMKT5441	-
34	पंत, ए., मोर, के., अरोड़ा, टीके, और मौर्य, पीके (2024). एंडोमेट्रियोसिस के बढ़ने में बायोसिग्नेचर का असर। <i>पैथोलॉजी, रिसर्च और प्रैक्टिस</i> , 254, 155103. https://doi.org/10.1016/j.prp.2024.155103	3.2
35	यादव, एस., दीपिका, और मौर्य, पीके (2024). इंसानी उम्र बढ़ने में रेड ब्लड सेल्स बायोमार्कर्स का एक सिस्टमैटिक रिव्यू। <i>जेरोन्टोलॉजी के जर्नल। सीरीज A, बायोलॉजिकल साइंसेज और मेडिकल साइंसेज</i> , 79(4), glae004. https://doi.org/10.1093/gerona/glae004	3.8
36	दीपिका, डाकल , टीसी, रिचा, और मौर्य, पीके (2024). एलेजिक एसिड इंसानों में उम्र बढ़ने के दौरान रेड ब्लड सेल मेम्ब्रेन पर प्रोटेक्टिव असर दिखाता है। <i>इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री</i> । https://doi.org/10.1007/s12291-024-01244-6	1.6
37	यादव, एस., भगत, एस., सिंह, एस., और मौर्य, पीके (2024). एरिथ्रोसाइट्स में उम्र से होने वाले ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के खिलाफ डेक्सट्रान-कोटेड आयरन ऑक्साइड, गोल्ड और सिल्वर नैनोपार्टिकल्स की एंटीऑक्सीडेंट एक्टिविटी की तुलनात्मक स्टडी। <i>द जर्नल्स ऑफ जेरोन्टोलॉजी। सीरीज A, बायोलॉजिकल साइंसेज एंड मेडिकल साइंसेज</i> , 79(11), glae197. https://doi.org/10.1093/gerona/glae197	3.8
38	डाकल , टीसी, धाकड़ , आर., बेउरा , ए., मोर, के., मौर्य, पीके, शर्मा, एनके, रंगा, वी., और कुमार, ए. (2024). कैंसर बायोमार्कर की खोज के लिए उभरते तरीके और तकनीकें। <i>पैथोलॉजी, रिसर्च और प्रैक्टिस</i> , 262, 155567.	3.2

	https://doi.org/10.1016/j.prp.2024.155567	
39	मोर, के., ब्रह्मा, एम., पंत, ए., मारुति, एम., और मौर्य, पीके (2024). A549 लंग एडेनोकार्सिनोमा सेल्स में सिस्प्लैटिन और कार्बोप्लैटिन के साथ रेस्वेराट्रोल की सिनर्जिस्टिक एंटीकैंसर एक्टिविटी। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल पैथोलॉजी</i> , 17(11), 411–420. https://doi.org/10.62347/RYSQ1416	0.9
40	यादव, एस., भगत, एस., सिंह, एस., और मौर्य, पी.के. (2024). एरिथ्रोसाइट्स में डेक्सट्रान और पॉलीइथाइलीन ग्लाइकॉल-कोटेड सेरियम ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स के एंटी-एजिंग प्रभाव की खोज। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स</i> , 282(Pt 1), 136700. https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2024.136700	8.5
41	रंगा, वी., डाकल, टीसी, मौर्य, पीके, एट अल. (2025). ओवेरियन कैंसर के बढ़ने, मेटास्टेसिस और थेरेपी के रिस्पॉन्स में RGD-बाइंडिंग इंटीग्रिन की भूमिका। <i>इंटीग्रेटिव बायोलॉजी</i> , 17.	1.4
42	डाकल, टीसी, जोसेफ, जेके, दीपिका, एट अल. (2025). ह्यूमन पैथोलॉजी से जुड़े टूल कंपाउंड्स के बायोकेमिकल, फार्माकोलॉजिकल और फार्माकोकाइनेटिक गुणों पर पूरी रिपोर्ट। <i>RSC फार्मास्यूटिक्स</i> , 2, 480–489	4.6
43	डाकल, टीसी, कुमार, ए., और मौर्य, पीके (2025). एंडोमेट्रियल कैंसर में CircRNA -miRNA-mRNA इंटैक्टोम एनालिसिस। <i>जर्नल ऑफ़ बायोमॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स</i> , 43(3), 1486–1497. https://doi.org/10.1080/07391102.2023.2291834	2.7
44	कुमार, ए., भगत, एस., मोर, के., एट अल. (2025). लिपोसोम-एनकैप्सुलेटेड करक्यूमिन, उम्र बढ़ने के दौरान रेड ब्लड सेल्स के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बायोमार्कर्स को बेहतर बनाने के लिए करक्यूमिन का लगातार रिलीज देता है। <i>बायोनैनोसाइ</i> , 15, 23. https://doi.org/10.1007/s12668-024-01636-1	3.2
45	मोहन, ए., डुम्मी महादेवन, जी., आनंद अय्यर, वी., मुखर्जी, टीके, हरिभाई पटेल, वी., कुमार, आर., सिद्दीकी, एन., नायक, एम., मौर्य, पीके, और कुमार, पी. (2025). सेहत और बीमारियों में डाइटरी फ्लेवोनॉयड्स: होमियोस्टेसिस और इलाज में उनकी भूमिका का एक छोटा रिव्यू। <i>फूड केमिस्ट्री</i> , 487, 144674. https://doi.org/10.1016/j.foodchem.2025.144674	9.8
46	शर्मा, एन.के., श्रीवास्तव, एम., डाकल, टीसी, रंगा, वी., और मौर्य, पी.के. (2025). एक्यूट हाइपोबैरिक हाइपोक्सिया चूहों के दिमाग के प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स	1.4

	और सेरिबैलम में मस्कैरेनिक रिसेप्टर्स के अलग-अलग एक्सप्रेसन के ज़रिए एसिटाइलकोलाइन-मीडिएटेड सिग्नलिंग में बदलाव का कारण बनता है। <i>हाई एल्टीट्यूड मेडिसिन एंड बायोलॉजी</i> , 26(2), 156–164.	
47	सिंह, आई., मोर, के., और मौर्य, पी.के. (2025). पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम में डायग्नोस्टिक और प्रोग्नोस्टिक बायोमार्कर। क्लिनिका चिमिका एक्टा; <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल केमिस्ट्री</i> , 576, 120425. https://doi.org/10.1016/j.cca.2025.120425	2.9
48	पंत, ए., मोर, के., अरोड़ा, टीके, डाकल , टीसी, रंगा, वी., शर्मा, एनके, और मौर्य, पीके (2025). एंडोमेट्रियोसिस के एटियोलॉजी और पैथोफिजियोलॉजी में सर्कुलेटिंग miRNAs की भूमिका को समझना: एक अपडेटेड कम्पाइल्ड रिव्यू। <i>एक्सपेरिमेंटल सेल रिसर्च</i> , 446(2), 114482. https://doi.org/10.1016/j.yexcr.2025.114482	3.5
49	पंत, ए., मोर, के., और मौर्य, पी.के. (2024). RL95-2 का इस्तेमाल करके एंडोमेट्रियल कैंसर को प्रेरित करने में एस्ट्राडियोल का प्रभाव। <i>पैथोलॉजी, रिसर्च और प्रैक्टिस</i> , 263, 155640. https://doi.org/10.1016/j.prp.2024.155640	3.2
50	यादव, एस., दीपिका, मोर, के., कुमार, ए., खोला , एन., पंत, ए., काकड़े, जीएस, और मौर्य, पीके (2024). न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसऑर्डर के लिए डायग्नोस्टिक पोटेंशियल के तौर पर रेड ब्लड सेल्स पर फिर से विचार करना। <i>बायोलॉजी ऑफ़ द सेल</i> , 116(7). https://doi.org/10.1111/boc.202400019	2.4
51	डाकल , टीसी, काकड़े, जीएस, और मौर्य, पीके (2024). ग्लियोब्लास्टोमा का जीनोमिक, एपिजेनोमिक और ट्रांसक्रिप्टोमिक लैंडस्केप। <i>मेटाबोलिक ब्रेन डिजीज</i> , 39(8), 1591–1611. https://doi.org/10.1007/s11011-024-01414-8	3.4
52	मोर, के., ब्रह्मा, एम., काकड़े, जीएस, पंत, ए., मारुति, एम., और मौर्य, पीके (2025). नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के खिलाफ रेस्वेराट्रोल का प्रोटेक्टिव इफ़ेक्ट: इन-विट्रो और इन-सिलिको स्टडीज़। <i>पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक कंपाउंड्स</i> , 45(4), 681–696. https://doi.org/10.1080/10406638.2024.2416068	2.4
53	काकड़े, GS, डाकल , TC, और मौर्य, PK (2025). ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म में शामिल जीन के एक्सप्रेसन पर IDH1 मिसेंस SNPs को समझना। <i>कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी और केमिस्ट्री</i> , 118, 108487.	3.1

	https://doi.org/10.1016/j.compbiolchem.2025.108487	
54	डाकल , टीसी, रंगा, वी., काकड़े, जीएस, ठाकुर, एम., यादव, वी., शर्मा, एनके, और मौर्य, पीके (2025). ग्लियोमा के जीनोमिक्स और म्यूटेशनल लैंडस्केप की सिस्टमैटिक समझ: एडवांस्ड थेराप्यूटिक्स की ओर एक लक्ष्य। <i>न्यूरोसाइंस</i> , 573, 491–504. https://doi.org/10.1016/j.neuroscience.2025.03.047	2.8
जैव प्रौद्योगिकी विभाग		
1	यादव, पी., प्रियम, पी., यादव, जी., यादव, ए., जैन, आर., सुंदरम , एस., शर्मा, एमके, कौर, आई., और ढाका, एन. (2024). <i>ब्रैसिका जंसिया</i> में बीज के गुणों को रेगुलेट करने वाले lncRNAs की पहचान और एक कॉम्प्रिहेंसिव सीड ओमिक्स डेटाबेस का डेवलपमेंट। <i>फंक्शनल एंड इंटीग्रेटिव जीनोमिक्स</i> , 24(5), 189. doi : 10.1007/s10142-024-01470-4. PMID: 39404887.	3.1
2	सिंह, एस., हेगड़े, एम., कौर, आई., एट अल. (2025). <i>बोट्राइटिस सिनेरिया की टेम्पोरल प्रोटीओम प्रोफाइलिंग से पौधों पर हमला करने और उनके बचने में शामिल प्रोटीन का पता लगना। साइंटिफिक रिपोर्ट्स</i> , 15, 11857. https://doi.org/10.1038/s41598-025-92683-5	3.9
3	तेहलान , ए., नागर, पी., प्रजापति, आर., भौमिक, के., कुमार, ए., कौर, आई., सुब्बाराव, एन., और धर, एस.के. (2025). <i>प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम</i> एसिटाइलट्रांसफेरेज़ GCN5 जरूरी ग्लाइकोलाइटिक एंजाइम फॉस्फोग्लिसरेट म्यूटेस के डुअल रेगुलेटर के तौर पर काम करता है। <i>FEBS जर्नल/एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन</i> । doi : 10.1111/febs.70164. प्रिंट से पहले Epub । PMID: 40567037.	4.2
4	जैन, आर., ढाका, एन., कृष्णन, के., यादव, जी., प्रियम, पी., शर्मा, एमके, और शर्मा, आरए (2025). ज्वार में पॉलिनेशन से लेकर बीज मैच्योरिटी तक टेम्पोरल जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइल, बीज ट्रेट्स की इंजीनियरिंग के लिए कोर कैंडिडेट देते हैं। <i>प्लांट, सेल और एनवायरनमेंट</i> , 48(4), 2662-2690।	6.3
5	यादव, पी., प्रियम, पी., यादव, जी., यादव, ए., जैन, आर., सुंदरम , एस., शर्मा, एमके, कौर, आई., ढाका, एन. (2024). <i>ब्रैसिका जंसिया</i> में बीज के गुणों को रेगुलेट करने वाले lncRNAs की पहचान और एक कॉम्प्रिहेंसिव सीड ओमिक्स डेटाबेस का डेवलपमेंट। <i>फंक्शनल एंड इंटीग्रेटिव जीनोमिक्स</i> , 24(5), 189.	3.1
6	सिंह, बी., दहिया एस. और रैपोपोर्ट ए. (2024). फंगल ज़ाइलेनस का प्रोडक्शन. <i>एनसाइक्लोपीडिया (MDPI)</i> . ऑनलाइन उपलब्ध:	--

	https://encyclopedia.pub/entry/54895	
7	शंकर ए., कौशिक एन.के., कुमार वी., मलिक वी., सिंह डी., कुमार वी. और सिंह बी. (2024). एंटी-मलेरियल एक्टिविटी दिखाने वाले सिल्वर नैनोपार्टिकल्स का ग्रीन माइकोसिंथेसिस। <i>जर्नल ऑफ तैयबा यूनिवर्सिटी फॉर साइंस</i> 18(1): 2381286.	2.8
8	कुमार वी., कौशिक एन.के., सिंह डी. और सिंह बी. (2024). फॉस्फेटेस इमोबिलाइजेशन और बायोलॉजिकल एक्टिविटी के लिए माइकोसिंथेसाइज्ड मैग्नेटिक नैनोपार्टिकल्स की नई क्षमता की खोज। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स</i> । 280(2): 135740.	8.5
9	रूपांशी, कुमार वी., नीलम, सिंह डी., बेनीवाल वी., छाबड़ा जे. और सिंह बी. (2024). मल्टीफेसटेड एप्लीकेशन के लिए अगली पीढ़ी के ग्रीन कैटलिस्ट के तौर पर बायोजेनिक सिल्वर नैनोपार्टिकल्स। <i>टियांजिन यूनिवर्सिटी के ट्रान्जैक्शन</i> 31: 145-178.	7.7
10	सैनी ए., यादव एम., सिंह, बी. और राणा, जे.एस. (2025). बोटुलिनम न्यूरोटॉक्सिन का पता लगाने के लिए बायोसेंसर में हुई तरक्की का एक ओवरव्यू: फूड सेफ्टी और बायोवॉरफेयर के खतरों को समझना। <i>एनालिटिकल बायोकेमिस्ट्री</i> । 701: 115801.	2.6
11	रानी पी., सिंह बी. और तिवारी एस.के. (2025). लिग्नोसेल्यूलोसिक सबस्ट्रेट्स का इस्तेमाल करके सॉलिड-स्टेट फर्मेंटेशन में लैक्टोप्लांटिबैसिलस प्लांटारम LD1 द्वारा बैक्टीरियोसिन प्रोडक्शन। <i>फर्मेंटेशन</i> । 11: 233.	3.3
12	कुमार ए., शर्मा टी., ज्योति, सिंह बी., कटारिया आर., सिंह जे., और कुमार वी. (2025). 2-अमीनो/हाइड्राजिनो-4-एरिलथियाजोल्स के सिंथेटिक डेवलपमेंट और फार्माकोलॉजिकल पोर्टेशियल की खोज: एक रिव्यू। <i>जर्नल ऑफ सल्फर केमिस्ट्री</i> . 1–48. https://doi.org/10.1080/17415993.2025.2491527 . इम्पैक्ट फैक्टर: 2.1	2.1
13	प्रिया, सिंह बी., गोस्वामी आर.के., शर्मा जे.जी. और गिरी बी. (2025). सॉलिड स्टेट फर्मेंटेशन में पेनिसिलियम ऑक्सालिकम द्वारा फाइटेज का प्रोडक्शन , जो फाइटेज के हाइड्रोलिसिस और हैलोपेरोक्सिडेज एक्टिविटी को दिखाता है। <i>इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी/एक्सेप्टेड</i> । https://doi.org/10.1007/s12088-025-01477-w	2.1
14	ऋचा, कुमारी एम., प्रज्ञा, गुप्ता पी., गौतम एस., पूनिया जी., सिंह बी., कौशिक एनके, साहू एससी, कुमार वी. और कटारिया आर. (2025). डिहाइड्रोएसिटिक एसिड से बने शिफ बेस वाले Ni(II), Zn(II), और Cu(II) कॉम्प्लेक्स का	4.4

	सिंथेसिस, स्ट्रक्चरल कैरेक्टराइजेशन और बायोलॉजिकल इवैल्यूएशन। <i>इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस</i> 178(2): 114578	
15	सोमवीर, अहलावत DS, सिंह D., सिंह B. और गंगवार J. (2025). टेम्परेचर कंट्रोल्ड हाइड्रोथर्मल सिंथेसिस के जरिए WS2 नैनोस्ट्रक्चर की फेज इंजीनियरिंग और मॉर्फोलॉजिकल टेलरिंग की जानकारी। <i>नैनो एक्सप्रेस</i> 6: 025010.	2.7
सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग		
1	पोरिया, वी., झिल्टा, पी., कुमार, एस., कुमार, पी., सिंह, एस., राणा, ए., . . . गोस्वामी, ए.के. (2024). मिट्टी से फैलने वाले पैथोजेन्स के मैनेजमेंट के लिए राइजोबैक्टीरिया की एबायोटिक स्ट्रेस टॉलरेंस और एंटीफंगल एक्टिविटीज़। <i>जर्नल ऑफ़ द सऊदी सोसाइटी ऑफ़ एग्रीकल्चरल साइंसेज</i> doi:https://doi.org/10.1016/j.jssas.2024.05.002	--
2	बेहरा, बी., कुमारी, एन., मारुति, एम., सिंह, आर.के., और सैनी, जे.के. (2025). ट्रैमेटेस क्यूबेन्सिस से लैकेस के मैलाकाइट ग्रीन बायोडिग्रेडेशन और डिटॉक्सिफिकेशन पोटेंशियल का मूल्यांकन। <i>बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी</i> , 417, 131869।	9
3	शर्मा, डी., महाजन, आर., बघेल, वी., बंसल, एस., आहूजा, वी., और गोयल, जी. (2024). पाइन नीडल्स के एनारोबिक डाइजेस्टिव से बायोगैस और बिजली का एक साथ प्रोडक्शन: सस्टेनेबल एनर्जी और वेस्ट मैनेजमेंट। <i>बायोटेक (बेसल (स्विट्जरलैंड))</i> , 13(3), 35. https://doi.org/10.3390/biotech13030035	3.1
4	कुमारी, एम., जायसवाल, एस., शंकर, यू., गुप्ता, एस., प्रदीपकुमार, PI, कुमार, ए., नायक, डी., यादव, वी., और यादव, पी. (2025). हेलिकोबैक्टर पाइलोरी जीनोम में G-क्वाड्रुप्लेक्स की विशेषता और G4 लिगैंड्स की इलाज की क्षमता का आकलन। <i>बायोटेक्नोलॉजी और एप्लाइड बायोकेमिस्ट्री</i> , 72(1), 29–42. https://doi.org/10.1002/bab.2644	3.1
5	<i>विब्रियो एल्टिनोलिटिकस</i> ATCC 17749 से एक प्रमुख थर्मोलेबल हेमोलिसिन जीन की पहचान, क्लोनिंग और एक्सप्रेशन। <i>जर्नल ऑफ़ प्योर एंड एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी</i> , 19, 1469–1478।	0.7
6	ठाकुर, एम., यादव, वी., कुमार, वाई., प्रमाणिक, ए., और दुबे, के.के. (2024). पर्यावरण के अनुकूल तरीके से जेनोबायोटिक कंपाउंड से कैसे निपटें? <i>क्रिटिकल रिव्यूज़ इन बायोटेक्नोलॉजी</i> , 44, 1574–1593.	8.2
7	ठाकुर, एम., खुशबू, शाह, एस., कुमारी, पी., कुमार, एम., विभूति, आर.के., प्रमाणिक, ए., यादव, वी., रैना, एम., नेगी, एन.पी., गौतम, वी., रुस्तगी, ए., वर्मा,	2

	एस.के., और कुमार, डी. (2024). राइजोस्फीयर माइक्रोब्स के रहस्यों को उजागर करना: खेती के लिए एक नया आयाम. <i>सिम्बायोसिस</i> , 92, 305–322.	
8	<i>विब्रियो एलिग्नोलिटिकस</i> ATCC 17749 के जीनोम में पुटेटिव हेमोलिसिन प्रोटीन का इन सिलिको एनालिसिस और उनकी स्ट्रक्चर प्रेडिक्शन. <i>रिसर्च जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी</i> , 19, 55–58.	0.2
9	<i>स्यूडोमोनास एरुगिनोसा</i> द्वारा रेजिस्टेंस एक्विजिशन को समझना और इसके पैथोजेनेसिस को कम करने में संभावित फार्माकोलॉजिकल तरीके। <i>बायोकेमिकल फार्माकोलॉजी</i> , 215, 115689।	5.6
10	विभूति, आर.के., और प्रमाणिक, ए. (2023). <i>विब्रियो एलिग्नोलिटिकस</i> ATCC 17749 की हेमोलिटिक एक्टिविटी और आयरन उपयोग स्रोतों की जांच। <i>रिसर्च जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी</i> , 18, 100–106।	0.2
11	प्रमाणिक, ए., और विभूति, आर.के. (2022). <i>विब्रियो</i> में आयरन ट्रांसपोर्ट सिस्टम का मॉलिक्यूलर मैकेनिज्म। <i>जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी</i> , 16, 116–129।	0.7
12	<i>क्यूप्रेसस टोरुलोसा</i> डी. डॉन की पत्तियों से अलग किए गए एंडोफाइटिक फंगस <i>पेस्टालोटिओप्सिस नेग्लेक्टा</i> BAB-5510 से बायोएक्टिव सेकेंडरी मेटाबोलाइट्स का मूल्यांकन। <i>3 बायोटेक</i> , 6, 210–224।	2.9
13	रोहित, ऋषि, एन., मंजू, के.एम., सचिन, और गोयल, जी. (2025). मोरिंगा ओलीफेरा की पत्तियों के पॉलीफेनोलिक कंटेंट और उससे जुड़ी एंटीऑक्सीडेंट एक्टिविटी पर सुखाने के तरीकों के असर का TOPSIS पर आधारित पूरा मूल्यांकन। <i>डिस्कवर फूड</i> , 5(1), 127.	3.7
14	सादेरा, जी., जगलान, ए., जेकिंक, आई., सिंह, वी., और गोयल, जी. (2025). यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स और स्टाफ के बीच प्रोबायोटिक के इस्तेमाल के बारे में जानकारी, नज़रिए और जागरूकता पर COVID-19 का असर। <i>मलेशियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी</i> , 21, 323–330.	0.8
15	सिंह, एन., गुलहाने, आर.डी., गोयल, एम., उदेलाल, पी.पी., सिंह, ए., सांगवान, वी., ... पुनिया, ए.के. (2024). <i>स्टैफिलोकोकस ऑरियस</i> और <i>स्यूडोमोनास एरुगिनोसा</i> के शुरुआती स्टेज और मैच्योर बायोफिल्म्स के खिलाफ लैक्टोबैसिली की एंटीमाइक्रोबियल क्षमता की खोज। <i>फ्रंटियर्स इन केमिस्ट्री</i> , 12, 1425666।	4.2
16	जगलान, ए., सादेरा, जी., और गोयल, जी. (2025). स्वदेशी संभावित प्रोबायोटिक बैसिलस स्ट्रेन्स द्वारा लैबोरेटरी मीडिया में ग्लियाडिन और टॉक्सिक	-

	इम्यूनोपेप्टाइड की प्रोटियोलिटिक एफिशिएंसी और डिग्रेडेशन। <i>फूड एंड ह्यूमैनिटी</i> , 4, 100567.	
17	मंजू के.एम., श्रीवास्तव, एस., सिंह, बी.पी., राया, डी., फ्रिचंतो, आर., रिदवान, आर., ... और गोयल, जी. (2025). बाजरे से निकाले गए डाइटरी फाइबर की फंक्शनल और एंटीऑक्सीडेंट विशेषताएं। <i>फूड बायोसाइंस</i> , 67, 106318.	5.9
18	गुप्ता, एस., कुमार, आर., और गोयल, जी. (2024). Ag/ rGO और Ag/Ag ₂ O/ rGO नैनोकंपोजिट्स की सिनर्जिस्टिक फोटोकैटैलिटिक और एंटीबैक्टीरियल क्षमताएं: ऑक्साइड बनने और टर्नरी हेटेरोजंक्शन का असर। <i>मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस</i> , 41, 110479.	4.5
19	सिंह ए, टीवी अबिरामी , सिंह एस*, सक्सेना एके, नैन एल (2024) फंगल इनोक्युलेंट्स का इस्तेमाल इन-सीटू धान के भूसे के खराब होने के दौरान सेकेंडरी बैक्टीरियल डिग्रेडर्स के कॉलोनाइजेशन को बढ़ाता है: क्रॉस-डोमेन सिनर्जिज्म में एक जीनोमिक इनसाइट्स। <i>इंटरनेशनल माइक्रोबायोलॉजी</i> 28:703-720	2.3
20	अग्रवाल ए, पोरिया वी, सिंह एस, कुमार वी, कुमार एस (2024) नए 1,2,3-ट्राईजोल लिंकड न्यूक्लियोसाइड्स का डिजाइन, सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेशन और एंटीबैक्टीरियल एक्टिविटी। <i>रिजल्ट्स इन केमिस्ट्री</i> 12:1019011	4.2
21	कुमार पी, कुमार एस, झिल्टा पी, पोरिया वी, यादव आर, सिंह एस (2024) फॉस्फेट और पोटेशियम घुलनशील सिसिबैक्टर कोलेटिस गेहूं की वृद्धि, उपज और पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ावा देता है <i>जर्नल ऑफ एप्लाइड बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी</i> 13:51-611	0
22	दीपिका, कुमारी, ए., सिंह, एस., अहमद, MF, चाकी, डी., पोरिया, वी., . . . रापोसो, ए. (2025). विटामिन D: हाल की तरक्की, इससे जुड़े फैक्टर, और नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों से लड़ने में इसकी भूमिका। <i>npj साइंस ऑफ फूड</i> , 9(1), 100.	7.8
23	कुमार, एस., पोरिया, वी., कुमार, पी., झिल्टा , पी., और सिंह, एस. (2025). साल्वाडोरा प्रजाति की बैक्टीरियल डाइवर्सिटी प्रोफाइल और पौधों की ग्रोथ को बढ़ाने में उनके संभावित इस्तेमाल का असेसमेंट। <i>डिस्कवर प्लांट्स</i> , 2(1), 188.	--
24	बीगम एस.पी., सागर वी.आर., कर ए., वर्गीस ई., सिंह एस., पोंगेनर ए. (2024) तरबूज के छिलके से पेक्टिन निकालने का अनुकूलन और निकाले गए पेक्टिन की विशेषता। <i>जर्नल ऑफ एग्रिकल्चरल इंजीनियरिंग (इंडिया)</i> 61 (6):862-8751	--
25	पोरिया वी, झिल्टा पी, कुमार एस, राणा ए, प्रणव के, सिंह एस (2024) माइक्रोबियल एंटागोनिस्ट द्वारा फ्यूजेरियम और मैक्रोफोमिना के खिलाफ कपास	4.4

	के पौधों में प्रेरित प्रणालीगत प्रतिरोध की सक्रियता। <i>जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन</i> ।	
पोषण जीव विज्ञान विभाग		
1	श्रीवास्तव, ए.के., जायसवाल, जे., और कुमार, यू. (2024). स्ट्रक्चरल मॉडलिंग और कन्फर्मेशनल डायनामिक्स के ज़रिए ज़ीन प्रोटीन की फिजियोकेमिकल विशेषताओं और मॉलिक्यूलर इनसाइट्स को समझना: मशीन लर्निंग और मॉलिक्यूलर डायनामिक्स सिमुलेशन के बीच एक सिनर्जिस्टिक अप्रोच। <i>जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स</i> , 1–20. https://doi.org/10.1080/07391102.2024.2428825	2.4
2	सोनू, पीके, श्रीवास्तव, एके, अंजलि, एन., पेड्डीरेड्डी, वी., और कुमार, यू. (2025). इन-सिलिको डॉकिंग स्टडीज़ से सपोर्टेड पैकेजिंग एप्लीकेशन के लिए एगल मार्मेलोस फ्रूट शेल्स वेस्ट से मिले माइक्रो-फाइब्रिलेटेड सेलुलोज बेस्ड कम्पोजिट बायोफिल्म का एक्सट्रैक्शन और फिजियोकेमिकल कैरेक्टराइजेशन। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स</i> , 142921. https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2025.142921 श्रीवास्तव, ए.के., जायसवाल, जे., राजपूत, पी.के., यादव, यू.सी.एस., सिंह, आर., और कुमार, यू. (2025). कोलन कैंसर के इलाज के लिए ऑप्टिमाइज्ड एरोमैटिक इंटरैक्शन और फार्माकोकाइनेटिक्स के साथ स्फिंगोमाइलिन लोडेड ज़ीन नैनोकंस्ट्रक्ट्स की इन सिलिको और इन विट्रो प्रोफाइलिंग। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स</i> , 141845. https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2025.141845	8.5
3	सोनू, पीके, श्रीवास्तव, एके, अंजलि, एन., पेड्डीरेड्डी, वी., और कुमार, यू. (2025). इन-सिलिको डॉकिंग स्टडीज़ से सपोर्टेड पैकेजिंग एप्लीकेशन के लिए एगल मार्मेलोस फ्रूट शेल्स वेस्ट से मिले माइक्रो-फाइब्रिलेटेड सेलुलोज बेस्ड कम्पोजिट बायोफिल्म का एक्सट्रैक्शन और फिजियोकेमिकल कैरेक्टराइजेशन। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स</i> , 142921. https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2025.142921	8.5
4	सुरेखा, सी., श्रीकांत, आर., थुपुरानी, एमके, नीलापु, एनआरआर, और पेड्डीरेड्डी, वी. (2022). अलग-अलग बैक्टीरियल स्ट्रेन और फंगल आइसोलेट्स के खिलाफ सलासिया ओब्लोंगा वॉल लीफ और रूट एक्सट्रैक्ट की एंटीमाइक्रोबियल एक्टिविटी। <i>करंट माइक्रोबायोलॉजी</i> , 79(7), 204।	2.29
5	नलवोथुला, आर., चल्ला, एस., पेड्डीरेड्डी, वी., मेरुगु, आर., रुद्र, एमपी, अलाटवे, ए., ... और एलानसरी, एचओ (2022). तेल-दूषित मिट्टी के नमूनों से	4.6

	अलग किए गए सिंगल-सेल-प्रोटीन-उत्पादक फोटोट्रॉफिक बैक्टीरिया का आइसोलेशन, मॉलिक्यूलर आइडेंटिफिकेशन और एमिनो एसिड प्रोफाइलिंग। <i>मॉलिक्यूल्स</i> , 27(19), 6265.	
6	प्रकाश, पी.ओ., रायसम, के., पेड्डीरेड्डी, वी., और चैतन्य, के.वी. (2024). नए कैलिडिफॉटिबैसिलस से लेवन प्रोडक्शन में सुधार एर्जुमेंसिस LEV207 एक समय में एक वेरिएबल का इस्तेमाल करके। <i>इंटरनेशनल माइक्रोबायोलॉजी</i> , 1-13.	2.3
7	रायसम, के., प्रकाश, पी.ओ., पेड्डीरेड्डी, वी., और चैतन्य, के.वी. (2025). एल्युसिन कोराकाना से प्रतिरोधी स्टार्च की विशेषता और इसकी प्रीबायोटिक क्षमता का मूल्यांकन। <i>स्टार्च-स्टार्क</i> , 77(6), ई70020.	2.74
8	इन-सिलिको डॉकिंग स्टडीज़ से सपोर्टेड पैकेजिंग एप्लीकेशन के लिए एगल मार्मेलोस फ्रूट शेल्स वेस्ट से मिले माइक्रो-फाइब्रिलेटेड सेलुलोज बेस्ड कम्पोजिट बायोफिल्म का एक्सट्रैक्शन और फिजियोकेमिकल कैरेक्टराइजेशन। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स</i> , 309, 142921.	7.7
9	इन-सिलिको डॉकिंग स्टडीज़ से सपोर्टेड पैकेजिंग एप्लीकेशन के लिए एगल मार्मेलोस फ्रूट शेल्स वेस्ट से मिले माइक्रो-फाइब्रिलेटेड सेलुलोज बेस्ड कम्पोजिट बायोफिल्म का एक्सट्रैक्शन और फिजियोकेमिकल कैरेक्टराइजेशन। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स</i> , 309, 142921.	7.7
10	अंजलि, कुमार सोनू, पी., शर्मा, के.पी., कुमार, यू., और पेड्डीरेड्डी, वी. (2025). सस्टेनेबल पैकेजिंग एप्लीकेशन के लिए कॉर्डिया साइनेंसिस लीफ और स्टेम एक्सट्रैक्ट से सिल्वर नैनोपार्टिकल्स के बायोफ्लेवोनॉइड -कैटलाइज्ड साइज-कंट्रोल्ड सिंथेसिस की एलसी-एमएस प्रोफाइलिंग। <i>एप्लाइड ऑर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री</i> , 39(7), e70251.	3.7
11	धीमान, आर., दलाल, आर., कुमार, एस., पंधाल, ए., कुमार, ए., बुधवार, एस., और चौधरी, एस., कौर, पी. (2024). हरियाणा, भारत के माइनिंग ज़ोन में ग्राउंडवाटर में रेडॉन कंसंट्रेशन का फेफड़ों और पेट के लिए सालाना असरदार डोज का अनुमान। <i>रेडिएशन प्रोटेक्शन डोसिमेट्री</i> , 200(11–12), 1108–1113. https://doi.org/10.1093/rpd/nae091	1.3
12	गुप्ता, एस., बोहरा, पी., और वामन, एए, बुधवार, एस. (2024). कम इस्तेमाल होने वाले औषधीय मसाले, मैंगो जिंजर (<i>करकुमा मैंगो</i> वैल. एट जिजप.) से तैयार कुकिंग पेस्ट में स्टोरेज स्टडी। <i>करंट एग्रीकल्चर रिसर्च</i> , 12(3). doi : http://dx.doi.org/10.12944/CARJ.12.3.21	0.105
13	जाखड़, एम., बुधवार, एस., कुमार, एस., यादव, जे., दलाल, आर., और पंधाल, ए. (2024). 40K और 232Th के ट्रांसफर फैक्टर और थर्मल पावर प्लांट,	2.5

	झज्जर, हरियाणा, भारत के पास के खेतों से इकट्ठा किए गए मिट्टी और गेहूं के सैपल का रेडियोलॉजिकल रिस्क असेसमेंट। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल एनालिटिकल केमिस्ट्री</i> , 1–17. https://doi.org/10.1080/03067319.2024.2399720	
14	भोरिया, एस., और धेवा, टी. (2025). ACE इन्हिबिटरी पेप्टाइड्स का फूड मैट्रिक्स में फ्रंक्शनल इंटीग्रेशन: स्टेबिलिटी, बायोअवेलेबिलिटी, कंज्यूमर एक्सेप्टेंस, रेगुलेटरी और कमर्शियलाइजेशन बैरियर। <i>जर्नल ऑफ फूड कंपोजिशन एंड एनालिसिस</i> , 108029. https://doi.org/10.1016/j.jfca.2025.108029	4.6
15	अंजलि, सोनू, पीके, शर्मा, केपी, कुमार, यू., और पेड्डीरेड्डी, वी. (2025). सस्टेनेबल पैकेजिंग एप्लीकेशन के लिए कॉर्डिया साइनेंसिस लीफ और स्टेम एक्सट्रैक्ट से सिल्वर नैनोपार्टिकल्स के बायोफ्लेवोनॉइड -कैटलाइज्ड साइज-कंट्रोल्ड सिंथेसिस की LC-MS प्रोफाइलिंग। <i>एप्लाइड ऑर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री</i> 39 (7), e70251	--
16	सामतिया, एम., भूषण, बी., सारी, टीपी, बडगुजर, पीसी, चंद्रात्रे, जीए, सिंह, पी., कुमार, ए. और धेवा, टी. (2024). हरियाणा के डेयरी फर्मेंटेड फूड्स से देसी लैक्टोबैसिली का कैरेक्टराइजेशन, मल्टीपल एंट्रिब्यूट डिजीजन-मेकिंग अप्रोच का इस्तेमाल करके पोटेन्शियल प्रोबायोटिक्स के तौर पर। <i>फूड प्रोडक्शन, प्रोसेसिंग और न्यूट्रिशन</i> , 6(1), 81.	5.7
17	सादेरा, जी., जगलान, ए., कुमार, ए., रेक्वेना, टी., कुमार, आर., परमार, ए., और गोयल, जी. (2024). डायरियाल मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंट ई. कोली स्ट्रेन्स के खिलाफ पेडियोकोकी स्ट्रेन्स की एंटीबायोफिल्म गतिविधियों की खोज। <i>फूड बायोटेक्नोलॉजी</i> , 38(4), 385-415.	1.6
18	झा, आर.के., शुक्ला, ए.के., कुमारी, ए., और कुमार, ए. (2025). रागी के संभावित ओरली एक्टिव एंटी-बैक्टीरियल कंपाउंड की वर्चुअल स्क्रीनिंग। <i>वेजीटोस</i> 38, 1237–1248. https://doi.org/10.1007/s42535-024-01051-7	--
19	कमल, एन., सहारन, बीएस, दुहान, जेएस, कुमार, ए., चौधरी, पी., गोयल, सी., ... और मुदगिल, पी. (2024). साइकोबायोटिक्स के वादे की खोज : एक समृद्ध समाज के लिए गट माइक्रोबायोटा और मेंटल हेल्थ को जोड़ना। <i>मेडिसिन इन माइक्रोइकोलॉजी</i> , 100118.	--
20	सादेरा, जी., जगलान, ए., कपिला, एस., कुमार, ए., डी ज़ालिडवार, बीएस, रेक्वेना, टी., और गोयल, जी. (2024). E. कोलाई से होने वाले डायरिया वाले चूहों के मॉडल में प्रोबायोटिक सप्लीमेंटेड वेजिटेबल जैम के प्रोटेक्टिव असर। <i>फूड</i>	5.9

	बायोसाइंस, 62, 105301.	
21	कुमार, आर., खटक, एस., शुक्ला, ए.के., पंवार, एस., और कुमार, ए. मोरिंगा ओलीफेरा के न्यूट्रिशनल प्रोफाइल, थेराप्यूटिक पोर्टेशियल, और बायोएक्टिव कंपाउंड्स की नेटवर्किंग को समझना: एक कॉम्प्रिहेंसिव रिव्यू। <i>फूड बायोमैक्रोमोलेक्यूल्स</i> । https://doi.org/10.1002/fob2.70013	--
22	चाकी, डी., मुसहरी, डी., बन्याल, एस., शर्मा, एसपी, लूथरा, ए., और कुमारी, ए. कुकुमिस कैलोसस से न्यूट्रिशनल स्प्रेड (रेडी-टू-सर्व फूड) का विकास : स्टोरेज के दौरान फ्रिजिकोकेमिकल, न्यूट्रिशनल और सेंसरी विशेषताओं पर असर, <i>वॉल्यूम 17 इश्यू 3</i> , 2025. https://doi.org/10.31018/jans.v17i2.6537	-
23	कुमारी, ए., सिंह, एस., अहमद, MF, चाकी, डी., पोरिया, वी., कुमार, एस., ... और रापोसो, ए. (2025). विटामिन D: हाल की तरक्की, इससे जुड़े फैक्टर, और नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों से लड़ने में इसकी भूमिका। <i>npj साइंस ऑफ फूड</i> , 9(1), 1-15.	7.8
24	गोगोई, पी., शर्मा, पी., गौदर, जी., महाजन, ए., अनंथन, आर., सिंह, एम., ... और लोंगवाह, टी. (2025). पिगमेंटेड मक्का लैंडरेस के फ्री-बाउंड पॉलीफेनोल्स, फ्लेवोनोइड्स और एंटीऑक्सीडेंट गुणों का मूल्यांकन। <i>फूड केमिस्ट्री एडवांसेज</i> , 7, 101006।	-
25	हा, आर.के., शुक्ला, ए.के., कुमारी, ए., और कुमार, ए. (2024). रागी के संभावित ओरली एक्टिव एंटी-बैक्टीरियल कंपाउंड की वर्चुअल स्क्रीनिंग। <i>वेजीटोस</i> , 1-12	-
26	जैन, एस., शुक्ला, ए.के., दीपिका, पंवार, एस., कुमारी, ए., यादव, ए.के., और कुमार, ए. (2024). बायोइंजीनियर्ड प्रोबायोटिक्स और ग्लूकागन-लाइक पेप्टाइड 1 (GLP-1) बेस्ड स्ट्रेटेजी के ज़रिए बीमारी के इलाज में क्रांति लाना: असरदार इलाज की ओर एक रास्ता। <i>फूड बायोइंजीनियरिंग</i> , 3(3), 280-300	2.3
27	यादव, पी., देबनाथ, एन., प्रधान, डी., मेहता, पी.के., कुमार, ए., यादव, एम.एल., और यादव, ए.के. (2025). प्रोबायोटिक लैक्टोबैसिलस-डिराइव्ड एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स: बीमारी की रोकथाम और मैनेजमेंट में जानकारी। <i>मॉलिक्यूलर न्यूट्रिशन एंड फूड रिसर्च</i> , e70013.	4.2
28	यादव, पी., देबनाथ, एन., मेहता, पी.के., कुमार, ए., और यादव, ए.के. (2025). लैक्टिप्लांटिबैसिलस प्लांटारम और उनके डेरिव्ड एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स की एंटीमाइक्रोबियल क्षमता का आकलन। <i>मॉलिक्यूलर न्यूट्रिशन एंड फूड रिसर्च</i> , e70035.	4.2

29	शुक्ला, ए.के., नीरू, कुमार, ए. (2025). बाजरे के एंटीकैंसर ओरली एक्टिव लेड कंपाउंड्स को एडहेजन G प्रोटीन-कपल्ड रिसेप्टर के खिलाफ प्रायोरिटी देने के लिए एक कीमोइन्फॉर्मेटिक्स स्टडी। <i>स्पेक्ट्रोकिमिका एक्टा पार्ट A: मॉलिक्यूलर और बायोमॉलिक्यूलर स्पेक्ट्रोस्कोपी</i> , 334, 125960.	4.6
30	कुमार, डी., झा, आर.के., चौधरी, पी., शुक्ला, ए.के., पंवार, एस., सिंह, एस., और कुमार, ए. (2025). <i>सोरघम बाइकलर के मल्टीपल डिजीज टारगेट कंपाउंड्स (MDTC) का प्रायोरिटीजेशन</i> : एक मॉलिक्यूलर डॉकिंग और डायनामिक्स सिमुलेशन स्ट्रैटेजी। <i>डिस्कवरी केमिस्ट्री</i> , 2, 75. https://doi.org/10.1007/s44371-025-00137-8	--
31	राणा, ए., तनेजा, एन.के., रापोसो, ए., अलारिफी, एस.एन., टेक्सेरा-लेमोस, ई., लीमा, एम.जे., गोंसाल्वेस, जे.सी., और धेवा, टी. (2024). सोया दूध से बने ड्रिंक्स के नए फॉर्मूलेशन के प्रीबायोटिक गुणों और इसकी प्रोबायोटिक क्षमता की खोज। <i>फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी</i> , 15. https://doi.org/10.3389/fmicb.2024.1404907	4.5
32	सामतिया, एम., भूषण, बी., सारी, टीपी, बडगुजर, पीसी, चंद्रात्रे, जीए, सिंह, पी., कुमार, ए., और धेवा, टी. (2024). हरियाणा के डेयरी फर्मेटेड फूड्स से देसी लैक्टोबैसिली का कैरेक्टराइजेशन, मल्टीपल एट्रिब्यूट डिजीजन-मेकिंग अप्रोच का इस्तेमाल करके पोटेण्शियल प्रोबायोटिक्स के तौर पर। <i>फूड प्रोडक्शन प्रोसेसिंग एंड न्यूट्रिशन</i> , 6(1). https://doi.org/10.1186/s43014-024-00259-z	5.7
33	कुमार, ए., धीमान, एस., कृष्ण, बी., संपत्तिया, एम., कुमारी, ए., पाठक, एन., कुमारी, ए., अलुको, आरई, और धेवा, टी. (2024). माइक्रोबियल एंजाइम और फूड इंडस्ट्री में मुख्य इस्तेमाल: एक छोटी समीक्षा। <i>फूड प्रोडक्शन प्रोसेसिंग एंड न्यूट्रिशन</i> , 6(1). https://doi.org/10.1186/s43014-024-00261-5	5.7
34	राणा, ए., तनेजा, एन.के., सिंह, ए., धेवा, टी., कुमार, वी., कुमार, ए., चौहान, के., जुनेजा, वी., और ओबेरॉय, एचएस (2025). विटामिन B2 (राइबोफ्लेविन) बायो-एनरिचड सोया मिल्क का सिनर्जिस्टिक फर्मेशन: अगली पीढ़ी के फंक्शनल वीगन फूड्स का ऑप्टिमाइजेशन और टेक्नो-फंक्शनल कैरेक्टराइजेशन। <i>डिस्कवर फूड</i> , 5(1). https://doi.org/10.1007/s44187-025-00269-x	3.7
35	धीमान, एस., कुमार, ए., शर्मा, के., और धेवा, टी. (2025). सस्टेनेबल सर्कुलर इकॉनमी के लिए खाने और एग्रो-इंडस्ट्रियल रेसिड्यू की माइक्रोबियल बायोप्रोसेसिंग। <i>इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी</i> . https://doi.org/10.1007/s12088-025-01464-1	1.6
भेषज विज्ञान विभाग		

1	गड्डाला , पी., चौधरी, एस., सेठी, एस., साइनागा ज्योति, वीजी, कट्टा, सी., बहुगुणा, डी., ... और मदन, जे. (2024). ऑस्टियोआर्थराइटिस में एटोडोलैक की उपयोगिता: दवा देने की चुनौतियाँ, टॉपिकल नैनोथेरेप्यूटिक रणनीतियाँ और संभावित तालमेल। <i>थेराप्यूटिक डिलीवरी</i> , 15(12), 977-995.	2.2
2	थेरानोस्टिक्स के रूप में मेटैलिक नैनोकैरियर्स की क्षमता का आकलन : एक व्यापक समीक्षा। <i>एप्लाइड नैनोसाइंस</i> , 15(3)।	--
3	निरबन , एस., पांडे, एम., और कुमार, एस. जानवरों में घाव के मैनेजमेंट के लिए टॉपिकल फॉर्मूलेशन: पारंपरिक से एडवांस्ड तक एक पैराडाइम शिफ्ट। <i>एनालेस फार्मास्यूटिक्स में फ्रैन्काइजेस</i> (पृष्ठ S0003-4509)।	1.1
4	कुमार, एस., कौल, एस., जैन, एन., जैन, सी., और पांडे, एम. (2025). गाउटी आर्थराइटिस का इलाज: टॉपिकल लिपिड-बेस्ड नैनोकैरियर डिलीवरी सिस्टम में तरक्की। <i>एडवांस्ड फार्मास्यूटिकल बुलेटिन</i> , 15(1), 11–26. https://doi.org/10.34172/apb.44012	4.1
5	कुमारी, डी., करमाकर, वी., सिसिंथी , एसपी, पांडे, एम., जैन, एन., और गोराई , बी. मुंह की बीमारियों के इलाज के लिए एडवांस्ड डिलीवरी टूल के तौर पर नैनोइमल्शन और नैनोइमलजेल -बेस्ड कैरियर / <i>ड्रग डिलीवरी और ट्रांसलेशनल रिसर्च</i>	5.5
6	कैथ, ए., गर्ग, यू., जैन, एन., पांडे, एम., कौल, एस., गोराईन , बी., और अमीन, MCIM (2025). आंखों में दवा पहुंचाने के लिए पुलुलन एक सस्टेन्ड रिलीज कैरियर के तौर पर: एक रिव्यू. <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स</i> , 143146.	8.5
7	क्वासमी , MN, कुमार, D., और जांगड़ा , A. (2025). किडनी और लिवर हेल्थ पर डाइटरी एक्रिलामाइड के असर: मॉलिक्यूलर मैकेनिज्म और फार्माकोलॉजिकल असर। <i>टॉक्सिकोलॉजी रिपोर्ट्स</i> , 14, 101859।	--
8	मेहता, आई., वर्मा, एम., क्वासमी , एमएन, कुमार, डी., और जांगड़ा , ए. (2025). एनवायर्नमेंटल टॉक्सिकेंट्स से होने वाली न्यूरोटॉक्सिसिटी में हिस्टोन मॉडिफिकेशन की उभरती भूमिकाएं। <i>टॉक्सिकोलॉजी</i> , 154164.	4.6
9	रानी, ए., सिंह, जे., पवार, एस., जांगड़ा , ए., और कुमार, डी. (2025). सोलनम इनकैनम एल.: बॉटनी, पारंपरिक उपयोग, फाइटोकेमिस्ट्री और फार्माकोलॉजी की अपडेटेड समीक्षा। <i>डिस्कवर एप्लाइड साइंसेज</i> , 7(5), 450.	--
10	कर्दम , आर., जांगड़ा , ए., कुमार, डी., कुमार, वी., और शर्मा, वी. (2025). प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम, सबसे खतरनाक परजीवी और उनके सिंथेटिक	2

	इनहिबिटर के आशाजनक मॉलिक्यूलर टारगेट: एक समीक्षा। <i>केमिस्ट्रीसेलेक्ट</i> , 10(17), e202405253.	
11	क्वासमी, MN, सिंह, J., कुमार, D., ढींगरा, D., और जांगड़ा, A. (2025). थैलेट्स से होने वाली नेफ्रोटॉक्सिसिटी के पीछे के मॉलिक्यूलर मैकेनिज्म की जानकारी। <i>टॉक्सिकोलॉजी</i> , 154187.	4.6
12	कुमार, MYSMD ए. DJDS (2025). TRIVENI पौधों का फाइटोकेमिकल एनालिसिस, एंटीकैंसर और एंटीऑक्सीडेंट स्टडीज: इन-विट्रो स्टडीज। mbsresearch.com. https://doi.org/10.7813/exa15s65	--
13	निरबन, एस., पांडे, एम., और कुमार, एस. (2025). जानवरों में घाव के मैनेजमेंट के लिए टॉपिकल फॉर्मूलेशन: पारंपरिक से एडवांस्ड तक एक पैराडाइम बदलाव। <i>एनालेस फ़ार्मास्युटिक्स फ्रेंच</i> . https://doi.org/10.1016/j.pharma.2025.02.008	1.1
14	शर्मा, डी., कुमार, डी., सेहरावत, एस., कुमार, डी., और कुमार, एस. (2025b). सॉलिड डिस्पर्सन टेक्नोलॉजी के विभिन्न पहलू: एक रिव्यू. <i>रिसर्च जर्नल ऑफ़ फ़ार्मेसी एंड टेक्नोलॉजी</i> , 1872–1878. https://doi.org/10.52711/0974-360x.2025.00267	0.93
15	कुमार, एस., तंवर, आर., कुमार, डी., मोर, ए., निकी, एन., और मोनू, एम. (2025). वायरोसोम्स: नए कॉन्सेप्ट और कई एप्लीकेशन. <i>रिसर्च जर्नल ऑफ़ फ़ार्मेसी एंड टेक्नोलॉजी</i> , 893–897. https://doi.org/10.52711/0974-360x.2025.00131	0.93
16	कुमार, एस., कुमार, डी., रजनी, आर., और सिंह, एन. (2025). ब्लिस्टर में खाने की चीजों की पैकेजिंग: फ़ार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री के मुद्दे और मरीजों पर उनका असर. <i>रिसर्च जर्नल ऑफ़ फ़ार्मेसी एंड टेक्नोलॉजी</i> , 445–448. https://doi.org/10.52711/0974-360x.2025.00068	0.93
17	दहिया, एम., यादव, एम., कुमार, एस., चौहान, एस., और लांबा, डी. (2024). बुकाननिया के नैनोपार्टिकल्स का GC-MS एनालिसिस और फैब्रिकेशन एंटीकैंसर एक्टिविटी के लिए लैनज़न ऑयल। <i>रिसर्च जर्नल ऑफ़ फ़ार्मेसी एंड टेक्नोलॉजी</i> , 4699–4706. https://doi.org/10.52711/0974-360x.2024.00724	0.93
18	सैंटालिनस एल. एफ. लीव्स हाइड्रो अल्कोहलिक एक्सट्रैक्ट का GC-MS एनालिसिस। <i>रिसर्च जर्नल ऑफ़ फ़ार्मेसी एंड टेक्नोलॉजी</i> , 4370–4372. https://doi.org/10.52711/0974-360x.2024.00675	0.93

19	कुमार, एस., एंटल, एस., कुमार, डी., तंवर, आर., इमांशु, आई., और मोर, ए. (2024). नए प्रॉमिसिंग ड्रग डिलीवरी सिस्टम – क्रिप्टोसोम्स में इनसाइट्स। <i>रिसर्च जर्नल ऑफ़ फ़ार्मेसी एंड टेक्नोलॉजी</i> , 5666–5670. https://doi.org/10.52711/0974-360x.2024.00863	0.93
20	रसना, के., मनीषा, पी., तरुण, के., और नेहा, जे. (2025). आयुर्वेद बायोलॉजी: इंडियन नॉलेज सिस्टम और कंटेंपररी हेल्थकेयर का एक इंटीग्रेटेड अप्रोच। <i>नेचुरल थेरेपी एडवांसेज</i> , 8(2), 8. https://doi.org/10.53388/nta2025008	--
21	आर्य, ए., धल्ल, एम., मित्तल, वी., कौशिक, डी., मुद्गल, पी., कुमार, टी., पांडे, एम., कादियान, आर., शर्मा, पी., रानी, एन., और सिंह, टीजी (2024). मल्टीपल स्कलेरोसिस: पैथोजेनेसिस मैकेनिज्म और बायोमार्कर। <i>सेंट्रल नर्वस सिस्टम एजेंट्स इन मेडिसिनल केमिस्ट्री</i> , 24. https://doi.org/10.2174/0118715249307633240817160735	--
22	पूजा, एन., पांडे, एम., कुमार, टी., गोस्वामी, एच., कुमारी, आर., कुमारी, एस., जैन, एन., गोराई, बी., मौर्य, पी.के., चावला, वी., और चावला, पीए (2024). ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से निपटने के लिए नैनो-न्यूट्रास्युटिकल्स: एडजुवेंट थेरेपी में नए तरीके खोजना। <i>करंट टॉपिक्स इन मेडिसिनल केमिस्ट्री</i> , 24(17), 1490–1503. https://doi.org/10.2174/0115680266300779240417104340	3.3
23	शशि, एन., रानी, के., रानी, के., अंकिता, एन., मित्तल, वी., कौशिक, डी., ढल, एम., बमराह, पीके, कुमार, टी., पांडे, एम., जैन, एन., और आर्य, ए. (2024). ग्लूकागन-लाइक पेप्टाइड-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट की समानता और असमानताओं का क्लिनिकल एनालिसिस: डायबिटीज मेलिटस के मैनेजमेंट के लिए थेराप्यूटिक अप्रोच। <i>करंट ड्रग थेरेपी</i> , 20(1), 45–56. https://doi.org/10.2174/0115748855276929231218053337	0.7
24	प्यूपलिया के औषधीय गुणों का खुलासा किया लैपेसिया : एक अनदेखा पौधा। <i>फार्माकोग्नॉसी रिसर्च</i> , 16(3), 449–456. https://doi.org/10.5530/pres.16.3.54	1
25	शर्मा, डी., पूजा, एन., निरबन, एस., ओझा, एस., कुमार, टी., जैन, एन., मोहम्मद, एन., कुमार, पी., और पांडे, एम. (2023). नैनो बनाम रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस: लंग रूट लेना। <i>AAPS PharmSciTech</i> , 24(8). https://doi.org/10.1208/s12249-023-02708-3	4
26	कौशिक, ए., यादव, एस., मुद्गल, पी., पाहवा, आर., कुमार, टी., और आहूजा,	4

	एम. (2023). ड्रग डिलीवरी एप्लीकेशन के लिए मोरिंगा गम का प्रोपाइल मॉडिफिकेशन. <i>पॉलीमर बुलेटिन</i> , 81(3), 2643–2670. https://doi.org/10.1007/s00289-023-04840-3	
27	चौहान, पी., पाहवा, आर., कुमारी, पी., कुमार, टी., और आहूजा, एम. (2022). बेहतर ट्रांसगुअल ड्रग डिलीवरी के लिए संभावित परमिएशन एनहांसर वाले लुलिकोनाज़ोल नेल लैकर का डेवलपमेंट और मूल्यांकन। <i>ड्रग डिलीवरी लेटर्स</i> , 13(1), 35–47. https://doi.org/10.2174/2210303113666221117085703	0.274
28	कुमार, टी., पाहवा, आर., और आहूजा, एम. (2022). ग्रेविया एशियाटिका लिन. रूट एक्सट्रैक्ट लोडेड सस्पेंशन, माइक्रोपार्टिकुलेट और नैनोसस्पेंशन डोज़ फ़ॉर्म: फ़ैब्रिकेशन, कैरेक्टराइजेशन और एंथेलमिंटिक इवैल्यूएशन. <i>ACTA Pharmaceutica Scientia</i> , 60(4), 363. https://doi.org/10.23893/1307-2080.aps6024	0.818
पर्यावरण अध्ययन विभाग		
1	लैंडफिल लीचेट ट्रीटमेंट के लिए इस्तेमाल होने वाली एग्रो वेस्ट मीडिएटेड टेक्नोलॉजी पर एक मिनी-रिव्यू। <i>जर्नल ऑफ़ वॉटर प्रोसेस इंजीनियरिंग</i> , 57, 104685.	6.7
2	शर्मा, वी., सोलंकी, ए., शर्मा, पी., और कुमार, डी. (2025). को-कम्पोस्टेड-बायोचार का इस्तेमाल करके नकली पानी से लैम्बडा-साइहैलोथ्रिन को अच्छे से हटाना: पारंपरिक बायोएड्सॉर्बेंट का आज के ज़माने का विकल्प। <i>एनवायर्नमेंटल पॉल्यूशन</i> , 369, 125842.	7.3
3	सोलंकी, ए., शर्मा, वी., शर्मा, पी., और कुमार, डी. (2025). बायोडिग्रेडेशन तरीकों और एडवांसमेंट का इस्तेमाल करके माइक्रोप्लास्टिक हटाने के मौजूदा ट्रेंड्स – एक रिव्यू। <i>जर्नल ऑफ़ इंडस्ट्रियल एंड इंजीनियरिंग केमिस्ट्री</i> ।	6
4	सिंह बीपी (2025), वायु प्रदूषण और COVID-19 के आपसी प्रभाव का विश्लेषण: स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की समीक्षा। <i>इकोहेल्थ</i> । https://doi.org/10.1007/s10393-025-01720-2	2.2
5	कोठारी, आर., पाठक, ए.के., सिंह, एच.एम., गोरिया, के., शेख, जेड.यू.डी., भारती, ए., ... और त्यागी, वी.वी. (2024). एम.एफ.सी.-मध्यस्थ अपशिष्ट जल उपचार प्रौद्योगिकी और जैवविद्युत उत्पादन: एस.डी.जी. 7 और 13 के साथ भविष्य के परिप्रेक्ष्य। <i>प्रक्रिया सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण</i> , 192, 155-176।	-
6	कोठारी, आर., पाठक, ए.के., सिंह, एच.एम., गोरिया, के., शेख, जेड.यू.डी.,	7.8

	भारती, ए., ... और त्यागी, वी.वी. (2024). एम.एफ.सी.-मध्यस्थ अपशिष्ट जल उपचार प्रौद्योगिकी और जैवविद्युत उत्पादन: एस.डी.जी. 7 और 13 के साथ भविष्य के परिप्रेक्ष्य। <i>प्रक्रिया सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण</i> , 192, 155-176।	
7	कोटवाल, एन., पठानिया, डी., सिंह, ए., शेख, ZUD, और कोठारी, आर. (2024). लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास के हाइड्रोलिसिस के लिए नैनोमटेरियल के साथ एंजाइम इमोबिलाइजेशन: चुनौतियां और भविष्य के नजरिए। <i>कार्बोहाइड्रेट रिसर्च</i> , 543, 109208।	-
8	देवी, ए., बाजार, एस., शेख, ZUD, सिंह, ए., कोटवाल, एन., भारती, ए., ... और कोठारी, आर. (2024). लिग्निन वैल्यूराइजेशन के ज़रिए वेस्ट बायोरिफाइनरियों के सस्टेनेबल और इकोनॉमिकली वायबल अप्रोच की ओर एक नज़रिया। <i>बायोमास कन्वर्जन और बायोरिफाइनरी</i> , 1-25.	4.1
9	यादव, पी., शर्मा, एम., यादव ए., और नेगी एस., (2024). रेवाड़ी जिले के इंडस्ट्रियल एरिया से सटे गांवों की मिट्टी का केमिकल कैरेक्टराइजेशन और हेवी मेटल एनालिसिस। <i>फ्रंटियर्स इन हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स</i> , 13 (2), 1007-1013	--
10	यादव, डी.के., यादव, एम., रानी, पी., यादव, ए., भारद्वाज, एन., बिश्रोई, एन.आर., और सिंह, ए. (2024). क्लोरेला वल्वोरिस की खेती और बायोडीजल उत्पादन के लिए सर्वोत्तम विकास माध्यमों की जाँच। <i>बायोफ्यूल्स</i> , 15(3), 271-277.	2.6
11	देवी, ए., सिंह, ए., और कोठारी, आर. (2024). सेल्युलेज और ज़ाइलेनेज प्रोडक्शन के लिए गेहूं के भूसे और चावल के भूसे का फंगी बेस्ड वैल्यूराइजेशन। <i>सस्टेनेबल केमिस्ट्री फॉर द एनवायरनमेंट</i> , 5, 100077.	-
12	गोरिया, के., सिंह, एचएम, सिंह, ए., कोठारी, आर., और त्यागी, वीवी (2024). एल्गल बायोमास से बायोहाइड्रोजन प्रोडक्शन की जानकारी: चुनौतियां, हाल की तरक्की और भविष्य की दिशाएं। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी</i> , 52, 127-151.	8.3
13	भाटिया, ए., खत्री, ए., यादव, एम., कुमारी, ए., मोना, एस., और भटेरिया, आर. (2025). पौधों की ग्रोथ और डेवलपमेंट को बढ़ाने में आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स की क्षमता: एक रिव्यू। <i>फिजियोलॉजिकल एंड मॉलिक्यूलर प्लांट पैथोलॉजी</i> , 102746.	2.8
14	सैनी, एन., और मोना, एस. (2024). भारत में शिव कुंड (सोहना हॉट स्प्रिंग) में रहने वाले थर्मोफिलिक साइनोबैक्टीरियम को पॉलीफेसिक तरीके से अलग करना और पहचानना: बायोटेक्नोलॉजिकल दिलचस्पी, खासकर बायोफ्यूल की क्षमता के लिए अलग-अलग नाइट्रोजन वाले माहौल में बायोप्रोस्पेक्टिंग। <i>एल्गल रिसर्च</i> ,	4.6

	84, 103757.	
15	सैनी, एन., आमिर, एम., खान, जेडए, सिंह, वीके, साह, पी., और मोना, एस. (2024). शॉटगन मेटाजीनोम सीक्वेंसिंग के ज़रिए लदाख, भारत के चुमाथांग हॉट स्प्रिंग के माइक्रोबियल समुदाय में ज़हरीले प्रदूषकों के टूटने की क्षमता को समझना। <i>करेंट माइक्रोबायोलॉजी</i> , 81(12), 430.	2.3
16	शर्मा, ए., मोना, एस., और शर्मा, पी. (2024). मेसोपोरस TO@ CTAB नैनोकंपोजिट का इस्तेमाल करके मिथाइल ऑरेंज और मैलाकाइट ग्रीन को बेहतर तरीके से हटाना: सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेशन, ऑप्टिमाइजेशन और रियल वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट एफिशिएंसी। <i>एनवायर्नमेंटल मॉनिटरिंग एंड असेसमेंट</i> , 196(12), 1219।	2.9
17	शर्मा, ए., शर्मा, पी., दीपक, बी., और मोना, एस. (2024). मिट्टी की सस्टेनेबल क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए एल्गल और एग्री -वेस्ट रेसिड्यू बायोचार का इस्तेमाल: एक रिव्यू। <i>इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी की प्रोसीडिंग्स</i> , 1-10।	1.2
18	33. कुंदन, एस., कुमार, डी., सिंह, जे., और सिंह, बी.पी. (2024)। गंगा के मैदान (वाराणसी) और तटीय क्षेत्र (गोवा), भारत में वायुमंडलीय सीमा परत की तुलनात्मक मौसमी परिवर्तनशीलता। <i>मापन - जर्नल ऑफ मेट्रोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया</i> ।	1.5
19	https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S2589014X24001348	5.3
20	शर्मा, ए., मोना, एस., और शर्मा, पी. (2024). ग्रीनली ने मिथाइल ऑरेंज और मैलाकाइट ग्रीन के एड्सॉर्प्शन के लिए नया माइक्रोपोरस ZnO /GO सिंथेसाइज किया। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल एनालिटिकल केमिस्ट्री</i> , 1-25.	2.6
21	37. चहल, एस., पॉलराज, आर., सिंह, बीपी, और गौतम, एसके (2025). मिट्टी में बोरॉन टॉक्सिसिटी का मूल्यांकन और प्रभावित करने वाले कारक: पानीपत, भारत की सोडिक मिट्टी का एक केस स्टडी। <i>एनवायर्नमेंटल मॉनिटरिंग एंड असेसमेंट</i> , 197(1). https://doi.org/10.1007/s10661-024-13480-7	3
22	शर्मा, ए., मोना, एस., और शर्मा, पी. (2024). सस्टेनेबल सुधार के लिए नैनोमटेरियल: ग्रीनली सिंथेसाइज्ड नए मेसोपोरस ZnO@CTAB नैनोकंपोजिट का इस्तेमाल करके रोडामाइन B और लेड को अच्छे से हटाना। <i>एनवायर्नमेंटल मॉनिटरिंग एंड असेसमेंट</i> , 196(5), 491. doi : 10.1007/s10661-024-12655-6. PMID: 38691183.	3
23	सिंह, BP, (2024). भारत में हवा के प्रदूषण से कुछ समय के लिए राहत के बारे	3.8

	में जानकारी: COVID-19 के बीच और बाद में ग्रीन रिकवरी के लिए एक सिस्टमैटिक रिव्यू <i>MRS एनर्जी एंड सस्टेनेबिलिटी</i> 10.1557/s43581-024-00100-7	
24	सिंह, आर., गुप्ता, आर., बंसल, डी., भटेरिया, आर., और शर्मा, एम. (2024). इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसिंग में हाल के ट्रेंड्स और भविष्य के डेवलपमेंट्स पर एक रिव्यू <i>ACS ओमेगा</i> , 9(7), 7336-7356.	4.1
25	कुमार, एस., दीपक, बी., भुक्ल, एस., और मोना, एस. (2024). बिजनेस सस्टेनेबिलिटी और इन्वेस्टर के नजरिए पर एनवायरनमेंटल सोशल और गवर्नेंस की भूमिका: एक छोटा रिव्यू. <i>ग्रेंज इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (GIJET)</i> , 10.	4.2
26	31. सिंह, बीपी, गुप्ता, जे., जैन, पी., रईश, एम., बिन जरदान, वाईए, और रहमान, एस. (2024). COVID-19 लॉकडाउन के दौरान BTX डायनामिक्स, सोर्स की पहचान और हेल्थ पर पड़ने वाले असर का खुलासा। <i>डिस्कवर पब्लिक हेल्थ</i> , 21(1), 77. https://doi.org/10.1186/s12982-024-00193-y	3.6
27	अवस्थी, एम.के., ड्रेगुलो, ए.एम., यादव, ए., कुमार, वी., सोलंकी, एम.के., गर्ग, वी.के., और सिंधु, आर. (2024). ब्लैक सोल्जर फ्लाई लार्वा का होर्मेसिस: पशुधन खाद रीसाइक्लिंग में प्रभाव और इंटरैक्शन। <i>जर्नल ऑफ़ एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट</i> , 369, 122352. https://doi.org/10.1016/j.jenvman.2024.122352	8.4
28	तिवारी, एम., सिंह, बीपी, खिची, पी., कुमारी, एस., गुप्ता, जे., जैन, पी., और मसीह, जे. (2024). सेमी-एरिड शहरी क्षेत्रों में BTEX कंसंट्रेशन और हेल्थ रिस्क का लॉन्ग-टर्म एनालिसिस। <i>डिस्कवर पब्लिक हेल्थ</i> , 21(1), 147. https://doi.org/10.1186/s12982-024-00269-9	3.6
29	38. सिंह, बीपी, मेहरा, के., चौधरी, के., खन्ना, सी., गौतम, एस., चहल, एस., मसीह, जे., और गुप्ता, जे. (2025). दिल्ली, भारत में महामारी के दौरान मौसम संबंधी मापदंडों और वायु प्रदूषकों के संबंध का स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन पर प्रभाव। <i>डिस्कवर पब्लिक हेल्थ</i> , 22(1), 402. https://doi.org/10.1186/s12982-025-00788-z	3.6
30	पवन कुमार, अनिल कुमार, दीपक कुमार, कल्प भूषण प्रजापति, अंबरीश कुमार महाजन, दीपक पंत, अनूप यादव, आनंद गिरी, सतीश मंडा, सोनिया भंडारी, ऋचा पंजला, पानी के माहौल और इंसानी सेहत पर असर डाल रहे माइक्रोप्लास्टिक: सोर्स, पता लगाना, बांटना, हटाना, खराब होना, मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी और भविष्य का नजरिया। <i>जर्नल ऑफ़ एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट</i> , वॉल्यूम	8.4

	375, 2025, 124249, ISSN 0301-4797, https://doi.org/10.1016/j.jenvman.2025.124249 .	
31	कुमार, पी., उपाध्याय, ई., कन्नन, के., और यादव, ए. (2024). SDGs 7.1.2 को पाने के लिए भारत में खाना पकाने के तरीकों का मूल्यांकन. <i>फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ द अर्थ, पार्ट्स A/B/C</i> , 136, 103774. https://doi.org/10.1016/j.pce.2024.103774 .	6
32	कुमार, बी., सिंह, बीपी, चंद्रा, पी., एट अल. (2024). इंडो-गैंगेटिक बेल्ट पर एरोसोल डिस्ट्रीब्यूशन और ऑप्टिकल डेप्थ का सीजनल वेरिएशन। <i>रशियन मेटियोलॉजी एंड हाइड्रोलॉजी</i> , 49, 896–903. https://doi.org/10.3103/S1068373924100078	0.6
33	कुमार, बी., सिंह, बीपी, चंद्रा, पी., एट अल. (2024). इंडो-गैंगेटिक बेल्ट पर एरोसोल डिस्ट्रीब्यूशन और ऑप्टिकल डेप्थ का सीजनल वेरिएशन। <i>रशियन मेटियोलॉजी एंड हाइड्रोलॉजी</i> , 49, 896–903. https://doi.org/10.3103/S1068373924100078	0.6
34	सैनी, एन., आमिर, एम., सिंह, वीके, दीपक, बी., और मोना, एस. (2023). शॉटगन मेटाजीनोमिक्स अप्रोच के जरिए शिव कुंड, सोहना हॉट स्प्रिंग, इंडिया की माइक्रोबियल डाइवर्सिटी और फंक्शनल डायनामिक्स का खुलासा। <i>आर्कडिक्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी</i> , 205(9), 323.	2.6
35	शर्मा, ए., मित्तल, आर., शर्मा, पी., पाल, के., और मोना, एस. (2023). स्प्रिगलिना के एल्गल एक्सट्रैक्ट का इस्तेमाल करके बायोजेनिक तरीके से सिंथेसाइज किए गए टाइटेनियम ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स द्वारा कैटायनिक और एनायनिक डाई को सोखने वाले तरीके से हटाने के लिए सस्टेनेबल तरीका। <i>नैनोटेक्नोलॉजी</i> , 34(48), 485301.	3.9
36	कुमार, पी., उपाध्याय, ई., कन्नन, के., यादव, ए., (2025). खाना पकाने के ठोस ईंधन से होने वाले उत्सर्जन के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन। एयर क्वालिटी, <i>एटमॉस्फियर और हेल्थ</i> । https://doi.org/10.1007/s11869-025-01754-z	2.9
37	शर्मा, एम., सुजाता, एस., बंसल, डी., और कौशिक, पी. (2023). अपशिष्ट जल निगरानी में एल्गल बायोसेंसर की क्षमता पर मिनी समीक्षा। <i>नैनोसाइंस और नैनोटेक्नोलॉजी-एशिया</i> , 13(4), 24-27.	1.01
38	शर्मा, ए., पाल, के., सैनी, एन., कुमार, एस., बंसल, डी., और मोना, एस. (2023). ग्रीन केमिस्ट्री अप्रोच के जरिए एल्गल नैनोपार्टिकल्स का इस्तेमाल करके वेस्टवॉटर से कंटैमिनेंट्स का रेमेडिएशन: एक ऑर्गनाइज्ड रिव्यू.	3.9

	नैनोटेक्नोलॉजी, 34(35). doi : 10.1088/1361-6528/acd45a. PMID: 37167957.	
39	भुकल , संतोष और शर्मा, अनुज और मित्तल, ऋषि और दिव्या, और कुमार, सुमित और दीपक, बंसल और पाल, कौशिक और शर्मा, डॉ. (2022). क्रिस्टल वायलेट डाई के एड्सॉर्प्टिव रिमूवल के लिए स्फिरुलिना बेस्ड आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स। <i>कैटेलिसिस में टॉपिक्स</i> , 65. 1-11. 10.1007/s11244-022-01640-3.	2.8
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग		
1	पांडे, सी.एस., पांडे, एस.आर., मिश्रा, पी., और पांडे, एस. (2025). ओपन एजुकेशनल रिसोर्स (OERs) में एपिस्टेमिक ट्रस्ट को मापने के लिए एक स्केल डेवलप करना। <i>द इलेक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी</i> , 43(2), 260-279.	1.5
2	पांडे, सी.एस., और पांडे, एस. (2024). भारत में ऑनलाइन सिंक्रोनस टीचिंग माहौल में छात्रों की इमोशनल सेल्फ-इफिकेसी को मापना। <i>अमेरिकन जर्नल ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन</i> , 1-14. https://doi.org/10.1080/08923647.2024.2422667	1.2
3	प्रोग्राम में हिडन करिकुलम और स्टूडेंट अचीवमेंट के बीच के रिश्ते में प्रोफेशनल और कॉन्स्ट्रक्शनल वैल्यूज की मीडिएटिंग भूमिका और सेक्स की मॉडरेटिंग भूमिका की खोज। <i>जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च इन हायर एजुकेशन</i>	1.9
4	बाबू, वाई., मिश्रा, पी., कुमार, ए., पांडे, सी.एस., और पांडे, एस. (2025). ज्ञान-मीमांसा अन्याय और पाठ्यक्रम: न्याय के लिए रणनीति बनाना। <i>सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज ओपन</i> , 11, 101220.	4.3 साइटएससी
5	साहू, एस., पांडे, एस., और मिश्रा, एस. (2024). डिस्टेंस और ऑनलाइन लर्निंग पर साइटेशन क्लासिक्स: एक बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस। <i>ग्लोबल नॉलेज, मेमोरी और कम्युनिकेशन</i>	2.1
6	धडवाल , वाई., कुमार, ए., और पांडे, एस.आर. (2025). तिब्बती महिलाओं में मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रथाएँ: एक नृवंशविज्ञान प्रतिभागी अवलोकन अध्ययन। <i>जर्नल ऑफ फ़ैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर</i> , 14(2), 762-768.	1
7	पांडे, सी.एस., पांडे, एस.आर., मिश्रा, पी., और पांडे, एस. (2025). रिसर्च प्रोडक्टिविटी बढ़ाने में एकेडमिक फ्रीडम की भूमिका: ग्लोबल कॉन्टेक्स्ट में ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स (HDI) के मीडिएटिंग इफेक्ट्स। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्पैरेटिव एजुकेशन एंड डेवलपमेंट</i> , 27(2), 160-174. https://doi.org/10.1108/IJCED-09-2024-0091	1.4

8	पांडे, SR, पांडे, CS, मिश्रा, P., पांडे, S., और कुमार, M. (2025). आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एपिस्टेमिक ट्रस्ट के विकास की मैपिंग: मुख्य थीम, प्रभाव और ग्लोबल ट्रेंड का एक बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस। <i>एस्लिब जर्नल ऑफ़ इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट/एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन</i> । https://doi.org/10.1108/AJIM-11-2024-0898	3.1
9	अशोक, के., गुप्ता, डी.के., और श्रीवास्तव, पी. (2025). रिसर्च डेटा पॉलिसी: लाइब्रेरी और इन्फॉर्मेशन साइंस पब्लिशर्स का नज़रिया। <i>क्वालिटी और क्वांटिटी</i> , 59(2), 995–1016. https://doi.org/10.1007/s11135-024-01994-8	--
10	गुप्ता, डीके, दंडपत, एसएस, अशोक, के., और देवी, एस. (2024). सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स में योगदान देने वाले हार्डरैंकड जर्नल्स के रिसर्च डेटा प्रैक्टिस का एक अध्ययन। <i>एनल्स ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन स्टडीज</i> , 71(4), आर्टिकल 4. https://doi.org/10.56042/alis.v71i4.13403	--
योग विभाग		
1	कुमारी, एम., कुमार, एस., और नवीन. (2024). स्कूल जाने वाले स्टूडेंट्स के साइकोलॉजिकल पैरामीटर्स पर योगिक प्रैक्टिस का असर: एक प्री-पोस्ट स्टडी. <i>जर्नल ऑफ़ शियान यूनिवर्सिटी ऑफ़ आर्किटेक्चर एंड टेक्नोलॉजी</i> , 17, 132–140.	6.121
2	कुमार, पी., और नवीन. (2024). ड्रग एब्यूजर्स के मैनेजमेंट में योग प्रैक्टिस की भूमिका. <i>शोध सारी एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक जर्नल</i> , 4, 328–333.	--
3	कुमार, पी., और नवीन. (2024). योग शास्त्र कॉर्पोरेट सेक्टर में लीडरशिप की भूमिका को कैसे प्रभावित करते हैं. <i>संशोधक</i> , 102–106.	--
4	कुमार, पी., मधु, और नवीन. (2024). योग एक होलिस्टिक लाइफस्टाइल के लिए एक अप्रोच: एक छोटा रिव्यू. <i>विद्यावर्त @ पीयर-रिव्यूड इंटरनेशनल जर्नल, स्पेशल इश्यू</i> , 1, 118–123.	--
5	कुमार, पी., कुलश्रेष्ठ, ए., वैद, एम., और पाल, ए. (2024). योग और योगिक डाइट सेहत और लंबी उम्र बढ़ाने के तरीके: एक साइंटिफिक खोज। <i>अफ्रीकन जर्नल ऑफ़ बायोमेडिकल रिसर्च</i> , 27(3), 4635–4639।	0.15
6	कुमार, पी., रावत, ए., और पाल, ए. (2025). होलिस्टिक हीलिंग में एंपिरिकल इनसाइट्स: योग और ऑरिकुलर एक्जूप्रेसर के ज़रिए क्रोनिक लोअर बैक पेन मैनेजमेंट। <i>अमेरिकन जर्नल ऑफ़ साइकियाट्रिक रिहैबिलिटेशन</i> , 28(5), 1548–7776.	0.134

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ		
कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग		
1	शर्मा, वी., उप्रेती, के., नटराजन, ए.के., जैन, एन., कुमार, एस., बारा, ए.आर., और कुमारी, एस. (2024). बायोगैस उत्पादन के लिए डाउनड्राफ्ट गैसीफिकेशन: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका। <i>जर्नल ऑफ एनर्जी रिसोर्स टेक्नोलॉजी</i> , 146(12)	3
2	जांगिड़, एम., और कुमार, आर. (2025). यूजर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाना: म्यूजिक रिकमेंडेशन में कोल्ड स्टार्ट को एड्रेस करने के लिए एक कंटेंट-बेस्ड रिकमेंडेशन अप्रोच। <i>जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स</i> , 63 (1), 183–204	2.3
3	जांगिड़, एम., और कुमार, आर. (2025). रिकमेंडेशन सिस्टम में कोल्ड स्टार्ट और लॉन्ग टेल चुनौतियों को हल करने के लिए डीप लर्निंग अप्रोच: एक सिस्टमैटिक रिव्यू. <i>मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशन</i> , 84(5), 2293–2325.	3
4	सोलंकी, एस., कुमार, एम., और कुमार, आर. (2025). सोशल नेटवर्क में इन्फॉर्मेशन डिफ्यूजन और कॉम्पिटिटिव इन्फ्लुएंस मैक्समाइजेशन पर एक सर्वे। <i>सोशल नेटवर्क एनालिसिस एंड माइनिंग</i> , 15, आर्टिकल 41, 1–16.	2.3
5	कौर, पी., मिश्रा, ए.एम., गोयल, एन., गुप्ता, एस.के., शंकर, ए., और विरियासितावत, डब्ल्यू. (2024). ऑटोमेटेड लीफ डिजीज डिटेक्शन और क्लासिफिकेशन के लिए एक नई हाइब्रिड CNN मेथोडोलॉजी. <i>एक्सपर्ट सिस्टम्स</i> , 41(7), e13543.	2.3
6	चौधरी, एम., गोयल, एन., गुप्ता, डी., शर्मा, बी., और शर्मा, एन. (2024). मोबिलिटी असिस्टेड UWSN में तेल खनन के दौरान लीकेज का पता लगाने के लिए हाइब्रिड ऑप्टिमाइजेशन का इस्तेमाल करके एक ओशनोग्राफिक डेटा कलेक्शन स्कीम। <i>मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लीकेशन</i> , 1-19	--
7	गुलाटी, एस., गुलेरिया, के., और गोयल, एन. (2024). डीप लर्निंग-आधारित एनसेंबल मॉडल का उपयोग करके नेत्र रोगों का पता लगाना और बहुवर्गीय वर्गीकरण। <i>अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ इंटेल सिस्टम एप्लीकेशन इंजीनियरिंग</i> , 12, 18-29	--
8	अग्रवाल, एम., खुल्लर, वी., रानी, एस., प्रोला, टी.ए., भट्टाचार्य, एस.बी., शॉन, एस.एम., और गोयल, एन. (2024). इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर फेडरेटेड लर्निंग: व्यापक और व्यवस्थित समीक्षा. <i>कंप्यूटर, सामग्री और कॉन्टिनुआ</i> , 79(2).	1.7

9	चावल की पत्तियों की बीमारियों के क्लासिफिकेशन के लिए IoAT पर रिसोर्स-एफिशिएंट फेडरेटेड लर्निंग। <i>कंप्यूटर्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इन एग्रीकल्चर</i> , 221, 1090011	8.9
10	कुमार, एम., गोयल, एन., सिंह, ए.के., कुमार, आर., और राणा, ए.के. (2024). UWSN का उपयोग करके गहरे समुद्र में नोड स्थानीयकरण के लिए कंप्यूटेशन मॉडल का विश्लेषण और प्रदर्शन मूल्यांकन. <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कम्युनिकेशन सिस्टम</i> , 37(11), e5798.	1.8
11	गुडे, डी.के., बंदारी, एच., चल्ला, एकेआर, तस्नीम, एस., तस्नीम, जेड., भट्टाचारजी, एसबी, ... और गोयल, एन. (2024). शहरी स्वच्छता में बदलाव: मशीन लर्निंग-ड्रिवन वेस्ट प्रोसेसिंग के जरिए सस्टेनेबिलिटी को बढ़ाना। <i>सस्टेनेबिलिटी</i> , 16(17), 7626.	3.3
12	सिंह, वाई., औलाख, एन.एस., औलाख, आई.के., भट्टाचारजी, एस.बी., कुमारी, एस., रानी, एस., ... और गोयल, एन. (2024). MRNQ: अंडरवाटर अकूस्टिक सेंसर नेटवर्क में भरोसेमंद कम्युनिकेशन के लिए मशीन लर्निंग-बेस्ड भरोसेमंद नोड क्वेस्टर. <i>पीयर-टू-पीयर नेटवर्किंग और एप्लीकेशन</i> , 17(6), 3688-3702.	2.6
13	नैन, एम., गोयल, एन., धुरंधर, एस.के., दवे, एम., वर्मा, ए.के., और मलिक, ए. (2024). UWSNs में नोड लोकलाइजेशन टेक्नोलॉजी पर एक सर्वे: संभावित समाधान, हालिया तरक्की और भविष्य की दिशाएँ. <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कम्युनिकेशन सिस्टम्स</i> , 37(16), e5915.	1.8
14	गुलाटी, एस., गुलेरिया, के., गोयल, एन., अलजुबी, AA, और कैस्टिला, ए.के. (2024). रेटिनल बीमारियों का पता लगाने के लिए एक प्राइवसी-प्रिजर्विंग कोलैबोरेटिव फेडरेटेड लर्निंग फ्रेमवर्क. <i>IEEE एक्सेस</i> .	3.6
15	गुलाटी, एस., गुलेरिया, के., और गोयल, एन. (2024). डायबिटिक आई डिजीज का पता लगाने के लिए कोलैबोरेटिव, प्राइवसी-प्रिजर्विंग फेडरेटेड लर्निंग फ्रेमवर्क। <i>एसएन कंप्यूटर साइंस</i> , 5(8), 1100.	--
16	हरिहरन, एस., आनंदन, डी., कृष्णमूर्ति, एम., कुकरेजा, वी., गोयल, एन., और चेन, एसवाई (2025). लिवर ट्यूमर डिटेक्शन में एडवांसमेंट्स: विभिन्न डीप लर्निंग मॉडल्स की एक कॉम्प्रिहेंसिव रिव्यू. <i>CMES-कंप्यूटर मॉडलिंग इन इंजीनियरिंग एंड साइंसेज</i> , 142(1).	2.5
17	कुमार, एम., गोयल, एन., कैसी, RMA, नजीम, एम., और गुप्ता, SK (2025). अंडरवाटर वायरलेस सेंसर नेटवर्क में सुरक्षित लोकलाइजेशन के लिए जॉइंट	--

	ट्रस्ट-बेस्ड डिटेक्शन और सिग्नेचर-बेस्ड ऑथेंटिकेशन तकनीक। <i>मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लीकेशन</i> , 1-20.	
18	गुलाटी, एस., गुलेरिया, के., और गोयल, एन. (2025)। नेत्र रोगों का पता लगाने के लिए गोपनीयता-संरक्षण और सहयोगात्मक फ्रेडरेटेड लर्निंग मॉडल। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैथमेटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेज</i> , 10(1)।	--
19	सिंगला, डी., गुप्ता, डी., और गोयल, एन. (2025). सस्टेनेबल बेसिल लीफ डिजीज क्लासिफिकेशन: शहरी और ग्रामीण खेती के लिए ट्रांसफर लर्निंग का इस्तेमाल करके सात डीप लर्निंग मॉडल्स की बेंचमार्किंग। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सस्टेनेबल बिल्डिंग टेक्नोलॉजी एंड अर्बन डेवलपमेंट</i> , 16(1), 141-157.	--
20	पंडित, ए.एम., कुमार, एम., कुमार, एन., गोयल, एन., आहूजा, एस., गुलज़ार, वाई., ... और गुप्ता, आर. (2025). मोबाइल यूडब्ल्यूएसएन में कुशल डेटा एकत्रीकरण के लिए फ़ज़ी निर्णय-आधारित क्लस्टरिंग। <i>कम्प्यूटर, सामग्री और कॉन्टिनुआ</i> , 83(1)।	1.7
21	शर्मा, बी., खुराना, एस., शर्मा, जी., रानी, एस., नांदल, एस.के., चांदी, पी., ... और गोयल, एन. (2025). मल्टीमीडिया एप्लिकेशन को सुरक्षित करने के लिए इवोल्यूशनरी ऑप्टिमाइजेशन के साथ मशीन लर्निंग अप्रोच का इस्तेमाल करके इनोवेटिव एंटी-फ़िशिंग फ्रेमवर्क। <i>मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लिकेशन</i> , 1-28.	--
कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग		
1	तिवारी, ए.के., सैनी, आर., सिंह, पी., सोम, टी., नाथ, ए., और प्रमाणिक, एस. (2024). इन्फॉर्मेशन एन्ट्रॉपी-असिस्टेड इंट्यूशनलिस्टिक फ़ज़ी रफ़ फीचर सबसेट सिलेक्शन. <i>ऑप्टिमाइजेशन</i> , 1-29.	1.8
2	सैनी, ए., गिल, एनएस, गुलिया, पी., तिवारी, ए.के., मराठा, पी., और शाह, एमए (2025). ऑप्टिमाइजेशन इनेबल्ड डीप रेसिडुअल नेटवर्क का इस्तेमाल करके IoT में स्मार्ट क्रॉप डिजीज मॉनिटरिंग सिस्टम। <i>साइंटिफिक रिपोर्ट्स</i> , 15(1), 1456.	3.9
3	कांत, आर., कुमार, बी., मौर्य, एसपी, सिंह, आर., और तिवारी, एके (2024). सिस्मिक इनवर्जन में नॉनलीनियर हाइब्रिड ऑप्टिमाइजेशन एल्गोरिदम की उपयोगिता की खोज: एक तुलनात्मक विश्लेषण। <i>फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ़ द अर्थ</i> , पार्ट्स A/B/C, 136, 103754.	4.1

4	नाथ, ए., पांडे, एस., निसार, के.एस., और तिवारी, ए.के. (2024). ब्लड-ब्रेन बैरियर पेनेट्रेटिंग पेप्टाइड्स के फिजिकोकेमिकल गुणों और सीक्वेंस स्पेस के बारे में जानकारी हासिल करना। <i>इजिप्शियन इंफॉर्मेटिक्स जर्नल</i> , 28, 100557.	4.3
5	घोष, एस., प्रमाणिक, एस., तिवारी, ए.के., निसार, के.एस., कुंडू, एम., और नसीपुरी, एम. (2025). 2pCePd-Net: रेटिनल वेसल सेगमेंटेशन के लिए प्रोबेबिलिटी मैप-बेस्ड बैंड-पास डिफोडर के साथ टू-पाथ क्रॉस-कॉन्टेक्ट एनकोडर। <i>IEEE ट्रांजैक्शन ऑन इंस्ट्रुमेंटेशन एंड मेजरमेंट</i>	5.9
6	त्रिपाठी, एमके, पांडे, एस., तिवारी, ए.के., निसार, केएस, और नाथ, ए. (2025). इंटरप्रेटेबल एन्सेम्बल लर्निंग के ज़रिए केमिकल इकोटॉक्सिसिटी को समझना. <i>ऐन शम्स इंजीनियरिंग जर्नल</i> , 16(9), 103574.	5.9
8	जेटर, एस., ओसुचोव्स्की, जे., कसाना, एसएस, शेल्ले, एनए, और टोमाज़ेव्स्की, एम. (2025). मल्टी-साइडेड फोटोवोल्टिक सिस्टम में एनर्जी जेनरेशन: प्रेडिक्शन इफेक्टिवनेस का एनालिसिस। <i>रिन्यूएबल एनर्जी</i> , 251, 1–17. https://doi.org/10.1016/j.renene.2025.123325	9
9	कसाना, एस.एस., और राठौर, ए.एस. (2024). आलू की बीमारी का जल्दी पता लगाने के लिए अटेंशन-बेस्ड लाइट वेट डीप लर्निंग मॉडल्स। <i>एप्लाइड साइंसेज</i> , 14(17), 8038. https://doi.org/10.3390/app14178038	2.5
10	शाक्य, ए., और आर्य, एस. (2025). बिजली ऊर्जा पूर्वानुमान विश्लेषण के माध्यम से तापमान और आर्द्रता के स्तर को बनाए रखने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण की खोजपूर्ण डेटा जांच। <i>इंडियन जर्नल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन</i> , 48(2), 322–323.	--
11	दहिया, पी., और आर्य, एस. (2025). डीप लर्निंग के माध्यम से जावा प्लम लीफ रोग की पहचान. <i>इंडियन जर्नल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन</i> , 48(1), 334–335.	--
12	सैनी, ए., गिल, एनएस, गुलिया, पी., तिवारी, ए.के., मराठा, पी., और शाह, एमए (2025). ऑप्टिमाइजेशन इनेबलड डीप रेसिडुअल नेटवर्क का इस्तेमाल करके IoT में स्मार्ट क्रॉप डिजीज मॉनिटरिंग सिस्टम। <i>साइंटिफिक रिपोर्ट्स</i> , 15(1), 1456.	3.9
13	सेर्न, ए.एल.बी., रामली, एन.ए., मुस्तफा, डब्ल्यू.एम.आर.डब्ल्यू., और आर्य, एस. (2025). यू.ए.वी. मल्टीस्पेक्ट्रल इमेज से ऑयल पाम डिटेक्शन और हेल्थ क्लासिफिकेशन, यू ओनली लुक वन्स (YOLO) का उपयोग करके। <i>सेमारक</i>	--

	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजीनियरिंग, 6(1), 19-37.	
14	आर्य, एस., और अंजू, NAR लॉन्ग-टर्म मेमोरी और मशीन लर्निंग मॉडल का इस्तेमाल करके इंटरनेशनल चावल प्रोडक्शन का अनुमान। <i>Int J Inf & Commun Technol</i> ISSN, 2252(8776), 8776.	--
15	सूरज आर्य, ए., और रामली, NA (2024). सुपरवाइज्ड मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क (ANN) का इस्तेमाल करके स्टूडेंट्स के स्ट्रेस लेवल का अनुमान लगाना। <i>इंडियन जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग</i> , 21, e9ije1684.	--
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग		
1	अजय कुमार बंसल, मुरलीधर नायक भुक्का और वर्तिका अग्रवाल (2024), “भारत में सतत विकास के लिए नवीकरणीय ऊर्जा: प्रमुख मुद्दे और चुनौतियाँ”, <i>ग्रेंज इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (जीआईजेईटी)</i> , खंड 10, अंक 2, भाग 3, 2110-2125।	--
2	बंसल, ए.के., संगतानी, वी.एस., और भुक्का, एम.एन. (2024). हनी बैजर एल्गोरिदम का इस्तेमाल करके भविष्य के घरों के इस्तेमाल के लिए हाइब्रिड नैनोग्रिड का सबसे अच्छा कॉन्फिगरेशन और सेंसिटिविटी एनालिसिस। <i>एनर्जी कन्वर्जन एंड मैनेजमेंट</i> , 315, 118784	10.9
3	चौहान, जीएस, सक्सेना, ए., नाहटा, आर., और मीना, वाईके (2024). फाइन-ग्रेन्ड सेंटिमेंट एनालिसिस और इवैल्यूएशन में LSTM का इस्तेमाल करके एस्पेक्ट एक्सट्रैक्शन के लिए हायरार्किकल अटेंशन। <i>एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग</i> , 167, 112408।	6.6
4	सैनी, एम., गौतम, डीडी, सैनी, एस., एट अल. (2024). पावर क्वालिटी बढ़ाने के लिए सोलर कनेक्टेड सिस्टम का इस्तेमाल करने वाले मल्टी-कोइल EV चार्जर के लिए पैसिव फिल्टर का इस्तेमाल। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्राइव सिस्टम्स (IJPEDS)</i> , 15(3), 1818–1825. https://doi.org/10.11591/ijpeds.v15.i3.pp1818-1825	--
5	किशोर, आई., मामोदिया, यू., सैनी, एस., और बोसौफी, बी. (2025). वॉइस-इनेबल्ड ह्यूमन-रोबोट इंटरैक्शन: बेहतर सहयोग के लिए अडैप्टिव सेल्फ-लर्निंग सिस्टम। <i>रोबोटिका</i> , 1–29. doi:10.1017/S0263574725000438	2.6
6	जेराल्ड प्रसाद, जी., प्रभु, एस., वल्ली माथिल, वी., और सैनी, एस. (2025). निमोनिया की पहचान के क्लासिफिकेशन के लिए ऑप्टिमाइज्ड डबल	7.6

	ट्रांसफॉर्मर रेसिडुअल सुपर-रिजॉल्यूशन नेटवर्क-बेस्ड एक्स-रे इमेज। <i>नॉलेज-बेस्ड सिस्टम्स</i> , 311, 113037. https://doi.org/10.1016/j.knosys.2025.113037	
7	यादव, आर., मानस, एम., और दुबे, आर.के. (2024). ऑगमेंटेड एडिप्टिव एक्सटेंडेड कलमन फिल्टर का इस्तेमाल करके इलेक्ट्रिक गाड़ियों में लिथियम-आयन बैटरी के लिए स्टेट-ऑफ-चार्ज एस्टिमेशन में बेहतर एक्यूरेसी। <i>ई-प्राइम - एडवांसेज इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड एनर्जी</i> , 10, 100868. https://doi.org/10.1016/j.prime.2024.100868 .	--
8	शर्मा, एस., शर्मा, डी.डी., शर्मा, ए., और मानस, एम. (2025). बेहतर फीचर सेट के साथ फसल वर्गीकरण के लिए BUBMO-आधारित Bi-GRU-CNN मॉडल: एक बिगडेटा परिप्रेक्ष्य। <i>नेटवर्क: न्यूरल सिस्टम में कम्प्यूटेशन</i> , 1–36. https://doi.org/10.1080/0954898X.2025.2503791	1.6
9	श्रीवास्तव, ए., मानस, एम., और दुबे, आर.के. (2024). इलेक्ट्रिक गाड़ियों के साथ पावर सिस्टम का इंटीग्रेशन: पावर क्वालिटी पर असर और उससे जुड़े सुधारों का एक पूरा रिव्यू। <i>इलेक्ट्रिक पावर सिस्टम रिसर्च</i> , 234, 110572. https://doi.org/10.1016/j.epsr.2024.110572 .	4.2
10	श्रीवास्तव, ए., मानस, एम., और दुबे, आर.के. (2024). ऑप्टिमल इलेक्ट्रिकल व्हीकल-टू-ग्रिड इंटीग्रेशन: मॉडल प्रेडिक्टिव कंट्रोलर बेस्ड बाईडायरेक्शनल पावर मैनेजमेंट स्कीम के साथ थ्री-फेज थ्री-लेवल AC/DC कनवर्टर। <i>इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग</i> https://doi.org/10.1007/s00202-024-02383-y	2.76
11	मदसामी, पी., रामबाबू, एम., तिलक बाबू, एस., कोष्ठी, डी., कामोजी, एस., और दुबे, आर.के. (2025). EEE सिस्टम में रियल-टाइम पावर ग्रिड स्टेबिलिटी एनालिसिस के लिए न्यूरल नेटवर्क। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायरनमेंटल साइंसेज</i> , 11 (4), 287–293।	3.1
12	श्रीवास्तव, ए., मानस, एम., और दुबे, आर.के. (2024). इलेक्ट्रिक गाड़ी के साथ पावर सिस्टम का इंटीग्रेशन: पावर क्वालिटी पर असर और उससे जुड़े सुधारों का एक पूरा रिव्यू। <i>जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रिक पावर सिस्टम्स रिसर्च</i> , 234, 1–18. https://doi.org/10.1016/j.epsr.2024.110572	3.3
13	बंसल, ए.के., भुक्का, एम.एन., और अग्रवाल, वी. (2024). भारत में सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए रिन्यूएबल एनर्जी: मुख्य मुद्दे और चुनौतियाँ। <i>ग्रेंज इंटरनेशनल</i>	--

	जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (GIJET), 10 (2, पार्ट 3), 2110–2125.	
14	बंसल, ए.के., संगतानी, वी.एस., और भुक्क्या, एम.एन. (2024). हनी बैजर एल्गोरिदम का इस्तेमाल करके भविष्य के घरों के इस्तेमाल के लिए हाइब्रिड नैनोग्रिड का सबसे अच्छा कॉन्फिगरेशन और सेंसिटिविटी एनालिसिस। <i>एनर्जी कन्वर्जन एंड मैनेजमेंट</i> , 315, 118784.	10.9
सिविल अभियांत्रिकी विभाग		
1	जिंदल, ए., आर.एन., जी. रानसिचुंग, कुमार, पी., कुमार, वी. और राणा, डी. (2023). वोलास्टोनाइट माइक्रो-फाइबर वाले सेल्फ-कॉम्पैक्टिंग कंक्रीट वाले कंक्रीट पेवमेंट के रिहैबिलिटेशन की संभावनाएं। <i>सिविल इंजीनियरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जर्नल</i> , 56(2), 221-233. doi : 10.22059/cej.2023.341456.1828	1
2	कुमार, वी., प्रियदर्शी, ए., चंद्रा, एस., जिंदल, ए. और राणा, डी. (2023). एक्सपेरिमेंट और न्यूरल मॉडल के ज़रिए जियोग्रिड और जियोसेल से मज़बूत किए गए राफ्ट का बिहेवियरल स्टडी। <i>सिविल इंजीनियरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जर्नल</i> , 56(2), 321-332. doi : 10.22059/cej.2023.343951.1847	1
3	जिंदल, ए., मेहरा, डी., और तेहरान यूनिवर्सिटी. (2024). कंक्रीट में इंटरनल क्रयोरिंग एजेंट के तौर पर SAP को शामिल करने के असर, एक रिव्यू. <i>सिविल इंजीनियरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जर्नल</i> , 1–13. https://doi.org/10.22059/cej.2024.361854.1947	1
4	कुमार, ए., कुमार, ए., प्रियदर्शी, ए., कुमार, वी., और अन्य। (2024)। भारत के उत्तर बिहार में फुटपाथ पर बाढ़ के विनाशकारी प्रभाव पर अध्ययन। <i>डिजास्टर एडवांस</i> , 17(9), 25–32। https://doi.org/10.25303/179da025032	--
5	प्रियदर्शी, ए., कुमार, वी., शर्मा, के. और अन्य। पाइल राफ्ट फाउंडेशन में लोड शेयरिंग पर स्टडी। <i>मल्टीस्केल और मल्टीडिसिप्लिन। मॉडल। एक्सप. और डिजाइन</i> 7, 3005–3015 (2024)। https://doi.org/10.1007/s41939-024-00380-z	2
6	सिंह, एन., प्रियदर्शी, ए., चंद्रा, एस. और अन्य। फाइबर और सीमेंट के साथ मिक्स MSWIA के स्ट्रेथ बिहेवियर के लिए प्रेडिक्शन मॉडल का डेवलपमेंट। <i>मल्टीस्केल और मल्टीडिसिप्लिन। मॉडल। एक्सप. और डिजाइन</i> 8, 11 (2025)। https://doi.org/10.1007/s41939-024-00595-0	2

7	कुमार, एस., पाढ़ी, एस., और कुमार, एन. (2025). गढ़वाल हिमालय, उत्तराखंड, भारत के नीचे 2D शियर वेव्स वेलोसिटी ($\{\{\varvec{V}\}\}$ $_{\{\{\varvec{s}\}\}}$ स्ट्रक्चर की जांच, माइक्रोट्रेमर H/V स्पेक्ट्रल रेश्यो और सरफेस वेव डिस्पर्सन मेज़रमेंट का इस्तेमाल करके। <i>जर्नल ऑफ़ सीस्मोलॉजी</i> , 29(2), 419-437.	2
मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग		
1	कुमारी, एस., और बूरा, एस. (2024). PET/PE और BOPP/CPP लैमिनेट स्ट्रक्चर की ऑप्टिमम बैरियर प्रॉपर्टीज की तुलना। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड एप्लीकेशंस इन इंजीनियरिंग (IJISAE)</i> , 12(22s), 1498–1503. https://www.ijisae.org	--
2	कुमारी, एस., बूरा, एस., और नाइक, जी. (2024). प्रिंटिंग और पैकेजिंग इंडस्ट्री में प्रोसेस वेस्टेज को कम करके प्रिंट प्रोडक्शन को बढ़ाना। <i>जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स</i> , 20(10s), 3407–3414.	--
3	बूरा, एस., और बराल, ए.के. (2022). ड्रॉप-ऑन-डिमांड (DOD) और कंटीन्यूअस इंक्जेट (CIJ) प्रिंटिंग में प्रिंट क्वालिटी से जुड़े अलग-अलग फैक्टर्स का रिव्यू। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स एंड रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग</i> , 9(3), 541–548.	--
सतत अध्ययन पीठ		
खुदरा एवं रसद प्रबंधन		
व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग		
1	कौर, आर., यादव, एस., और मिश्रा, एस. (2024), लोगों को ग्रीन प्रोडक्ट्स खरीदने के लिए क्या प्रेरित करता है? : एक उभरते हुए मार्केट से एंपिरिकल सबूत, बिज़नेस स्ट्रेटेजी एंड डेवलपमेंट, 7(3), e70001. (विली पब्लिशर्स , स्कोपस इंडेक्स्ड और UGC केयर लिस्टेड जर्नल, IF: 4.8. DOI: https://doi.org/10.1002/bsd2.70001	--
2	यादव, एस., कौर, आर., और मिश्रा, एस. (2024), ग्रीन मार्केटिंग: सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने का एक तरीका, एशियन जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट, 15(2):153-8. (पीयर रिव्यूड जर्नल। DOI: 10.52711/2321-5763.2024.00025	--

3	कौर, आर., सिंह, ए.पी., और मिश्रा, एस. (2025). फाइनेंशियल इन्क्लूजन के लिए PMJDY इंडेक्स के जरिए इकोनॉमिक डेवलपमेंट का अनुमान लगाना: भारत से सबूत, इंडियन जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन कैपिटल मार्केट्स , 12(1), पेज-8-26. (पीयर रिव्यूड रेफ़रीड जर्नल). DOI: https://doi.org/10.17010/ijrcm/2025/v12i1/175088	--
4	यादव, जे., कौर, आर., और मिश्रा, एस. (2024), हरियाणा में स्वयं सहायता समूहों के प्रति SHG के सदस्यों के रवैये का मापन, AMC इंडियन जर्नल ऑफ़ एंटरप्रेन्योरशिप , 7(2), 54-69 (पीयर रिव्यूड रेफ़रीड जर्नल)। DOI: https://doi.org/10.17010/amcije/2024/v7i2/174824	--
5	कौर, आर., सिंह, ए.पी., और मिश्रा, एस. (2025), वित्तीय साक्षरता और वित्तीय समावेशन के बीच संबंध का मानचित्रण: ऑनलाइन बैंकिंग के मध्यस्थ प्रभाव और आय के मध्यस्थ प्रभाव का मूल्यांकन, जर्नल ऑफ़ पब्लिक अफेयर्स , ऑनलाइन प्रकाशित, (विली प्रकाशक , स्कोपस इंडेक्स्ड और यूजीसी केयर सूचीबद्ध, ABDC-कैट 'B', IF: 1.8. DOI: https://doi.org/10.1002/bsd2.70001	--
शिक्षा पीठ		
शिक्षक शिक्षा विभाग		
1	कुमार, संजय और कुमार देवेन्द्र (2025). दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद में सामाजिक पहलू: एक समीक्षा, 2 (3), 2644-647.	--
2	यादव, ए., और यादव, आर. (2024). होने वाले टीचर एजुकेटर्स के बीच एकेडमिक अचीवमेंट और हाई-ऑर्डर थिंकिंग स्किल्स पर फ़्लिपड लर्निंग का असर। <i>जर्नल ऑफ़ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट</i> , 16(28), 310-327. UGC नंबर 41042	--
3	कुमार, अजय और कुमार, देवेन्द्र (2025)। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले में उच्चतर माध्यमिक छात्रों के स्ट्रीम-वार और श्रेणी-वार नामांकन रुझान। <i>आईजेएफएमआर</i> . 7(3).	--
4	कुमार, देवेन्द्र और कुमार, अजय (2025). कॉलेज के छात्रों में भावनात्मक परिपक्वता और घर का माहौल। <i>कॉन्फ्लुएंस ऑफ़ नॉलेज में</i> , 12(01), 1-7	--
5	राज कुमार, आर., बल्ला, आर., चहल, डी., यादव, आर., मंजर, एस., कदैयान , आर., और सिंह, जी.टी. (2025). इवैल्यूएशन के लिए डेटा एनालिटिक्स और	--

	AI का इस्तेमाल करके डिजिटल एनवायरनमेंट बनाना: एक कॉन्सेप्टुअल स्टडी. <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायरनमेंटल साइंसेज</i> , 11(18s), 3435–3444. https://www.theaspd.com/ijes.php	
6	बोहरे, के., और चहल, डी. (2025). साइंस एजुकेशन में आर्ट-इंटीग्रेशन: 5E इंस्ट्रक्शनल मॉडल के ज़रिए एक कंस्ट्रक्टिविस्ट अप्रोच. <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल साइंस रिसर्च</i> , 2(4), 250–257.	--
7	भट, TA, और चहल, D. (2025). करियर मैच्योरिटी के प्रेडिक्टर के तौर पर सोशियो-इमोशनल कॉम्पिटेंस: सेकेंडरी स्कूल के स्टूडेंट्स से मिली जानकारी। <i>InSPA जर्नल ऑफ़ एप्लाइड एंड स्कूल साइकोलॉजी</i> , 6(स्पेशल इश्यू), 331–339।	--
8	भट, टीए, और चहल, डी. (2023). जगह और एकेडमिक अचीवमेंट की रोशनी में किशोरों की सोशियो-इमोशनल काबिलियत को समझना। <i>TOJDEL: ऑनलाइन जर्नल ऑफ़ डिस्टेंस एजुकेशन एंड ई-लर्निंग</i> , 11(4), 3123–3129.	--
9	भट, टी.ए., और चहल, डी. (2024). भारत में सामाजिक पदानुक्रम को नया आकार देना: जाति और समुदाय की बदलती गतिशीलता की खोज. <i>सोशल एक्शन</i> , 74(2), 140–151.	--
10	भट, TA, और चहल, D. (2023). स्टूडेंट की भलाई के लिए सोशियो-इमोशनल कॉम्पिटेंस का महत्व: लिटरेचर का रिव्यू। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल स्टडीज़ एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिव्यू</i> , 1(2), 48–55.	--
11	भट, TA, और चहल, D. (2023). इमोशनल इंटेलिजेंस की पावर: मुख्य कॉन्सेप्ट्स का ओवरव्यू और एनालिसिस। <i>द एकेडमिक: एन ऑनलाइन पीयर रिव्यूड / रेफरीड जर्नल</i> , 1(2), 662–672. 2583-973X.	3.67
12	भट, टीए, और चहल, डी. (2022). स्ट्रीम और एकेडमिक अचीवमेंट के लेवल के हिसाब से किशोरों में सोशल कॉम्पिटेंस। <i>शोधसंहिता : जर्नल ऑफ़ फंडामेंटल एंड कम्परेटिव रिसर्च</i> , 8(1), 105–111.	--
13	भट, TA, और चहल, D. (2022). मेंटल हेल्थ के संबंध में किशोरों में सोशियो-इमोशनल कॉम्पिटेंस की एक स्टडी। <i>रवींद्र भारती जर्नल ऑफ़ फिलॉसफी</i> , 23(6), 20–24.	--
14	चहल, डी. (2022). सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ हरियाणा के गोद लिए गए गांवों के स्कूल टीचरों में मानवाधिकारों के बारे में जागरूकता। <i>जर्नल ऑफ़ एजुकेशन</i> :	--

	रवींद्र भारती यूनिवर्सिटी, 24(1).119–122.	
15	खान, बी.ए., और चहल, डी. (2023). भारतीय शिक्षा का पुनर्गठन: NEP 2020 “नए भारत की ओर एक सुबहा” इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च पब्लिकेशन एंड सेमिनार, 14(1), 322–328.	--
16	खान, बी.ए., और चहल, डी. (2024). NCTE-2014 के संदर्भ में जम्मू और कश्मीर में शिक्षक शिक्षा संस्थानों का अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड रिव्यू, 11(2), 215–222.	--
17	दहिया, एस., और चहल, डी. (2018). समावेशी शिक्षा: शिक्षार्थी और शिक्षक. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंसेज, 8(5), 754–762.	7.081
18	चहल, डी., और कुमार, आर. (2019). टीचिंग के कंस्ट्रक्टिविस्ट अप्रोच के ज़रिए असरदार लर्निंग आउटकम। ऑनलाइन इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल, 9(स्पेशल इश्यू 3), 94–99।	--
19	कुमारी, पी., और चहल, डी. (2020). सामाजिक-आर्थिक स्थिति के संबंध में सरकारी प्राथमिक स्कूल में बच्चों के नामांकन का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च, 9(2), 4875–4880।	--
20	चहल, डी., और कुमार, आर. (2022). पुरुष और महिला स्टूडेंट-टीचर के बीच बाल अधिकार शिक्षा के बारे में जागरूकता का एक अध्ययन। जर्नल ऑफ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी, 6(3), 2459–2463.	--
21	कुमारी, पी., और चहल, डी. (2020). सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ हरियाणा के गोद लिए गए गांवों में सरकारी एलिमेंट्री स्कूलों में ऑनलाइन टीचिंग के असर का एक इवैल्यूएटिव स्टडी। आलोचना चक्र जर्नल, 9(6), 4591–4615.	--
22	महेन्द्रगढ़ जिले में RTE एक्ट, 2009 के तहत निभाई गई भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर शिक्षकों की सोच का एक एंपिरिकल अध्ययन। एजुकेशन इंडिया: डायलॉग्स ऑन एजुकेशन का एक क्वार्टरली रेफरीड जर्नल, 11(3), 1–15।	--
23	चहल, डी., और कुमार, आर. (2022). COVID-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा की प्लानिंग, मैनेजमेंट और उससे निपटने के संबंध में हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन के टीचर्स पर एक स्टडी। एजुकेशन इंडिया: डायलॉग्स ऑन एजुकेशन का एक क्वार्टरली रेफरीड जर्नल, 11(1), 1-7.	--
24	चहल, डी., और कुमार, आर. (2017). बच्चों के एजुकेशनल अधिकार: मुद्दे, चुनौतियाँ और समाधान: आज़ाद भारत का सफ़र. एजुकेशनल क्वेस्ट: एन	--

	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड एप्लाइड सोशल साइंस, 8(2), 1-6.	
25	चहल, डी., और कुमार, आर. (2017). शिक्षा के अधिकार तक पहुँचने में हाशिए पर रहने वाले बच्चों के माता-पिता के सामने आने वाली चुनौतियों का एक खोजपूर्ण अध्ययन। <i>एकेडमिक सोशल रिसर्च</i> , 3(4), 64-68।	--
26	चहल, डी., और कुमार, आर. (2017). बच्चों के स्वास्थ्य और देखभाल से जुड़े अधिकारों के प्रति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के माता-पिता के रवैये को समझना। <i>एजुकेशनल क्वेस्ट: एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड एप्लाइड सोशल साइंस</i> , 8(3), 1-5.	--
27	मोहिंदरगढ़ जिले के सरकारी एलिमेंट्री स्कूल में लो लेवल लर्निंग आउटकम को लेकर माता-पिता की चिंता। <i>IAHRW इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज रिव्यू</i> , 7(6), 1851-1855।	2.72
28	कुमारी, एम., और चहल, डी. (2015). असरदार टीचर एजुकेशन के लिए इन्फॉर्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च</i> , 2(10), 1-4. http://www.allsubjectjournal.com	5.742
29	खान, बी.ए., और चहल, डी. (2022). कश्मीर में कोविड-19 और टीचर एजुकेशन: एक खोजपूर्ण स्टडी. <i>रवींद्र भारती जर्नल ऑफ फिलॉसफी</i> , 30(15), 150-152	--
30	चहल, डी., और मनन, एमएम (2018). श्रीनगर जिले में एलिमेंट्री लेवल पर स्टूडेंट्स के टोटल एनरोलमेंट और रिटेंशन पर मिड-डे मील स्कीम का असर। <i>संस्कृति इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल</i> , 3(3), 1-6. http://www.simrj.org.in	--
31	बाला, आई., बाला, ए. और सिंह, ए (2024). शिक्षा के शुरुआती सालों में उभरती साक्षरता. <i>द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी</i> , 12(3), 1831-1838	--
32	किशोर, एन. (2024) प्राचीन भारत में विद्या के स्वरूप और विविधता गरीबी की वर्तमान में प्रांसगिकता , <i>स्वदेशी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ज्ञान परम्परा एवं धारणक्षम विकास , शैक्षिक प्रकोष्ठ</i> ,266-269	--
33	त्यागी, जे., और किशोर, एन. (2024). कॉम्पिटेन्सी-बेस्ड एजुकेशन के लिए इनोवेटिव पेडागॉजिकल स्ट्रेटेजी: एक ट्रांसफॉर्मेटिव टेक्नीक के तौर पर माइंड मैपिंग की खोज। <i>“विज्ञान विकसित भारत @2047: इनोवेटिव पेडागॉजिकल</i>	--

	इंटरवेंशन के ज़रिए कॉम्पिटेंसी-बेस्ड एजुकेशन को बढ़ाना” पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की प्रोसीडिंग्स में(pp124)। फैकल्टी ऑफ एजुकेशन (AIBAS & AIE), एमिटी यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश, नोएडा, इंडिया। ISBN 978-93-341-7235-5.	
34	डैश, एल., और किशोर, एन. (2024). एक पूरी समीक्षा: पर्सनलाइज्ड, लर्नर-सेंटेर्ड लर्निंग के लिए नई एजुकेशनल स्ट्रेटेजी के ज़रिए कॉम्पिटेंसी-बेस्ड एजुकेशन को बेहतर बनाना। ICSSR स्पॉन्सर्ड कॉन्फ्रेंस “विज्ञान विकसित भारत@2047: इनोवेटिव एजुकेशनल इंटरवेंशन के ज़रिए कॉम्पिटेंसी-बेस्ड एजुकेशन को बेहतर बनाना” की प्रोसीडिंग्स में pp147-175	--
35	लता, आर और किशोर, एन. (2005). जर्नल ऑफ एजुकेशनल और साइकोलॉजिकल रिसर्च, 15(1), 2230-9586,164-68	--
36	रानी, एस. और किशोर, एन. (2025) भारतीय ज्ञान परंपरा और समकालीन शिक्षा व्यवस्था में गणित को शहरी करना (विशेष सन्दर्भ : वैदिक गणित का महत्व) ई-चेतना इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन , 2455-8729,38-41 सीआईजेई 2 0 2 5 1 0 1 1 0 8 4	8.9
37	किशोर, एन., सविता, के., और प्रकाश, जे. (2024). भारतीय ज्ञान परंपरा में हरियाणवी लोक पैरों का महत्व । न्यू होराइजन्स: ए मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल , XXI 85-97 https://doi.org/2277-5218	--
38	सचान पी. और किशोर एन. (फरवरी, 2025). ITEP टीचर एजुकेशन प्रोग्राम में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर आधारित करिकुलम, जर्नल ऑफ एजुकेशनल एंड साइकोलॉजिकल रिसर्च, 15(1), 2230-9586	--
39	किशोर, एन., सविता, के., और प्रकाश, जे. (2024). लोकगीतों के ज़रिए पर्सनैलिटी डेवलपमेंट और कैरेक्टर बिल्डिंग: कल्चरल वैल्यू, नैतिक सबक और सोशल असर. चेतना इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन (CIJE), 9(3), 71–79.	8.9
40	किशोर, एन. (2024) भारतीय ज्ञान परम्परा और रामायण की प्रमुख शिक्षाएं सोध सविति अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी समीक्षित रेफरीड जर्नल 1(2)3048-6785,181-190	--
41	यादव, ए., और चौधरी, सी. (2025). भारत के प्राचीन कहानी साहित्य का उपयोग: प्रारंभिक शिक्षा में सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा के लिए कहानी सुनाने की शिक्षा। जर्नल ऑफ एजुकेशनल एंड साइकोलॉजिकल रिसर्च, 15(1), 117–128.	--

42	यादव, ए., और यादव, ए. (2025). हायर एजुकेशन में टीचर-स्टूडेंट रिलेशनशिप के बारे में स्टूडेंट्स की सोच। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज</i> , 15(2), 204-212.	--
43	ढांडा, डी., यादव, ए., और सिंह, जी. (2025). लर्निंग स्टाइल से ई-लर्निंग स्टाइल तक: डिजिटल युग में एक बड़ा बदलाव। <i>इंटीग्रेटेड जर्नल फॉर रिसर्च इन आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज</i> , 5(2), 303–310. https://doi.org/10.55544/ijrah.5.2.41	--
44	मुस्कान, बिश्रोई, एन. और सिंह, ए. (2025). रचनात्मक शिक्षण के संबंध में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का शिक्षण दृष्टिकोण। <i>अभिनव अनुसंधान विचार</i> , 11(2), 55-62.	--
45	भट्टाचार्य, ए. और यादव, आर. (2025). प्रोफेशनल प्रोग्राम्स में खुशी के संकट की जांच: भारत में प्रोफेशनल प्रोग्राम्स में एनरोल्ड स्टूडेंट्स की भलाई के लिए एक संभावित समाधान। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी</i> , 13(3), 065-077. DIP:18.01.006.20251303, DOI:10.25215/1303.006	--
46	राजोरा, आर.के., और यादव, आर. (2024). कल्चरल एंटरप्रेन्योरशिप इनिशिएटिव्स का कॉम्प्रिहेंसिव रिव्यू: TVET प्रोग्राम्स से मिली जानकारी जो लड़कियों को एम्पावर कर रही है। <i>जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन</i> , 50(1), पेज 119-138. http://ejournals.ncert.gov.in/index.php/jie/article/view/4383	--
47	अजगर, ए., और यादव, आर. (2024). हायर एजुकेशन में आदिवासी छात्रों की ऑर्गेनाइजेशनल कल्चर और एजुकेशनल उम्मीदें। <i>स्टडीज इन हायर एजुकेशन</i> , 1–18. https://doi.org/10.1080/03075079.2024.2429625	3.7
शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग		
1	पी, के., अहलावत, आरपी, भुकर, जे., कुमार, पी., दुल, एस., सिंह, जी., एल, ए., और पी, केटी (2024). फिजिकल एजुकेशन करिकुलम में जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स में जरूरी प्रैक्टिकल सेशन को शामिल करना: एक केस स्टडी. <i>इंडोनेशियन जर्नल ऑफ स्पोर्ट, हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन साइंस</i> , 2(3), 106–109. https://doi.org/10.58723/inasport.v2i3.263	--
2	अहमद, जेबी, भुकर, जेपी, और टैली, टीए (2024). क्या आधुनिक युग दुनिया भर में बढ़ती आबादी में हृदय संबंधी बीमारियों को रोकता है: एक व्यापक समीक्षा। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स</i> , 12(8), C586–	--

	C596. http://www.ijcrt.org/papers/IJCRT2408281.pdf	
3	देसवाल एस., अहलावत. (2023). भारत में कॉलेज की लड़कियों में इमोशनल इंटेलिजेंस और खास स्पोर्ट्स अचीवमेंट के बीच संबंध का अध्ययन. <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च</i> , 12(5), 2015-2019. https://doi.org/10.21275/SR23522162246 .	--
4	देसवाल, एस., और अहलावत, आर.पी. (2024). भारतीय खिलाड़ियों में लीडरशिप क्वालिटी के विकास पर गेम्स और स्पोर्ट्स का असर। <i>यूरोपियन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट साइंस</i> , 11 (8)।	--
5	देसवाल, एस., और अहलावत, आर.पी. (2025). पुरुष भारतीय एथलीटों के बीच ग्रुप कोहेजन डेवलपमेंट पर गेम्स और स्पोर्ट्स का प्रभाव। <i>यूरोपियन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट साइंस</i> , 12 (6)।	--
6	देसवाल, एस., और अहलावत, आरपी (2024). भारत में कॉलेज के लड़के और लड़कियों की इमोशनल इंटेलिजेंस पर गेम्स और स्पोर्ट्स का असर। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन</i> , 6 (2), 124-127. https://doi.org/10.33545/26647559.2024.v6.i2b.156	--
7	देसवाल, एस., और अहलावत, आरपी (2024). भारत में कॉलेज के लड़कों में इमोशनल इंटेलिजेंस और खास स्पोर्ट्स अचीवमेंट के बीच संबंध का अध्ययन। <i>यूरोपियन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट साइंस</i> , 11 (4). https://doi.org/10.XXXX/ejpess.2024.11.4	--
8	कुशवाहा, एन. के.एस. , सिंह , जी., माथुर, एच.के., अमित, साग्रे, एस., अहलावत, आर.पी., और भूकर , जे. (2025). स्कूली छात्रों के बीच बॉडी कंपोजिशन मेट्रिक्स पर सर्किट ट्रेनिंग का प्रभाव. <i>स्पोर्ट्स साइंस एंड हेल्थ एडवांसेज</i> , 3(1), 435-439.	--
9	पी, के., अहलावत, आर.पी., भुकर , जे., कुमार, पी., दुल , एस., सिंह, जी., एल, ए., और पी, के.टी. (2024). फिजिकल एजुकेशन करिकुलम में जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स में जरूरी प्रैक्टिकल सेशन को शामिल करना: एक केस स्टडी। <i>इंडोनेशियन जर्नल ऑफ स्पोर्ट, हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन साइंस</i> , 2(3), 106–109।	--
10	कौशिक, एच., और भूकर , जे. ब्रेन-गट मसल कनेक्शन: फिजिकल एक्टिविटी के लिए एक नया प्रतिमान (2025)। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (IJSSR) वॉल्यूम- 2, अंक- 1, ISSN: 3048-9490।</i>	--

11	कुशवाहा, एनकेएस, सिंह, जी., माथुर, एचके, अमित, सागरे, एस., अहलावत, आरपी, और भूकर, जे. (2025). स्कूली छात्रों के बीच बॉडी कंपोजीशन मेट्रिक्स पर सर्किट ट्रेनिंग का प्रभाव। <i>स्पोर्ट्स साइंस एंड हेल्थ एडवांसेज</i> , 3(1), 435–439. https://doi.org/10.60081/SSHA.3.1.2025.435-439	--
12	पी, के., अहलावत, आरपी, भुकर, जे., कुमार, पी., दुल, एस., सिंह, जी., एल, ए., और पी, केटी (2024). फिजिकल एजुकेशन करिकुलम में जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स में जरूरी प्रैक्टिकल सेशन को शामिल करना: एक केस स्टडी। <i>इंडोनेशियन जर्नल ऑफ़ स्पोर्ट, हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन साइंस</i> , 2(3), 106–109. https://doi.org/10.58723/inasport.v2i3.263	2
13	पी, के., अहलावत, आरपी, भुकर, जे., कुमार, पी., दुल, एस., सिंह, जी., एल, ए., और पी, केटी (2024). फिजिकल एजुकेशन करिकुलम में जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स में जरूरी प्रैक्टिकल सेशन को शामिल करना: एक केस स्टडी। <i>इंडोनेशियन जर्नल ऑफ़ स्पोर्ट, हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन साइंस</i> , 2(3), 106–109. https://doi.org/10.58723/inasport.v2i3.263	2
14	पैराटेलिक जूडो खिलाड़ियों पर छह हफ्ते की फिजिकल ट्रेनिंग का असर : स्पीड, फुर्ती और एक्सप्लोसिव पावर का तुलनात्मक एनालिसिस। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड हेल्थ</i> , 12(3), 107–111. https://doi.org/10.22271/kheljournal.2025.v12.i3b.3784	5.93
15	कुमार, एस., और अहलावत, आरपी (2025). डिफेंस एस्पिरेंट के परफॉर्मेंस पर फिजियोलॉजिकल पैरामीटर्स का असर: मुख्य फैक्टर्स और असर की खोज। <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल साइंस रिसर्च (IJSSR)</i> , 2(1), पेज 113-120, DOI: https://doi.org/10.70558/IJSSR.2025.v2.i1.30264 .	5.431
16	कुशवाहा, एन.के.एस., सिंह, जी., माथुर, एच.के., अमित, सग्रे, एस., अहलावत, आर.पी., और भूकर, जे. (2025). स्कूली छात्रों के बीच शारीरिक संरचना मेट्रिक्स पर सर्किट प्रशिक्षण का प्रभाव. <i>स्पोर्ट्स साइंस एंड हेल्थ एडवांसेज</i> , 3(1), 435–439.	2
17	कुमार, एस., प्रकाश, जे., अहलावत, आर.पी., और भूकर, जे. (2025). किशोर बच्चों की शारीरिक फिटनेस पर बाहरी गतिविधियों का प्रभाव। <i>स्पोर्ट्स साइंस एंड हेल्थ एडवांसेज</i> , 3(1), 382–388	2
18	कुमार, पी., सहगल, एन., सिंह, डी., कौर, डी., एलायाराजा, एम., पलानिवेल, एस., अस्तुति, वाई., ओरहान, बी.ई., वलपिल, आईएनके, और गोविंदसामी,	--

	के. (2024).	
19	दीपक, गहलवत , पी., कुमार, पी., और कुमार, जे. (2025). सोशियो-इकोनॉमिक लैंडस्केप का एनालिसिस: इंडिविजुअल और टीम गेम प्लेयर्स की सोशियो-इकोनॉमिक स्टेटस का रिव्यू और परफॉर्मेंस और मौकों पर इसका असर। <i>मध्य भारती – ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज</i> , 87 (जुलाई-दिसंबर 2024)।	--
20	कुमार, ए., कुमार, पी., कस्तूरी थिलागम , पी., और परवीन, के. (2024). फिजिकल एजुकेशन में इंजीनियरिंग कॉन्सेप्ट के इंटीग्रेशन पर थीमैटिक एनालिसिस: इनोवेटिव ट्रांसफॉर्मेशन के लिए एक कलेक्टिव अप्रोच। <i>इनासपोर्ट : इंडोनेशियन जर्नल ऑफ़ स्पोर्ट, हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन साइंस</i> , 2(3), 77–83. https://doi.org/10.58723/inasport.v2i3.263	--
21	जॉर्ज, एम., दुल , एस., उपाध्याय, के., और श्रीवास्तव, एस . (2024)। बॉडी कंपोजिशन मेट्रिक्स की खोज: कॉलेज के छात्रों में प्रतिशत बॉडी फैट, बीएमआई और बॉडी फैट मास की तुलना। <i>स्पोर्ट्स साइंस और हेल्थ एडवांस</i> , 2(01), 210-215।	2
22	सिंह ए के., दुल , एस., कुमार, डी. (2024)। वॉकिंग गैट साइकिल के विश्लेषण के लिए विभिन्न तकनीकों का अवलोकन। <i>स्पोर्ट्स साइंस एंड हेल्थ एडवांस</i> , 2 (1), 253-260।	2
23	सिंह, ए.के. , यादव, ए., दुल , एस. (2025). एक्सपेरिमेंटल स्टडीज़ का एनालिसिस और मोबिलिटी और जीवन की क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए गेट साइकिल को बेहतर बनाने के लिए उनके टारगेटेड एक्सरसाइज़ इंटरवेंशन। <i>स्पोर्ट्स साइंस एंड हेल्थ एडवांसेज</i> , 3(1), 413-420	2
24	कस्तूरी थिलागम , पी., अजितकुमार, एल., और कुमार, पी. (2025). डिजिटल युग में आगे की ओर सिर झुकाने की जांच । <i>тенденції та перспективи розвитку якісної підготовки майбутніх фахівців фізичної культури і спорту в умовах ступеневої освіти</i> , 38.	--
25	एल, ए., और पी, के. (2025). स्पोर्ट्स परफॉर्मेंस में काइनेमैटिक एनालिसिस के लिए साइंटिफिक टूल्स का असेसमेंट. <i>इंडोनेशियन जर्नल ऑफ़ स्पोर्ट, हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन साइंस</i> , 3(1), 18–25. https://doi.org/10.58723/inasport.v3i1.266	--

26	कुमार, पी., कस्तूरी थिलागम , पी., और अजितकुमार, एल. (2025). विज़ुअल ऑब्स्टेकल का इस्तेमाल करके एलीट बैडमिंटन प्लेयर्स के लिए परसेप्शन ट्रेनिंग अप्रोच. <i>इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रैकेट स्पोर्ट्स साइंस</i> , 6(1), 39-45. https://doi.org/10.30827/ijrss.33205	--
27	पी, के., अहलावत, आरपी, भुकर , जे., कुमार, पी., दुल , एस., सिंह, जी., एल, ए., और पी, केटी (2024). फिजिकल एजुकेशन करिकुलम में जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स में जरूरी प्रैक्टिकल सेशन को शामिल करना: एक केस स्टडी। <i>इंडोनेशियन जर्नल ऑफ़ स्पोर्ट, हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन साइंस</i> , 2(3), 106–109. https://doi.org/10.58723/inasport.v2i3.263	--

बाह्य वित्तपोषित परियोजना

क्र.स.	नाम	विभाग	परियोजना शीर्षक	वित्तपोषण एजेंसी	अनुदान राशि
1	डॉ. शाहजहाँ	गणित विभाग	फ्रैक्शनल बायोलॉजिकल मॉडल एवं स्ट्रैटोवोच इंटीग्रल इक्वेशन हेतु पॉलीनोमियल-बेस्ड वेवलेट्स कोलोकेशन मेथड की स्टडी	अन्य अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ)	28.81 लाख
2	प्रो. सुरेन्द्र सिंह	सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	बायोफ्यूल के लाइफ साइकिल एनालिसिस के लिए टूल्स एवं टेक्नीक	अन्य, ज्ञान के तहत आईआईटी हैदराबाद	6.64 लाख
3	डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया	वाणिज्य विभाग	फिनटेक समाधानों के माध्यम से एमएसएमई को सशक्त बनाना: हरियाणा राज्य में एक अनुभवजन्य अध्ययन	आईसीएसएसआर	17 लाख
4	डॉ. गुंजन गोयल	सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	प्रोबायोकेटेड अनाज आधारित फर्मेंटेड प्रोडक्ट का विकास	एचएससीएसटी	30 लाख
5	प्रो. गुंजन गोयल	सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	शॉर्ट टर्म फेलोशिप अब्रोड, डीएचआर-एचआरडी स्कीम, परियोजना आईडी 2024-00391	आईसीएमआर	8.04 लाख
6	डॉ. विकास बेनीवाल	सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024 उत्सव	एचएससीएसटी	1 लाख
7	डॉ. रवि प्रताप पांडे	मनोविज्ञान विभाग	हेलेन लेप्चा: भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की गुमनाम आदिवासी नायिका	आईसीएसएसआर	16 लाख

8	डॉ. भूषण सिंह (पीडी),	वाणिज्य विभाग	सोलर एनर्जी से ग्रीन ग्रोथ: हिमाचल प्रदेश में सतत विकास पर सोलर एनर्जी इनिशिएटिव्स के असर का मूल्यांकन	आईसीएसएसआर	12 लाख
9	डॉ. विकास बेनीवाल	सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	विश्वविद्यालय में आईपीआर प्रकोष्ठ पर क्रियाकलाप	एचएससीएसटी	0.5 लाख
10	प्रो. राजेश गुप्ता	गणित विभाग	समाकलनीय अस्थानीय औरैखिक समीकरणों की जांच	राष्ट्रीय वैज्ञानिक परिषद, कजाकिस्तान	179.8 लाख
11	डॉ. अमनदीप वर्मा	अर्थशास्त्र विभाग	“पंजाब और हरियाणा में आर्थिक विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में महिलाएं: 2047 तक विकसित भारत की ओर एक कदम”	आईसीएसएसआर	3 लाख
12	प्रो. जितेंद्र कुमार	भूगोल विभाग	भू-स्थानिक विज्ञान एवं तकनीकी में ग्रीष्मकालीन/शीतकालीन स्कूल	डीएसटी	10 लाख
13	डॉ. मनीषा पांडेय	भेषज विज्ञान विभाग	थैलम के नए फॉर्मूलेशन की बदली हुई एंटीमाइक्रोबियल क्षमता की खोज : नई रणनीति के तहत IKS को बढ़ावा	अन्य आईकेएस डिवीजन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	1.5 लाख
14	डॉ. अंशु	अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग	इरास्मस+ केए171 (इंटरनेशनल क्रेडिट मोबिलिटी) के अंतर्गत प्लान्ड कोऑपरेशन , कॉल 2024	अन्य इरासमस +केए171	21 लाख
15	डॉ. प्रवीण कुमार- कार्यक्रम	शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग	युवा सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम	आईसीएसएसआर	8 लाख

	निदेशक				
16	डॉ. अनीता कुमारी	पोषण जीव विज्ञान विभाग	अनाज-आधारित खाद्य उत्पादों का विकास: अनुकूलन, विशेषता एवं सत्यापन	श्री सेल, डीएसटी	23 लाख
17	डॉ. देवेंद्र कुमार-पीआई	शिक्षक शिक्षा विभाग	दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षित कौशल्य योजना के प्रशिक्षण की गुणवत्ता और रोजगार के प्रति प्रभाव, और सामाजिक-आर्थिक असर: एक दीर्घ अध्ययन	आईसीएसएसआर	76 लाख
18	प्रो. रूपेश देशमुख	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	एबायोटिक स्ट्रेस से जुड़े जीन की मल्टीप्लेक्स जीनोम एडिटिंग से क्लाइमेट-रेसिलिएंट सरसों का विकास	डीएसटी-हरियाणा	40 लाख
19	प्रो. रूपेश देशमुख	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	खाद्य एवं पोषण सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन की चिंताओं को दूर करने के लिए मेगा इंडिका चावल के बैकग्राउंड में जीनोम-एडिटेड पोपुलेशन विकसित करना	डीबीटी-बीआईआरएसी संयुक्त रूप से	500 लाख (65 लाख)
20	प्रो. रूपेश देशमुख	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	तनाव की स्थिति में पौधों की दृढ़ता की बेहतरी हेतु सिलिकेट को घुलाने वाले बैक्टीरिया पर आधारित पौधों की ग्रोथ बढ़ाने वाले फॉर्मूलेशन का विकास	बीआईआरएसी-पेस	38.2 लाख
21	प्रो. रूपेश देशमुख	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	CRISPR -Cas से होने वाली जीनोम एडिटिंग के जरिए कम टॉक्सिक	शिक्षा मंत्रालय	45.5 लाख

			ग्लाइकोएल्कालॉइड वाले आयरन बायोफोर्टिफाइड आलू की इंजीनियरिंग		
22	डॉ. हुमिरा सोनाह	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	CRISPR/Cas9 से होने वाले मल्टीप्लेक्स जीनोम एडिटिंग के प्रयोग से फूड- ग्रेड सोयाबीन बनाना	डीबीटी	35 लाख
23	डॉ. राम गोपाल निठरवाल	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	माइक्रोबैक्टीरिया के लिए कंपाउंड इन्हिबिटर्स की डॉकिंग एवं वैलिडेशन	यूजीसी	10 लाख
24	डॉ. हुमिरा सोनाह	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	सोयाबीन बीज के तेल, प्रोटीन की मात्रा एवं पोषण गुणवत्ता में सुधार (ग्लाइसिन मैक्स)	डीबीटी	171 लाख
25	प्रो. रूपेश देशमुख	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	आईसोजेनिक लाइंस के पास सुपीरियर हैप्लोटाइप बेसड का विकास (हैप्लोटाइप -एनआईएल)	डीबीटी	75 लाख
26	प्रो. रूपेश देशमुख	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	सिलिकॉन और आर्सेनिक के सेलेक्टिव ट्रांसपोर्ट के मॉलिक्यूलर आधार का अध्ययन	सर्व	37 लाख
27	प्रो. रूपेश देशमुख	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	चावल में शीथ ब्लाइट रोग क्षमता लाना	डीबीटी	59 लाख
28	प्रो. रूपेश देशमुख	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	मल्टीपल जीन (SINIP2- 1, SIAP2a SP5G और PL) को टारगेट करके टमाटर में CRISPR/CAS9 तरीके से सिलिकॉन ग्रहण करने, फल गुणवत्ता एवं पैदावार में सुधार	डीबीटी	88 लाख

29	डॉ. नम्रता ढाका	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	ब्रैसिका जंसिया में हजारों बीजों के वजन और तेल मात्रा नियमन में शामिल माइक्रोRNAs की पहचान	डीएसटी	35 लाख
30	डॉ. नम्रता ढाका	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	स्माल आरएनए और ट्रांसक्रिप्टोम प्रोफाइलिंग से सोरघम बाइकलर में अनाज के वजन और माइक्रोन्यूट्रिएंट की मात्रा तय करने में शामिल मुख्य माइक्रोRNA-टारगेट मॉड्यूल और जीन की पहचान	सर्व	33.7 लाख
31	डॉ. राम गोपाल निठरवाल	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	माइकोबैक्टीरियल रेस्पिरेटरी चेन सुपरकॉम्प्लेक्स III-IV के सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेस एवं अन्य एक्सेसरी कॉम्पोनेंट की भूमिका को समझाना	डीएसटी	27 लाख

वर्ष 2024-25 के दौरान प्रमुख शोध पहल

अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग

अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी एक नवीन स्थापित विभाग है। यह विभाग विश्वविद्यालय के मूल विभागों के शोधार्थियों का मार्गदर्शन कर शोधकार्य में योगदान प्रदान कर रहा है। विभाग में दस नियमित संकाय हैं - भौतिक विज्ञान में तीन, रसायन विज्ञान में दो, गणित में दो, अंग्रेजी, प्रबंधन एवं पर्यावरण अध्ययन में एक-एक है। संकाय सदस्यों को महत्वपूर्ण प्रतिष्ठता प्राप्त हुई है जिसमें स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की टॉप 2% साइटिस्ट की सूची में तीन संकाय सदस्य हैं, जिससे सुदृढ़ अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता को दर्शित होती है। विभाग 52 एच-इंडेक्स, 106 आई10-इंडेक्स और 12,700 से ज्यादा साइटेशन सहित विभिन्न अंतरविषयक शैक्षणिक शक्ति का पर्याय है तथा मौलिक एवं अत्याधुनिक शोध में सक्रिय रूप से कार्यरत है।

एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेंसर एप्लीकेशन के लिए 2D एवं एडवांस्ड फंक्शनल मटीरियल: एप्लाइड और कंडेन्सड मैटर फिजिक्स, टू-डाइमेंशनल (2D) और उभरते हुए फंक्शनल मटीरियल (TMDCs, MXenes, पेरोव्स्काइट्स, स्पिनेल्स, टोपोलॉजिकल इंसुलेटर, और MOF-बेस्ड मटीरियल, वगैरह) की ग्रोथ, स्ट्रक्चरल, और इलेक्ट्रॉनिक प्रॉपर्टीज पर केंद्रित है तथा सेंसिंग, थर्मोइलेक्ट्रिक एवं एनर्जी स्टोरेज/कन्वर्जन एप्लीकेशन (सुपरकैपेसिटर, हाइड्रोजन एनर्जी सिस्टम, एवं फ्यूल सेल) हेतु कार्यरत उपकरण के विकास हेतु केंद्रित है।

उन्नत जैव सामग्री द्वारा सस्टेनेबिलिटी:- पर्यावरण सस्टेनेबिलिटी एक वैश्विक प्राथमिकता है। हमारा शोध उन्नत हरित जैव सामग्री के विकास पर केंद्रित है जो पारंपरिक पेट्रोलियम-आधारित संसाधनों पर निर्भरता को कम कर उनके प्रतिकूल पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभावों को कम करते हैं। नई एवं स्थायी सामग्री समाधानों के माध्यम से, हम एक स्वच्छ वातावरण तथा बेहतर मानव स्वास्थ्य में योगदान हेतु प्रायसरत हैं, विशेषतः बायोमेडिकल अनुप्रयोगों और जल उपचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में।

ऑर्गेनिक इलेक्ट्रॉनिक (सामग्री एवं उपकरण) और निम्न-आयामी नैनोमटेरियल:- ऑर्गेनिक इलेक्ट्रॉनिक्स तथा फोटोनिक्स हेतु सामग्री का विकास, लचीले, कम लागत वाले उपकरण अनुप्रयोगों के

लिए अर्धचालक एवं ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक अणुओं और पॉलिमर के डिजाइन तथा जांच पर ध्यान केंद्रित करना और निम्न-आयामी एवं नैनोस्ट्रक्चर्ड सामग्री का भौतिकी, नैनोस्केल पर उनके संरचनात्मक, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल गुणों की खोज करना। यह कार्यात्मक सामग्री उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसिंग और ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में उभरते अनुप्रयोगों में सहायक हैं।

अपशिष्ट मूल्यवर्धन, पर्यावरणीय जोखिम मूल्यांकन एवं प्रदूषण नियंत्रण:- अनुसंधान अपशिष्ट प्रबंधन, अपशिष्ट को मूल्यवर्धित उत्पादों में परिवर्तित करने, पर्यावरणीय प्रदूषण मूल्यांकन तथा समकालीन स्थिरता चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैश्विक पर्यावरणीय जोखिमों के मूल्यांकन पर केंद्रित है।

गणितीय मॉडलिंग:- गणित में अनुसंधान गणितीय मॉडलिंग, कम्प्यूटेशनल इमेजिंग, संख्यात्मक तरीकों एवं स्थिरता विश्लेषण तक व्यापक है, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में विश्लेषणात्मक तथा कम्प्यूटेशनल प्रगति में सहायक है।

साहित्य एवं प्रबंधन में मानवतावादी एवं महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य:- मानविकी एवं प्रबंधन में संकाय मार्क्सवादी साहित्यिक आलोचना, भारतीय तथा अमेरिकी साहित्य, भारतीय काव्यशास्त्र, विपणन एवं रणनीतिक प्रबंधन में संकाय का योगदान अनुप्रयुक्त शिक्षा में मानवतावादी और महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य को एकीकृत करते हैं। विभाग द्वारा बहु-विषयक दृष्टिकोण के माध्यम से, उच्च-गुणवत्ता शिक्षण, प्रभावशाली शोध एवं सहभागिता की वृद्धि हेतु प्रतिबद्ध है, जो सामाजिक उन्नति हेतु वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रबंधकीय और मानवतावादी ज्ञान को एकीकृत करते हैं।

गणित विभाग

(डीएसटी-फिस्ट द्वारा प्रायोजित विभाग)

विभाग में सात नियमित संकाय सदस्य हैं, जिनमें तीन प्रोफेसर एवं चार सहायक प्रोफेसर शामिल हैं, साथ ही सात अतिथि संकाय सदस्य भी हैं। संकाय सदस्य प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हैं जैसे यूजीसी शोध पुरस्कार, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में, जो उनकी व्यापक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता को दर्शाता है। वर्तमान में, विभाग को एक अत्याधुनिक कम्प्यूटेशनल सुविधा स्थापित करने के लिए ₹1.00 करोड़ का DST-FIST अनुदान प्राप्त हुआ है, जिससे इसके शैक्षणिक एवं शोध हेतु मौलिक संरचना में बहुत वृद्धि हुई है। विभाग 24 एच-इंडेक्स, 84 आई-10 इंडेक्स और 2,250

से ज्यादा साइटेशन के साथ, उच्च गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने के साथ प्रभावकारी अंतरविषयक शोध प्रतिबद्ध है। गणित विभाग विभिन्न क्षेत्रों में शोध हेतु सक्रिय रूप से कार्यरत है, जिसमें नॉन-लीनियर पार्शियल डिफरेंशियल इक्वेशन, इमेज प्रोसेसिंग, थ्योरेटिकल फिजिक्स, न्यूमेरिकल एनालिसिस और फंक्शनल एनालिसिस शामिल हैं।

नॉन-लीनियर पार्शियल डिफरेंशियल इक्वेशन:- शोधार्थी नॉन-लीनियर पार्शियल डिफरेंशियल इक्वेशन पर शोधरत है जो प्लाज्मा फिजिक्स, फ्लूइड मैकेनिक्स और सॉलिड-स्टेट फिजिक्स जैसे क्षेत्रों में जटिल भौतिक घटनाओं को घोटक हैं। वे इन इक्वेशन को हल करने के लिए एनालिटिकल एवं न्यूमेरिकल तरीके विकसित किए जा रहे हैं जिसमें फ्रैक्शनल-ऑर्डर PDEs भी शामिल हैं।

इमेज प्रोसेसिंग:- विभाग कैनोनिकल ट्रांसफॉर्म और पिक्सेल स्ट्रैम्बलिंग तकनीकों जैसे मैथमेटिकल ट्रांसफॉर्म का उपयोग करके ऑडियो एवं इमेज एन्क्रिप्शन, वॉटरमार्किंग और कम्प्रेसन के लिए इनोवेटिव क्रिप्टोसिस्टम विकसित कर रहा है। इन तकनीकों का लक्ष्य डेटा सुरक्षा तथा गोपनीयता को बढ़ाना है।

थ्योरेटिकल फिजिक्स:- शोधार्थी टेलीपैरेलल ग्रेविटी, गॉस-बोनट ग्रेविटी, वर्महोल और ब्लैक होल जैसे विषयों पर शोधरत हैं। वे इन वस्तुओं के गुणों और गुरुत्वाकर्षण एवं ब्रह्मांड की प्रकृति के लिए उनके प्रभावों की जांच कर रहे हैं।

न्यूमेरिकल एनालिसिस:- विभाग डिफरेंशियल इक्वेशन, इंटीग्रल इक्वेशन और ऑप्टिमाइजेशन समस्याओं को हल करने के लिए नए न्यूमेरिकल तरीके विकसित कर रहा है। ये तरीके जटिल भौतिक प्रणालियों का अनुकरण करने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए आवश्यक हैं।

फंक्शनल एनालिसिस:- शोधार्थी फंक्शन और ऑपरेटर्स के गुणों का अध्ययन कर रहे हैं, जिसमें एप्रोक्सीमेशन थ्योरी, फ्रेम थ्योरी और वेवलेट थ्योरी शामिल हैं। इन क्षेत्रों का अनुप्रयोग सिग्नल प्रोसेसिंग, इमेज एनालिसिस और मशीन लर्निंग में हैं।

विभाग अन्य विभागों एवं संस्थानों के साथ अंतरविषयक शोध एवं सहभागिता में प्रगति हेतु प्रतिबद्ध है। गणितीय तकनीकों को अन्य क्षेत्रों की अंतर्दृष्टि के साथ मिलाकर, विभाग का लक्ष्य जटिल चुनौतियों का समाधान करना और वैज्ञानिक ज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

पोषण जीव विज्ञान विभाग

पोषण जीव विज्ञान विभाग पारंपरिक रूप से उपलब्ध फलों, सब्जियों एवं अनाजों की पोषण और चिकित्सीय क्षमता का पता लगाने के लिए अभिनव रूप से शोधरत है। विभागीय शोध क्रियाकलाप का वर्णन निम्नानुसार है:

कुकुमिस कैलोसस के पोषण और चिकित्सीय गुणों की खोज और एक कार्यात्मक घटक के रूप में इसका उपयोग :-

कुकुमिस कैलोसस (कचरी) एक उपेक्षित कम उपयोग की जाने वाली फसल है जिसमें पोषण के पावरहाउस के रूप में कार्य करने की अपार क्षमता है। इसमें विभिन्न बायोएक्टिव यौगिक होते हैं, लेकिन अस्वीकार्य स्वाद तथा सुगंध के कारण यह फसल उपेक्षित रही है। यह शोध कचरी के पोषण संबंधी रहस्यों को सामने लाने तथा कार्यात्मक खाद्य उत्पादों जैसे, आरटीएस पेय, सिरप, स्प्रेड एवं हर्बल चाय आदि के विकास पर केंद्रित है। विकसित उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी को महेंद्रगढ़ जिले के एसएचजी के मध्य अभिनव समाधान प्रदान करने हेतु प्रसारित किया गया था। इस शोध से गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन, सर्वश्रेष्ठ मौखिक/पोस्टर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, कचरी स्प्रेड पर पेटेंट, कॉपीराइट तथा कचरी आरटीएस पेय पर प्रौद्योगिकी एफपीओ को हस्तांतरित इत्यादि किए गए।

मूल्य वर्धित क्षेत्रीय पारंपरिक ग्रामीण किण्वित डेयरी खाद्य पदार्थों के माध्यम से सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को कम करना। बेहतर एवं अधिक विविध आहार तक पहुंच सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी या छिपी हुई भूख की समस्याओं से निपटने की कुंजी है। बेहतर पोषण मूल्यों वाले स्थानीय रूप से किण्वित डेयरी खाद्य उत्पादों का आहार सेवन लक्षित आबादी में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को कम करने का एक प्रभावी तरीका बन सकता है, और इस समस्या को जमीनी स्तर पर खत्म करने के लिए एक तत्काल उपाय के रूप कामगार है।

टाइप 2 मधुमेह के प्रबंधन के लिए स्वदेशी प्रोबायोटिक लैक्टोबैसिलस पर ग्लूकागन जैसे पेप्टाइड-1 की सतह अभिव्यक्ति। मधुमेह मेलिटस टाइप 2 एक दीर्घकालिक चयापचय विकार है जो उच्च रक्त शर्करा, इंसुलिन प्रतिरोध और इंसुलिन की सापेक्ष कमी की विशेषता है। ग्लूकागन-जैसे पेप्टाइड-1 (जीएलपी-1),

जो आंतों की कोशिकाओं द्वारा उत्पादित एक प्रोग्लुकागन-व्युत्पन्न पेप्टाइड है, का उपयोग टी2डीएम के उपचार के लिए किया जाता है। लैक्टोबैसिलस के कुछ स्ट्रेन मधुमेह विरोधी प्रभाव डालते हैं जबकि प्रोबायोटिक लैक्टोबैसिली की सतह पर Glp-1 प्रोटीन की अभिव्यक्ति मधुमेह विरोधी प्रभाव को बढ़ाती है। रिकॉम्बिनेंट लैक्टोबैसिलस स्ट्रेन जैविक रूप से सक्रिय पेप्टाइड्स की निरंतर आपूर्ति प्रदान करके रिसेप्टर्स के साथ परस्पर क्रिया कि जाती है।

हरियाणा की किशोरियों में हाइपोविटामिनोसिस डी के प्रबंधन हेतु विटामिन डी से भरपूर फंक्शनल फूड प्रोडक्ट्स का विकास

हरियाणा के महेंद्रगढ़, भिवानी और कुरुक्षेत्र जिलों के सरकारी स्कूलों की 1009 किशोरियों के ब्लड सैंपल में विटामिन डी के स्तर की जांच की गई तथा नतीजों से पता चला कि इस आबादी के 88 प्रतिशत लोगों में सीरम विटामिन डी का कट-ऑफ वैल्यू 20ng/ml से कम था, जो दर्शाता है कि इस साइलेंट महामारी बीमारी को रोकने की तत्काल आवश्यकता है। विटामिन डी की कमी की व्यापकता को देखते हुए, बीमारी के प्रबंधन हेतु विटामिन डी से भरपूर प्लांट-बेस्ड फंक्शनल फूड प्रोडक्ट्स (न्यूट्रीबार, लड्डू और कुकीज) विकसित करने के प्रयास किए गए और इसमें क्लिनिकल ट्रायल शामिल थे। इस प्रोजेक्ट से पब्लिकेशन, कॉपीराइट, बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवार्ड, ट्रेनिंग और SHGs के लिए कार्यशाला आयोजित इत्यादि हुए।

नेचुरल एंटी-टर्माइट नैनो-फॉर्मूलेशन का विकास

वर्ष 2024 से संचालित डिस्ट-हरियाणा प्रोजेक्ट आईकेएस पर आधारित है। दीमक एक वैश्विक समस्या है जो महेंद्रगढ़ इलाके में बहुत आम है। यह परियोजना कुछ क्षेत्रीय खाद्य पदार्थों की अनदेखी क्षमता का इस्तेमाल करके शक्तिशाली दीमक मारने वाली गतिविधि वाले नैनो फॉर्मूलेशन तैयार करता है। इस परियोजना में विकसित नैनोपार्टिकल्स न केवल बायोकम्पैटिबल और बायोडिग्रेडेबल हैं, बल्कि दीमक के लिए एक स्थायी समाधान लेकर आते हैं जिसे आसानी से पेटेंट कराकर बाजार में उतारा जा सकता है।

मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के अंतर्गत मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग 2016 से बी.टेक कार्यक्रम संचालित कर रहा है और 2024-25 में पीएच.डी कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें वर्तमान में

चार शोधार्थियों का नामांकन है, विभाग का शोध सस्टेनेबल पैकेजिंग, प्रिंटिंग में कचरा कम करने, प्रिंटिंग प्रक्रियाओं के ऑप्टिमाइजेशन, डिजिटल और इंकजेट प्रिंटिंग, बायोडिग्रेडेबल सामग्री और पैकेजिंग में सर्कुलर इकोनॉमी पर केंद्रित है। संरचनात्मक ग्रोथ विभाग की एक मुख्य पहचान है जिसमें भविष्य में दो अहम शोध प्रयोगशाला, इंकजेट प्रिंटिंग लैब और पैकेज टेस्टिंग लैब स्थापित की जाएंगी ताकि एडवांस्ड स्टडीज़ एवं इनोवेशन को सपोर्ट मिल सके। संकाय एवं शोधार्थी जाने-माने जर्नल्स और कॉन्फ्रेंस में एक्टिव रूप से शोध पेपर पब्लिश कर रहे हैं, जिनमें इंक फॉर्मूलेशन, प्रिंटेबिलिटी ऑप्टिमाइजेशन, इको-फ्रेंडली सबस्ट्रेट्स और पैकेजिंग वेस्ट रीसाइक्लिंग जैसे क्षेत्रों पर काम जारी है। विभाग द्वारा विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल अनुभव, मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी में एडवांसमेंट और इंडस्ट्री-ओरिएंटेड लर्निंग प्रदान करने हेतु विशेषज्ञ व्याख्यान, कार्यशाला और इंडस्ट्रियल विजिट भी आयोजित की जाती है।

समाजशास्त्र विभाग

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का समाजशास्त्र विभाग लगातार सुदृढ़ शोध एवं शैक्षणिक संस्कृति का पर्याय है। वर्ष 2024-25 के दौरान, विभाग द्वारा राजनीति पहचान, जेंडर एवं प्रजनन स्वास्थ्य, ग्रामीण परिवर्तन, प्रवासन, प्रौद्योगिकी अपनाने और सांस्कृतिक परिवर्तन जैसी सामाजिक चिंताओं के व्यापक क्षेत्र को संबोधित करते हुए उल्लेखनीय विद्वतापूर्ण योगदान दिया। शोध परिणाम क्षेत्रीय प्रासंगिकता और राष्ट्रीय महत्व दोनों को दर्शाते हैं, साथ ही वैश्विक शैक्षणिक तर्कों में भी योगदान देते हैं।

सह-आचार्य एवं विभागप्रमुख डॉ. टी. लोंगकोई खियामनियुंगन ने सेज जर्नल में फ्रंटियर नागालैंड से संबंधित सार्वजनिक क्षेत्र की चर्चाओं और पहचान के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए महत्वपूर्ण कार्य प्रकाशित किए। उनका शोध भारतीय संदर्भ में प्रजनन प्रौद्योगिकियों के समकालीन नैतिक और कानूनी आयामों की भी जांच करता है, जो वैश्विक ढांचे के साथ तुलनात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है। ये अध्ययन नीति-उन्मुख शैक्षणिक साहित्य में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि जोड़ते हैं।

सह-आचार्य डॉ. रीमा गिल ने जेंडर अध्ययन, राजनीतिक समाजशास्त्र, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सांस्कृतिक पहचान के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर योगदान दिया है। उनके प्रकाशनों में उत्तर प्रदेश में ग्रामीण मतदान व्यवहार, हिजड़ा समुदाय के सामाजिक-कानूनी विकास और कोविड-19 महामारी के दौरान डॉक्टरों के सामने आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण शामिल है। विशेष रूप से, हरियाणा में गधों के

प्रवासन पर उनके सह-लेखक शोध को इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली में प्रकाशित किया गया था - जो सामाजिक-आर्थिक आकांक्षा के एक रूप के रूप में सांस्कृतिक गतिशीलता को उजागर करता है। स्कोपस-इंडेक्स और यूजीसी केयर जर्नल्स में उनका कार्य सुदृढ़ शैक्षणिक प्रभाव और सहयोग को दर्शाता है।

सह-आचार्य डॉ. युद्धवीर ने ग्रामीण हरियाणा के अनुभवजन्य अध्ययनों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें अर्थव्यवस्था में प्रवासियों की भूमिका, ग्रामीण जीवन में स्मार्टफोन पर बढ़ती निर्भरता एवं पंचायतों के माध्यम से शासन-संचालित सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण करने वाले प्रकाशन शामिल हैं। ये अध्ययन ग्रामीण विकास विमर्श में मूल्यवान प्राथमिक डेटा एवं व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। सुश्री तन्वी भाटी, सह-आचार्य, ने ग्रामीण-शहरी विभाजन में बदलावों, खासकर शहरी गांवों के उदय एवं बदलती सामाजिक-स्थानिक पहचानों की जांच करने वाला एक विद्वत्पूर्ण लेख लिखा। उनका काम आर्थिक बदलावों एवं शहरी विस्तार से प्रभावित होते हुए विकसित हो रहे बसावट के पैटर्न पर प्रकाश डालता है।

कुल मिलाकर, समाजशास्त्र विभाग ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान सराहनीय शोध प्रदर्शन किया है। क्षेत्र-आधारित शोध, अंतर-विषयक सहयोग और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन के माध्यम से, विभाग विश्वविद्यालय की शोध प्रोफाइल में बढ़ावा दे रहा है। संकाय का शोध समाजशास्त्रीय ज्ञान को आगे बढ़ाने में सार्थक योगदान देता है और भारत में समकालीन सामाजिक मुद्दों पर सूचित नीति-निर्माण का समर्थन करता है।

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग

समकालीन समय में, शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग में किया गया शोध अंतर-विषयक है और स्वास्थ्य विज्ञान, मनोविज्ञान, इंजीनियरिंग, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और डेटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों से संबंधित है। ये सहयोग शारीरिक गतिविधि और खेल की समग्र समझ प्रदान करने में मदद करते हैं, जिससे एथलेटिक प्रदर्शन, स्वास्थ्य संवर्धन, खेल प्रबंधन और सामाजिक कल्याण में प्रगति संभव होती है। यह परस्पर जुड़ाव खेल और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी, शिक्षाशास्त्र एवं नीति-निर्माण में नवाचार को भी बढ़ावा देता है।

शोध के क्षेत्र में, विभाग ने महत्वपूर्ण शोध प्रदर्शित किया है। प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में कुल 25 पेपर प्रकाशित हुए हैं, जिनमें पीयर-रिव्यूड और स्कोपस-इंडेक्स्ड आउटलेट शामिल हैं, जो उच्च-गुणवत्ता वाले शैक्षणिक योगदान के प्रति संकाय की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, संकाय सदस्यों ने 3 पुस्तक अध्याय लिखे हैं, जिनमें से 2 प्रतिष्ठित सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस) द्वारा प्रकाशित किए गए थे, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रकाशकों के साथ विभाग की भागीदारी को दर्शाता है। वर्ष के दौरान, 3 पीएचडी डिग्रियां प्रदान की गईं, जो शोध उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने और शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देने के प्रति विभाग के समर्पण को रेखांकित करता है।

डॉ. कुमार पी. बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ग्रांट के तहत "गेम चेंजर्स: बैडमिंटन ऑफिशिएटिंग में निर्णय को प्रभावित करने वाले कारकों को समझना" शीर्षक से एक शोध प्रोजेक्ट चला रहे हैं, जिसका प्रोजेक्ट मूल्य 1800 यूएस डॉलर USD है। यह अध्ययन दर्शाता है कि बैडमिंटन में निर्णय लेने की प्रक्रिया विभिन्न कारकों से कैसे प्रभावित होती है, जिसमें तनाव, खिलाड़ी समूह, दर्शक एवं कोच शामिल हैं, और ये तत्व विभिन्न स्थितियों में ऑफिशिएटिंग को कैसे प्रभावित करते हैं।

वर्तमान समय के शैक्षणिक परिवेश में, शारीरिक शिक्षा के शोधार्थी शोध कार्यों में स्वतंत्रता एवं लचीलेपन का एक नया अनुभव कर रहे हैं। यह बदलाव इस बढ़ती पहचान के कारण है कि शारीरिक शिक्षा स्वाभाविक रूप से एक अंतरविषयक क्षेत्र है। अब शोधार्थी के पास कई तरह की शाखाओं में शोध कर आगे बढ़ने का है जिससे उनका काम ज्यादा डायनामिक, प्रभावशाली और विविध बनता है।

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग विश्वविद्यालय संकाय के बच्चों हेतु निःशुल्क फिटनेस एंड स्पोर्ट्स कार्यक्रम संचालित कर रहा है। यह खेल जागरूकता, प्रतिभा की पहचान, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत मददगार होगा। यह शुरुआती चरण में पोस्चर की विकृतियों की पहचान करने में भी बहुत मददगार है तथा हम व्यायाम के माध्यम से पोस्चर की विकृतियों को आसानी से रोक सकते हैं।

विभाग में बॉडी कंपोजिशन मशीन की मदद से हम स्वास्थ्य, पोषण, व्यायाम विज्ञान एवं मनोविज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में शोध को बढ़ावा दे रहे हैं। बॉडी कंपोजिशन मशीनों पर आधारित शोध की मदद से हम शरीर में वसा प्रतिशत, दुबली मांसपेशियों और समग्र स्वास्थ्य संकेतकों पर आहार एवं व्यायाम के

प्रभावों का आकलन करते हैं, सुधारात्मक उपाय तथा प्रशिक्षण भी संकाय सदस्यों, संकाय के बच्चों तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों को प्रदान किया जाता है।

शिक्षक शिक्षा विभाग

शिक्षक शिक्षा विभाग शैक्षणिक शोध का एक गतिशील केंद्र है, जो शिक्षा के सिद्धांत और व्यवहार को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। समर्पित संकाय सदस्यों की विविध टीम सहित, विभाग सुदृढ़, सामाजिक रूप से प्रासंगिक और प्रभावशाली शोध के माध्यम से शिक्षा में समकालीन चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी शोध पहलों की विशेषता अनुभवजन्य अध्ययनों, क्षेत्रीय मुद्दों और शिक्षण एवं अधिगम में प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर केंद्रित है।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 शोध पोर्टफोलियो शोध की गतिविधियों में एक महत्वपूर्ण निवेश को दर्शाता है, जिसमें कई प्रोजेक्ट स्वीकृत और जारी है। विभाग ने सफलतापूर्वक आंतरिक विश्वविद्यालय अनुदान तथा इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस शोध जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय निकायों से बाह्य वित्त पोषण प्राप्त किया है, जो हमारे शोध प्रस्तावों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को दर्शाता है।

मुख्य रूप से केंद्रित शोध क्षेत्र:

विभाग का अनुसंधान रणनीतिक रूप से राष्ट्रीय शैक्षिक प्राथमिकताओं तथा स्थानीय जरूरतों के साथ जुड़ा हुआ है, जो कई प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर केंद्रित है:

आईकेएस पाठ्यक्रम अध्ययन पर आधारित शैक्षणिक नवाचार:- संकाय नए शिक्षण विधियों की प्रभावशीलता की सक्रिय रूप अन्वेषणरत है। इसमें शैक्षणिक उपकरणों के रूप में लोक गीतों के प्रभाव, वैदिक गणित में रुचि पैदा करने के लिए गणित के खेलों का उपयोग, तथा शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच स्कूली गणित में त्रुटियों को ठीक करने के लिए हस्तक्षेप पर शोध शामिल है। इन अध्ययनों का उद्देश्य पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शैक्षिक प्रथाओं से जोड़ना और छात्र अधिगम के परिणामों को बढ़ाना है।

शिक्षा में दृष्टिकोण एवं मनोवैज्ञानिक अध्ययन:- शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र के मनोवैज्ञानिक आयामों को समझने पर महत्वपूर्ण ध्यान दिया जाता है। जारी परियोजनाएं स्कूली छात्रों की आत्म-अवधारणा और मौखिक बुद्धि, छात्र-शिक्षकों का सूचना प्रौद्योगिकी के प्रति दृष्टिकोण तथा शारीरिक शिक्षा के प्रति

दृष्टिकोण को मापने के लिए उपकरणों के विकास का पता लगाती है। यह अनुसंधान उन कारकों में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है जो शिक्षण प्रभावशीलता एवं छात्र जुड़ाव को प्रभावित करते हैं।

पहुंच, समानता और समावेशिता के मुद्दे: विभाग शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत बाधाओं की पहचान और विश्लेषण में शोधरत है। माध्यमिक स्तर पर कला शिक्षा में चुनौतियां एवं बाधाएं, ग्रामीण हरियाणा में महिलाओं की शिक्षा में मुद्दों, और गोद लिए गए गांवों में महिलाओं की शैक्षिक आकांक्षाओं पर एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रभाव पर अनुसंधान किया जा रहा है। ये अध्ययन नीतिगत चर्चाओं में योगदान करते हैं तथा अधिक न्यायसंगत एवं समावेशी शैक्षिक परिदृश्य को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखते हैं।

शैक्षिक नीति एवं कार्यान्वयन:- संकाय अनुसंधान सरकारी योजनाओं तथा उनके धरातलीय स्तर पर कार्यान्वयन के महत्वपूर्ण विश्लेषण तक व्यापक है। पीएम पोषण योजना में गुणवत्ता नियंत्रण और स्वच्छता पर एक केस स्टडी इसका उदाहरण है, जो एक प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम की प्रभावशीलता तथा इसके लाभार्थियों पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन करती है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

जैव प्रौद्योगिकी विभाग एक शोध-संचालित केंद्र के रूप में सामने आया है, जिसमें उन्नत उपकरणों तथा राष्ट्रीय स्तर की फंडिंग द्वारा समर्थित एक व्यापक अंतर-विषयक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित है। 2024-25 के दौरान, विभाग जीनोमिक्स, प्लांट बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, एनवायरनमेंटल बायोटेक्नोलॉजी और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी अनुप्रयोगों में प्रभावशाली शोध को आगे बढ़ा रहा है। विभाग में छह संकाय सदस्य हैं, जो कई शोध ग्रांट पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, जिन्हें DBT, DST-SERB, ICMR, HSCSIT और BIRAC जैसी एजेंसियों से 3.2 करोड़ रुपये से अधिक की कुल फंडिंग मिली है, जिससे अत्याधुनिक शोध इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और हाई-एंड मॉलिक्यूलर प्रयोगों के लिए सहायता मिल रही है। विभाग के दो संकाय सदस्यों को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में शामिल किया गया है, और एक संकाय सदस्य को क्लैरिवेट की अत्यधिक उद्धृत शोधकर्ताओं की सूची (विश्व स्तर पर शीर्ष 1%) में पहचान मिली है। विभाग भारत एवं विदेशों में शोध संगठनों तथा विश्वविद्यालयों के साथ उत्पादक सहयोग बनाए रखता है, जिसमें IITs, ICAR संस्थानों, DBT-समर्थित हब, अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान समूह और यूरोप और

उत्तरी अमेरिका के विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी शामिल है, जो संयुक्त अनुसंधान, डेटा साझाकरण एवं सह-लेखक प्रकाशनों को बढ़ावा देता है। प्रमुख पहलों में, शोधकर्ता माइक्रोबियल, पौधों और पर्यावरणीय आनुवंशिक विविधता को चिह्नित करने के लिए उन्नत जीनोमिक और मेटाजेनोमिक अनुक्रमण जांच कर रहे हैं। CRISPR-आधारित जीनोम संपादन और पौधों के परिवर्तन पर केंद्रित परियोजनाओं का लक्ष्य तनाव सहिष्णुता, रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं बेहतर उपज जैसे फसल गुणों में सुधार करना है। उच्च-रिज़ॉल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करके प्रोटीओमिक्स और मेटाबोलोमिक्स में समानांतर प्रयास बायोमार्कर पहचान और कार्यात्मक आणविक अंतर्दृष्टि पर शोध कर रहे हैं। बायोइन्फॉर्मेटिक्स के क्षेत्र में, विभाग जटिल जैविक डेटासेट का विश्लेषण करने के लिए मशीन-लर्निंग, सांख्यिकीय मॉडलिंग और संरचनात्मक भविष्यवाणी दृष्टिकोण का उपयोग किया जाता है, जबकि GWAS और QTL मैपिंग का उपयोग प्रमुख पौधों प्रणालियों में फेनोटाइपिक लक्षणों को जीनोमिक लोकी से जोड़ने के लिए किया जा रहा है। माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी में आगे का शोध जैव-उर्वरक, जैव-नियंत्रण और जैव-अवक्रमण अनुप्रयोगों के लिए माइक्रोबियल कंसोर्टिया विकसित करके स्थायी कृषि में योगदान दे रहा है, जो मिट्टी के स्वास्थ्य और पर्यावरणीय उपचार के लक्ष्यों का समर्थन करता है। विभाग न केवल मौलिक वैज्ञानिक अन्वेषण अपितु ट्रांसलेशनल और अनुप्रयोग-उन्मुख परिणामों के लिए भी प्रतिबद्ध है। उद्योग और बायोटेक्नोलॉजी स्टार्टअप के साथ सक्रिय सहयोग प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, उत्पाद सत्यापन और प्रोटोटाइप विकास को सुविधाजनक बना रहे हैं। इन पहलों के माध्यम से, बायोटेक्नोलॉजी विभाग जीवन-विज्ञान अनुसंधान में एक प्रभावशाली योगदानकर्ता के रूप में खुद को स्थापित करना जारी रखे हुए है, जो अंतर-विषयक सहयोग को बढ़ावा दे रहा है और छात्रों एवं शोधकर्ताओं को अग्रणी वैज्ञानिक नवाचार के लिए तैयार कर रहा है।

पर्यावरण अध्ययन विभाग

पर्यावरण विज्ञान जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और संसाधनों की कमी जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में सबसे आगे है। पर्यावरण अध्ययन विभाग ऐसे अत्याधुनिक कोर्स संचालित करता है जो स्थायी समाधानों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिसमें जलवायु अनुकूलन, प्रदूषण नियंत्रण, जैव विविधता संरक्षण और संसाधन प्रबंधन जैसे प्रमुख क्षेत्रों को एकीकृत किया जाता है। यह कार्यक्रम व्यावहारिक, वास्तविक

दुनिया की ट्रेनिंग पर जोर देता है, जो छात्रों को GIS, रिमोट सेंसिंग और पर्यावरणीय प्रभाव आकलन जैसे उपकरणों का उपयोग करके गंभीर पर्यावरणीय मुद्दों से निपटने के लिए तैयार करता है।

नवाचार और अनुसंधान पर ध्यान देने के साथ, स्नातकोत्तर छात्र इंस्ट्रुमेंटेशन, स्वास्थ्य, विष-विज्ञान, विभिन्न निगरानी तकनीकों, प्रदूषण शमन, जल संसाधन प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में गहरा सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं। यह कार्यक्रम स्नातकों को स्थायी, विज्ञान-आधारित समाधान विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करता है तथा एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान को नीति और प्रबंधन के साथ मिलाकर एक एकीकृत दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है।

नवाचार एवं अनुसंधान-आधारित प्रशिक्षण स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरेट कार्यक्रमों के लिए केंद्रीय हैं, जो छात्रों को एक स्थायी पर्यावरण में नेतृत्व करने के लिए तैयार करते हैं। ये कार्यक्रम मूल्य वर्धित उत्पादों के निष्कर्षण, प्रदूषण शमन, जल संसाधन प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा विकास और पारिस्थितिक तंत्र पर मानवजनित गतिविधियों के प्रभावों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की गहरी समझ को बढ़ावा देते हैं। स्नातकों को जटिल पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान को नीति और प्रबंधन रणनीतियों के साथ मिलाकर एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

विभाग में प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र

जैवसंसाधन उपयोग एवं मूल्य-वर्धित उत्पाद विकास

नवाचार-संचालित अनुसंधान प्राकृतिक संसाधनों एवं अपशिष्ट बायोमास से मूल्य-वर्धित उत्पादों के निष्कर्षण तथा विकास पर शोधरत है। इस क्षेत्र के कार्य में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन, जैवउत्पाद विकास, प्रदूषण शमन प्रौद्योगिकियां, और पारिस्थितिक तंत्र पर मानवजनित प्रभावों का आकलन शामिल है। विभाग एक एकीकृत दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है, जो स्थायी पर्यावरणीय समाधान सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान को नीति और प्रबंधन रणनीतियों से जोड़ता है।

फाइकोप्रोस्पेक्टिंग एवं शैवाल जैव प्रौद्योगिकी

विभाग जैव ईंधन उत्पादन, अपशिष्ट जल उपचार एवं उच्च-मूल्य वाले जैव उत्पादों के विकास जैसे अनुप्रयोगों के लिए शैवाल की फाइकोप्रोस्पेक्टिंग पर व्यापक शोधरत है। एम.एससी. और पीएच.डी.

छात्रों के नेतृत्व में जारी परियोजनाएं - शैवाल-आधारित जैव उत्पादों के विकास और व्यावसायीकरण पर ध्यान केंद्रित करती हैं। यह अनुसंधान पर्यावरणीय, सामाजिक, और प्रशासन (ESG) सिद्धांतों द्वारा निर्देशित है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके, कि तकनीकी प्रगति स्थिरता, नैतिक शासन, और सामाजिक कल्याण में योगदान दे। अंतःविषय ढांचा वैज्ञानिक नवाचार को व्यावसायीकरण मार्गों से जोड़ता है, शैवाल-आधारित प्रौद्योगिकियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समानता का समर्थन करता है।

पर्यावरणीय प्रदूषण, स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन एवं एसडीजी

विभागीय अनुसंधान का मुख्य बल वायु प्रदूषण पर है, विशेष रूप से वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (VOCs), कण पदार्थ, और ओजोन पर, क्योंकि इनके महत्वपूर्ण स्वास्थ्य निहितार्थ हैं। एम.एससी. और पीएच.डी. छात्रों के नेतृत्व में जारी परियोजनाएं - ArcGIS एवं रिमोट सेंसिंग उपकरणों का उपयोग करके VOCs के स्थानिक वितरण की जांच हैं, जो स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन और नीति विकास में प्रभाव हैं। यह कार्य प्रदूषण-संबंधी स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने के लिए डेटा-संचालित अंतर्दृष्टि उत्पन्न करके सतत विकास लक्ष्य 3 (बेहतर स्वास्थ्य एवं कल्याण) का सीधे समर्थन करता है।

अपशिष्ट प्रबंधन और माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण

अपशिष्ट प्रबंधन में शोध ठोस अपशिष्ट में कमी, पुनर्चक्रण, संसाधन पुनर्प्राप्ति, और चक्रीय अर्थव्यवस्था प्रथाओं के लिए स्थायी रणनीतियों पर बल देता है। विभाग माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण का भी अध्ययन करता है, जो स्रोतों, मार्गों, और संबंधित मानव स्वास्थ्य जोखिमों की पहचान पर ध्यान केंद्रित करता है। माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए उन्नत अपशिष्ट उपचार प्रौद्योगिकियों, लैंडफिल प्रबंधन, शिक्षा, और नीतिगत हस्तक्षेपों की जांच की जाती है। जारी अनुसंधान में विभिन्न अपशिष्ट धाराओं के प्रबंधन के लिए वर्मीकम्पोस्टिंग का उपयोग एवं खाद्य प्रणालियों में माइक्रोप्लास्टिक की उपस्थिति तथा मानव स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव की जांच शामिल है।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने शोध परिणामों में सुदृढ़, मीडिया अध्ययन में नवाचार को बढ़ावा देने, एवं राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग का विस्तार करने के लिए कई

महत्वपूर्ण अनुसंधान पहल की है। संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से शोध पत्र प्रकाशित किए, वित्त पोषित शोध एवं कार्यशालाएं, जर्नलिज्म में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मीडिया इंकलूसिविटी, मेंस्ट्रुअल हेल्थ कम्युनिकेशन, और डिजिटल मीडिया के एथिकल पहलुओं जैसे उभरते हुए क्षेत्रों में योगदान दिया।

विभाग ने प्रभावी शैक्षणिक कार्यक्रम हेतु संसाधन जुटाए। मुख्य फंडेड पहलों में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस द्वारा सपोर्टेड ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट पर दो-दिवसीय कार्यशाला शामिल थी, जिसके लिए ₹1 लाख की वित्तीय स्वीकृति मिली, तथा PRS लेजिस्लेचर शोध के साथ मिलकर पार्लियामेंट्री रिपोर्टिंग एवं बजट रिपोर्टिंग पर थीमेटिक कार्यशाला आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त, स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भारतीय भाषाई पत्रकारिता के योगदान पर केंद्रित एक प्रोजेक्ट को नेशनल काउंसिल फॉर द प्रमोशन ऑफ सिंधी लैंग्वेज से सपोर्ट मिला।

संकाय सदस्यों ने इस वर्ष कुल 14 पब्लिकेशन में योगदान देकर ठोस शोध परिणामों का प्रदर्शन किया, जिसमें SCOPUS/UGC-CARE लिस्टेड जर्नल पेपर और AI & Society जैसे विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त जर्नल में रिव्यू के तहत शोध आउटपुट शामिल हैं। शोध के क्षेत्र पत्रकारों के खिलाफ साइबर हिंसा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित न्यूज़रूम ट्रांसफॉर्मेशन, मीडिया और जेंडर स्टडीज़, परफॉर्मिंग आर्ट्स में जातीय प्रतिनिधित्व, और भारतीय ज्ञान प्रणालियों में निहित नैतिक प्रतिमानों तक फैले हुए हैं। इस अवधि के दौरान दो बुक चैप्टर भी पब्लिश किए गए।

PRS लेजिस्लेटिव शोध एवं नागरी लिपि परिषद सहित राष्ट्रीय स्तर के निकायों के साथ संयुक्त रूप से आयोजित एकेडमिक एक्टिविटी के माध्यम से विद्वानों के सहयोग का विस्तार किया गया। इन भागीदारी ने छात्रों के लिए सार्वजनिक नीति साक्षरता, शोध जुड़ाव एवं फील्ड-लिंकड ट्रेनिंग को बढ़ाया। संकाय ने वर्तमान 12 शोधार्थियों का मार्गदर्शन करके एवं विभिन्न संस्थानों में डॉक्टरेट शोध समितियों तथा विशेषज्ञ मूल्यांकन पैनल जैसे एकेडमिक गवर्नेंस भूमिकाओं में भाग लेकर शोध कल्चर में योगदान दिया। विभाग के क्रिएटिव शोध के प्रभाव को हरियाणा फिल्म फेस्टिवल 2025 में भी पहचान मिली, जहाँ 'हरिभंगा' नाम की एक डॉक्यूमेंट्री को नॉन-प्रोफेशनल कैटेगरी में बेस्ट डॉक्यूमेंट्री अवार्ड मिला जोकि शोध, कहानी कहने और विज़ुअल कम्युनिकेशन के सफल इंटीग्रेशन को दिखाता है।

शिक्षक शिक्षा विभाग

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान, शिक्षक शिक्षा विभाग ने कई प्रभावशाली और बाह्य वित्त पोषित शोध पहल कीं, जो विभिन्न और सामाजिक रूप से प्रासंगिक शैक्षिक मुद्दों पर केंद्रित थीं। प्रो. नंद किशोर को "हरियाणा और राजस्थान की शिक्षा पर लोकगीतों के प्रभाव" पर अपने प्रमुख अध्ययन के लिए ICSSR शोध प्रोजेक्ट ग्रांट के रूप में ₹10,50,000 मिले, जो वर्तमान में जनवरी 2024 से दिसंबर 2025 तक जारी है। इसके अलावा, कई संकाय सदस्यों को यूनिवर्सिटी द्वारा फंडेड प्रोजेक्ट (प्रत्येक ₹1,00,000 से ₹1,50,000) मिले, जो शैक्षिक चुनौतियों और सीखने को बेहतर बनाने पर केंद्रित थे, जिसमें डॉ. मोरू मारियो का शारीरिक शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण को मापने के लिए एक उपकरण के सत्यापन पर प्रोजेक्ट (17 जून 2025 को स्वीकृत) और डॉ. दिलीप कुमार पटेल का महेन्द्रगढ़ जिले में माध्यमिक स्तर पर कला शिक्षा में बाधाओं पर विश्लेषणात्मक अध्ययन (27 मार्च 2025 को स्वीकृत) शामिल है। छात्र मनोविज्ञान एवं अधिगम से संबंधित शोध, जैसे डॉ. देवेन्द्र कुमार का स्कूली छात्रों के बीच आत्म-अवधारणा और मौखिक बुद्धिमत्ता पर अध्ययन (30 अप्रैल 2024 को स्वीकृत), और डॉ. महेन्द्र ककरेला का शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच स्कूल गणित में गलतफहमियों को ठीक करने के लिए हस्तक्षेप की जांच (10 अप्रैल 2025 को स्वीकृत), ने शिक्षाशास्त्र में विभाग के योगदान को और मजबूत किया। प्रौद्योगिकी एकीकरण और शैक्षिक आकांक्षाएं प्रमुख विषयगत क्षेत्र थे, जिसमें डॉ. अमित सिंह का छात्र-शिक्षकों के सूचना प्रौद्योगिकी के प्रति दृष्टिकोण पर प्रोजेक्ट (27 जून 2025 को स्वीकृत) तथा डॉ. अर्चना यादव का गोद लिए गए गांवों में महिलाओं की शैक्षिक आकांक्षाओं को बढ़ाने में CUH की भूमिका पर अध्ययन (20 मई 2025 को स्वीकृत) शामिल है। डॉ. इंदु बाला (23 फरवरी 2024 को स्वीकृत) ने ग्रामीण हरियाणा में महिलाओं की शिक्षा जैसे प्रमुख सामाजिक मुद्दों पर काम किया, जबकि डॉ. अजय कुमार ने PM POSHAN योजना में स्वच्छता और गुणवत्ता पर अपने अध्ययन के तहत स्कूल पोषण योजनाओं में सार्वजनिक कल्याण से जुड़े गुणवत्ता आश्वासन की जांच की (25 मार्च 2025 को स्वीकृत)। इसके अलावा, डॉ. रितु बाला के वैदिक गणित में छात्रों की रुचि पर गणित के खेलों के प्रभाव पर प्रोजेक्ट के माध्यम से गणित शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है (10 जून 2024 को स्वीकृत, स्वीकृत राशि ₹1,50,000)। कुल मिलाकर, ये पहलें समावेश, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण,

सामुदायिक प्रभाव और शैक्षिक नवाचार पर केंद्रित एक बढ़ती हुई अनुसंधान संस्कृति को दर्शाती हैं, जो विभाग को राष्ट्रीय शैक्षिक विकास में एक मजबूत योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करती है।

मनोविज्ञान विभाग

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने 2024-25 के दौरान शोध, नवाचार एवं शैक्षणिक जुड़ाव में महत्वपूर्ण प्रगति की है। संकाय सदस्यों ने विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर योगदान दिया है, जिसमें 22 शोध पेपर, 15 बुक चैप्टर तथा एक पुस्तक पब्लिश की है। उनका कार्य डिजिटल शिक्षा में असमानता, किशोरों में आत्महत्या के विचार, इंटरनेट की लत, लचीलापन, मानसिक स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र की आबादी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित है।

प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, ने 12 शोध पेपर और 5 बुक चैप्टर के साथ अग्रणी योगदान दिया है, जो पॉजिटिव साइकोलॉजी, सोशल मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित है। उन्होंने सफलतापूर्वक चार मास्टर प्रोजेक्ट्स को गाइड किया और श्रीमती मंजू ठाकुर मेमोरियल अवार्ड (IAAP, 2025) और InSPA बेस्ट पेपर अवार्ड (2024) सहित प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किए। उन्हें ICSSR द्वारा फंडेड एक बड़ा शोध प्रोजेक्ट मिला और उन्होंने कई राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित कीं। प्रोफेसर विश्व चौधरी ने क्लिनिकल, सोशल, शांति और पर्यावरण मनोविज्ञान में शोध में योगदान दिया, पेपर और बुक चैप्टर पब्लिश किए, डॉक्टरेट छात्रों का मार्गदर्शन, और AI-आधारित छात्र आईक्यू स्तर का पता लगाने वाले डिवाइस के लिए एक पेटेंट दर्ज कराया है। उन्होंने दो पीएचडी कर चुके एवं एक शोधरत शोधार्थी का मार्गदर्शन भी किया है।

सहायक-आचार्यों में, डॉ. प्रदीप कुमार ने पर्सनेलिटी और साइकोमेट्रिक्स के बारे में तीन पेपर और एक बुक चैप्टर पब्लिश किए, उनके अंतर्गत एक पीएचडी की गई एवं बड़ी परियोजनाओं के साथ पांच शोधार्थी शोधरत हैं। डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने संगठनात्मक और बायोसाइकोलॉजी में शोध में योगदान दिया, एक पेपर पब्लिश किया और पांच मास्टर प्रोजेक्ट्स और तीन पीएचडी छात्रों को गाइड कर रहे हैं। डॉ. रवि प्रताप पांडे सबसे सक्रिय योगदानकर्ताओं में से एक है, जिन्होंने स्वास्थ्य, सामाजिक और लत मनोविज्ञान में आठ पेपर और चार बुक चैप्टर पब्लिश किए। उनके तहत एक पीएचडी और नौ

मास्टर प्रोजेक्ट्स पूरे हुए हैं और तीन शोधार्थी शोधरत हैं। उनके शोध में साइकोसोमैटिक लक्षणों, सोशल मीडिया के उपयोग और अंधविश्वासों के क्रॉस-कल्चरल विश्लेषण पर ध्यान दिया गया।

कुल मिलाकर, विभाग ने ICSSR और NISD के माध्यम से ₹30 लाख से अधिक की बाह्य फंडिंग जुटाई, क्षमता-निर्माण कार्यक्रम, राज्य एवं राष्ट्रीय सम्मेलन, संवेदीकरण कार्यक्रम, तथा आत्महत्या रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला आयोजित की। छह प्रदत्त पीएचडी, 20 वर्तमान शोधार्थियों स्कॉलर्स (प्लस 2 पोस्ट डॉक्टोरल फेलो) के साथ, यह विभाग सुदृढ़ अनुसंधान क्षमता दर्शित करता है। नागालैंड विश्वविद्यालय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, शिव नादर विश्वविद्यालय, आईआईटी जोधपुर, और हातेफ विश्वविद्यालय, (ईरान) जैसे संस्थानों के साथ सहयोग ने इसकी शैक्षणिक स्थिति को और मजबूत किया है। कुल मिलाकर, मनोविज्ञान विभाग ने प्रकाशनों, परियोजना फंडिंग, डॉक्टरेट पर्यवेक्षण, नवाचार और सहयोग में उत्कृष्टता दिग्दर्शित की है, जिससे विभाग मनोवैज्ञानिक अनुसंधान एवं सामाजिक प्रभाव के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है।

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग में पाँच नियमित संकाय हैं जिनमें तीन प्रोफेसर, दो सहायक प्रोफेसर और एक अतिथि संकाय सदस्य शामिल हैं। हाल ही में, विभाग के तीन संकाय सदस्यों को ICSSR द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं से सम्मानित किया गया है। प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया को ICSSR द्वारा वित्त पोषित एक प्रमुख अनुसंधान परियोजना से सम्मानित किया गया है जिसका शीर्षक है “फिनटेक समाधानों के माध्यम से MSME को सशक्त बनाना: हरियाणा राज्य में एक अनुभवजन्य अध्ययन”। डॉ. भूषण सिंह और डॉ. सुमन को “सौर ऊर्जा के माध्यम से हरित विकास: हिमाचल प्रदेश में सतत विकास पर सौर ऊर्जा पहलों के प्रभाव का मूल्यांकन” विषय पर एक सहयोगी अनुसंधान परियोजना से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा, डॉ. भूषण सिंह को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। विभाग अंतर-विषयक अनुसंधान सहयोग, क्षेत्र आधारित अनुसंधान परियोजना, और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के जर्नल में प्रकाशनों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कार्य के लिए प्रतिबद्ध है।

विभाग ऐसे अनुसंधान में लगा हुआ है जो स्थानीय समुदाय द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं का समाधान करता है और राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नीति निर्माण में भी योगदान देता है। अनुसंधान विद्वानों के बीच रचनात्मकता और अनुसंधान अभिविन्यास को बढ़ावा देने के लिए, विभाग ने हाल ही में सामाजिक विज्ञान में दस दिवसीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया। 2024-2025 के दौरान, विभाग के संकाय ने समकालीन विषयों जैसे स्थिरता में हरित वित्त और नवाचार की भूमिका, MSME में डिजिटलीकरण की भूमिका, एकीकृत रिपोर्टिंग, न्यूनतम समर्थन मूल्य, और हरित उत्पादों पर गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र प्रकाशित किए। विभाग का लक्ष्य वाणिज्य और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में ज्ञान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग

प्रमुख शोध क्षेत्र

सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल कंडेंसड मैटर फिजिक्स

क्वांटम डॉट्स, जिनका आकार आमतौर पर 10 से 100 nm तक होता है, सिर्फ वैज्ञानिक जिज्ञासाओं से विकसित होकर आधुनिक सेमीकंडक्टर नैनोटेक्नोलॉजी के ज़रूरी घटक बन गए हैं। उनके असाधारण गुण छोटे क्षेत्रों के अंदर चार्ज वाहकों के पूरी तरह से सीमित होने के कारण होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अलग-अलग, परमाणु जैसे ऊर्जा स्तर बनते हैं जिन्हें सटीक रूप से ट्यून किया जा सकता है। उनकी संरचना, आकार और साइज़ को समायोजित करके, हमने विशिष्ट कार्यात्मक मांगों को पूरा करने के लिए क्वांटम डॉट्स के ऑप्टिकल और इलेक्ट्रॉनिक व्यवहार को तैयार किया है। इस ट्यूनेबिलिटी ने अगली पीढ़ी की डिस्प्ले टेक्नोलॉजी और सौर कोशिकाओं से लेकर बायोमेडिकल इमेजिंग और क्वांटम कंप्यूटिंग तक, वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला में उनके उपयोग का मार्ग प्रशस्त किया है।

दबाव के माध्यम से जेनस MoSSe मोनोलेयर के थर्मोइलेक्ट्रिक प्रदर्शन को बढ़ाना इसके सामग्री व्यवहार को अनुकूलित करने के लिए एक आकर्षक रणनीति प्रदान करता है। पहले-सिद्धांतों की गणना को अर्ध-शास्त्रीय बोल्ट्ज़मैन परिवहन समीकरणों के साथ एकीकृत करके, शोधकर्ता व्यवस्थित रूप से यह पता लगाते हैं कि बाहरी दबाव मोनोलेयर की संरचनात्मक, इलेक्ट्रॉनिक और थर्मोइलेक्ट्रिक

विशेषताओं को कैसे प्रभावित करता है। निष्कर्षों से पता चलता है कि दबाव एक प्रभावी ट्यूनिंग पैरामीटर के रूप में कार्य करता है, जो इलेक्ट्रॉनिक बैंड संरचना और परिवहन गुणों के नियंत्रित संशोधन को सक्षम बनाता है। जब दबाव + 3 GPa तक बढ़ाया जाता है, तो n-प्रकार डोपिंग के लिए ZT का मान और बढ़कर 0.73 हो जाता है, जो शुद्ध मोनोलेयर के मान से 24% अधिक है। यह दृष्टिकोण न केवल जेनस (द्वि-स्वभावी पदार्थ) सामग्रियों के आंतरिक भौतिकी की समझ को गहरा करता है, बल्कि उच्च दक्षता वाले थर्मोइलेक्ट्रिक उपकरणों को आगे बढ़ाने के लिए दबाव इंजीनियरिंग को एक आशाजनक मार्ग के रूप में भी उजागर करता है।

खगोल भौतिकी

यह वेब आकाशगंगाओं के घने समूहों और सुपरक्लस्टर्स से बना है, जो विशाल, लगभग खाली क्षेत्रों से अलग होते हैं जिन्हें वॉयड्स कहा जाता है। आकाशगंगाएँ इन वॉयड्स के चारों ओर लंबे, पतले फिलामेंट्स और दीवारें बनाती हैं, जो एक स्पंज या साबुन के बुलबुले के नेटवर्क जैसा दिखता है। संरचना का निर्माण गुरुत्वाकर्षण द्वारा संचालित होता है, जो प्रारंभिक ब्रह्मांड से छोटे क्वांटम उतार-चढ़ाव को बढ़ाता है, जिससे पदार्थ (मुख्य रूप से ठंडा डार्क मैटर) धीरे-धीरे आज देखी गई जटिल, पदानुक्रमित व्यवस्था में ढह जाता है। हम इस ब्रह्मांडीय वेब के क्लस्टरिंग और पूरी चीज़ के त्वरित विस्तार के अध्ययन पर कार्यरत हैं।

सामग्री विज्ञान

(a) ल्यूमिनेसेंस पर शोध

ल्यूमिनेसेंस का उपयोग दैनिक जिंदगी से लेकर अत्याधुनिक उपकरणों तक कई अनुप्रयोगों में किया जा सकता है, इसलिए अनुप्रयोगों के आधार पर वांछित गुणों को प्राप्त करने के लिए नए नैनोफॉस्फोर विकसित करने या वर्तमान नैनोफॉस्फोर को संशोधित करने की हमेशा एक खोज रहती है। हमारे शोध वर्क में अलग-अलग रेयर अर्थ आयनों से एक्टिवेटेड ऑक्साइड-बेस्ड नैनोफॉस्फोर में ल्यूमिनेसेंस को ट्यून करने पर फोकस किया गया है और उन्हें XRD, TEM/SEM, DRS, PL और TL जैसी तकनीकों से सही तरीके से कैरेक्टेराइज किया गया है। क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर ल्यूमिनेसेंस मैकेनिज्म को दिखाने में अहम भूमिका निभाता है, इसलिए हम लोकल इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर को समझने और उसे

अंडरलाइंग ल्यूमिनेसेंस मैकेनिज्म से जोड़ने के लिए सिंक्रोट्रॉन रेडिएशन का इस्तेमाल करके एक्स-रे एब्जॉर्प्शन स्पेक्ट्रोस्कोपी का भी इस्तेमाल करते हैं। हम ऐसे नैनोफॉस्फोरस डेवलप करने में कामयाब रहे हैं जो सॉलिड स्टेट लाइटिंग, अप-कन्वर्जन और रेडिएशन डोसिमेट्री के लिए अच्छे नतीजे दिखाते हैं। हमारा शोध ग्रुप थर्मोइलेक्ट्रिक एप्लीकेशन के लिए 2D ट्रांजिशन मेटल डाइक्लोजेनाइड्स (TMDs) और टोपोलॉजिकल इंसुलेटर पर भी काम कर रहा है।

(b) नैनोकम्पोजिट्स

वर्ष 2024–2025 के दौरान, शोध उभरते हुए 2D-मटेरियल के सिंथेसिस, कैरेक्टाइजेशन और डिवाइस एप्लीकेशन पर केंद्रित था। ग्रेफीन, rGO और MoS₂-बेस्ड नैनोकम्पोजिट्स के साथ अपने पिछले काम के आधार पर, मैंने मटेरियल सिंथेसिस, स्ट्रक्चरल एनालिसिस और इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसपोर्ट में चल रही स्टडीज में योगदान दिया। इस वर्ष तीन प्रमुख शोध दिशाएं शुरू कीं। पहली में ग्रेफीन फील्ड-इफेक्ट ट्रांजिस्टर (GFET) बायोसेंसर का डेवलपमेंट शामिल है, जो लेबल-फ्री बायोकेमिकल डिटेक्शन के लिए ग्रेफीन की हाई कैरियर मोबिलिटी और असाधारण सतह संवेदनशीलता का लाभ उठाता है। शुरुआती GFET फैब्रिकेशन और इलेक्ट्रिकल कैरेक्टाइजेशन पूरा हो गया है। दूसरा प्रोजेक्ट डीप-UV सेंसिंग के लिए ग्रेफीन/सेमीकंडक्टर सोलर-ब्लाइंड फोटोडिटेक्टर पर केंद्रित है, जिसके लिए प्रोटोटाइप डिवाइस और शुरुआती ऑप्टिकल माप शुरू किए गए हैं। तीसरी पहल एनर्जी हार्वेस्टिंग एप्लीकेशन के लिए MXene-बेस्ड नैनोकम्पोजिट्स की खोज करती है। कुल मिलाकर, ये प्रयास शोध पोर्टफोलियो को व्यावहारिक बायो-सेंसिंग, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक और ऊर्जा से संबंधित उपकरणों की ओर बढ़ाते हैं, जिसमें आने वाले वर्ष में और प्रगति और प्रकाशन की योजना है।

(c) एडवांस्ड फंक्शनल मटीरियल

"हमारा शोध ग्रुप एनर्जी और एनवायरनमेंटल एप्लीकेशन के लिए एडवांस्ड फंक्शनल मटीरियल के डिजाइन और डेवलपमेंट पर केंद्रित है, जिसमें पेरोव्स्काइट-स्ट्रक्चर्ड सिस्टम पर अहम बल है। हम मुख्य रूप से बेरियम टाइटेनेट-बेस्ड फेरोइलेक्ट्रिक मटीरियल और रेयर-अर्थ-बेस्ड मैग्नेटिक मटीरियल की जांच करते हैं, जिसका मकसद कंट्रोल्ड सिंथेसिस एवं डिफेक्ट इंजीनियरिंग के ज़रिए उनकी स्ट्रक्चरल, इलेक्ट्रॉनिक और मैग्नेटिक विशेषताओं को ट्यून करना है। हमारे मुख्य शोध इन मटीरियल में

पोलराइजेशन, मैग्नेटिज्म और मल्टीफंक्शनल बिहेवियर को कंट्रोल करने वाले स्ट्रक्चर-प्रॉपर्टी रिलेशनशिप को समझना है। एक्सपेरिमेंटल कैरेक्टराइजेशन को थ्योरेटिकल इनसाइट्स के साथ जोड़कर, हम यह पता लगाते हैं कि लैटिस डिस्टॉर्शन, डोपेंट केमिस्ट्री और माइक्रोस्ट्रक्चरल फीचर्स उनके परफॉर्मेंस को कैसे प्रभावित करते हैं। आखिरकार, हमारी शोध इन बुनियादी नतीजों को एनर्जी हार्वेस्टिंग, सेंसिंग और एनवायरनमेंट के लिए ज़रूरी टेक्नोलॉजी के लिए कुशल मटीरियल में बदलना चाहती है।"

न्यूक्लियर एवं पार्टिकल फिजिक्स

इंटरमीडिएट एनर्जी रीजिम में, न्यूक्लियोनिक मीन फील्ड और $n-n$ कोलिजन की अनोखी सिनर्जी न्यूक्लियॉन के जटिल डायनामिक्स को प्रभावित करने में अहम भूमिका निभाती है। इसलिए, इस एनर्जी रीजिम में आइसोस्पिन-डिपेंडेंट क्वांटम मॉलिक्यूलर डायनामिक्स फ्रेमवर्क का प्रयोग करके, विभिन्न डिग्री के एनिसोट्रोपिक फ्लो में भाग लेने वाले न्यूक्लियॉन के इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड बनाने में खास योगदान का पता लगाया गया है। इसके अतिरिक्त, अलग-अलग फ्लो हार्मोनिक्स में भाग लेने वाले न्यूक्लियॉन में अंतर करने के लिए टू-पार्टिकल क्यूमुलेंट मेथड का इस्तेमाल किया गया है। इसमें, अलग-अलग एनिसोट्रोपिक फ्लो में भाग लेने वाले न्यूक्लियॉन से बनने वाले इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड के टेम्पोरल और फेज स्पेस इवोल्यूशन से बेहतर जानकारी प्राप्त होती है। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड बनने पर अलग-अलग न्यूक्लियॉन-न्यूक्लियॉन क्रॉस सेक्शन के असर का पता लगाने के लिए आगे स्टडी करने की कोशिशें चल रही हैं।

दो बड़े न्यूक्लियस के फ्यूजन वाले बड़े पैमाने के एक्सपेरिमेंट का प्रयोग करके सुपर-हैवी एलिमेंट्स का सिंथेसिस, न्यूक्लियर फिजिक्स में अथाह शोध का क्षेत्र है। इन हाई बजट एक्सपेरिमेंट की प्लानिंग, जो लंबे समय तक चल सकते हैं, के लिए भारी न्यूक्लियस के डिके प्रोसेस में फिशन ऑब्जर्वेबल्स की सटीक जानकारी की ज़रूरत होती है। भारी एवं बहुत भारी न्यूक्लियस के टूटने में फ्यूजन-फिशन तथा क्वासी-फिशन प्रोसेस ज़्यादा होते हैं। पिछले कुछ दशकों में, बड़े न्यूक्लियस के फ्यूजन एवं उसके बाद के टूटने के प्रोसेस को स्टडी करने के लिए कई एक्सपेरिमेंट किए गए हैं। हमारा काम भारी तथा बहुत भारी न्यूक्लियस के फ्यूजन-फिशन डायनामिक्स के एक्सपेरिमेंटल नतीजों पर केंद्रित है। इन मेज़रमेंट के लिए इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (IUAC), नई दिल्ली में एक्सेलेरेटर सुविधाओं का प्रयोग किया जा रहा है। हम dRICH डिटेक्टर के लिए सिमुलेशन स्टडी में सक्रियता से शामिल हैं, जो BNL (USA) में एक

मेगा साइंस प्रोजेक्ट, इलेक्ट्रॉन आयन कोलाइडर (EIC) में प्रस्तावित ePIC एक्सपेरिमेंट का एक मुख्य हिस्सा है। यह काम dRICH की पार्टिकल आइडेंटिफिकेशन क्षमताओं का मूल्यांकन करने, इसके डिजाइन को ऑप्टिमाइज करने और EIC की सख्त फिजिक्स ज़रूरतों को पूरा करने के लिए इसके परफॉर्मेंस का एनालिसिस करने पर केंद्रित है। इस कार्य का उद्देश्य इलेक्ट्रॉन-प्रोटॉन तथा इलेक्ट्रॉन-आयन टकराव में सटीक मेज़रमेंट के ज़रिए क्वांटम क्रोमोडायनामिक्स (QCD) की हमारी समझ को आगे बढ़ाना है।

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग ने 2024-25 के दौरान कई प्रभावी एवं रणनीतिक शोध इनिशिएटिव किए, जिनका उद्देश्य उभरते इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डोमेन में इनोवेशन के हब के तौर पर अपनी जगह मज़बूत करना था। वर्ष के दौरान, विभाग ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम और बैटरी थर्मल मैनेजमेंट में एडवांस्ड शोध पर ज़ोर दिया, जो सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन में राष्ट्रीय प्राथमिकता दर्शित करता है। स्थानीय BMS एल्गोरिदम डेवलप करने, बैटरी एजिंग की मॉडलिंग करने, फास्ट-चार्जिंग स्ट्रेटेजी को ऑप्टिमाइज करने और भारतीय कंडीशन के लिए सही थर्मल-सेफ बैटरी मॉड्यूल बनाने का प्रयास है। इसके अतिरिक्त, विभाग ने डिस्ट्रिब्यूटेड एनर्जी रिसोर्स, इन्वर्टर कंट्रोल, डिमांड रिस्पॉन्स और रिन्यूएबल एनर्जी इंटीग्रेशन पर शोध को मुमकिन बनाने के लिए एक स्मार्ट माइक्रोग्रिड टेस्टबेड का कॉन्सेप्ट बनाकर स्मार्ट ग्रिड मॉडर्नाइज़ेशन में काम को आगे बढ़ाया। इसके साथ ही, AI और मशीन लर्निंग बेस्ड टेक्नीक में भी काफी प्रोग्रेस हुई। साथ ही EV, चार्जर और सोलर-बैटरी हाइब्रिड सिस्टम के लिए हाई-एफिशिएंसी कन्वर्टर पर भी फोकस किया गया। हार्डवेयर से चलने वाले कामों के साथ-साथ, विभाग ने AI और डेटा से चलने वाले तरीकों में अपनी शोध को मज़बूत किया। इसके लिए उसने क्यूरेटेड डेटासेट, फोरकास्टिंग मॉडल, ग्रिड सिस्टम के लिए एनोमली डिटेक्शन टेक्नीक और ML-बेस्ड कंट्रोल स्ट्रेटेजी बनाने की दिशा में काम किया। IoT सेंसिंग में शोध को बढ़ाया गया ताकि इंडस्ट्रियल एवं एनर्जी एप्लीकेशन के लिए लो-पावर सेंसर डेवलपमेंट तथा एज-कंप्यूटिंग सॉल्यूशन को सपोर्ट किया जा सके।

वास्तविक महत्वपूर्ण प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए, विभाग ने इंडस्ट्री के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया, जॉइंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स हेतु चर्चा शुरू की, एवं प्रोटोटाइप प्रदर्शन, संभावित पेटेंट तथा छात्रों

के नेतृत्व वाले इनोवेशन के माध्यम से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को प्रोत्साहित किया। संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों को SERB, DST, MNRE, MeitY, और AICTE से फंडिंग के लिए प्रस्ताव लेखन में सहायता दी गई, जिसमें शुरुआती परिणाम तैयार करने, इंडस्ट्री पार्टनर्स को शामिल करने और मल्टी-इन्वेस्टिगेटर प्रपोजल बनाने पर बल दिया गया।

इन पहलों को इंटरशिप, रिसर्च असिस्टेंटशिप, और आगामी लैबोरेटरी इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके हैंड्स-ऑन प्रोजेक्ट के अवसरों के माध्यम से छात्र जुड़ाव बढ़ाने के प्रयासों द्वारा पूर्ण किया गया। कुल मिलाकर, 2024-25 की रिसर्च पहलें स्वच्छ ऊर्जा टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक वाहन इनोवेशन, डिजिटल एवं इंटेलिजेंट पावर सिस्टम, और उच्च-गुणवत्ता वाले रिसर्च आउटपुट के लिए क्षमता निर्माण पर केंद्रित एक दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाती है। इन रणनीतिक प्रयासों के माध्यम से, विभाग ने आने वाले वर्षों में सुदृढ़ शोध वित्त पोषण, बढ़ी हुई प्रकाशन गुणवत्ता, प्रोटोटाइप विकास एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान के लिए तैयार किया।

जैव रसायन विज्ञान विभाग

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान, जैव रसायन विभाग ने फंडिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, शोध आउटपुट और शैक्षणिक योगदान में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के माध्यम से शोध में उत्कृष्टता की अपनी मजबूत यात्रा जारी रखी। विभाग ने SERB, ICMR और CUH के सहयोग से एडवांस्ड उपकरणों में ₹20.5 लाख का निवेश करके अपनी प्रयोगशाला सुविधाओं को मजबूत किया, जिसमें एक फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप, ELISA रीडर, सेंट्रीफ्यूज सिस्टम और वर्टिकल इलेक्ट्रोफोरेसिस यूनिट शामिल हैं। अबाध शोध गतिविधियों हेतु विभाग ने बायोसेफ्टी कैबिनेट, जेल डॉक्यूमेंटेशन सिस्टम, इनक्यूबेटर शेकर और प्रयोगशाला रेफ्रिजरेटर जैसे आवश्यक उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव पर अतिरिक्त ₹93,000 खर्च किए गए।

वर्ष की एक प्रमुख उपलब्धियों में DST-ANRF, DST-SERB, हरियाणा DST, ICMR और DRDO-LSRB द्वारा स्वीकृत पांच बाह्य वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से लगभग ₹246 लाख जुटाना था। इन परियोजनाओं में HPV का पता लगाने के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेन्सर, प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम में अवरोध तंत्र, जलवायु-लचीली सरसों के लिए जीनोम

एडिटिंग, एंडोमेट्रियोसिस में कार्यात्मक जीनोमिक्स और बायोमार्कर की खोज, तथा हाइपोबैरिक हाइपोक्सिया के तहत स्मृति हानि से जुड़े ऑक्सीकृत प्रोटीन पर आणविक अध्ययन जैसे अग्रणी वैज्ञानिक क्षेत्र शामिल थे। इस स्तर की फंडिंग ने विभाग को विश्वविद्यालय की शीर्ष प्रदर्शन करने वाली अनुसंधान इकाइयों में स्थान दिया।

विभाग ने UGC-CARE और SCI/SCIE इंडेक्स्ड पत्रिकाओं में 71 प्रकाशनों के साथ एक प्रभावशाली शोध परिणाम दर्ज किया, जिसमें औसत प्रभाव कारक 4.5 प्राप्त हुआ। संकाय सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित प्रकाशकों के माध्यम से चार पुस्तकें और 27 पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए, जो उच्च-गुणवत्ता शोध कार्य में विभाग की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। शोध में नैनोबायोटेक्नोलॉजी, कैंसर जीव विज्ञान, पादप तनाव जीनोमिक्स, न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार, संक्रामक रोग, न्यूट्रास्यूटिकल्स और कार्यात्मक जीनोमिक्स जैसे विविध तथा समकालीन क्षेत्र शामिल थे।

नवाचार एवं IPR निर्माण को भी दृढ़ किया गया क्योंकि विभाग ने दो पेटेंट दायर किए और प्रकाशित किए - एक फ्लोरोसेंट नैनोक्लस्टर पर एव दूसरा एंटी-लंग कैंसर गतिविधि वाले उपन्यास पाइराजोल-5-ओएल डेरिवेटिव पर। डॉक्टरेट शोध के संदर्भ में, छह पीएच.डी शोधार्थियों को डिग्री प्रदान की गई, जबकि 21 जेआरएफ सहित 30 शोधार्थी सात संकाय पर्यवेक्षकों के अंतर्गत शोधरत हैं। शोधार्थी परजीवी विज्ञान, नैनो टेक्नोलॉजी, पादप-सूक्ष्मजीव संपर्क, उच्च-ऊंचाई शरीर विज्ञान और बायोमेडिकल अनुसंधान जैसे उभरते क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। विभाग ने PGIMS रोहतक, एमिटी यूनिवर्सिटी (नोएडा और गुरुग्राम), NSUT दिल्ली, BITS पिलानी एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ सक्रिय सहयोग से अपने राष्ट्रीय शोध नेटवर्क का विस्तार किया। इन सहयोगों से संयुक्त पब्लिकेशन, शोधार्थियों का सह-मार्गदर्शन एवं शोध विशेषज्ञता में सहभागिता मिलती है। विभाग में संकाय सदस्यों के पास प्रमुख उपलब्धियां भी हैं, जिसमें मुख्य रूप से प्रोफेसर पवन कुमार मौर्य को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी एंड एल्सेवियर द्वारा दुनिया भर के टॉप 2% वैज्ञानिकों में पहचान प्राप्त हुई।

विभाग के छात्रों ने चार्ल्स यूनिवर्सिटी (प्राग) में पोस्ट-डॉक्टोरल फेलो, NIPER-हाजीपुर में प्रोजेक्ट शोध साइंटिस्ट और SKMU झारखंड और JIIT नोएडा में संकाय पदों जैसी पोजीशन एवं पद प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखा है। कुल मिलाकर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने उच्च उत्पादकता, दृढ़ वित्त पोषण,

प्रभावशाली प्रकाशन, मजबूत डॉक्टरेट प्रगति एवं राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक पहचान के साथ एक उर्जावान एवं बहु-विषयक अनुसंधान वातावरण का प्रदर्शन किया, जो इस क्षेत्र में जैव रसायनिक शोध एवं नवाचार के एक प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि करता है।

कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में सात नियमित संकाय सदस्य हैं, जिनमें दो प्रोफेसर, एक एसोसिएट प्रोफेसर एवं चार असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल हैं, साथ ही तीन अतिथि संकाय सदस्य भी हैं। कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग विभिन्न क्षेत्रों में शोध में सक्रिय रूप से लगा हुआ है, जिसमें क्वांटम कंप्यूटिंग, डीप लर्निंग, इंटरनेट ऑफ व्हीकल्स, टाइम सीरीज एनालिसिस और फोरकास्टिंग, व्हीकलर एड हॉक नेटवर्क्स और इंट्यूशनलिस्टिक फ़ज़ी रफ़ सेट्स शामिल हैं।

प्रो. (डॉ.) केशव सिंह रावत ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान क्वांटम कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, क्लाउड-फॉग कंप्यूटिंग, हेल्थकेयर इंफॉर्मेटिक्स और साइटियोमेट्रिक्स के क्षेत्रों में प्रभावशाली पहलों के माध्यम से सशक्त शोध जारी रखा है। IEEE ट्रांजैक्शन ऑन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट और IEEE इंजीनियरिंग मैनेजमेंट रिव्यू सहित उच्च-प्रभाव वाले SCI/SCIE जर्नल्स में प्रकाशित उनके हालिया शोध योगदान, सैद्धांतिक मॉडल, साइटियोमेट्रिक मैपिंग और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग को एकीकृत करते हुए एक मजबूत इंटरडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। क्वांटम कंप्यूटिंग विज़ुअलाइज़ेशन एवं फ्रेमवर्क पर उनका शोध डिजिटल इंडिया, नेशनल क्वांटम मिशन तथा AI-संचालित शासन फ्रेमवर्क जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए प्रासंगिकता दिखाता है। उनका काम वैश्विक शोध इकोसिस्टम में उभरते तकनीकी रुझानों एवं उन्नत एनालिटिक्स में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उनके शैक्षणिक पोर्टफोलियो की एक प्रमुख विशेषता ₹76 लाख का ICSSR-वित्त पोषित अनुदैर्घ्य प्रोजेक्ट है जो दीन-दयाल उपाध्याय-ग्रामीण कौशल्य योजना (DDU-GKY) के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव एवं कार्यान्वयन दक्षता का आकलन करता है। यह प्रोजेक्ट व्यावसायिक प्रशिक्षण परिणामों तथा रोजगार पैटर्न के साक्ष्य-आधारित मूल्यांकन के लिए गुणात्मक जांच को मशीन लर्निंग-आधारित विश्लेषणात्मक मॉडलिंग के साथ एकीकृत करता है, जो सामाजिक प्रासंगिकता और नीतिगत जुड़ाव को दर्शाता है।

क्वांटम कंप्यूटिंग में नई उन्नति:

वर्ष 2024-25 के दौरान क्वांटम कंप्यूटिंग में प्रो. (डॉ.) केशव सिंह रावत की शोध पहलें उभरते कम्प्यूटेशनल प्रतिमानों एवं भविष्य के लिए तैयार प्रौद्योगिकियों की ओर एक दृढ़ शैक्षणिक परिवर्तन को दर्शाती हैं। उनके वर्तमान उच्च-प्रभाव वाले प्रकाशन, विशेष रूप से IEEE ट्रांजैक्शन ऑन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट और आर्काइव्स ऑफ कम्प्यूटेशनल मेथड्स इन इंजीनियरिंग, साइंटियोमेट्रिक मॉडलिंग, विजुअल एनालिटिक्स और ट्रेंड मूल्यांकन फ्रेमवर्क का उपयोग करके क्वांटम कंप्यूटिंग के बौद्धिक विकास एवं वैश्विक शोध प्रक्षेपवक्र का पता लगाते हैं। उनका काम शोध समूहों की मैपिंग, एल्गोरिथम विकास, वास्तविक दुनिया के क्वांटम अनुप्रयोगों तथा शोध परिपक्वता, तकनीकी तत्परता एवं औद्योगिक अपनाने की क्षमता को समझने के लिए मशीन लर्निंग तकनीकों के एकीकरण पर केंद्रित है। क्वांटम एल्गोरिदम, क्वांटम क्रिप्टोग्राफी, ऑप्टिमाइजेशन मॉडल और क्वांटम मशीन लर्निंग वैज्ञानिक तथा औद्योगिक इकोसिस्टम में कैसे आगे बढ़े इस पर शोधरत उनका शोध इस क्षेत्र की थ्योरेटिकल प्रगति और रणनीतिक नीति-स्तर की समझ दोनों में योगदान देता है। ये पहल पाठ्यक्रम विकास, शोध ट्रेनिंग और भविष्य के शोधकर्ताओं के लिए मूलभूत ज्ञान संसाधनों की स्थापना का भी समर्थन करती हैं, जिससे यह काम अकादमिक रूप से मूल्यवान और भारत के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन जैसी पहलों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर संरेखित होता है।

डेटा माइनिंग एवं मशीन लर्निंग: डॉ. अनूप कुमार तिवारी ने फीचर चयन, नियम प्रेरण और डेटा में अनिश्चितता नियंत्रण हेतु विभिन्न इन्टूइशनिजम युक्त फजी रफ सेट एवं इसके एक्सटेंशन पर शोध किया है, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में वृद्धि हुई है। इन्हें जटिल सिस्टम निगरानी और पैटर्न पहचान में क्रियांवित किया गया है।

डिसीजन-मेकिंग मॉडल: डॉ. अनूप कुमार तिवारी ने बहु-विशेषता निर्णय लेने, विशेषता में हास और तीन-तरफ़ा निर्णयों में विभिन्न इन्टूइशनिजम युक्त फजी रफ सेट मॉडल नियोजित किए हैं, जो संबंधपरक डेटा का विश्लेषण करने और सूचित विकल्प बनाने के लिए एक संरचना प्रदान करते हैं।

स्वास्थ्य विज्ञान एवं रोग निदान: डॉ. अनूप कुमार तिवारी ने रोग निदान के लिए इंट्यूशनलिस्टिक फ़ज़ी और इसके एक्सटेंशन को रफ़ सेट सिद्धांत के साथ जोड़ा है, जो मेडिकल डेटा का विश्लेषण करने एवं क्लिनिकल निर्णय लेने में सहायता करने का एक तरीका प्रदान करता है।

ग्रेन्युलर कंप्यूटिंग: इंट्यूशनलिस्टिक फ़ज़ी रफ़ सेट एवं इसके एक्सटेंशन का उपयोग सूचना कणों को संसाधित करके ग्रेन्युलर कंप्यूटिंग में योगदान करने के लिए किया गया है, जो डीप लर्निंग सहित डेटा माइनिंग कार्यों में प्रदर्शन एवं गणना समय को बढ़ाता है।

रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग ने रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान उल्लेखनीय शोध परिणाम प्रदर्शित कर राष्ट्रीय एवं वैश्विक वैज्ञानिक प्राथमिकताओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विभाग का कार्य उन्नत कार्यात्मक सामग्री, पर्यावरण रसायन विज्ञान, ऊर्जा भंडारण, औषधीय रसायन विज्ञान, नैनो प्रौद्योगिकी, विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान एवं कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग तक विस्तारित है। एक मुख्य शोध सफेद-प्रकाश एलईडी और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए रेयर-अर्थ डोपड नैनोफॉस्फोर, क्विनोलिन-आधारित कॉम्प्लेक्स और पाइरोसिलिकेट सामग्री के विकास में निहित है। ये अध्ययन रंग शुद्धता, स्थिरता और समग्र उपकरण प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए उन्नत फोटोलुमिनेसेंस विश्लेषण, जुड-ओफेल्ट सिद्धांत और संरचनात्मक जांच का उपयोग करते हैं। ऊर्जा-संबंधित अनुसंधान में समानांतर प्रयासों में कार्बन क्वांटम डॉट्स, rGO-आधारित नैनोकम्पोजिट, $Nb_2O_5/g-C_3N_4/PPy$ सिस्टम और PANI-व्युत्पन्न मेश नेटवर्क जैसी उच्च-प्रदर्शन इलेक्ट्रोड सामग्री का डिजाइन शामिल है, जिन्होंने उन्नत सुपरकैपेसिटर दक्षता और दीर्घकालिक इलेक्ट्रोकेमिकल स्थिरता का प्रदर्शन किया है।

विभाग ने पर्यावरण रसायन विज्ञान में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है, विशेष रूप से जल उपचार एवं संक्षारण संरक्षण में। इसके अंतर्गत rGO-लिपटे धातु ऑक्साइड, 2D/3D हेट्रोस्ट्रक्चर और MOF-आधारित हाइब्रिड का उपयोग करके वास्तविक दुनिया के प्रदूषकों के फोटोकैटलिटिक क्षरण पर अनुसंधान स्थायी पर्यावरणीय समाधानों के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बायो-प्रेरित कैल्सीफिकेशन, पौधे-अर्क-आधारित संक्षारण अवरोधक और कीटनाशक हटाने के लिए उन्नत नैनोएडसॉर्बेंट पर अध्ययन पर्यावरण तथा औद्योगिक चुनौतियों से निपटने में विभाग की भूमिका को और अधिक प्रकट करते हैं।

विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान क्षेत्र में, विभाग ने खाद्य योजकों, धातु आयनों, नाइट्राइट और अन्य दूषित पदार्थों का तेजी से पता लगाने के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल और प्रतिदीप्ति-आधारित सेंसर विकसित किए हैं। ये सेंसर उच्च संवेदनशीलता, चयनात्मकता तथा व्यावहारिक प्रयोज्यता के लिए नैनोकम्पोजिट, हाइड्रोजन-बंधित कार्बनिक फ्रेमवर्क एवं हाइब्रिड जैल का प्रयोग करते हैं।

औषधीय और फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान विभागीय शोध का मजबूत स्तंभ है। संकाय सदस्यों ने कई तरह के बायोएक्टिव मॉलिक्यूल्स - जिनमें थायाजोल, ट्रायजोल, ऑक्साडायजोल, हाइड्राजोन और शिफ बेस डेरिवेटिव शामिल हैं, को उनके कैंसर-रोधी, एंटीमाइक्रोबियल, एंटीवायरल, एंटीऑक्सीडेंट और एंजाइम को रोकने वाले गुणों के लिए सिंथेसाइज एवं इवैल्यूएट किया है। इन अध्ययनों को QSAR, मॉलिक्यूलर डॉकिंग, मॉलिक्यूलर डायनामिक्स और ADMET प्रोफाइलिंग वाले व्यापक कम्प्यूटेशनल तरीकों प्रभावी बनाया गया है। इन प्रयासों को ग्रीन केमिस्ट्री में पहलों से पूर्ण किया जाता है, जहाँ बायोडिग्रेडेबल बायोपॉलिमर फिल्में, सस्टेनेबल जैल, ग्रीन कार्बन क्वांटम डॉट्स और पर्यावरण के लिए सुरक्षित नैनोकम्पोजिट को एंटीमाइक्रोबियल गतिविधि से लेकर फोटोकैटलिसिस तक मल्टीफंक्शनल एप्लीकेशन्स के लिए विकसित किए हैं।

मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (MOFs) एवं हाइब्रिड पोरस मटीरियल्स में कैटलिसिस, प्रदूषक डिग्रेडेशन और CO₂ कैप्चर के लिए और प्रगति हुई है - जिससे यह विभाग मटीरियल-आधारित पर्यावरणीय तकनीकी में अग्रणी है। कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री एवं सौर ऊर्जा शोध में भी काफी प्रगति हुई है, जिसमें DFT एवं TD-DFT स्टडीज ने अगली पीढ़ी के डाई-सेंसिटाइज्ड सौर सेल के लिए मेटल कॉम्प्लेक्स तथा डाई मॉलिक्यूल्स की इलेक्ट्रॉनिक संरचनाओं को स्पष्ट किया है। सामूहिक रूप से, ये विविध शोध पहलें वैज्ञानिक नवाचार, अंतर-विषयक सहयोग तथा सामाजिक प्रभाव के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। उच्च गुणवत्ता प्रकाशनों की बड़ी संख्या, व्यापक प्रायोगिक और सैद्धांतिक कार्य, और राष्ट्रीय मिशनों से प्रासंगिकता रसायन विज्ञान विभाग को विश्वविद्यालय के भीतर उत्कृष्टता के तेजी से बढ़ते केंद्र के रूप में पुष्टि करती है।

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग ने शहरीकरण, क्षेत्रीय विकास, पर्यावरणीय परिवर्तन, भू-स्थानिक विश्लेषण एवं जलवायु अध्ययन पर केंद्रित अनुसंधान के माध्यम से लगातार शैक्षणिक विकास दर्शित किया है। संकाय सदस्यों

ने राजस्थान में शहरीकरण के स्तर और पैटर्न पर महत्वपूर्ण काम किया है, जो स्थानिक विकास प्रवृत्तियों में जिला-स्तरीय अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। ग्रामीण उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के उपयोग पर शिक्षा के प्रभाव पर अनुसंधान सामाजिक भूगोल और मानव कल्याण में विभाग की रुचि को प्रस्तुत करता है। भू-राजनीतिक अध्ययन में प्रमुख विषयगत योगदान के अंतर्गत उभरते इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, भारत-चीन भू-राजनीतिक गतिशीलता तथा वैश्विक रणनीतिक ढांचे में बदलाव का विश्लेषण करने वाले प्रकाशन शामिल हैं। पर्यावरणीय खतरों के क्षेत्र में, विभाग ने बाढ़ के खतरों, सामाजिक भेद्यता एवं परिदृश्य परिवर्तनों का आकलन करने के लिए भू-स्थानिक उपकरणों का उपयोग करके प्रभावशाली काम किया है, जो आपदा जोखिम मूल्यांकन में रिमोट सेंसिंग, AI तकनीकों और GIS मॉडलिंग के अनुप्रयोग को प्रदर्शित करता है।

विभाग ने सार्वजनिक स्थान तक पहुंच, हरे-भरे स्थानों में कम आबादी की प्राथमिकताओं और हिमालयी क्षेत्र में पारिस्थितिक भूमि परिवर्तन पर भी शोध किया है जिसका योगदान स्थायी शहरी नियोजन एवं पर्यावरण प्रबंधन में है। जलवायु संबंधी अध्ययन, जिसमें लाहौल-स्पीति (हिमाचल प्रदेश) में वर्षा और तापमान परिवर्तन के प्रवृत्ति विश्लेषण तथा भूमि सतह तापमान-वनस्पति संबंधों के आकलन शामिल हैं, जलवायु लचीलापन एवं पर्यावरण निगरानी के साथ बढ़ते जुड़ाव को दर्शाते हैं। अंतःविषय सहयोग के माध्यम से, संकाय ने जटिल भूमि-उपयोग गतिशीलता, जल-मौसम संबंधी विविधताओं तथा सामाजिक-पर्यावरणीय प्रभावों को समझने के लिए रिमोट सेंसिंग, AI-आधारित मॉडलिंग और स्थानिक सांख्यिकी को लागू किया है। सामूहिक रूप से, ये शोध पहले स्थानिक विज्ञान, पर्यावरणीय स्थिरता, क्षेत्रीय विकास और नीति-प्रासंगिक भौगोलिक छात्रवृत्ति के प्रति भूगोल विभाग की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं। यूजीसी-केयर, स्कोपस-अनुक्रमित तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशनों की व्यापकता विभाग की शैक्षणिक शक्ति एवं बढ़ते अनुसंधान पदचिह्न को रेखांकित करती है।

प्रबंधन अध्ययन विभाग

प्रबंधन अध्ययन विभाग लगातार शोध में प्रगतिशील है, जिसमें वित्तीय साक्षरता, वित्तीय समावेशन, डिजिटल मार्केटिंग और उपभोक्ता व्यवहार पर विशेष ध्यान दिया गया है। वर्ष के दौरान एक प्रमुख योगदान में उन्नत सांख्यिकीय दृष्टिकोण जैसे PLS-SEM का उपयोग करके युवा वित्तीय साक्षरता वित्तीय समावेशन को प्रभावित करना है, इस पर अनुभवजन्य शोध किया गया है। यह कार्य वित्तीय

जागरूकता, युवा सशक्तिकरण एवं डिजिटल वित्त पारिस्थितिकी तंत्र से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक विषयों को संबोधित करने के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एक प्रमुख शोध के अंतर्गत सोशल मीडिया विज्ञापन एवं प्रामाणिकता का विश्लेषण है, जहां वैश्विक अनुसंधान प्रवृत्तियों, उभरते विषयों एवं भविष्य के शोध मार्गों को मैप करने के लिए ग्रंथ सूची संबंधी तरीकों और VOSviewer जैसे उपकरणों का उपयोग किया गया है। यह डिजिटल बिजनेस स्ट्रैटेजी, ऑनलाइन कंज्यूमर ट्रस्ट और सोशल मीडिया कम्युनिकेशन की बदलती डायनामिक्स पर बढ़ते प्रभाव को दर्शित करता है।

इन मुख्य क्षेत्रों सहित, विभाग के शोध आउटपुट स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट, ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर एवं टेक्नोलॉजी-ड्रिवन डिजीजन-मेकिंग में व्यापक रुचियों को दर्शाते हैं, जिसमें संकाय मेंबर आधुनिक बिजनेस माहौल से संबंधित इंटरडिसिप्लिनरी लिंकेज और डेटा-ड्रिवन फ्रेमवर्क पर शोधरत हैं। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में विभिन्न प्रकार के प्रकाशन विभाग की बढ़ती अकादमिक पहचान और साक्ष्य-आधारित नीति चर्चाओं तथा प्रबंधकीय प्रथाओं में योगदान करने की इसकी बढ़ती क्षमता को प्रदर्शित करते हैं। संक्षेप में, ये पहले प्रबंधन अध्ययन विभाग की उच्च-गुणवत्ता शोध, समकालीन प्रासंगिकता एवं बिजनेस स्कॉलरशिप में एनालिटिकल टूल्स के इंटीग्रेशन के प्रति जारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं।

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग ने वर्ष के दौरान मैक्रोइकोनॉमिक अस्थिरता, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, मूल्य गतिशीलता और अनिश्चितता के तहत आर्थिक व्यवहार जैसे प्रमुख विषयों पर शोध कर व्यापक शैक्षणिक जुड़ाव प्रदर्शित किया गया है। इसमें एक महत्वपूर्ण योगदान भारत और चीन के बीच विनिमय दर अस्थिरता और द्विपक्षीय व्यापार प्रवाह के अध्ययन से संबंधित है, जो अनुभवजन्य जानकारी प्रदान करता है कि मुद्रा में उतार-चढ़ाव व्यापार प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करता है। इसके पूरक के रूप में, रुपये-डॉलर की अस्थिरता तथा इसके व्यापक मैक्रोइकोनॉमिक प्रभावों पर शोध किया गया है, जो बाहरी क्षेत्र की गतिशीलता और वैश्विक वित्तीय संबंधों में विभाग की रुचि को रेखांकित करता है। व्यवहारिक एवं अनुप्रयुक्त सूक्ष्मअर्थशास्त्र के क्षेत्र में, संकाय सदस्यों ने विषम-सम मूल्य निर्धारण तथा उपभोक्ता निर्णय लेने पर इसके मनोवैज्ञानिक प्रभाव के विश्लेषण के माध्यम से उपभोक्ता व्यवहार और मूल्य निर्धारण

रणनीतियों पर शोध किया है, जिससे बाजार मनोविज्ञान एवं उपभोग पैटर्न के विषयों में समझ बनी है। अन्य उल्लेखनीय पहल में भारत में खुदरा मुद्रास्फीति के रुझानों का मूल्यांकन है, जो मूल्य अस्थिरता, जीवन यापन की लागत के दबाव तथा मैक्रोइकोनॉमिक प्रबंधन चुनौतियों को समझने में योगदान देता है। संक्षेप में, ये अध्ययन नीति-प्रासंगिक आर्थिक मुद्दों, मात्रात्मक विश्लेषण और वास्तविक दुनिया के बाजार व्यवहार पर विभाग के ध्यान को दर्शाते हैं। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन विभाग की उन्नति परक शोध संस्कृति को दर्शित करते हुए साक्ष्य-आधारित आर्थिक शोध प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं।

पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग

पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग ने पर्यटन योजना, सतत पर्यटन विकास तथा आतिथ्य प्रबंधन में योगदान के माध्यम से एक बढ़ती हुई शोध छाप प्रदर्शित की है। एक उल्लेखनीय शोध पहल में रायगड़ा जिले में पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास पर एक व्यापक अध्ययन शामिल है, जो क्षेत्रीय पर्यटन क्षमता, संसाधन मानचित्रण और आदिवासी-बहुल तथा सांस्कृतिक रूप से विविध क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की कमियों से जुड़ी चुनौतियों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। यह शोध समुदाय-आधारित पर्यटन, ग्रामीण विकास और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह अध्ययन पहुंच, आवास क्षमता, प्राकृतिक आकर्षण, सांस्कृतिक विरासत और सरकारी हस्तक्षेप जैसे महत्वपूर्ण कारकों पर प्रकाश डालता है, जिससे नीति निर्माताओं और हितधारकों को कम खोजे गए क्षेत्रों में पर्यटन-संचालित विकास को बढ़ाने के लिए एक ढांचा प्रदान किया जाता है। इस पहल के माध्यम से, विभाग सामाजिक-आर्थिक उत्थान, रोजगार सृजन एवं सतत क्षेत्रीय योजना के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में पर्यटन की भूमिका पर जोर देता है। सामूहिक रूप से, विभाग का शोध पर्यटन विकास रणनीतियों पर चर्चा को आगे बढ़ाता है तथा इसे साक्ष्य-आधारित आतिथ्य एवं पर्यटन शोध में एक उभरते हुए योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करता है। ये गतिविधियाँ एक बढ़ती हुई शोध संस्कृति को दर्शाती हैं और सतत पर्यटन, ग्रामीण सशक्तिकरण एवं विरासत-आधारित विकास में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं।

कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ह्यूमन-कंप्यूटर इंटरैक्शन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें शोध मुख्यतः AI सिस्टम से चेहरे को पहचानने और आकलन

करने की क्षमताओं पर केंद्रित है। एक मुख्य पहल में "विभिन्न स्थितियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम की चेहरे को पहचानने और आकलन करने की क्षमता: एक व्यवस्थित समीक्षा" शीर्षक का व्यापक अध्ययन शामिल है, जो शोधरत है कि AI-संचालित चेहरे के विश्लेषण सिस्टम स्थितियों के अनुरूप विविध डेटासेट में कैसा प्रदर्शन करते हैं, वर्तमान एल्गोरिदम में पूर्वाग्रह, और AI टेक्नोलॉजी के वैश्विक उपयोग के लिए इसके क्या मायने हैं। यह कार्य क्रॉस-कल्चरल AI विश्वसनीयता की समझ को आगे बढ़ाता है और समावेशी डेटासेट एवं नैतिक रूप से सँरखित डिजाइन सिद्धांतों की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। इस शोध के माध्यम से, विभाग बहुसांस्कृतिक AI विकास, निष्पक्षता एवं उत्तरदायी नवाचार पर वैश्विक चर्चा में शोध योगदान देता है, जो समकालीन कंप्यूटर विज्ञान में सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। यह पहल विभाग के इंटरडिसिप्लिनरी AI की ओर बढ़ते शोध ओरिएंटेशन को दर्शाती है, जो कंप्यूटर विज्ञान, मनोविज्ञान, नैतिकता एवं मानव-केंद्रित कंप्यूटिंग को जोड़ती है। सामूहिक रूप से, ये गतिविधियाँ एक उभरते हुए शोध इकोसिस्टम को दर्शाती हैं जो सामाजिक रूप से उत्तरदायी तकनीक, AI उपकरणों की वैश्विक प्रयोज्यता तथा सांस्कृतिक एवं जनसांख्यिकीय विविधता के प्रति संवेदनशील कम्प्यूटेशनल फ्रेमवर्क के विकास को प्राथमिकता देता है। विभाग का शोध पथ उच्च-गुणवत्ता वाली विद्वत्ता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता एवं आगामी वर्षों में मशीन लर्निंग, इंटेलिजेंट सिस्टम और नैतिक AI शोध में अधिक विस्तार करने की उसकी क्षमता को रेखांकित करता है।

सिविल अभियांत्रिकी विभाग

सिविल अभियांत्रिकी विभाग ने क्षेत्रीय मूलभूत संरचना एवं आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अनुप्रयुक्त शोध में योगदान दिया है, जिसमें भूजल अध्ययन तथा भू-स्थानिक विश्लेषण पर महत्वपूर्ण ध्यान दिया गया है। वर्ष के दौरान प्रमुख पहलों में कर्नाटक के कोलार जिले में भूजल क्षमता का एक व्यापक क्षेत्र-आधारित मूल्यांकन शामिल है, जो क्षेत्र में भूजल संसाधनों की उपलब्धता और स्थिरता का मूल्यांकन करने के लिए भूवैज्ञानिक मानचित्रण, जल-भू-आकृति विज्ञान विश्लेषण एवं क्षेत्र सर्वेक्षण तकनीकों को एकीकृत करता है। यह शोध विभाग की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय तथा संसाधन-संबंधी चुनौतियों के साथ जुड़ाव को उजागर करता है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जो पानी की कमी और तेजी से भूमि-उपयोग परिवर्तन का सामना कर रहे हैं। यह अध्ययन जलभृत विशेषताओं, पुनर्भरण क्षेत्रों तथा भूजल उपयुक्तता मापदंडों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जो जल प्रबंधन एवं ग्रामीण विकास पर काम कर रहे नीति निर्माताओं

तथा स्थानीय प्रशासनों के लिए वैज्ञानिक सहायता प्रदान करता है। इस पहल के माध्यम से, विभाग पर्यावरणीय नियोजन एवं संसाधन अनुकूलन के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों के साथ सिविल अभियांत्रिकी सिद्धांतों के संयोजन में अपनी क्षमता प्रदर्शित करता है। यद्यपि एक उभरते हुए चरण में, विभाग की शोध गतिविधि वास्तविक दुनिया की सिविल इंजीनियरिंग समस्याओं को संबोधित करने के लिए बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो जल विज्ञान, निर्माण सामग्री, भू-तकनीक, परिवहन अध्ययन एवं स्थायी मूलभूत संरचनात्मक विकास जैसे क्षेत्रों में भविष्य के कार्य हेतु नींव को मजबूत करती है।

इतिहास एवं पुरातत्व विभाग

इतिहास एवं पुरातत्व विभाग ने पिछले वर्षों में सक्रियता से ऐसे शोध को बढ़ावा दिया है जो ऐतिहासिकता को आगे बढ़ाता है, पुरातात्विक विरासत को संरक्षित करता है, और अंतःविषय दृष्टिकोणों के माध्यम से समकालीन सामाजिक मुद्दों को संबंधित है।

इतिहास एवं पुरातत्व विभाग ने वर्ष के दौरान सार्थक शोधपरक योगदान दिया है, जिसमें क्षेत्रीय इतिहास जैसे क्षेत्रीय विरासत, आदिवासी समाजों, सांस्कृतिक परंपराओं तथा मौखिक इतिहास पर सूक्ष्म-स्तरीय अध्ययन इत्यादि पर शोध केंद्रित है। सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास: जाति, लिंग, धर्म, शिक्षा और दैनिक जिंदगी पर शोध, हाशिए पर पड़े लोगों की आवाजों को उजागर करना। आर्थिक एवं कृषि इतिहास: भूमि संबंधों, कृषि परिवर्तन, व्यापार, श्रम और क्षेत्रीय आर्थिक विकास पर अध्ययन। औपनिवेशिक एवं उत्तर-औपनिवेशिक अध्ययन: औपनिवेशिक प्रशासन, राष्ट्रवादी आंदोलनों तथा उत्तर-औपनिवेशिक परिवर्तनों का महत्वपूर्ण विश्लेषण। पुरातत्व एवं विरासत अध्ययन: तिगराना स्थल, शिलालेखों और ऐतिहासिक स्थलों जैसे स्मारकों का प्रलेखन एवं संरक्षण। अंतःविषय अनुसंधान: आदिवासी अध्ययन, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान एवं पर्यावरण अध्ययन जैसे जल प्रबंधन प्रणालियों के साथ सहयोगात्मक अध्ययन। विभाग ICSSR, ICHR तथा IITE, गुजरात सरकार से वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं पर कार्य किया जाता है। विभाग प्रतिष्ठित पत्रिकाओं एवं पुस्तकों में प्रकाशन, सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाएं, फील्ड ट्रिप एवं शैक्षिक दौरे आयोजित करता है। पीएच.डी शोध, शोध प्रशिक्षण कार्यक्रम और विभागीय फिल्म क्लब इत्यादि पब्लिक हिस्ट्री पहलों के द्वारा विभाग एक जीवंत तथा सामाजिक रूप से प्रासंगिक शोध वातावरण को बढ़ावा देता है।

राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति विज्ञान विभाग ने वर्ष भर सुदृढ़ एवं परिपक्व शोध प्रोफ़ाइल का प्रदर्शन किया, जिसमें शोध मुख्य रूप से भारतीय संघवाद, विकेंद्रीकरण, आर्थिक शासन एवं विदेश नीति अध्ययनों पर केंद्रित थी। संकाय सदस्यों ने भारत की संघीय संरचना के विश्लेषण में बड़े पैमाने पर योगदान दिया और उन्होंने आर्थिक शासन प्रमुख पार्टी संतुलन को प्रभावित करना, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश वितरण के राजनीतिक निर्धारक तथा एक प्रमुख पार्टी प्रणाली में रियायती संघवाद के निहितार्थ विषयों पर ध्यान केंद्रित किया। कई प्रभावशाली अध्ययनों ने बदलते राजनीतिक शासन के तहत भारतीय संघवाद के विकास में शोध किया, जिसमें मोदी युग के दौरान केंद्र-राज्य संबंधों, अंतर-सरकारी वित्तीय संबंधों के पुनर्गठन, वेट कार्यान्वयन, तथा विकेंद्रीकरण परिणामों का आकलन करने के लिए वैचारिक ढांचे जैसे मुद्दों को दर्शित किया। विभाग का शोध परिणाम अलगाववादी संघर्षों, समानीकरण असमंजस तथा पक्षपातपूर्ण संघवाद पर शोध के माध्यम से तुलनात्मक राजनीतिक अध्ययनों को भी समृद्ध करता है, जो उप-राष्ट्रीय सरकारों की अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, विभाग सिंधु जल संधि से संबंधित जल-बंटवारे की चुनौतियों, भारत की जलवायु परिवर्तन नीति पहलों और बांग्लादेश के साथ द्विपक्षीय संबंधों सहित महत्वपूर्ण विषयों पर शोधरत है, जिससे विदेश नीति एवं रणनीतिक मामलों में विभाग का योगदान बढ़ा है। सामूहिक रूप से, ये पहलें समकालीन राजनीतिक चुनौतियों के साथ एक मज़बूत जुड़ाव को दर्शाती हैं तथा विभाग को शासन एवं सार्वजनिक नीति विमर्श में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करती हैं।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग ने इस साल बहुत परिमाणिक एवं बहुविषयक शोध प्रोफ़ाइल प्रदर्शित की है, जिसने एग्रीकल्चरल माइक्रोबायोलॉजी, एनवायरनमेंटल बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबियल थेराप्यूटिक्स, प्रोबायोटिक साइंस, बायोएनर्जी और नैनोबायोटेक्नोलॉजी में अहम योगदान दिया है। स्ट्रेप्टोमाइसेस ग्रिसोइनकारनेटस SSPJ4 से रिकॉम्बिनेंट अरेबिनोफ्यूरानोसिडेस धान के भूसे से बायोएथेनॉल की पैदावार को बेहतर बनाता है।

सतत जैव ईंधन की बढ़ती मांग लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास (LCB) के कार्यक्षमतापूर्ण प्रयोग की आवश्यकता को दर्शाता है। α -L- अरेबिनोफ्यूरानोसिडेस, अरेबिनोज़ धारक पॉलीसैकराइड एवं

ओलिगोसैकराइड को तोड़ने में शामिल ज़रूरी एक्सेसरी एंजाइम हैं। इस अध्ययन में, हमारा उद्देश्य लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास को अच्छे से तोड़ने के लिए एक्टिनोमाइसेट्स को अलग करना है। सबसे आशातीत आइसोलेट, *S. griseoincarnatus* है। SSPJ4 को असेंबली और एनोटेशन के लिए GALAXY टूल का इस्तेमाल करके जेनेटिक मेकअप के बारे में सूचना हेतु पूरे जीनोम सीक्वेंसिंग से गुज़ारा गया। असेंबल किए गए जीनोम की लंबाई 7.3Mb है, इसमें 72.38% G+C कंटेंट है और कुल 6678 जीन हैं, जिनमें से 4 जीन अरेबिनोफ्यूरानोसिडेस के लिए एनकोडेड हैं। इसके अतिरिक्त, इन जीन को ओवरएक्सप्रेशन के लिए क्लोनिंग वेक्टर pET28 (a) में क्लोन किया गया था। इस अध्ययन के परिणाम खेती के बचे हुए हिस्सों को वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स में बदलने की काफी संभावना दिखाते हैं। निर्मित एंजाइम कॉकटेल का उद्देश्य सैकरिफिकेशन को बेहतर बनाना है, जिससे दूसरी पीढ़ी के बायोएथेनॉल प्रोडक्शन को बेहतर बनाने और सर्कुलर बायोइकोनॉमी को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

माइक्रोबियल टैनेसेस का उत्पादन एवं अनुप्रयोग

विभागीय शोध, एंजाइम प्रोडक्शन के लिए अच्छे बायोलॉजिकल सोर्स की पहचान करने के लिए एंडोफाइटिक फंगस की पूरी स्क्रीनिंग के ज़रिए टैनेज़ बायोटेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाता है। यह सॉलिड-स्टेट फर्मेंटेशन के द्वारा टैनेज़ प्रोडक्शन के लिए एक सस्टेनेबल, कम लागत वाले सब्सट्रेट के तौर पर अखरोट के छिलकों के असर को दिखाता है। स्टडी के दौरान, जामुन के पत्तों से एक एंडोफाइट, *एस्पेरगिलस नाइजर* TJU JUL51 को सबसे अच्छा प्रोड्यूसर माना गया, जो सभी आइसोलेट्स में सबसे ज़्यादा टैनेज़ यील्ड देता है। यह स्ट्रेन मौजूद माइक्रोबियल रिसोर्सेज़ की वैल्यू बढ़ाता है। इससे बनने वाला टैनेज़ फूड और फ़ार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज़ में इस्तेमाल के लिए भी अच्छे गुण दिखाता है, जो इसके प्रैक्टिकल महत्व और भविष्य की संभावनाओं को दिखाता है।

लैकेस के पर्यावरणीय अनुप्रयोग

विभाग ने फेनोलिक पॉल्यूटेंट्स को बायोकैटेलिटिक तरीके से हटाने के लिए नॉर्थईस्ट इंडिया से लैकेस बनाने वाले व्हाइट रॉट फंगस को अलग कर शोध किया है। *क्यूबेन्सिस* ARFR 43 एक ठोस उत्पादक के रूप में सामने आया, जिसने रेफ़रेंस *गैनोडर्मा की तुलना में ज़्यादा एंजाइम लेवल दिया। ल्यूसिडम* स्ट्रेन को सॉलिड-स्टेट फर्मेंटेशन के तहत रखा गया। गेहूँ के चोकर की मात्रा, नमी का अनुपात और कॉपर सल्फेट इंडक्शन जैसे मुख्य पैरामीटर के ऑप्टिमाइज़ेशन के बाद इसका प्रोडक्शन ग्यारह गुना से ज़्यादा

बढ़ गया। प्यूरिफाइड एंजाइम ने लगभग 40 kDa का मॉलिक्यूलर वेट दिखाया, साथ ही थर्मल और pH स्टेबिलिटी भी अच्छी थी। प्रोटीओमिक एनालिसिस ने मल्टीकॉपर ऑक्सीडेस के साथ इसके अलाइनमेंट की पुष्टि की, जो कॉम्प्लेक्स एरोमैटिक कंपाउंड को ऑक्सिडाइज करने में इसकी भूमिका का समर्थन करता है। टी. क्यूबेंसिस से आंशिक रूप से प्यूरिफाइड लैकेस ने फेनोलिक कंटेमिनेंट्स का बेहतर डिग्रेडेशन दिखाया, छह घंटे के अंदर 97 प्रतिशत तक ब्रेकडाउन हासिल किया। स्पेक्ट्रोस्कोपिक एवं क्रोमैटोग्राफिक एनालिसिस ने कम टॉक्सिक डिग्रेडेशन प्रोडक्ट के बनने की पुष्टि की। संक्षेप में, यह काम टी. क्यूबेंसिस ARFR 43 को फेनोलिक वेस्ट के पर्यावरण के अनुकूल ट्रीटमेंट के लिए मजबूत लैकेस के एक अच्छे स्रोत के रूप में दर्शित करता है।

***E.coli* स्ट्रेन के विरूद्ध स्थानीय प्रोबायोटिक्स की पहचान**

पीजीआईएमएस रोहतक से 29 MDR स्ट्रेन का कलेक्शन लिया गया है। सभी स्ट्रेन की पहचान मॉर्फोलॉजिकल, बायोकेमिकल, सीरोलॉजिकल, VITEK बेस्ड और 16S rRNA बेस्ड आइडेंटिफिकेशन से की गई, जिससे 29 स्ट्रेन डायरिया वाले ई. कोलाई स्ट्रेन के तौर पर सामने आए, जिनमें सीरोग्रुप O121 और O128 सबसे आम थे। DEC स्ट्रेन में हीमग्लूटिनेशन, सेल हाइड्रोफोबिसिटी और साइडरोफोर प्रोडक्शन जैसे खतरनाक लक्षण दिखे। इन स्ट्रेन में मल्टीड्रग-रेसिस्टेंट गुण दिखे और मल्टीपल एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस इंडेक्स (MAR) वैल्यू 0.2 से ज्यादा थी। बायोफिल्म बनाने की क्षमता और एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस के बीच एक पॉजिटिव कोरिलेशन देखा गया, जिससे पता चलता है कि शोध किए गए स्ट्रेन में बायोफिल्म एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस के फैक्टर में से एक हो सकता है। फर्मेंटेड फूड्स से अलग किए गए प्रोबायोटिक स्ट्रेन्स के कलेक्शन से, अलग-अलग प्रोबायोटिक्स से सेल-फ्री सुपरनैटेंट (CFS) की क्षमता को इन पैथोजेनिक *E.coli* स्ट्रेन्स के खिलाफ एंटीमाइक्रोबियल और एंटीबायोफिल्म एक्टिविटीज के लिए टेस्ट किया गया। पेडियोकोकस से CFS *acidilactici* 100 ने मिनिमम इनहिबिटरी कंसंट्रेशन (MIC) और मिनिमम बैक्टीरिसाइडल कंसंट्रेशन (MBC) के साथ क्रमशः 23.33 mg/ml और 33.33 mg/ml के साथ मैक्सिमम एंटीमाइक्रोबियल एक्टिविटी दिखाई। CFS बायोफिल्म बनने की प्रक्रिया को रोकने के साथ-साथ पहले से बनी बायोफिल्म को 72-73% तक खत्म करने में सफल रहा। एडवांस्ड माइक्रोस्कोपिक तकनीकों से ट्रीटेड बायोफिल्म में सेल्स के जमाव का पूरी तरह से खत्म होना देखा गया। एटॉमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी (AFM) से ट्रीटेड बायोफिल्म की

रफनेस (30%) और ऊंचाई (2-17%) में कमी देखी गई। लिक्विड क्रोमैटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमेट्री का इस्तेमाल करके CFS फ्रैक्शन में ऑर्गेनिक एसिड, फैटी एसिड, फेनोलिक कंपाउंड और दूसरे डेरिवेटिव का पता लगाया गया। नतीजों ने MDR-DEC स्ट्रेन की बायोफिल्म के खिलाफ पेडियोकोकी स्ट्रेन से CFS कंपोनेंट की क्षमता दिखाई, जिससे एंटीबायोटिक-रेसिस्टेंट गैस्ट्रिक पैथोजन्स के खिलाफ अगली पीढ़ी के इलाज के तरीके विकसित होनी कि प्रबल संभावना है।

विब्रियो एल्गिनोलिटिकस के विरुद्ध संभावित वैक्सीन टारगेट के रूप में हेमोलिसिन जीन की खोज

हीमोलिसिन जीन की पहचान विब्रियो एल्गिनोलिटिकस के विरुद्ध वैक्सीन बनाने के लिए एक संभावित टारगेट के तौर पर की गई है। विब्रियो एल्गिनोलिटिकस एक हेलोफिलिक ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया है जो आमतौर पर एस्टुरीन और टेम्परेट समुद्री वातावरण में मिलता है। वर्तमान के अध्ययनों से पता चला है कि विब्रियो एल्गिनोलिटिकस एक मौकापरस्त इंसानी पैथोजन है जिसे बढ़ने के लिए आयर्न की ज़रूरत होती है, और यह हेमिन को अपने अकेले आयर्न सोर्स के तौर पर असरदार तरीके से इस्तेमाल करता है। होस्ट आयर्न सोर्स, जैसे कि इसके हीमोलिसिन की वजह से रेड ब्लड सेल लाइसिस से हीम, का प्रयोग करने की इस क्षमता ने शायद इसके पैथोजेनिक इवोल्यूशन में मदद की। हेमिन के अतिरिक्त, *विब्रियो एल्गिनोलिटिकस* बढ़ने के लिए फेरस सल्फेट और फेरिक हाइड्रॉक्साइड का भी प्रयोग कर सकता है। इसकी हीमोलिटिक सक्रियता को देखते हुए, हमने इसके लिए उत्तरदायी जीन की पहचान करने के लिए *वी. एल्गिनोलिटिकस ATCC 17749* जीनोम पर रैंडम ट्रांसपोसोन इंसर्शन म्यूटेजेनेसिस किया। जीन AGV17462.1 को हीमोलिसिस के लिए उत्तरदायी र पाया गया। जब *E. coli* में क्लोन और एक्सप्रेस किया गया, तो इस जीन ने होस्ट को हीमोलिटिक एक्टिविटी दी, जिससे पता चलता है कि यह विरुलेंस में कितना आवश्यक है। इस तरह यह जीन विब्रियो एल्गिनोलिटिकस के विरुद्ध वैक्सीन बनाने के लिए एक अच्छा कैंडिडेट है। इसके अतिरिक्त, इस बैक्टीरिया में हीम ट्रांसपोर्ट में शामिल जीन पर शोध जारी है ताकि इसके पैथोजेनिक मैकेनिज्म को बेहतर ढंग से समझा जा सके।

एंटीबायोटिक-रेसिस्टेंट *हेलिकोबैक्टर पाइलोरी* के विरुद्ध G-क्वाड्रप्लेक्स स्ट्रक्चर को टारगेट करना

हेलिकोबैक्टर पाइलोरी में जी-क्वाड्रप्लेक्स-फॉर्मिंग सीक्वेंस (G4 मोटिफ्स) की पहचान करने और उनकी विशेषता बताने के लिए एक जीनोम-वाइड विश्लेषण किया गया और बहुदोष प्रतिरोधी स्ट्रेन्स के खिलाफ नए एंटीमाइक्रोबियल टारगेट के रूप में उनकी क्षमता का मूल्यांकन किया गया। हमने हजारों

इंट्राजेनिक G4 मोटिफ्स की खोज की, जिनमें स्थिर G4 संरचनाएं हैं जो विरुलेंस जीन *hopG* और *imaA* के भीतर मान्य हैं। बायोफिजिकल परख और जीन-एक्सप्रेसन विश्लेषण का उपयोग करके, हमने दिखाया कि ये G4 मोटिफ्स G4-स्थिरीकरण लिगेंड के प्रति उत्तरदायी ट्रांसक्रिप्शनल रेगुलेटर के रूप में काम करते हैं। विशेष रूप से, G4-बाइंडिंग यौगिक ब्रैको-19 और TMPyP4 ने कैनामाइसिन-प्रतिरोधी *H. पाइलोरी* क्लिनिकल आइसोलेट के खिलाफ मजबूत जीवाणुरोधी गतिविधि दिखाई यह काम *H. पाइलोरी* में डूगेल रेगुलेटरी एलिमेंट के तौर पर इंट्राजेनिक G-क्वाड्रुप्लेक्स को स्थापित करता है और G4-टारगेटिंग लिगेंड को अच्छे कारक के तौर पर दर्शाता है।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग ने सार्थक पहलों के द्वारा शैक्षणिक एवं डिजिटल साक्षरता को सुदृढ़ बनाया है, जो सूचना तक समान पहुंच तथार डिजिटल लर्निंग की संस्कृति को बढ़ावा देती हैं। वर्ष के दौरान मुख्य गतिविधि नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ़ इंडिया (NDLI) पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन था, जिसका उद्देश्य छात्रों को डिजिटल रिपॉजिटरी, ई-रिसोर्स और ओपन-एक्सेस लर्निंग मटीरियल के प्रभावी उपयोग से परिचित कराना था। इस पहल ने छात्रों के मध्य सूचना खोजने के व्यवहार, डिजिटल रिसोर्स नेविगेशन कौशल तथा सतत अध्ययन की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाया है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को NDLI के मल्टीडिसिप्लिनरी कलेक्शन से सफलतापूर्वक परिचित कराया तथा डिजिटल सर्च को ऑप्टिमाइज़ करने, एकेडमिक संदर्भों को मैनेज करने एवं उच्चतर शिक्षा में ई-लर्निंग टूल को एकीकृत करने की रणनीतियों का प्रदर्शन किया। इस तरह के शैक्षणिक जुड़ाव के द्वारा, विभाग सूचना साक्षरता, डिजिटल सशक्तिकरण तथा उपयोगकर्ता-केंद्रित सूचना सेवाओं को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका का विस्तार हेतु प्रयासरत है। ये प्रयास डिजिटल लाइब्रेरी, ज्ञान संगठन, सूचना व्यवहार तथा उभरती पुस्तकालय तकनीकी के क्षेत्रों में भविष्य हेतु शोध एवं विस्तार गतिविधियों के लिए एक नींव रखते हैं, जो शिक्षित एवं डिजिटल साक्षर शैक्षणिक समुदाय निर्माण में विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालय/कंपनियों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन

क्र.स.	हस्ताक्षर प्राधिकरण	संस्थान विवरण	दिनांक
1	कुलपति, हकेवि	नाखोन रत्चासिमा राजभट विश्वविद्यालय, थाईलैंड (सरकारी संगठन)	10-09-2024
2	कुलपति, हकेवि	ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन	26-09-2024
3	कुलपति, हकेवि	टेलिकॉमनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड(टीसीआईएल), नई दिल्ली	24-01-2024
4	कुलपति, हकेवि	हरियाणा नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड(एचकेसीएल), पंचकूला	24-04-2024
5	कुलपति, हकेवि	भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी), दिल्ली (सरकारी संगठन)	20-01-2025
6	कुलसचिव, हकेवि	मेसर्स आरसीआईसीओ लिवेबल सेवन ब्लू रिफॉर्म फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (आरसीआईसीओ-एफपीसीएल) (प्राइवेट)	14-02-2025
7	कुलपति, हकेवि	सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं उप सचिव, शिक्षा मंत्रालय (सरकारी)	14-02-2025

पेटेंट

क्र.स.	पेटेंट धारक का नाम	आवेदन संख्या	पेटेंट शीर्षक	स्थिति एवं वर्ष
1	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202511035926	इंप्रूव्ड माइक्रोन्यूट्रिएंट बायोअवेलेबिलिटी के साथ फर्मेंटेड अनाज-स्कम मिल्क प्रोडक्ट निर्माण पद्धति	प्रकाशित 2025 -05-02
2	डॉ. राकेश कुमार	202511035911 ए	क्लाउड फ्रेडरेशन में एफिशियंट जॉब डिस्ट्रिब्यूशन के लिए एक अडैप्टिव लोड-बैलेंसिंग सिस्टम	प्रकाशित 2025 -05-02
3	डॉ. राकेश कुमार	202511032147 ए	ऑप्टिमाइज्ड वर्चुअल मशीन ट्रेडिंग के लिए मल्टी-एट्रिब्यूट बेस्ड डबल ऑक्शन का सिस्टम	प्रकाशित 2025 -04-18
4	1 . डॉ. मुनीश मानस 2 . प्रो. राजेश कुमार दुबे 3 . श्री कार्तिकेय 4 . श्री संस्कार 5. श्री रजत यादव	202511023351	रिन्यूएबल एनर्जी इंटीग्रेशन और स्केलेबिलिटी के लिए डिजाइन किया गया इनोवेटिव हाइड्रोजन स्टोरेज सिस्टम	प्रकाशित 2025 -04-04
5	1 . डॉ. मुनीश मानस 2 . प्रो. राजेश कुमार दुबे 3 . श्री संस्कार 4 . श्री रजत यादव 5 . श्री कार्तिकेय	202511023291	एडवांस्ड इलेक्ट्रिक व्हीकल एप्लीकेशन के लिए हाइड्रोजन-पावर्ड फ्यूल सेल टेक्नोलॉजी	प्रकाशित 2025 -04-04
6	1.प्रो. राजेश कुमार दुबे 2.डॉ. मुनीश मानस 3.श्री रजत यादव 4.श्री कार्तिकेय 5.श्री संस्कार	202511023290	स्मार्ट ग्रिड एप्लीकेशन और आपदा प्रबंधन हेतु हाइड्रोजन चलित बैकअप एनर्जी सॉल्यूशन	प्रकाशित 2025 -04-04
7	1 . प्रो. राजेश कुमार दुबे 2 . डॉ. मुनीश	202511023289	एनर्जी ऑप्टिमाइजेशन के लिए AI-बेस्ड लोड बैलेंसिंग	प्रकाशित 2025 -04-04

	मानस 3 . श्री रजत यादव 4 . श्री कार्तिकेय 5 . श्री संस्कार		का इस्तेमाल से इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग नेटवर्क	
8	सुश्री दिव्या शर्मा डॉ . रणबीर सिंह	202511016207	हाई-स्ट्रेंथ वन-पार्ट जियोपॉलिमर कंक्रीट का मिक्स डिजाइन	प्रकाशित 2025 -03-14
9	डॉ. कल्पना चौहान	202511011827	क्रिकेट मैदान की सफाई हेतु ब्लोअर ड्रोन	प्रकाशित 2025 -02-28
10	डॉ. विनोद कुमार	202511002145	कार्बन डाइऑक्साइड को मूल्यवान ऑर्गेनिक कंपाउंड में परिवर्तन हेतु नए नैनोकम्पोजिट मटीरियल का विकास	प्रकाशित 2025 -01-24
11	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411104843	रेलवे कोच कपलिंग प्रक्रिया हेतु स्वचालित जीवन सुरक्षा प्रणाली	प्रकाशित 2025 -01-10
12	अंशु शर्मा	202411096892	बेहतरीन सुपर-कैपेसिटिव परफॉर्मेंस के लिए SE/G- C3N4/PPY नैनोकंपोजिट	प्रकाशित 2024 -12-20
13	रावत, डॉ. केशव सिंह शर्मा , तरुण	202411096013	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)-बेस्ड अनमैन्ड एरियल व्हीकल (UAV)-असिस्टेड रिमोट इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम एवं पद्धति	प्रकाशित 2025 -03-14
14	डॉ. अंशु शर्मा	202411095663	बेहतर सुपरकैपेसिटर परफॉर्मेंस के लिए नैनोकंपोजिट इलेक्ट्रोड मटीरियल तैयार करने का प्रोसेस एवं पद्धति	प्रकाशित 2025 -01-03
15	डॉ. मोनिका	202411093332	रियल-टाइम ग्रोथ मॉनिटरिंग के साथ एक एडवांस्ड सीड जर्मिनेशन एनालाइजर	प्रकाशित 2025 -01-17

			सिस्टम एवं पद्धति	
16	डॉ. मोनिका	202411093330	सटीक तापमान नियंत्रण के साथ एक स्मार्ट बीज निष्क्रियता ब्रेकिंग उपकरण	प्रकाशित 2025 -01-17
17	कुलसचिव, केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा	202411086663	डाई इंडस्ट्रीज के वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट के लिए SMO/G-C3N4 नैनोकंपोजिट्स	प्रकाशित 2024 -11-22
18	1) विनोद कुमार 2) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411072872	थियाजोलिल-पाइराजोल डेरिवेटिव्स की नई सीरीज का सिंथेसिस और कैरेक्टराइजेशन	प्रकाशित 2024 -10-11
19	डॉ. अंशु	202411077801	मैग्नीशियम ऑक्साइड/ग्राफ़िटिक कार्बन नाइट्राइड/पॉलीपाइरोल (MGP) टर्नरी कम्पोजिट एवं विधि	प्रकाशित 2025 -01-24
20	डॉ. मुलाका मारुति, सुश्री, नीतू कुमारी, रितिका मित्तल, नैन्सी गुप्ता	202411075904	एक फ्लोरोसेंट नैनोक्लस्टर तथा संश्लेषण की विधि	स्वीकृत 2025 - 05-02
21	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411072033	न्यूट्री फॉग ब्रेड	प्रकाशित 2024 -10-11
22	1) विनोद कुमार 2) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411073327	2-(3,5-डाइमिथाइल-4-नाइट्रो-1एच-पाइराजोल-1वाईएल)-1-एरिलेथेनोन के लिए विलायक-मुक्त एवं हरित सिंथेटिक प्रोटोकॉल का विकास	प्रकाशित 2024 -10-11
23	1) विनोद कुमार 2) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411073329	एंटीलिंग कैंसर एजेंट के रूप में नए 3-METHYL-4- (3'-METHYLISOXAZOL-5'-YL)-1-ARYL-1H-PYRAZOL-5-OL	प्रकाशित 2024 -10-11

			डेरिवेटिव का विकास	
24	1) विनोद कुमार 2) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411073321	नए 3-METHYL-4-(3'- METHYLISOXAZOL- 5'-YL)-1-ARYL-1H- PYRAZOL-5-OL डेरिवेटिव्स का सिंथेसिस और कैरेक्टराइजेशन	प्रकाशित 2024 -10-11
25	1) विनोद कुमार 2) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411073093	DNA सुरक्षा के लिए उभरते UV मॉलिक्यूलर फिल्टर के रूप में BIS-पाइराज़ोल्स	प्रकाशित 2024 -10-11
26	1) विनोद कुमार 2) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411073140	नए 3,5 डाइमिथाइलपाइराज़ोल लिंकड 1,3,4- ऑक्साडियाज़ोल डेरिवेटिव्स के सिंथेसिस के लिए रीजियोसेलेक्टिव और मैकेनोकेमिकल सॉल्वेंट-फ्री प्रोटोकॉल	प्रकाशित 2024 -10-11
27	1) विनोद कुमार 2) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411073062	DNA सुरक्षा के लिए असरदार UV-एब्जॉर्बर के तौर पर थियाज़ोलिल पाइराज़ोल्स का विकास	प्रकाशित 2024 -10-11
28	1) विनोद कुमार 2) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411073035	2-(ब्रोमोसब्सिट्यूटेड एरिलैमिनो)-4- एरिलिथियाज़ोल्स की नई सीरीज़ का सिंथेसिस और कैरेक्टराइजेशन	प्रकाशित 2024 -10-11
29	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411071977	बायोडिग्रेडेबल मटर फली प्लेट्स	प्रकाशित 2024 -10-11
30	मयंक किंगर, सुदीप ढिल्लों, प्रियंका रानी, ममता चहल, गिन्ना कुमारी, विनोद कुमार	202411071289	एल्काइलेटेड इमिडाज़ोल डेरिवेटिव्स के डाइफ्लोरिनेशन की प्रक्रिया	प्रकाशित 2024 -10-04

31	1.सविता 2.हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411068506	गिलोय की रोटी	स्वीकृत 2025 - 07-01
32	डॉ. मनोज कुमार गुप्ता	202411066472	“एक नवीन एलांरिक कैंसर यौगिक और निर्माण विधि ”	2024 -09-04 आवेदित
33	1) विनोद कुमार 2) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411060370	2-(ब्रोमोसब्स्टीट्यूटेड एरिलैमिनो)-4- एरिलिथियाजोलस का नए एंटी-लंग कैंसर एजेंट के रूप में विकास	प्रकाशित 2024 -09-27
34	विनोद कुमार, अमन कुमार, एकता, मनोज कुमार गुप्ता, मुलाका मारुति, मेटल ब्रह्मा	202411060410	(ई)-4-(2-(4-क्लोरो-3-(ट्राइफ्लोरोमेथिल)फेनिल)हाइड्राजोनो)-5-मिथाइल-2- (4-फेनिलथियाजोल-2- वाईएल)-2,4-डाइहाइड्रो- 3एच-पाइराजोल-3-वन नए एंटी-लंग कैंसर एजेंट के रूप में	प्रकाशित 2024 -08-30
35	डॉ. मनोज कुमार गुप्ता	202411059781	"एंटीकैंसर गुणों वाला एक नया बेंजामाइड डेरिवेटिव और इसके सिंथेसिस का तरीका"	2024 -08-08 आवेदित
36	डॉ. अंकित कुमार शर्मा, डॉ. आकाश सक्सेना, डॉ. धीरज कुमार पलवलिया , डॉ. भानु प्रताप सोनी, प्रो. रमेश बंसल	202411052238	रियल-टाइम प्राइसिंग और पीक टाइम रिबेट के साथ इंटेलिजेंट डिमांड रिस्पॉन्स सिम्युलेशन सिस्टम	प्रकाशित 2024 -07-06
37	डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. नीरज कुमारी, डॉ. चंद्र मोहन, डॉ. अनूप यादव	202411051315	सीड कोटिंग बायोफिल्म कम्पोजीशन, निर्माण प्रोसेस और प्रोयोग	प्रकाशित 2024 -07-12
38	सत्येंद्र कुमार, नीलम मकवाना, सीमा,	202411038760	सेमीसिंथेटिक स्विटियामारिन एनालॉग्स	प्रकाशित 2024 -05-31

	दिनेश कुमार, राकेश के सिंधु, अमरीश के सिंधु, दिल प्रसाद सुब्बा, शिवांशु शर्मा			
39	1 . प्रो. विनोद कुमार 2 . हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411019486	नए 1,3,4-ट्राइसबस्टिट्यूटेड पाइराजोल-लिंकड शिफ बेस और उनके Cu(II) कॉम्प्लेक्स का सिंथेसिस और कैरेक्टराइजेशन	प्रकाशित 2024 -05-10
40	1 . प्रो. विनोद कुमार 2 . हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411019487	1,3,4-ट्राइसबस्टिट्यूटेड पाइराजोल-लिंकड शिफ बेस और उनके Cu(II) कॉम्प्लेक्स एंटीमलेरियल एजेंट के रूप में	प्रकाशित 2024 -05-10
41	1 . प्रो. विनोद कुमार 2 . हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411019469	3-मिथाइल-4-(3'-एरिल-1'-फेनिल-1h-पाइराजोल-4'-Y1)-मिथाइलिडीन-1-फेनिलपाइराजोलिन-5(4h)-ओन्स नए एंटी-लंग (A549) कैंसर एजेंट के रूप में	प्रकाशित 2024 -05-10
42	1 . प्रो. विनोद कुमार 2 . हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	202411019499	एंटी-लंग कैंसर एजेंट के रूप में नए 1,3,4-ट्राइसबस्टिट्यूटेड पाइराजोल-लिंकड शिफ बेस और उनके Cu(II) कॉम्प्लेक्स का विकास	प्रकाशित 2024 -05-10
43	1.डॉ. रमेश कटारिया 2.कुशल आर्य 3.अजय कुमार 4.डॉ. सुरिंदर सिंह 5.डॉ. रविंदर कुमार 6.प्रो. एसके मेहता 7.डॉ.	202411010268	कुशल डाई विघटन के लिए उत्प्रेरक के रूप में ZN-MOF@RGO का संयोजन और इसकी तैयारी विधि	स्वीकृत 2024 -09-09

	विनोद कुमार			
44	1 . डॉ. बबीता रानी 2 . डॉ. मनीष कुमार 3 . सुश्री सरिता कुमारी 4 . सुश्री संगीता	202411017159	बेहतर लर्निंग वातावरण हेतु इंटेलिजेंट क्लासरूम मैनेजमेंट सिस्टम	प्रकाशित 2024 -04-12
45	1 . सुश्री संगीता 2 . डॉ. नीलम शर्मा 3 . सुश्री सरिता कुमारी 4 . डॉ. मनीष कुमार	202411015665	ऑनलाइन परीक्षा में नकल का पता लगाना हेतु चेहरे के भावों पर आधारित	प्रकाशित 2024 -03-08
46	1. पद्मसेन शुभम 2. सौरभ कुमार 3.डॉ. स्नेहा गुप्ता 4.डॉ. सौरभ कुमार 5.नीलम सिंह 6.डॉ.विकास कुमार	418756-001	मिट्टी के संघनन में सुधार के लिए टैम्पर रॉड	स्वीकृत 09/08/2024
47	1. विभूति शर्मा, 2. आशीष सोलंकी 3. प्रो. प्रवीण कुमार 4. डॉ. दुष्यंत कुमार	468369-001	रसोई के सड़े कचरे से बायोचार बनाने के लिए सस्टेनेबल बायोचार भट्टी	प्रकाशित 04/08/2025
48	1. डॉ. आकाश प्रियदर्शी 2 . श्री अतुल कुमार राहुल 3 . डॉ. कुलदीप शर्मा 4 . डॉ. विकास कुमार 5 . इंजी. सुनयना	202431006177	पोर्टेबल वॉटर फ़िल्टर	प्रकाशित 30/01/2025

संकाय सदस्यों को प्राप्त महत्वपूर्ण पुरस्कार एवं सम्मान

क्र. स.	संकाय का नाम	प्रमुख पुरस्कार एवं सम्मान
1	प्रो. टंकेशवर कुमार, कुलपति हकेवि	टॉप प्रफोर्मिंग यूनिवर्सिटी इन हरियाणा
2		वर्ल्ड एजुकेशन कांग्रेस अवार्ड 2024
3		रोटरी चंडीगढ़ शिवालिक के मानद सदस्य के रूप में सदस्यता प्रमाण पत्र
4		उत्कृष्ट नेतृत्व पुरस्कार
5	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जांट-पाली महेंद्रगढ़	आईआईआरएफ रैंकिंग 2024
6	प्रो. रूपेश देशमुख	फेलो ऑफ महाराष्ट्र विज्ञान अकादमी, पुणे,
7		शीर्ष 1% अत्यधिक उद्धृत शोधकर्ता
8		प्रो. के.एस. भार्गव मेमोरियल पुरस्कार
9	प्रो. रंजन कुमार साहू	नेशनल अकाउंट्स स्टैटिस्टिक्स (ACNAS) पर सलाहकार समिति के सदस्य
10	डॉ. मोना शर्मा	सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति के लिए पुरस्कार
11	डॉ. विनीता मलिक	सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति का प्रमाण पत्र
12	डॉ. अनीता कुमारी	उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षण उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार
13	डॉ. रणबीर सिंह	सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार
14	डॉ. दुष्यंत कुमार	हैक4 पर्पस (पहला संस्करण)
15	डॉ. अनीता कुमारी	सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार
16	डॉ. नम्रता ढाका	इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट फेलोशिप, डीबीटी
17		अभिनव विज्ञान शिक्षण पुरस्कार, हकेवि
18	डॉ. अनीता	सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार (परियोजनाएँ), हकेवि
19	डॉ. विनोद कुमार	सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार (पेटेंट), हकेवि

विश्वविद्यालय के मुख्य फ्लैगशिप कार्यक्रम यूजीसी- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ में सन् 2016में सभी स्तरों पर शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) केंद्र की राष्ट्रीय फ्लैगशिप योजना के तहत प्रारंभिक संचालन किया गया। डॉ. प्रमोद कुमार और डॉ. सुरेंद्र सिंह को क्रमशः समन्वयक एवं सदस्य के रूप में पीएमएमएमएनएमटीटी का दायित्व सौंपा गया। वर्ष 2023 में, शिक्षा मंत्रालय (एमओई) ने एचआरडीसी और पीएमएमएमएनएमटीटी केंद्रों को एकीकृत किया ताकि एनईपी 2020 के उद्देश्य की प्राप्ति की जा सके तथा संपूर्ण क्षमता निर्माण प्रयासों का नाम मालवीय मिशन कर लोकप्रिय बनाया जाए। माननीय शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री- श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी ने 5 सितंबर 2023 को शिक्षक दिवस के अवसर पर मालवीय मिशन-शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) का शुभारंभ किया। उन्होंने एमएम-टीटीपी पोर्टल और एक सूचना विवरणिका लांच की। इस कार्यक्रम के तहत कुल 111 संस्थानों का चयन किया जिन्हें अब मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) कहा जाएगा तथा उनमें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक संस्थान है जिसमें यह प्रतिष्ठित यूजीसी-एमएमटीटीसी संचालित है। इस योजना के नवीन चरण का मुख्य उद्देश्य मुख्य शिक्षा संस्थानों के संकाय सदस्यों को कोर एनईपी 2020 थीम और एफआईपी, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, संक्षिप्त कार्यक्रम आदि सहित संकाय विकास कार्यक्रमों के बारे में उन्मुखीकरण और जागरूकता परक का प्रशिक्षण देना है। हकेवि के शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह को यूजीसी-एमएमटीटीसी, हकेवि का क्रमशः निदेशक एवं उप-निदेशक नियुक्त किया गया है। एमएमटीटीसी, हकेवि ने माननीय कुलपति के कुशल मार्गदर्शन में सत्र 2024-25 के दौरान उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों एवं शोधार्थियों हेतु कई शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए।

दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र / व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग

हमारे दूरदर्शी एवं उर्जावान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ऐसे कई परिश्रमी युवाओं के लिए आशा की किरण हैं जो पढ़ने के इच्छुक हैं परंतु गरीब एवं पिछड़ेपन के कारण निजी इकाइयों द्वारा प्रदत्त महंगी

तकनीकी शिक्षा का खर्च वहन नहीं उठा सकते हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी के कौशल भारत के सपने को साकार करने के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सकारात्मक प्रयासरत है तथा छात्रों का कौशल भारत पहल के प्रति रुझान हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य 'कौशल भारत' के दृष्टिकोण की प्राप्ति हेतु व्यापक पैमाने पर तीव्रता एवं उच्च मानकों के साथ कौशल का विकास करना है।

दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र (डीडीयूकेके) के तहत तीन बी.वॉक. कार्यक्रम (खुदरा एवं रसद प्रबंधन, जैव चिकित्सा विज्ञान तथा औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन) जनवरी 2016 से संचालित किए गए। उपर्युक्त बी.वॉक के विद्यार्थियों को उद्योगों में रोजगार हेतु प्रस्ताव पत्र मिल रहे हैं तथा अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने और राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के तहत आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में पाठ्यक्रम पहलुओ, मूल्यांकन मानदंड एवं क्रेडिट प्रणाली के लिए संबंधित क्षेत्र कौशल परिषदों के दिशानिर्देशों तथा यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार परिभाषित रोजगार भूमिकाओं के लिए इंटरशिप भी कर रहे हैं। बी.वॉक. कार्यक्रम (खुदरा एवं रसद प्रबंधन, जैव चिकित्सा विज्ञान तथा औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन) के कौशल घटकों का मूल्यांकन एवं प्रमाणन क्रमशः रिटेलर्स एसोसिएशन की स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया (आरएससीआई), लाइफ साइंसेज सेक्टर स्किल डेवलपमेंट काउंसिल (एलएसएसएसडीसी) और स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स (एससीजीजे) द्वारा किया जाता है। हमें यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हमने संबंधित क्षेत्र कौशल परिषदों की निर्दिष्ट रोजगार भूमिकाओं के लिए एनएसक्यूएफ लेवल-4, लेवल-5 एवं लेवल-6 के मूल्यांकन में शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किए हैं। उपर्युक्त बी.वॉक प्रोग्राम में पाठ्यक्रम के कौशल घटक में शत-प्रतिशत परिणाम व्यक्त करता है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय विभिन्न चरणों में छात्रों को आवश्यक कौशल क्षमता प्रदान कर रहा है।

कार्यक्रमों के कौशल घटक की पाठ्यचार्या संबंधित क्षेत्र कौशल परिषद द्वारा विकसित की जाती है। हमने उद्योग भागीदारों एवं राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के परामर्श से पाठ्यचार्या अपनाया है। कौशल प्रशिक्षण, इंटरशिप एवं प्लेसमेंट के उद्देश्य से विभिन्न कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन भी हस्ताक्षरित हुए हैं। इसके अतिरिक्त, संबंधित क्षेत्र कौशल परिषदों द्वारा विकसित राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों के साथ पाठ्यचार्या कौशल घटकों का उचित समायोजन भी सुनिश्चित किया जाता है। पाठ्यचार्या की निगरानी/मूल्यांकन एवं अद्यतन समय-समय पर संबंधित क्षेत्र कौशल परिषद तथा

उद्योग भागीदारों के परामर्श से उनकी आवश्यकताओं एवं राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों में परिवर्तन के मद्देनजर किया जाता है।

बी.वॉक कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

- राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के दिशानिर्देशों के अनुसार कौशल-आधारित रोजगार उन्मुख स्नातक कार्यक्रम।
- संबंधित क्षेत्र कौशल परिषदों के योग्यता के अनुरूप पाठ्यक्रम को तैयार किया जाना।
- पर्याप्त संख्या में कंप्यूटर सिस्टम सहित सुसज्जित रूप से स्थापित रिटेल एवं ई-रिटेल प्रयोगशाला।
- समय-समय पर औद्योगिक भ्रमण एवं उद्योगों से चर्चा उपरांत व्यापक व्यावहारिक एवं कार्यरत प्रशिक्षण।
- कार्यक्रम में अग्रणी कंपनियों के साथ उद्योग भागीदारी है जिसे समय-समय पर नवीनीकृत किया जाता है।
- रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए उद्योग-विशिष्ट कौशल
- उद्यमशीलता की पहल को सक्षम करने के लिए व्यावसायिक कौशल
- मल्टीपल एगजिट्स जैसे प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा।

दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र की उपर्युक्त सूचना विभिन्न स्तरों पर उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार कुशल जनशक्ति के निर्माण हेतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थित केंद्र के बेहतर प्रदर्शन को दर्शाती है। इसके अतिरिक्त, हम विश्वविद्यालय तथा उद्योग के मध्य समन्वय, राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक एवं औद्योगिक जरूरतों की पूर्ति हेतु उपयुक्त रोजगार तथा उद्यमशीलता के गुणों को विकसित करने के लिए छात्रों के बीच पर्याप्त ज्ञान एवं कौशल सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ

पीठ के बारे में

यह पीठ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पाँच वर्षों के लिए स्थापित है तथा इसे दो वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है। इसका मुख्य उद्देश्य स्वामी दयानंद सरस्वती की आजीवन उपलब्धियों का प्रचार

एवं प्रसार करना है तथा इसका मुख्य उद्देश्य, वैदिक अध्ययन पर सेमिनार/कार्यशालाओं/समर स्कूलों एवं अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से उनके दूरदर्शी सामाजिक सुधारों का उपदेश देना है। साथ ही, पूरे देश और विदेश में अन्य विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थानों/पीठों द्वारा आयोजित ऐसी गतिविधियों में योगदान एवं प्रतिभागिता करना है। पीठ का उद्देश्य स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों, शिक्षाओं, दूरदर्शी मिशन एवं उपलब्धियों का प्रचार करना है। इस पीठ ने उनमें से कुछ विषयों को शोध के लिए चुना है। पीठ में जिज्ञासु शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और छात्रों स्वागत है। पीठ का वैदिक संदर्भ पुस्तकालय सभी के लिए उपलब्ध है। कुछ प्रमुख वैदिक शिक्षाएँ भी यहाँ प्रदर्शित की गई हैं।

पीठ के उद्देश्य

- स्वामी दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं को आम जनता के बीच लोकप्रिय बनाना और उनमें वैदिक-धर्म का कायाकल्प करना।
- दयानंद और उनके गुरु दंडी विरजानंद के कार्यों पर विभिन्न परियोजनाएं शुरू करना तथा वैदिक एवं संस्कृत साहित्य पर शोध को बढ़ावा देना।
- विभिन्न ग्रंथों में सन्निहित हमारी प्राचीन सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को उनके अनुवाद तथा शोध द्वारा प्रचारित करना।
- छात्रों को वैदिक संस्कृति के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना।
- स्वामी दयानंद, उनके मिशन तथा लेखन पर विभिन्न गतिविधियों अर्थात् व्याख्यान, कार्यशालाएं, सेमिनार, सम्मेलन आदि का आयोजन करना।

डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र

डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई), हरियाणा की स्थापना केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ में डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन (डीएएफ), भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तत्वावधान में अप्रैल 2022 में की गयी। वर्तमान में डीएसीई- ह.के.वि. के प्रशासनिक भवन की दूसरी मंजिल पर स्थित है, जिसका उद्घाटन दिनांक 1 अक्टूबर को श्रीमती सुनीता दुग्गल, सांसद, सिरसा, एवं माननीय कुलपति, प्रो (डॉ.) टंकेश्वर कुमार की गरिमामय उपस्थिति में किया गया। डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (डीएसीई-सीयूएच) केंद्र का उद्देश्य कुल 100 एससी

छात्रों को यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए सर्वोत्तम एवं मुफ्त कोचिंग सुविधाएं प्रदान करके अनुसूचित जाति (एससी) के छात्रों को सशक्त बनाना है।

लक्ष्य

डीएसीई-सीयूएच द्वारा प्रदत्त निःशुल्क कोचिंग न केवल अनुसूचित जाति के छात्रों को ऐसी परीक्षाओं में शामिल होने के लिए प्रेरक होगी, बल्कि सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए अर्हता प्राप्ति में उनके तैयारी कौशल में भी सुधार करेगी। इस कोचिंग में युवा अभ्यर्थियों के लक्ष्य की पूर्ति हेतु योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों द्वारा भली-भांति डिज़ाइन की गई नियमित कक्षाएं शामिल हैं।

उद्देश्य

- सिविल सेवा परीक्षाओं सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए युवा उम्मीदवारों को जागरूक और प्रेरित करना।
- विभिन्न शिक्षाशास्त्रों के माध्यम से योग्य एवं अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा छात्रों को प्रशिक्षित करना।
- प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने के लिए छात्रों की प्रतिभा का दोहन करना।
- छात्रों को अपने करियर में बेहतर अवसर प्राप्त करके समाज को अग्रसर व सेवा करने के लिए सशक्त बनाना।

डीएसीई की कार्यप्रणाली

छात्र राष्ट्रव्यापी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से डीएसीई केंद्र में प्रवेश ले सकते हैं। यह योजना केवल अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों हेतु उपलब्ध है। डीएसीई योजना में पहले से लाभांशित अभ्यर्थी आवेदन करने के लिए पात्र नहीं हैं। इस योजना के लिए उपलब्ध सीटों की कुल संख्या 100 है जो सामान्य प्रवेश परीक्षा के अंकों के आधार पर भरी जाती है। 33% सीटें एससी वर्ग की महिला अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं। पूर्णकालिक नियमित कक्षाएं 1 अक्टूबर 2022 को प्रारंभ हुई थी। अभ्यर्थी के प्रदर्शन के मूल्यांकन हेतु प्रत्येक माह मॉक टेस्ट/टेस्ट सीरीज पर आधारित सतत् मूल्यांकन किया जाता है। छात्रों को शिक्षण हेतु तीन फैकल्टी की आवश्यकता है। डीएसीई-सीयूएच में संकाय सदस्यों का चयन एवं नियुक्ति राष्ट्रव्यापी विज्ञापन के माध्यम से साक्षात्कार उपरांत किया जाता है।

विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली

विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली में पाँच पुस्तकालय हैं जो हैं:- पंडित, डॉ. दीनदयाल उपाध्याय (पीडीयू) केंद्रीय पुस्तकालय, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ (एसओईटी) पुस्तकालय, शिक्षा पीठ (एसओई) पुस्तकालय, विधि पीठ (एसओएल) पुस्तकालय, और डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीआईसी) पुस्तकालय। पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं हेतु सामुदायिक संपर्क एवं अधिगम का मुख्य स्थान है।

पुस्तकालय संग्रहण में प्रिंट एवं डिजिटल फॉर्मेट में एकेडमिक और पॉपुलर लिटरेचर की एक व्यापक श्रृंखला है। पुस्तकालय प्रणाली के संग्रहण में 60,441 पुस्तकें, 6,973 ई-बुक्स, 18214 ई-जर्नल्स, 216 थीसिस, 36 मैगज़ीन, 17 प्रिंट जर्नल्स, 34 न्यूज़पेपर तथा 9 सॉफ्टवेयर/डेटाबेस शामिल हैं। पुस्तकालय में उपयोगकर्ताओं की मांग के अनुरूप नियमित रूप से नया संग्रहण शामिल किया जात है। प्रशिक्षित एवं योग्य स्टाफ़ के साथ पुस्तकालय उपयोगकर्ता एवं शोध केंद्रित सेवा प्रदान करती है। पुस्तकालय संभाव्य बेहतर सुविधाओं की पहुंच के साथ, शिक्षण, अधिगम, शोध एवं प्रकाशन क्रियाकलापों के अनुरूप शैक्षणिक एवं शोध आयोजनों का आयोजन किया जाता है।

आंकड़े

- पुस्तकालय: 5 (केंद्रीय एवं विभिन्न पीठों के पुस्तकालय सहित)
- सदस्य: 4500+
- पठन कक्ष: 18 (केंद्रीय पुस्तकालय में 3+2; छात्रावास में 7; 3+1 पीठ स्तरीय पुस्तकालय में प्रत्येक में 1; डीएसीई में 1)
- सीटे: 350 सीटें (लगभग)
- मुद्रित पुस्तक: 60,441
- शीर्षक: 23,568
- ई-बुक्स: 6,973

- ई-जर्नल्स: 18,214 (ओएनओएस ई-जर्नल्स सहित)
- प्रिंट थीसिस: 216
- ई-शोधगंगा पर अपलोड ई-थीसिस : 216
- इंस्टिट्यूशनल रिपॉजिटरी पर अपलोड डिसेटेशन/थीसिस: 216
- डॉटाबेस/सॉफ्टवेयर: 9
- सीडी-रोम: 509
- समाचार पत्र: 34
- इंस्टिट्यूशनल रिपॉजिटरी पर अपलोड दस्तावेज: 1750+
- आईआरआईएनएस पर अपलोड फैकल्टी प्रोफाइल: 194
- फैकल्टी के ओपन एक्सेस पेपर्स आईआरआईएनएस पर उपलब्ध : 588+
- आईआरआईएनएस पर सूचिगत/लिस्टेड हकेवि के 194 फैकल्टी के कुल प्रकाशन : 2328
- लाइब्रेरी द्वारा संचालित पाठ्यक्रम: 4
- प्रशिक्षित स्टाफ: 15
- पुस्तकालय द्वारा प्रशिक्षित शोधार्थी (आरपीई कोर्स के द्वारा): 600+
- हकेवि का एच-इंडेक्स: 78
- ड्रिलबिट प्लेजरिज्म चेक सबमिशन: 1003 यूजर्स द्वारा कुल 6602
- टर्निटिनप्लेजरिज्म चेक सबमिशन: 833 यूजर्स द्वारा 1968

कलेक्शन डेवलपमेंट: 2024-25 के दौरान,

- 30.92 लाख रुपये की 2195 मुद्रित पुस्तकें;
- 82,000 रुपये मूल्य की 17 प्रिंट पत्रिकाएँ ;

- ऑनलाइन संसाधन 44.53 लाख रुपये मूल्य के 9 डेटाबेस/सॉफ्टवेयर ;
- 44.53 लाख रुपये कीमत की 319 ई-पुस्तकों की खरीदी;
- वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन ई-जर्नल्स एससिबल - शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रदत्त 30 पब्लिशर्स से 13000

सहभागिता/सदस्यता: पुस्तकालय ने विभिन्न संसाधनों तक पहुंच हेतु डेलनेट, नई दिल्ली की संस्थागत सदस्यता ली है।

2024-25 में हेकेवि के पीएच.डी/पीजी विद्यार्थियों हेतु संचालित पाठ्यक्रम:

1. विभिन्न विभागों के शोधार्थियों हेतु “रिसर्च और पब्लिकेशन एथिक्स” पर दो क्रेडिट का यूजीसी-मैडेटेड कोर्स। प्रसिद्ध इंस्टिट्यूट/यूनिवर्सिटी के रिसोर्स पर्सन ने शोधार्थियों को शोध एवं प्रकाशन क्रियाकलापों को एथिकल रूप से संचालित करने का प्रशिक्षण दिया।
2. “कम्युनिकेशन स्किल्स एवं पर्सनैलिटी डेवलपमेंट”, मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम
3. “ओपन एक्सेस पब्लिशिंग”, मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम
4. “तनाव प्रबंधन”, मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

पुस्तकालय कार्यक्रम/एक्सटेंशन क्रियाकलाप: प्रयोगकर्ता समूह हेतु 20+ पुस्तकालय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जो है:- यूजर लिटरेसी प्रोग्राम, बुक एग्जिबिशन, कॉम्पिटिशन, एक्सटेंशन एक्टिविटीज, इंटरैक्टिव सेशन, पैनल डिस्कशन, इत्यादि। आयोजन का उद्देश्य पढ़ने की आदत को बढ़ाना तथा पुस्तकालय संसाधन, टूल्स, प्लेटफॉर्म, सर्विस इत्यादि का अत्यधिक प्रयोग करना है।

2024-25 में सुधार: 2024-25 के दौरान पुस्तकालय कार्य पद्धति में निम्न उन्नयन किए गए:

- नए पुस्तकालय भवन का निर्माण कार्य शुरू हुआ।
- वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना का क्रियाव्ययन, जिसके तहत 30 पब्लिशर्स के 13000 ई-जर्नल्स मिलेंगे।

- पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं हेतु 12 लाख+ ई-रिसोर्सेज के एक्सेस हेतु सीयूएच ई-लाइब्रेरी रिमोट एक्सेस ऐप ।
- एडवांस्ड रिमोट बारकोड स्कैनर के प्रयोग से केंद्रीय पुस्तकालय एवं 4 पीठों के पुस्तकालयों का स्टॉक सत्यापन किया । फलस्वरूप स्टॉक सत्यापन में समय, उर्जा एवं लागत की बचत।
- प्रथम बार, हकेवि के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के छात्र इंटरशिप प्रोग्राम के अंतर्गत पुस्तकालय से जुड़े तथा एमएलआईसी के छात्रों हेतु दैनिक-व्याख्यान सीरीज की शुरुआत ।
- स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु तीन मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों का संचालन किया गया ।

अंतर्राष्ट्रीय प्रोफेशनल दौरा:

- विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच, जून 2024 में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के निमंत्रण पर एक सप्ताह का दौरा सह कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी की लीडरशिप टीम के साथ प्रोफेशनल चर्चा हेतु दौरे पर गए ।
- सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने जून 2024 में इंडोनेशिया के जनाबद्रा यूनिवर्सिटी में सीएसआर एंड सस्टेनेबिलिटी पर आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन का अवॉर्ड प्राप्त किया।

केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

1. 20-27 नवंबर 2024/ नेशनल लाइब्रेरी वीक 2024 हकेवि के छात्रों एवं शोधार्थियों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन ।
2. 20 सितंबर 2024/ विधि के छात्रों/संकाय हेतु मनुपात्रा डॉटाबेस का प्रदर्शन।
3. 17 सितंबर 2024/स्कीफ्लो का ऑनलाइन प्रदर्शन।
4. 10 सितम्बर 2024/ “वित्तीय साक्षरता ” पर व्याख्यान।
5. 10 सितम्बर 2024/ “स्नातक उपरांत कैरियर” पर व्याख्यान।
6. 12 सितंबर 2024/ जोवे डॉटाबेस का ऑनलाइन प्रदर्शन।

7. 12 अगस्त 2024/ वन लाइब्रेरी वन सॉफ्टवेयर तथा सीयूएच ई- लाइब्रे वेब एवं मोबाइल एप्लिकेशन।
8. 7 अगस्त 2024/ संकाय/छात्रों हेतु शैक्षणिक प्रयोगशाला का प्रदर्शन।
9. 22 अप्रैल 2024/ पुस्तकालय स्टाफ के लिए नए ई-लाइब्रेरी वेब पोर्टल एवं मोबाइल एप्लिकेशन का प्रदर्शन।
10. 5 अप्रैल 2024/ परिचय कार्यक्रम: शैक्षणिक वर्ष 2024-25 (शीतकालीन सत्र) के नव प्रवेशित पीएचडी शोधार्थियों हेतु “रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स” पाठ्यक्रम।

विश्वविद्यालय छात्रावास

विश्वविद्यालय में बालिका (गर्ल्स) एवं बालक (बॉयज) हेतु सुसज्जित छात्रावास है। छात्रावास में अत्याधुनिक मेस, कैंटीन, व्यायमशाला, इनडोर गेम्स, कैफेटेरिया, वाई-फाई एवं पठन कक्ष जैसी मुख्य सुविधाएं हैं। छात्रावासों का विवरण निम्नवत है:

बालक (बॉयज) छात्रावास

क्र.स.	स्थान	क्षमता
1.	एस.एन. बोस बालक (बॉयज) छात्रावास	315
2.	एस. रामानुजन बालक (बॉयज) छात्रावास	315
3.	होमी जे. भाभा बालक (बॉयज) छात्रावास	315

बालिका (गर्ल्स) छात्रावास

क्र.स.	स्थान	क्षमता
1.	जानकी अम्मल बालिका (गर्ल्स) छात्रावास	315
2.	एपीजे अब्दुल कलाम बालिका (गर्ल्स) छात्रावास	315
3.	असीमा चटर्जी बालिका (गर्ल्स) छात्रावास	315
4.	कल्पना चावला बालिका (गर्ल्स) छात्रावास	315

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में योग्य मानव संसाधनों द्वारा सभी कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को आवश्यक चिकित्सा स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जाती है। केंद्र का उद्देश्य परिसर परिवार के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक स्वास्थ्य का उन्नयन एवं देख-रेख करना है।

दायित्व

- उपचारात्मक रोकथाम के साथ-साथ पुनर्वास स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करना;
- स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर विश्वविद्यालय समुदाय को परामर्श देना;
- चौबीस घंटे प्राथमिक चिकित्सा सुविधा प्रदान करना;
- यदि आवश्यक हो तो मरीजों को उच्च केंद्रों पर रेफर करना;
- जहां भी आवश्यक हो (24/7/365);, मरीजों को नजदीकी सिविल अस्पताल/सीएचसी/पीएचसी तक ले जाने के लिए एम्बुलेंस सेवा प्रदान करना
- जहां भी आवश्यक हो, टीकाकरण करना;
- बुनियादी औषधीय सहायता प्रदान करना;
- 24/7/365 आधार पर उपचारात्मक रोकथाम के साथ-साथ पुनर्वास स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करना;

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी

- डॉ. पूजा यादव, प्रभारी, विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र
- डॉ. रजत यादव, चिकित्साधिकारी
- डॉ. हीना यादव, चिकित्साधिकारी
- 1 नर्सिंग अधिकारी, 1 मेडिकल अटेंडेंट, 1 फार्मासिस्ट, 2 एमपीएचडब्ल्यू पुरुष और महिला, 1 लैब तकनीशियन, 1 कार्यालय परिचारक।

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र का बुनियादी ढांचा

- चिकित्सा अधिकारियों के लिए दो अलग-अलग कार्यालय अर्थात एक पुरुष चिकित्सा अधिकारी तथा एक महिला चिकित्सा अधिकारी।
- फार्मसी के लिए अलग कक्ष
- एक आपातकालीन कक्ष
- एक एक्स-रे कक्ष
- डायग्नोस्टिक लैब के लिए कक्ष
- ड्रेसिंग तथा ईसीजी कक्ष
- आईपीडी मरीजों के लिए अलग क वार्ड।
- योग और वैकल्पिक उपचारों के लिए कक्ष।
- वेलनेस क्लिनिक के लिए कक्ष।
- 24x7 एम्बुलेंस एवं आपातकालीन सेवाएँ उपलब्ध हैं।

प्रयोगशाला परीक्षण सुविधाएं

- किडनी फंक्शन टेस्ट
- जिगर कार्य परीक्षण
- वसा प्रोफाइल
- पूर्ण रक्त गणना
- रक्त समूह
- कैल्शियम
- सी - रिएक्टिव प्रोटीन

- रैंडम और फास्टिंग रक्त शर्करा
- डेंगू/टाइफाइड/मलेरिया
- मूत्र परीक्षण (नियमित एवं माइक्रोस्कोपी)

ओपीडी का समय: सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक

प्रयोगशाला का समय: सुबह 8:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक (रक्त नमूना लेने का समय सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक और परीक्षण रिपोर्ट का समय दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक)

आपातकालीन सुविधाएं : 24x7 आपातकालीन सुविधाएं उपलब्ध हैं

- रोस्टर के अनुसार आपातकालीन मामलों से निपटने के लिए स्वास्थ्य केंद्र में एक पेशेवर चिकित्सा प्रशिक्षित कर्मचारी की उपलब्धता।
- छुट्टियों के दिनों में भी परिसर में एक चिकित्सा अधिकारी की उपलब्धता एवं आपातकालीन रोस्टर के अनुसार कॉल पर हमेशा उपलब्धता।
- 24x7 एंबुलेंस सुविधाएं

जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा उत्पन्न जैव-चिकित्सा अपशिष्ट को मैसर्स मारुति बायो मेडिकल वेस्ट प्लांट, हेतमपुरा, भिवानी द्वारा एकत्र किया जाता है, जिसे हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त और अनुमोदित है, जो हरियाणा राज्य में स्थित सभी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के संबंध में जैव-चिकित्सा अपशिष्ट (प्रबंधन और हैंडलिंग) नियम प्रावधानों को लागू करने के लिए निर्धारित प्राधिकारी है।

स्वास्थ्य जागरूकता की ओर कदम

- चिरायु हॉस्पिटल और टीम महेन्द्रगढ़ द्वारा स्वास्थ्य जांच, दिनांक 12 अप्रैल 2024
- मेदांता हॉस्पिटल ने 5 सितंबर 2024 को मेगा हेल्थ कैंप लगाया।

- 23 सितंबर 2024 को विश्वविद्यालय के हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए स्वास्थ्य जांच ।
- 25 सितंबर 2024 को भेषज्ञ विज्ञान विभाग के साथ मिलकर “वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे” पर जागरूक रैली।
- नवंबर 2024 में रक्तदान शिविर ।
- 20 और 21 फरवरी 2025 को डेंटल चेकअप एवं माउथ हाइजीन जागरूकता कैंप का आयोजन ।
- 4 मार्च 2025 को रक्तदान शिविर ।
- पीएचसी पाली की चिकित्सा टीम द्वारा प्रत्येक माह के तीसरे मंगलवार को बच्चों के लिए टीकाकरण अभियान ।

स्वास्थ्य केंद्र नीति

1. ओपीडी सुविधाएं

- **स्थायी कर्मचारी एवं उनके आश्रित** - स्थायी कर्मचारियों और उनके आश्रितों को प्रयोगशाला सुविधाओं के साथ विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में ओपीडी सुविधा और दवाएं मुफ्त प्रदान की जाती हैं।
- **विश्वविद्यालय के छात्र** - विश्वविद्यालय के सभी वर्तमान छात्रों को प्रयोगशाला परीक्षणों के साथ-साथ ओपीडी सुविधाएं और दवाएं मुफ्त प्रदान की जाती है।
- **संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारी** - सभी संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों और उनके आश्रितों को ओपीडी सुविधाएं मुफ्त प्रदान की जाती है। स्टॉक में उपलब्ध दवा भी संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारियों को उनके आश्रितों के अलावा, उन्हें 3 दिनों के लिए उपलब्ध करवाई जाती है। इसके पश्चात मरीज को नजदीकी पीएचसी पाली अथवा सिविल अस्पताल, महेंद्रगढ़ में रेफर किया जाता है।

2. आपातकालीन सुविधाएं

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में 24x7 आपातकालीन सुविधा उपलब्ध है। गंभीर चोट की स्थिति में मरीज को विश्वविद्यालय के एम्बुलेंस से नागरिक अस्पताल महेंद्रगढ़ में निःशुल्क रेफर करने की सुविधा

है। पहले रोगी को प्राथमिक उपचार देकर उसके परिचित परिचारक या चिकित्सा कर्मचारी (यदि कोई परिचारक उपलब्ध नहीं है) के साथ रेफर किया जाता है।

3. एम्बुलेंस सेवाएँ

छात्रों और कर्मचारियों के लिए 24x7 उपलब्ध है।

4. स्वास्थ्य रिकॉर्ड बुक

स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर से परामर्श लेने के लिए कर्मचारियों और उनके आश्रितों की स्वास्थ्य रिकॉर्ड पुस्तकें उपलब्ध कराई जाती हैं। स्वास्थ्य रिकॉर्ड बुक का संरक्षण संबंधित कर्मचारी रखते हैं।

5. फार्मसी में दवा वितरण

मरीजों को ड्यूटी डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाएं दी जाती हैं। मरीज को बीमारी की गंभीरता के आधार दी जाती है, पर एक बार में 5 दिन से ज्यादा दवा नहीं दी जाती है। पुरानी बीमारी के मामले में 10 दिन की दवाएं दी जा सकती हैं। ड्यूटी डॉक्टर एक बार में एक महीने से अधिक का प्रिस्क्रिप्शन नहीं करते हैं। संविदा/आउटसोर्स स्टाफ के लिए डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन पर 3 दिन तक दवा दी जा सकती है। दवा वितरण को फार्मसी रिकॉर्ड रजिस्टर में दर्ज किया जाता है।

6. स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा कर्मचारी

स्वास्थ्य केंद्र पर दो चिकित्सा अधिकारी नियुक्त हैं। ड्यूटी रोस्टर इस प्रकार बनाया जाना चाहिए कि स्वास्थ्य केंद्र पर प्रतिदिन ओपीडी समय में कम से कम एक डॉक्टर उपलब्ध रहे और किसी भी आपातकालीन स्थिति में ओपीडी समय के बाद ऑन कॉल ड्यूटी पर उपलब्ध हो। मरीजों को दवाएँ, इंजेक्शन और ड्रेसिंग के लिए स्वास्थ्य केंद्र में कम से कम एक मेडिकल स्टाफ मौजूद होना चाहिए। एक एम्बुलेंस चालक सदैव स्वास्थ्य केंद्र पर उपलब्ध रहेगा। स्टाफ एवं डॉक्टर का ड्यूटी रोस्टर नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाता है। आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर को नोटिस बोर्ड पर और प्रत्येक छात्रावास में प्रदर्शित किया गया है और विश्वविद्यालय के प्रत्येक कर्मचारी को प्रसारित किया गया है।

7. अस्पतालों का पैनलीकरण

लाभार्थियों को गुणवत्तापरक चिकित्सीय सेवाओं की पहुंच हेतु हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के अस्पतालों का नाम पैनल में शामिल किया गया।

8. स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों का मासिक रिकॉर्ड

क्र. स.	महीना अप्रैल 2024 से मार्च 2025	पुरुष ओपीडी	महिला ओपीडी	आपातकालीन रोगी	ड्रेसिंग मरीज	आईपीडी	कुल	प्रयोगशाला परीक्षण
1.	अप्रैल 2024	1876	933	451	76	0	3336	89
2.	मई	1769	864	323	68	0	3024	72
3.	जून	847	381	150	40	0	1418	39
4.	जुलाई	1002	380	152	61	0	1595	46
5.	अगस्त	1878	876	347	94	0	3195	84
6.	सितम्बर	2507	1264	537	153	0	4461	168
7.	अक्टूबर	2570	1221	396	79	0	4266	99
8.	नवंबर	1906	1050	78	78	0	3112	38
9.	दिसंबर	1840	876	131	79	0	2926	109
10.	जनवरी 2025	1504	826	171	68	0	2569	81
11.	फरवरी 2025	2104	1143	316	83	0	3646	63
12.	मार्च 2025	2296	1209	406	110	0	4021	87

विभिन्न विभागों/प्रकोष्ठ/क्लब/सोसाइटी द्वारा आयोजित मुख्य कार्यक्रम

क्र.स.	शीर्षक	दिनांक	आयोजक/विभाग / प्रकोष्ठ / क्लब	प्रतिभागी/ लाभार्थियों की संख्या
अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय वेबिनार/सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएँ				
1.	“भारत में बुजुर्गों की भलाई” विषय पर सम्मेलन	24-25 मार्च, 2025	विधि विभाग	96
2.	सम्मेलन “भारत में बुजुर्गों की भलाई पर: भारत के विज्ञान में योगदान @2047”	24-25 मार्च, 2025	मनोविज्ञान विभाग	370
3.	“ कौशल विकास, रोज़गार और साक्षात्कार तैयारी” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	19-21 मार्च, 2025	टीपीसी	477
4.	कैंपस से कोर्टरूम पर वेबिनार	04 मार्च, 2025	विधि विभाग	55
5.	“सतत विकास हेतु सामग्री विज्ञान में प्रगति” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	13-15 फरवरी, 2025	भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग	200
6.	“वी द पीपल @75: नेविगेटिंग सोशल जस्टिस एंड ग्लोबल पीस” विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार	06-07 फरवरी, 2025	विधि विभाग	112
7.	महर्षि अगस्त्य का भारतीय वैज्ञानिक परम्परा में योगदान ” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	30 जनवरी, 2025	संस्कृत विभाग	70

8.	ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम और अधिकार संरक्षण अधिनियम पर सेमिनार	23 दिसंबर - 04 जनवरी, 2025	मनोविज्ञान विभाग	78
9.	“मैग्नेटोकैलोरिक प्रभाव और स्पिन-जाली अंतःक्रिया”	06 दिसंबर, 2024	भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग	50
10.	21वीं सदी नेतृत्व” विषय पर कार्यशाला	6 दिसंबर, 2024	समाजशास्त्र विभाग	92
11.	आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित “सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति कार्यक्रम”	12 नवंबर से 21 नवंबर, 2024	बिजनेस एवं प्रबंध अध्ययन पीठ	30
12.	आत्म सुरक्षा” पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सामाजिक रक्षा संस्थान , सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित	अक्टूबर से 23 अक्टूबर, 2024	समाजशास्त्र विभाग	55
13.	“पर्यटन सतत शांति और बेहतर भविष्य के लिए उत्प्रेरक के रूप में” विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	27 सितंबर, 2024	पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग	64
14.	“आत्महत्या रोकथाम” पर कार्यशाला	23 सितंबर से 27 सितंबर, 2024	मनोविज्ञान विभाग	163
15.	"विधिक शोध एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता" पर कार्यशाला	20 सितंबर, 2024	विधि विभाग	78

16.	“प्रशासनिक सेवाओं में प्रवेश” विषय पर पांच दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला	09 सितंबर से 13 सितंबर, 2024	समाजशास्त्र विभाग	83
17.	“भारत@2047” पर सम्मेलन	08 अगस्त, 2024	आत्मनिर्भर प्रकोष्ठ	50
18.	“प्लांट जीनोमिक्स और कोसंबी विज्ञान महोत्सव ” पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार श्रृंखला	31 जुलाई, 2024	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	128
19.	“शिक्षक शिक्षा और एनईपी 2020: संभावनाएं और चुनौतियां” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	जून – 11 जून, 2024	शिक्षक शिक्षा विभाग	100
20.	भारतीय ज्ञान परंपरा में श्रीमद्भागवत गीता ” विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	09 मई, 2024	हिंदी विभाग	91
21.	एक दिवसीय राष्ट्रीय योग सेमिनार का आयोजन “ भारतीय ज्ञान परंपरा ”	23 अप्रैल, 2024	योग विभाग	70
22.	संस्कृत - सप्ताह 2024” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	16 अगस्त से 22 अगस्त, 2024	संस्कृत विभाग	107
23.	SPSS और R 6 th एडिशन (SDASR) के प्रयोग से स्टैटिस्टिकल डेटा एनालिसिस पर एक सप्ताह की ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला	17-21 मार्च, 2025	सांख्यिकी	118
24.	नवआगतों के लिए दो दिन परिचय कार्यक्रम	6 अगस्त - 7 अगस्त, 2024	पत्रकारिता एवं जनसंचार	28
25.	अमर उजाला कैम्पस रोजगार आयोजन	18 अगस्त, 2024	पत्रकारिता एवं जनसंचार	25

26.	ग्राफिक्स और एनिमेशन पर एक दिवसीय कार्यशाला	10 सितंबर, 2024	पत्रकारिता एवं जनसंचार	32
27.	हिंदी दिवस	12 सितंबर, 2024	पत्रकारिता एवं जनसंचार	79
28.	इनडिजाइन एवं न्यूजपेपर प्रोडक्शन पर दो दिन की कार्यशाला	21 अक्टूबर - 22 अक्टूबर, 2024	पत्रकारिता एवं जनसंचार	64
29.	सोशल मीडिया पर विशेष व्याख्यान	23 अक्टूबर, 2024	पत्रकारिता एवं जनसंचार	21
30.	जनहित के लिए मीडिया और सूचना साक्षरता पर एक दिवसीय कार्यशाला सह वेबिनार	24 अक्टूबर, 2024	पत्रकारिता एवं जनसंचार	36
31.	पार्लियामेंट्री रिपोर्टिंग पर एक दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यशाला	19 नवंबर, 2024	पत्रकारिता एवं जनसंचार	46
32.	टेलीविजन न्यूज स्क्रिप्ट राइटिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला	28 नवंबर, 2024	पत्रकारिता एवं जनसंचार	58
33.	श्री सुनीत मुखर्जी, निदेशक जनसंपर्क, एमडीयू, रोहतक द्वारा राइटिंग स्किल्स पर विशेष व्याख्यान	18 दिसंबर, 2024	पत्रकारिता एवं जनसंचार	25
34.	फीचर राइटिंग और मीडिया में करियर और स्कोप पर स्पे विशेष व्याख्यान	3 दिसंबर, 2024	पत्रकारिता एवं जनसंचार	30

35.	ट्रांसजेंडर व्यक्ति अधिनियम पर दो दिवसीय कार्यशाला।	30 जनवरी - 31 जनवरी, 2025	पत्रकारिता एवं जनसंचार	184
36.	विश्व रेडियो दिवस	13 फरवरी, 2025	पत्रकारिता एवं जनसंचार	30
37.	अंतर-विभागीय खेल प्रतियोगिता	3 मार्च, 2025	रसायन विज्ञान	80
38.	विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के प्लेसमेंट हेतु दिल्ली ड्यूटी फ्री कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन।	3 अप्रैल, 2024	बी. वोक (खुदरा एवं रसद प्रबंधन), व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग	28
39.	“MERG ERP के तहत युवाओं को भविष्य की उद्यमशीलता हेतु तैयार करने के लिए कार्यशाला का आयोजन	15 मई, 2024	बी. वोक (खुदरा एवं रसद प्रबंधन), व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग	137
40.	विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के प्लेसमेंट हेतु UNIQLO (एक जापानी कंपनी) का ऑन कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित	21 मई, 2024	बी. वोक (खुदरा एवं रसद प्रबंधन), व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग	43

41.	“एनईपी 2020: कौशल विकास की ओर एक कदम” विषय पर प्रोफेसर तेज सिंह (आईजीयू मीरपुर) का विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित	22 मई, 2024	बी. वोक (खुदरा एवं रसद प्रबंधन), व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग	45
42.	विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के प्लेसमेंट हेतु <i>SG ग्रीन लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड (नॉर्थ ईस्टर्न कैरिंग कॉर्पोरेशन ग्रुप)</i> ने ऑन कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की।	24 अप्रैल, 2024	बी. वोक (खुदरा एवं रसद प्रबंधन), व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग	42
43.	बेसिक फाइनेंशियल लिटरेसी और इन्वेस्टर अवेयरनेस प्रोग्राम पर कार्यशाला का आयोजन	12 फरवरी, 2025	बी. वोक (खुदरा एवं रसद प्रबंधन), व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग	142
44.	श्री चेतन और श्री अमित शर्मा, प्रोजेक्ट एसोसिएट, वर्चुअल लैब्स, आईआईटी रुड़की द्वारा “वर्चुअल लैब्स” पर दो दिवसीय कार्यशाला।	02-03, सितंबर 2024	सिविल अभियांत्रिकी	58
45.	SAP2000 पर 3 दिवसीय कार्यशाला	19-21 सितंबर, 2024	सिविल अभियांत्रिकी	60

46.	सिंह, सीनियर डिज़ाइनर ग्राफ़िक्स इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स , दिल्ली, भारत द्वारा “ऑटोकैड सॉफ़्टवेयर” पर एक दिवसीय कार्यशाला।	24 सितंबर 2024	सिविल अभियांत्रिकी	49
47.	इंजीनियर्स डे मनाया गया	27 सितंबर, 2024	सिविल अभियांत्रिकी	100
48.	श्री अनिल कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, CCET, चंडीगढ़, भारत द्वारा तीन दिवसीय “ऑटोकैड वर्कशॉप- हैंड्स- ऑन-ट्रेनिंग”	17-19 अप्रैल 2025	सिविल अभियांत्रिकी	32
49.	अक्षय सुभाष मगर, वरिष्ठ तकनीकी इंजीनियर, MIDAS R&D केंद्र भारत द्वारा “MIDAS सिविल” सॉफ़्टवेयर पर दो दिवसीय कार्यशाला।	02-03 मई 2025	सिविल अभियांत्रिकी	35
50.	विश्व जल दिवस 02 अप्रैल, 2025 को आयोजित	02 अप्रैल, 2025.	सिविल अभियांत्रिकी	60

विश्वविद्यालय में आयोजित विस्तार/एक्सटेंशन व्याख्यान

क्र. स.	विशेषज्ञ एवं संस्थान का विवरण	व्याख्यान शीर्षक	दिनांक	आयोजक विभाग	प्रतिभागियों/ लाभार्थियों की संख्या
1.	प्रो . यशवीर सिंह , श्री लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय , नई दिल्ली	प्राचीन भारतीय संस्कृते: वर्तमान समय उपादेयता	2025- 03-25	संस्कृत	21
2.	डॉ रविंद्र कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोलोराडो बोल्डर, यूएसए	सेलुलर और डेवलपमेंट बायोलॉजी में वर्तमान प्रगति एवं करियर के अवसर	2025- 03-21	जैव रसायन विभाग	79
3.	श्री प्रभाकर कुमार वर्मा , हरियाणा तालाब एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण, पंचकूला में अध्यक्ष के सलाहकार तथा श्री राजीव कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक, ग्लोबल प्रोजेक्ट एंड एपीएसी रिजन, जीई वर्नोवा	आमंत्रित विशेषज्ञ ने दो व्याख्यान दिए	2025- 03-21	विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) सेल, और पर्यावरण अध्ययन विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि)	84
4.	प्रो. मनोज कुमार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड लिटरेरी क्रिएटिविटी के फ्यूजन पर एक्सपर्ट लेक्चर	2025- 03-21	अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग	36
5.	डॉ . रवि प्रभात , सहायक आचार्य ,	भारतीय ज्ञान परंपराया: अवधारणा	2025- 03-20	संस्कृत	70

	संस्कृत , पाली एवं प्राकृत विभाग , म . द . वि . रोहतक				
6.	डॉ. सुरेश चंद्र शुक्ल , मुख्य संपादक, स्पील दर्पण , नॉर्वे	विदेशी साहित्य और हिंदी	2025-02-19	हिंदी विभाग	40
7.	डॉ गीता राम नौटियाल , सीनियर साइंटिस्ट, सेलिनफिनिटी बायो, USA	पैथोजेनिसिटी आइलैंड को एंटीबैक्टीरियल थेरेपी के एजेंट में बदलना (अभ्युदय : विकसित भारत@2047 के लिए बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए एक इंटरनेशनल लेक्चर सीरीज)	2025-02-19	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	95
8.	डॉ . चित्रेश सोनी , सहायक आचार्य ,इग्नू, नई दिल्ली	महर्षि अगस्त्य का भारतीय वैज्ञानिक परम्परा में योगदान	2025-01-30	संस्कृत	51
9.	डॉ. सिद्धार्थ प्रताप, अंग्रेजी विभाग, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड एप्लाइड साइंसेज, जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा (यूपी)	लिटरेरी स्टडीज में रिसर्च, मेथड और इंकवायरी पर एक्सपर्ट लेक्चर	2025-01-24	अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग	30
10 .	प्रो रितु सप्रा , दिल्ली विश्वविद्यालय	“पब्लिकेशन एथिक्स” पर विशेषज्ञ व्याख्यान	2024-12-27	वाणिज्य विभाग	80
11	डॉ हुमिरा सोनाह	राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल,	2024-	विज्ञान, प्रौद्योगिकी,	50

	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि)	अकोदा के विद्यार्थियों हेतु हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग प्रोग्राम	12-18	अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) सेल, और जैव प्रौद्योगिकी विभाग	
12	1. प्रो. कमलजीत सिंह, कुलपति, मधुसूदन विधि, विश्वविद्यालय, कटक 2. प्रोफेसर सतीश कुमार, इग्नू दिल्ली 3. डॉ. प्रियंका झा , बीएचयू वाराणसी 4. डॉ. अनीश वी.पिल्लई , सीयूएसएटी चेन्नई	संविधान दिवस समारोह “ हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान ” और विशेषज्ञ वार्ता	2024- 11-26	विधि विभाग, डीएसडब्ल्यू और जिला प्रशासन, महेंद्रगढ़	250
13	श्री वैभव , अखिल भारतीय युवा के प्रमुख	श्री बिरसा मुंडा	2024- 11-25	डीएसडब्ल्यू	28
14	श्री जितेंद्र कुमार, हेड एचआर और आईआर, ओजेआई इंडिया पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड, नीमराना , अलवर , राजस्थान 2 श्री रवीश मित्तल, डिप्टी मैनेजर, मेंटेनेंस, ओजेआई इंडिया पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड, नीमराना , अलवर , राजस्थान	कोरूगेटिड बोर्ड पैकेजिंग में प्रगति	2024- 10-24	मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग	58
15	प्रोफेसर सुनील कुमा,	वित्तीय प्रबंधन के मूल	2024-	वाणिज्य विभाग	63

.	शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	सिद्धांत	10-23		
16	प्रो. जे.के. गोस्वामी , यूआईईटी, पंजाब विश्वविद्यालय	नैनो वर्ल्ड की यात्रा	2024-10-14	भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग	80
17	डॉ शोभना जीत, सहायक आचार्य, के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय	नवीन अपराधिक कानून	2024-09-30	विधि विभाग	80
18	डॉ. संजय सेन गुप्ता, पूर्व वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, निस्केयर, सीएसआईआर	जलवायु परिवर्तन पर विस्तृत व्याख्यान	2024-09-25	पर्यावरण अध्ययन विभाग	31
19	अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कवि/कवयित्रियाँ 1) पंकज प्रसून , लखनऊ 2) मान बर्धन कांठ , अकुर्दी , पुणे 3) यशपाल सिंह, मुंबई 4) मधु मिश्रा, नोएडा 5) सुरेश नीरव , नोएडा 6) डॉ रितु बाला , हकेवि	विज्ञानिका (कविता के जरिए विज्ञान को लोकप्रिय बनाना): कविता के संग भारतीय ज्ञान परम्परा में ज्ञान के रंग	23-09-2024	वेगश्री सेल (वैदिक गणित शोध रीति प्रकोष्ठ)	97
20	प्रो. एम. लक्ष्मणन , (विज्ञान श्री और शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता), प्रख्यात प्रोफेसर और डीएसटी-एसईआरबी	नॉनलाइनियर डायनेमिक्स के बेसिक्स	2024-09-04	गणित विभाग	100

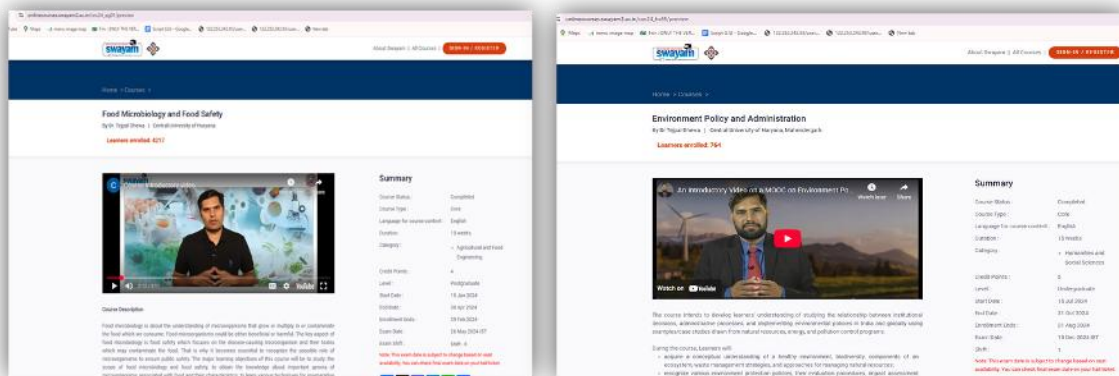
	राष्ट्रीय विज्ञान				
21	प्रो . बलवीर आचार्य , संस्कृत , पाली एवं प्राकृत विभाग ,म . द . वि . रोहतक	वैदिक साहित्य राजनीतिक सिद्धांतः	2024- 08-14	संस्कृत	36
22	प्रो . सुनीता तंवर , प्रबन्धन विभाग , हकेवि . महेन्द्रगढ़	एंटी रैगिंग प्रैक्टिसिज	2024- 08-13	संस्कृत	14
23	प्रो अश्विनी कुमार नंदा, अध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	केंद्रीय बजट 2024 का सार	2024- 07-26	अर्थशास्त्र विभाग	30
24	(1) डॉ. संजय कुमार, सह आचार्य, मनोविज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज , यूपी (2) तान्या शर्मा, शोधार्थी, मनोविज्ञान विभाग, हकेवि (3) डॉ. रवि प्रताप पांडे, सहायक आचार्य, मनोविज्ञान विभाग केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा, महेन्द्रगढ़ (4) डॉ. विष्णु एन. कुचेरिया , सहायक आचार्य, मनोविज्ञान विभाग, हकेवि	“ब्रेकिंग साइलेंसः विश्वविद्यालय छात्रों के मध्य मानसिक स्वास्थ्य के भ्रम को मिटाना	2024- 07-25	मनोविज्ञान विभाग	57
25	प्रो कुलदीप चंद अग्निहोत्री , पूर्व कुलपति, हिमाचल	सप्तसिंधु क्षेत्र में हिंदी भाषा का महत्व	2024- 07-22	हिंदी विभाग	37

	केंद्रीय विश्वविद्यालय,				
26	प्रो नवीन कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय; प्रो रिंतु शर्मा, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय; अजय पाल सिंह, हकेवि	दिव्यांगजनों के लिए योग का महत्व	2024-06-21	मनोविज्ञान विभाग	34
27	डॉ अम्लान बसु , यूनिवर्सिटी ऑफ़ स्ट्रेथक्लाइड, ग्लासगो, यूके	एआई का विकास तथा समकालीन अनुप्रयोग	2024-06-14	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	56
28	डॉ खेराज , सहायक आचार्य, हकेवि	विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष व्याख्यान: वसुधैव कुटुंबकम के दृष्टिकोण से	2024-06-05	एनसीसी	15
29	डॉ विपन कुमार परिहार , सह आचार्य एवं डीन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (निपर)	ब्रेन हेल्थ को बढ़ावा देने वाले फार्माकोलॉजिकल और डाइटरी इंटरवेंशन डेवलप करने पर विशेषज्ञ व्याख्यान	2024-05-10	भेषज विज्ञान विभाग	30
30	डॉ . इंदुबाला , शिक्षा विभाग , हकेवि, महेंद्रगढ़	विकसित भारत में महिलाओं की भूमिका	2024-04-25	संस्कृत	35
31	डॉ. सौरभ धीमान, साउथ डकोटा यूनिवर्सिटी ऑफ़ माइन्स एंड टेक्नोलॉजी	बायोट्रांसफॉर्मेशन रिएक्शन के लिए माइक्रोबियल बायोफिल्म पर विशेषज्ञ व्याख्यान	2024-04-25	पोषण जीव विज्ञान विभाग	113
32	लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन, सीओडी	सशस्त्र बलों में युवाओं को अवसर विशेषज्ञ	2024-	एनसीसी	44

.	जबलपुर	व्याख्यान	04-24		
33	श्री अनीस पूवाथी , सीईओ, एआईएफईआर शिक्षा, केरल, भारत	यूजीसी नेट पेपर 1 ओरिएंटेशन प्रोग्राम		मनोविज्ञान विभाग	200
34	प्रो. पीटर कॉम्बा, हीडलबर्ग यूनिवर्सिटी	बायो इस्पायरड नोनहेम आयरन ऑक्सीजन एक्टिवेशन	2024- 04-17	रसायन विज्ञान विभाग	118
35	डॉ. पलानीसाम्य शिवानंदी , इंटरनेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी, कुआलालंपुर, मलेशिया	“फार्माकोविजिलेंस, एडीआर एंड पेटेंट सेफ्टी” पर विशेष चर्चा	2024- 04-06	भेषज विज्ञान विभाग	28

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूक पाठ्यक्रम

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने खाद्य सूक्ष्मजीव एवं खाद्य सुरक्षा (एफएमएफएस) एवं पर्यावरण नीति एवं प्रशासन (ईपीए) पर मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक) (<https://swayam.gov.in/>) विकसित किए हैं, और इन्हें शिक्षा मंत्रालय (पहले एमएचआरडी) के स्वयंम पोर्टल पर सफलतापूर्वक होस्ट किया गया है। कोर्स कंटेंट की गुणवत्ता के पर शिक्षा मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने एफएमएफएस का 08 विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद एवं सबटाइटलिंग हेतु चुना था तथा यह यूजीसी ई-रिसोर्स पोर्टल पर उपलब्ध है। एफएमएफएस में, जनवरी-जून, 2024 एवं जनवरी-जून, 2025 सेमेस्टर के दौरान, कुल 6409 लर्नर्स; और ईपीए में, जुलाई-दिसंबर, 2024 सेमेस्टर में पूरे भारतवर्ष से 764 लर्नर्स ने विभिन्न विश्वविद्यालयों, संस्थानों और उद्योगों से नामांकन किया था संज्ञांत परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित की गई थी। इस स्वयंम मूक के माध्यम से अर्जित क्रेडिट को यूजीसी (स्वयंम के माध्यम से ऑनलाइन लर्निंग कोर्स हेतु क्रेडिट फ्रेमवर्क) रेगुलेशन, 2016/2021 के अनुरूप 50 से अधिक विश्वविद्यालयों/संस्थानों के छात्रों को सफलतापूर्वक अंतरण किया गया।



विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकोष्ठ/क्लब/सोसाइटी द्वारा आयोजित क्रियाकलाप

क्र. स.	कार्यक्रम शीर्षक	दिनांक	प्रतिभागियों/लाभार्थियों की संख्या
1.	कौशल विकास, रोजगार एवं साक्षात्कार की तैयारी हेतु सेमिनार	2025-03-19	477
2.	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग	2025-03-07	24
3.	रिज्यूमे निर्माण एवं साक्षात्कार कौशल	2025-02-12	129
4.	राष्ट्रीय गणित दिवस उत्सव	2025-04 से 05-02	120
5.	राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025	2025-01-24	107
6.	श्री बिरसा मुंडा	2024-11-25	28
7.	कैरियर लक्ष्य प्राप्ति के तरीके	2024-11-25	80
8.	संगीत प्रतिभा खोज/म्युजिक टैलेंट हंट प्रतियोगिता	2024-11-13	24
9.	अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस	2024-10-11	130
10.	“ स्वच्छता की भागीदारी ”	2024-09-25	33
11.	स्वच्छता ही सेवा-2024	2024-09-23	58
12.	विज्ञानिका - कवि सम्मेलन : कविता के संग ‘भारतीय ज्ञान परम्परा में विज्ञान’ के रंग	2024-09-23	89
13.	छात्र परिचन कार्यक्रम 2024 समापन सत्र	2024-09-20	50
14.	वेब विकास	2024-09-20	50
15.	इंटरनल स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन: ए गेटवे टू स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन-2024	2024-09-17	198
16.	हिंदी पखवाड़ा 2024	2024-09-14	1800
17.	डीबीएमएस कक्षाएं	2024-08-30	60

18.	युवामंथन 2024	2024-08-29	72
19.	फ्लैग ऑफ रैली	2024-08-13	200
20.	एंटी रैगिंग दिवस एवं एंटी रैगिंग सप्ताह	2024-08-12	200
21.	भारत@2047	2024-08-08	50
22.	नशे विरुद्ध म्यूजिक ड्रामा, लाइट एंड साउंड संदेश (राम गुरुकुल गमन)	2024-07-30	163
23.	कारगिल विजय दिवस की 25वीं जयंती	2024-07-26	14
24.	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में पुनश्चर्या कार्यक्रम	2024-06-14	55
25.	सामुंद्रीक जैव विविधता की सुरक्षा पर वाद-विवाद प्रतियोगिता	2024-06-08	13
26.	विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान: वसुधैव कुटुंबकम का दृष्टिकोण	2024-06-05	15
27.	9वां यूजीसी प्रायोजित 'एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम'	2024-06-03	135
28.	योग एवं ध्यान सत्र	2024-05-07	100
29.	आत्मरक्षा एवं साइबर क्राइम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	2024-05-03	67
30.	एलुमनी/पूर्व छात्र मिलन समारोह-2024	2024-04-27	129
31.	हिन्दी कार्यशाला 'राजभाषा हिंदी का क्रियान्वयन और विकास'	2024-04-25	22
32.	सशस्त्र बलों में युवाओं को अवसर विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान	2024-04-24	44
33.	सीक्वेंटम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एमसीए, एमएससी (डॉटा साइंस) एवं बीटेंक (सीएसई) (अंतिम वर्ष 2022-24 बैच) के लिए रोजगार अभियान ।	2024-04-18	137
34.	अमेंजिंग इंडिया मोनाटाईजेशन (एआईएम)	2024-04-17	57

35.	अंबेडकर जयंती समारोह	2024-04-14	55
36.	एनएसएस, हकेवि और चिरायु हॉस्पिटल महेंद्रगढ़ के तत्वावधान में विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में मुफ्त स्वास्थ्य जांच कैंप, शिशु रोग विशेषज्ञ/पीडियाट्रिक्स, स्त्री रोग विशेषज्ञ/गायनेकोलॉजी और फिजियोथेरेपी के तीन विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल रहे।	2024-04-12	74
37.	“नए भारत को सलाम” विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता	2024-04-01	14

विश्वविद्यालय के प्रकोष्ठ/क्लब/सोसायटी

क्र.स.	वर्तमान क्लब का नाम	गतिविधियों की प्रकृति	प्रस्तावित समन्वयक/संयोजक
1.	हरित परिसर स्वच्छ परिसर क्लब (जीसी 4)	विद्यार्थियों एवं जनता के मध्य पर्यावरण से जुड़ी विभिन्न समस्याओं तथा आस-पास के क्षेत्र की प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के बचाव हेतु जागरूक करना तथा पर्यावरण अनुकूल जीवन तरीकों का शिक्षण	प्रो. सुरेन्द्र सिंह
2.	साहित्यिक एवं पुस्तक पठन क्लब	विद्यार्थियों के मध्य पुस्तक पढ़ने का शौक बढ़ाना।	प्रो. बीर पाल सिंह यादव
3.	दिव्यांगजन हेतु प्रकोष्ठ	दिव्यांग छात्रों को चुनौतियों से निपटने में मदद कर उनकी तरक्की हेतु आवश्यक समर्थन प्रदान करना।	डॉ. धर्मपाल सिंह पुनिया
4.	एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईकेएसबी)	हमारे देश की विविधता में एकता का उल्लास मनाना तथा लोगों के मध्य भावनात्मक समझ को दृढ़ करना।	डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा
5.	ड्रग उन्मूलन प्रकोष्ठ	ड्रग मुक्त परिसर हेतु जागरूक करना।	डॉ. दिनेश कुमार
6.	सामुदायिक विकास केंद्र एवं यूबीए	उन्नत भारत अभियान की आवश्यकता के अनुरूप आयोजन करना।	प्रो. प्रमोद कुमार
7.	कला, संस्कृति एवं विरासत प्रचार हेतु समूह	छात्रों को कलात्मक, नाटक, सिनेमैटिक और एस्थेटिक गतिविधियों में प्रतिभागिता हेतु प्रात्साहित करने हेतु सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रसार एवं समन्वय करना।	डॉ. आरती यादव
8.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत क्रियाकलापों का समन्वय।	डॉ. प्रदीप कुमार
9.	ओबीसी प्रकोष्ठ	ओबीसी छात्रों की शिकायतों के निवारण हेतु जरूरी कदम उठाना।	डॉ. तेजपाल धेवा
10.	एससी/एसटी प्रकोष्ठ	एससी/एसटी छात्रों की शिकायतों के निवारण	डॉ. अंतर्देश कुमार

		हेतु जरूरी कदम उठाना।	
11.	विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी एवं गणित (एसटीईएम)	गणित विषय को बढ़ावा देना तथा विज्ञान एवं तकनीकी के कार्यक्रमों का आयोजन करना।	प्रो. राजेश कुमार गुप्ता
12.	महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ	जेंडर सेंसिटाइजेशन एवं महिला सशक्तिकरण हेतु क्रियाकलापों की योजना तैयार कर समन्वय एवं आयोजन करना।	डॉ. रेणु यादव
13.	एडवेंचर एंड ट्रेकिंग क्लब	योग एवं अन्य संबंधित क्रियाकलापों को संरक्षण, योजना एवं समन्वय करना।	डॉ. विकास सिवाच
14.	युवा रेड क्रॉस	यूथ रेड क्रॉस के तहत क्रियाकलापों का समन्वय।	प्रो. दिनेश चहल
15.	म्यूजिक क्लब	छात्रों में संगीत कौशल विकसित करना।	प्रो. सुनीता श्रीवास्तव
16.	मूवी क्लब	छात्रों को वैश्विक समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक समस्या के बारे जागरूक करना एवं वर्तमान परिदृश्य की मूवी थीम से संबंधित विचारों पर चर्चा हेतु प्लेटफॉर्म प्रदान करना।	डॉ. अशोक कुमार
17.	सतत् सामग्री को संरक्षण	स्थायी मटीरियल के पुनः प्रयोग के दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।	प्रो. हरीश कुमार
18.	चिंतन क्लब	ध्यान चिंतन के द्वारा छात्रों के बेहतर बौद्धिक एवं स्वस्थ स्तर के निर्माण में मदद करना।	प्रो. आनंद शर्मा

**विभिन्न विभागों /प्रकोष्ठ/क्लब/सोसाइटी द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण
कार्यक्रम/ संकाय विकास कार्यक्रम/ पुनश्चर्या कार्यक्रम /अभिविन्यास कार्यक्रम**

क्र. स.	कार्यक्रम शीर्षक	दिनांक	आयोजक विभाग/ प्रकोष्ठ/ क्लब/ सोसाइटी इत्यादि	प्रतिभागियों/लाभार्थियों की कुल संख्या
1.	संकाय प्रेरण कार्यक्रम (ऑनलाइन)	02/01/2025 – 29/01/2025	एमएमटीटीसी	58
2.	मूक विकास पर संक्षिप्त कार्यक्रम	28/11/2024 – 04/12/2024	एमएमटीटीसी	98
3.	कार्य पद्धति/मेथडोलॉजी पर संक्षिप्त कार्यक्रम (ऑफलाइन)	13/01/2025 – 18/01/2025	एमएमटीटीसी	30
4.	नेतृत्व विकास पर संक्षिप्त कार्यक्रम (ऑनलाइन)	13/02/2025 – 19/02/2025	एमएमटीटीसी	82
5.	कौशल विकास पर संक्षिप्त कार्यक्रम (ऑनलाइन)	03/03/2025 – 08/03/2025	एमएमटीटीसी	64
6.	सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी में पुनश्चर्या कार्यक्रम	05/06/2024 – 19/06/2024	एमएमटीटीसी	99
7.	विज्ञान/अभियांत्रिकी में पुनश्चर्या कार्यक्रम	14/06/2024 – 28/06/2024	एमएमटीटीसी	82
8.	अंतर्विषय जीवन विज्ञान	25/11/2024 –	एमएमटीटीसी	58

	में पुनश्चर्या कार्यक्रम	07/12/2024		
9.	उच्चतर शिक्षा में आर्टिफिशियल पर पुनश्चर्या कार्यक्रम	09/12/2024 – 21/12/2024	एमएमटीटीसी	168
10.	एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम	04/03/2024 – 13/03/2024	एमएमटीटीसी	65
11.	एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम	06/05/2024 – 15/05/2024	एमएमटीटीसी	64
12.	एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम	13/05/2024 – 22/05/2024	एमएमटीटीसी	90
13.	एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम	03/06/2024 – 12/06/2024	एमएमटीटीसी	93
14.	एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम	22/07/2024 – 31/07/2024	एमएमटीटीसी	50
15.	सामाजिक विज्ञान के संकाय सदस्यों हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम	22/07/2024 – 03/08/2024	वाणिज्य कर विभाग	30
16.	एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम	20/08/2024 – 30/08/2024	एमएमटीटीसी	74
17.	सामाजिक विज्ञान के संकाय सदस्यों हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम	14/10/2024 – 25/10/2024	शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग	30
18.	एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम	14/10/2024 – 22/10/2024	एमएमटीटीसी	55
19.	एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम	20/11/2024 – 29/11/2024	एमएमटीटीसी	60
20.	एनईपी अभिविन्यास एवं	16/12/2024 –	एमएमटीटीसी	54

	जागरूकता कार्यक्रम	24/12/2024		
21.	सामाजिक विज्ञान के संकाय सदस्यों हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम	23/12/2024 – 04/01/2025	मनोविज्ञान विभाग	30
22.	एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम	06/01/2025 – 15/01/2025	एमएमटीटीसी	120
23.	एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम	20/01/2025 – 29/01/2025	एमएमटीटीसी	103
24.	एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम	03/02/2025 – 12/02/2025	एमएमटीटीसी	79
25.	एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम	17/02/2025 – 26/02/2025	एमएमटीटीसी	49
26.	एनईपी अभिविन्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम	17/03/2025 – 26/03/2025	एमएमटीटीसी	82
27.	प्रतीभा चयन/ टेलेंट हंट	13/11/2024	संगीत क्लब	लगभग 50

विश्वविद्यालय में रिक्त पद

शिक्षण पदों का विवरण															
स्वीकृत पदों की संख्या															
	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		ईडब्ल्यूएस		दिव्यांगजन		कुल		
आचार्य	17		3		2		7		2		2		33		
सह-आचार्य	31		9		4		18		4		3		69		
सहायक-आचार्य	70		23		12		42		10		7		164		
कुल	118		35		18		67		16		12		266		
भरे गए पदों की संख्या															
	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		ईडब्ल्यूएस		दिव्यांगजन		कुल		
	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	कुल
आचार्य	12	4	2	1	1	0	4	1	0	0	0	0	19	6	25
सह-आचार्य	25	6	6	0	1	1	5	2	0	0	1	0	38	9	47
सहायक-आचार्य	37	23	16	4	8	3	27	12	7	1	6	1	101	44	145
कुल	74	33	24	5	10	4	36	15	7	1	7	1	158	59	217
रिक्त पदों की संख्या															
	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		ईडब्ल्यूएस		दिव्यांगजन		कुल		
आचार्य	1		0		1		2		2		2		8		
सह-आचार्य	0		3		2		11		4		2		22		
सहायक-आचार्य	10		3		1		3		2		0		19		
कुल	11		6		4		16		8		4		49		

2024-25 के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की कुछ झलकियाँ



हकेवि में विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्य अतिथि प्रो. मैथिली शरण व विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य



हकेवि में डिस्टेंस एजुकेशन प्रोग्राम की विवरणिका जारी करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार इंडिया डिडैक्टिव्स एसोसिएशन (आईडीए) पुरस्कार 2024 प्राप्त कर



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव



मध्य प्रदेश के लिए रवाना होने से पूर्व विद्यार्थी विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ



अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



हकेवि पहुँचे पश्चिम बंगाल के विद्यार्थी कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ



प्रो. पीटर कोम्बा को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



सांसद धर्मवीर सिंह को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



हकेवि में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



इंटर डिपार्टमेंट टूर्नामेंट सीजन-4 के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि प्रो. सुनील कुमार, अतिथिगण एवं खिलाड़ी



हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार आईडीए पुरस्कार 2024 के साथ



हकेवि पहुँचे मध्य प्रदेश के विद्यार्थियों का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



दीक्षारंभ कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



हिंदी कार्यशाला के अवसर पर उपस्थित कुमार पाल शर्मा, नराकास सदस्य व विश्वविद्यालय सदस्य



एलुमनी मीट में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ पूर्व विद्यार्थी



वित्तीय साक्षरता पर केंद्रित कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. मैथिली शरण को स्मृति चिह्न भेंट करते विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ विशेषज्ञ एवं आयोजक



अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की विवरणिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि श्री सुरेश जैन को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



शिविर में स्वास्थ्य की जाँच कराते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



समझौता ज्ञापन हस्तांतरित करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार व श्री आर.के. मिश्रा



प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



हकेवि में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य



ओरिएंटेशन कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. एन.पी. गिरी का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को अवॉर्ड सौंपते हुए कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार



औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के साथ डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा, डॉ. दिव्या व डॉ. भूषण सिंह



समझौता ज्ञापन हस्तांतरित करते हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व एनआरआरयू प्रेसिडेंट अडिसोर्न नवानोन्धा



स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण देती हकेवि की टीम



हकेवि में आयोजित एलुमनी मीट में पूर्व विद्यार्थी विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार के साथ



स्वच्छता रैली को हरी झंडी दिखाते कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार



स्पंदन 2025 ओवरऑल ट्रॉफी सीडीएलयू सिरसा की टीम को प्रदान करते हकेवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार



कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. मार्कंडेय आहुजा को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार



हकेवि में ई-बैटरी चलित कार्ट की शुरुआत के अवसर पर उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य अधिकारी



हकेवि में आयोजित दसवें दीक्षांत समारोह में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



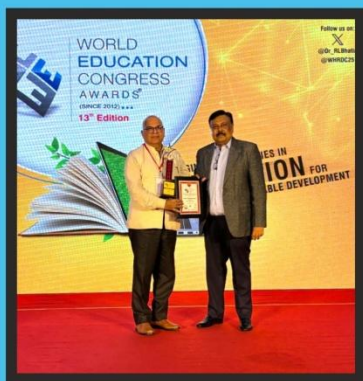
हकेवि में स्वच्छता की भागीदारी जागरूकता रैली में प्रतिभागिता करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



हकेवि में स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



पुरस्कार विजेताओं के साथ सांसद धर्मवीर सिंह व कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड ग्रहण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



आईवाईवीएफ सम्मान प्राप्त करने के बाद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से भेंट करती डॉ. नम्रता ढाका। साथ में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार



समझौता हस्तांतरित करते हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व श्री संजय जाखड़



प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त सुश्री लिंडे कैमरून से पुरस्कार प्राप्त करते हुए



गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा फहराते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अमित्व सेन गुप्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



हकेवि के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में प्रो. नीलिमा गुप्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता आस्ट्रिया के प्रो. गेरफ्रिड जंगमेयर का स्वागत करते प्रो. गुंजन गोयल



विज्ञान दिवस के अवसर पर साईंस शो करते हुए श्री दिनेश मलिक



स्पोर्ट्स 2025 का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार



विश्वविद्यालय परिसर में स्पोर्ट्स स्टोर का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार